रजिस्ट्री सं. डीएल—(एन) 04/0007/2003--24 REGISTERED No. DL—(N) 04/0007/2003—24

सत्यमेव जयते

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-सा.-09112024-258550
CG-DL-W-09112024-258550

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 45] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 9—नवम्बर 15, 2024 (कार्तिक 18, 1946)
No. 45] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 9—NOVEMBER 15, 2024 (KARTIKA 18, 1946)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

	पृष्ठ सं.
भाग I—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं.	541
भाग I—खण्ड-2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.	1111
भाग I—खण्ड-3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.	1
भाग I—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.	4183
भाग II—खण्ड-1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम.	*
भाग II—खण्ड-1क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ.	*
भाग II—खण्ड-2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट.	*
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं).	*
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं.	*
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं).	*
भाग II—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश.	*
भाग III—खण्ड-1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.	3689
भाग III—खण्ड-2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेन्टों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस	*
भाग III—खण्ड-3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.	*
भाग III—खण्ड-4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं.	9
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस.	4545
भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूरक.	*

*आंकड़े प्राप्त नहीं हुए।

CONTENTS

	Page No.
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	541
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	1111
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	1
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	4183
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*
PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi language, of Acts, Ordinances and Regulations	*
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	3689
PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	*
PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	9
PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	4545
PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*

*Folios not received.

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 अगस्त 2024

सं. 106-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, तेलंगाना पुलिस के निम्नलिखित कार्मिक को राष्ट्रपति का वीरता पदक (पीएमजी) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री चादुवु यादय्य	हेड कांस्टेबल	राष्ट्रपति का वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 25.07.2022 को हुई "लूटपाट" के मामले में, लगभग 1900 बजे, आर.सी. पुरम को 72 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक, श्रीमती के. कथ्यायिनी से एक याचिका प्राप्त हुई, जिसमें उन्होंने बताया कि दिनांक 25.07.2022 को, जब वे एचआईजी कार्यालय से अपने निवास की ओर जा रहीं थीं, तब, मोटरसाइकिल पर सवार दो कुख्यात व्यक्तियों नामत: ईशान निरंजन नीलमनाल्ली और राहुल ने उनकी सोने की चेन छीन ली। उन्होंने बहादुरी से चेन का एक हिस्सा पकड़े रखा, लेकिन इसमें उन्हें चोटें आईं। लुटेरे उनकी सोने की चेन का एक बड़ा हिस्सा लेकर भागने में सफल रहे।

श्री चादुवु यादय्य, हेड कांस्टेबल ने लूटपाट करने वाले अपराधियों को पकड़ने के लिए तुरंत एक ऑपरेशन चलाया। इसमें एम. रवि, पुलिस कांस्टेबल और ए. धेबेश, पुलिस कांस्टेबल ने उनकी सहायता की। उन्होंने सीसीटीवी फुटेज सहित सावधानीपूर्वक सबूत जुटाए और अपराधियों की पहचान की, जो कि विशिष्ट कपड़े पहने हुए थे और अपने अपराधों के लिए मोटरसाइकिल का इस्तेमाल कर रहे थे। सूचना को तुरंत अन्य पुलिस स्टेशनों के साथ साझा किया गया।

दिनांक 26.07.2022 को श्री एम. कृष्णा, पुलिस कांस्टेबल ने बोलाराम एक्स रोड पर अपराधियों की गतिविधि देखी। श्री चादुवु यादय्य, हेड कांस्टेबल और उनकी टीम मौके पर पहुंची और संदिग्धों को पकड़ने की कोशिश की। इस कार्रवाई के दौरान अपराधियों ने श्री चादुवु यादय्य, हेड कांस्टेबल पर चाकू से कई बार जानलेवा हमला किया और उनके सीने, शरीर के पिछले हिस्से, बाएं हाथ और पेट में गंभीर चोटें आईं। तथापि, पुलिस टीम ने उल्लेखनीय साहस का परिचय दिया और दोनों आरोपियों को पकड़ने में सफल रही।

श्री चादुवु यादय्य, हेड कांस्टेबल को उनकी गंभीर चोटों के कारण 17 दिनों तक अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा। इस घटना से पहले, लुटेरों ने कर्नाटक के गुलबर्गा जिले के अशोक नगर पुलिस स्टेशन क्षेत्र में आतंक मचाया हुआ था। उन्होंने लोगों से कीमती सामान लूटा हुआ था, जिसके परिणामस्वरूप उनके खिलाफ कई मामले दर्ज थे। इन अपराधियों ने विगत में भी हिंसा की थी और उन्होंने एक चौकीदार को भी लोहे की रॉड से धमकाया था।

चुनौतीपूर्ण इलाके और बार-बार हमलों के बावजूद पुलिस अधिकारियों के दृढ़ संकल्प के चलते लूटपाट करने वाले खतरनाक अपराधियों, ईशान निरंजन नीलमनाल्ली और राहुल को गिरफ्तार कर लिया गया। बाद की जांच में कई अपराधों में उनकी संलिप्तता का पता चला और सोने के आभूषणों, हथियारों और मोबाइल फोन सहित चोरी के सामान की बरामदगी उनकी आपराधिक गतिविधियों को साबित करती है।

इस ऑपरेशन में, तेलंगाना पुलिस के श्री चादुवु यादय्य, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

राष्ट्रपति का वीरता पदक (पीएमजी), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 84-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 26.07.2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/34/2024 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 107-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, आंध्र प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	शेख सरदार गनी	निरीक्षक	वीरता पदक
2.	सव्वाना अरुण कुमार	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
3.	मायलापल्ली वेंकटा रामा परदेसी नायडू	रिजर्व उप-निरीक्षक	वीरता पदक
4.	राजाना गौरी शंकर	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 20.02.2023 को, विभिन्न स्रोतों से सिलेरू पीएस सीमा, अलूरी सीथारामा राजू जिले के तहत वलसागेडा और वलसापल्ली गांवों (गलीकोंडा-गुरथेडु क्षेत्र) के बीच वन क्षेत्र में एओबीएसजेडसी के शीर्ष कैडर उदय (सीसीएम), अकुना, सुरेश, टेक. शंकर, जगन (एसजेडसीएम) सहित माओवादियों/मिलिशिया की गतिविधि तथा इस बात की पुख्ता जानकारी मिली कि वे सुरक्षा बलों पर हमला करने और क्षेत्र में राजनीतिक नेताओं और अपने लक्षित व्यक्तियों की हत्या करने के लिए अपनी गतिविधियों को फिर से संगठित कर रहे हैं। तदनुसार, निरीक्षक शेख सरदार गनी, उप-निरीक्षक सव्वाना अरुण कुमार, रिजर्व उप-निरीक्षक मायलापल्ली वेंकटा रामा परदेसी नायडू और हेड कांस्टेबल राजाना गौरी शंकर जिला विशेष दल (सीएपी-15) के साथ शीर्ष माओवादी कैडर को पकड़ने के लिए उक्त वन क्षेत्र में पहुंचे।

दिनांक 21.02.2023 को प्रात: लगभग 05.30 बजे, निरीक्षक शेख सरदार गनी, उप-निरीक्षक सव्वाना अरुण कुमार, रिजर्व उप-निरीक्षक मायलापल्ली वेंकटा रामा परदेसी नायडू और हेड कांस्टेबल राजाना गौरी शंकर जो विशेष आसूचना शाखा (आसूचना) की विशेष कार्रवाई टीम थे, ने जी.के. वेचड़ी मंडल, एएसआर जिले के वलसागेडा और वलसापल्ली गांवों के बीच वन क्षेत्र में माओवादियों की संदिग्ध गतिविधि देखी और वे चतुराई से माओवादियों के उक्त ठिकाने पर पहुंच गए। इस बीच, माओवादी दल के संतरियों ने उन्हें आते हुए देख लिया और निरीक्षक शेख सरदार गनी, उप-निरीक्षक सव्वाना अरुण कुमार, रिजर्व उप-निरीक्षक मायलापल्ली वेंकटा रामा परदेसी नायडू और हेड कांस्टेबल राजाना गौरी शंकर पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। तथापि, भारी और निरंतर गोलीबारी की चपेट में आने के बावजूद, जिला विशेष दल, अपने जीवन की परवाह किए बिना शीर्ष माओवादी कैडर के ठिकाने की ओर आगे बढ़ा। एक-दूसरे पर गोलीबारी लगभग 45 मिनट तक चली और बाद में पता चला कि गोलीबारी करके माओवादियों ने जंगल और पहाड़ी क्षेत्र में कवर ले लिया और वे एक नाले के रास्ते गोलीबारी वाले स्थान से भाग निकले।

इलाके की गहन तलाशी के दौरान निरीक्षक शेख सरदार गनी, उप-निरीक्षक सव्वाना अरुण कुमार, रिजर्व उप-निरीक्षक मायलापल्ली वेंकटा रामा परदेसी नायडू और हेड कांस्टेबल राजाना गौरी शंकर की टीम ने झाड़ियों में एक माओवादी को देखा जिसने विशेष कार्रवाई टीम पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। उक्त माओवादी के उन पर गोलियां चलाने के बावजूद, उन्होंने असाधारण साहस का परिचय दिया और सशस्त्र कट्टर माओवादी नेता को पकड़ लिया, जिसकी पहचान जयूमुरी श्रीनु बाबू उर्फ सुनील उर्फ रैनू (गुम्मा के डीसीएम और सचिव/कट-ऑफ एसी) के रूप में हुई। उसके पास से एक कार्बाइन गन जिसकी मैगजीन में 3 राउंड जिंदा कारतूस थे, 5 किलोग्राम आईईडी/बारूदी सुरंग और माओवादी दल का साहित्य जब्त किया गया। इस ऑपरेशन और कट्टर माओवादी नेता को पकड़ने के संबंध में अलूरी सीथारामा राजू जिला, आंध्र प्रदेश के सिलेरू पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 149 के साथ पठित धारा 307, 120(ख), 121, 121 (क), 147, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 4 और 5, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 17, 18, 20, 21, 23, आयुध अधिनियम की धारा 25, 27 के तहत आपराधिक मामला संख्या 06/2023 दर्ज किया गया था।

निरीक्षक शेख सरदार गनी, उप-निरीक्षक सव्वाना अरुण कुमार, रिजर्व उप-निरीक्षक मायलापल्ली वेंकटा रामा परदेसी नायडू और हेड कांस्टेबल राजाना गौरी शंकर के असाधारण, साहसी और वीरतापूर्ण कृत्य के साथ-साथ उनकी सूझबूझ और दृढ़ संकल्प के चलते सीपीआई (माओवादी) का एक मुख्य कट्टर नेता पकड़ा गया। अगर यह ऑपरेशन नहीं चलाया गया होता और उसे समय रहते गिरफ्तार नहीं किया गया होता, तो माओवादी दल सुरक्षा बलों पर हमले, अपहरण, वीआईपी/स्थानीय राजनीतिक नेताओं की हत्या करने जैसी हिंसक गतिविधियों का सहारा लेकर गलीकोंडा क्षेत्र को अशांत क्षेत्र में बदल देता। ऑपरेशन में इस प्रभावी परिणाम के चलते, क्षेत्र में बड़े अपराधों को रोका गया और एओबीएसजेडसी के गलीकोंडा क्षेत्र में माओवादी दल को एक बड़ा झटका लगा।

इस ऑपरेशन में, आंध्र प्रदेश पुलिस के सर्व/श्री शेख सरदार गनी, निरीक्षक, सव्वाना अरुण कुमार, उप-निरीक्षक, मायलापल्ली वेंकटा रामा परदेसी नायडू, रिजर्व उप-निरीक्षक और राजाना गौरी शंकर, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 20.02.2023 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/213/2023 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 108-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, बिहार पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) और वीरता पदक, मरणोपरांत प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	स्व. आशीष कुमार सिंह	उप-निरीक्षक	वीरता पदक (मरणोपरांत)
2.	दुर्गेश कुमार यादव	सिपाही	वीरता पदक
3.	रोहित कुमार रंजन	सिपाही	वीरता पदक
4.	अक्षय कुमार	सिपाही	वीरता पदक
5.	बिजेन्द्र कुमार	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

खूंखार अपराधी दिनेश मुनि और उसके गिरोह के सदस्यों के बारे में विश्वसनीय स्रोत से प्राप्त जानकारी के आधार पर, उप-निरीक्षक आशीष कुमार सिंह, एसएचओ, पसराहा, जिला खगड़िया के नेतृत्व में पुलिस दल दिनांक 12/13-10-2018 की मध्य रात्रि को नौगछिया और खगड़िया जिले की सीमा से सटे हुए दुधेला दियारा के लिए रवाना हुआ। उप-निरीक्षक आशीष कुमार सिंह और उनकी टीम ने दुधेला दियारा, जहां कोई यातायात संभव नहीं है, के भौगोलिक रूप से दुर्गम नदी क्षेत्र में लगभग 18 किलोमीटर की पैदल यात्रा की। जैसे ही पुलिस दल अशोक मंडल नामक व्यक्ति की झोपड़ी के पास पहुंचा, जहां अपराधियों के छिपे होने का अनुमान था, अपराधियों ने पुलिस दल को निशाना बनाकर अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। उप-निरीक्षक आशीष कुमार सिंह ने अपराधियों को गोलीबारी बंद करने और आत्मसमर्पण करने को कहा। पुलिस दल बिना किसी कवर के पूरी तरह से खुले स्थान पर था। इसलिए पुलिस टीम के लिए अत्यधिक जोखिम था, जबकि अपराधी आक्रामक रूप से गोलियों की भीषण बौछार कर रहे थे। अनुकरणीय साहस का परिचय देते हुए, पुलिस दल ने रेंगते हुए आगे बढ़ना और आत्मरक्षा में गोलीबारी करना शुरू कर दिया। उप-निरीक्षक आशीष कुमार सिंह और सिपाही दुर्गेश कुमार यादव, बिजेन्द्र कुमार, अक्षय कुमार तथा रोहित कुमार रंजन मोर्चे पर आगे थे। इस बीच, बहादुर सिपाही दुर्गेश कुमार यादव को गोली लग गई। अदम्य नेतृत्व कौशल और साहस का परिचय देते हुए उप-निरीक्षक आशीष कुमार सिंह ने अपनी टीम का हौसला बढ़ाया और गोलीबारी जारी रखी। जब अपराधियों की गोलीबारी बंद हो गई, तो उप-निरीक्षक आशीष कुमार सिंह और उनकी टीम सावधानी से झोपड़ी के प्रवेश द्वार की ओर बढ़ी। एक अपराधी जिसकी पहचान बाद में शरवन यादव के रूप में हुई, झोपड़ी के प्रवेश द्वार के पास मृत पड़ा मिला। जब उप-निरीक्षक आशीष कुमार सिंह झोपड़ी के अंदर घुसे, तो अंदर छिपे हुए अपराधी ने उन्हें गोली मार दी। उप-निरीक्षक आशीष कुमार सिंह अस्पताल ले जाते समय वीरगति को प्राप्त हुए। मौके से 02 देसी निर्मित पिस्तौल, 01 गोला-बारूद, 17 खाली कारतूस और 04 मिसफायर गोला-बारूद बरामद हुए।

इस ऑपरेशन में, बिहार पुलिस के सर्व/श्री स्व. आशीष कुमार सिंह, उप-निरीक्षक, दुर्गेश कुमार यादव, सिपाही, रोहित कुमार रंजन, सिपाही, अक्षय कुमार, सिपाही और बिजेन्द्र कुमार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 13.10.2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/85/2023 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 109-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री शिशुपाल सिन्हा	निरीक्षक	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

मुखबिरों और विभिन्न स्रोतों से लगातार आसूचना मिल रही थी कि दिनांक 18.06.2021 को चांदामेटा में हुई नक्सली मुठभेड़ में एक महिला माओवादी मारी गई थी और कई माओवादी घायल हुए थे, जो लगातार पुलिस दल से छुप रहे थे और लगातार अपना ठिकाना बदलते हुए अलग-अलग स्थानों पर रह रहे थे। दिनांक 30.06.2021 की शाम को प्रतिबंधित माओवादी संगठन कांगेर वैली एरिया समिति एवं कटेकल्याण एरिया समिति के माओवादी संजू, मंगतू, लक्ष्मण, महेश, मुन्नी, दसरी, महेश, सुखराम, बुधरा, जोगा और अन्य लगभग 08-10 हथियारबंद वर्दीधारी और ग्रामीण वेशभूषा में माओवादियों के एलेंगनार वन में मौजूद होने की सूचना मिली। जिला मुख्यालय से पुलिस दल को दरभा पुलिस स्टेशन भेजने में अधिक समय लगने तथा नक्सलियों के भागने की संभावना के चलते एक पृथक पुलिस बल भेजने का अनुरोध करके त्वरित कार्रवाई की गई और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में दरभा पुलिस स्टेशन से निरीक्षक शिशुपाल सिन्हा सहित 08 व्यक्तियों की टीम पर्याप्त हथियार, गोला बारूद, मैनपैक सेट के साथ तलाशी और गश्त करते हुए गांव नयापारा, बंजारिन पारा, कोटवापदर की ओर नक्सल गश्त हेतु रवाना हुई। लगभग 19:30 बजे जब पूरा दल नयापारा-कोटवापदर में तलाशी लेते हुए पहाड़ी जंगल के रास्ते आगे बढ़ रहा था कि तभी दल को आता देख, पहले से ही घनी झाड़ियों की आड़ में घात लगाए बैठे नक्सलियों ने पुलिस दल की हत्या करने और हथियार लूटने के इरादे से पुलिस दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इस पर, निरीक्षक शिशुपाल सिन्हा ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अपने साथी कार्मिकों को वायरलेस सेट के माध्यम से तुरंत मोर्चा लेते हुए जवाबी कार्रवाई करने का निदेश दिया। पुलिस दल ने बार-बार नक्सलियों को गोलीबारी न करने तथा आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, लेकिन नक्सलियों ने चेतावनी को अनसुना करते हुए पुलिस दल पर गोलीबारी करना जारी रखा। इस पर, जान-माल की रक्षा हेतु कोई अन्य विकल्प न होने पर पुलिस दल ने आत्मरक्षा में नक्सलियों पर जवाबी कार्रवाई की। निरीक्षक शिशुपाल सिन्हा कुशल नेतृत्व का परिचय देते हुए अदम्य साहस और वीरता के साथ अपनी जान को जोखिम में डालकर अपने जीवन की परवाह किए बिना नक्सली गोलीबारी के बीच आगे बढ़े और अपने दल के जवानों के साथ सामने से गोलीबारी की। वे साहस के साथ डटे रहे और गोलीबारी करके नक्सलियों की गोलीबारी का जवाब दिया। पुलिस के बढ़ते दबाव और घेराबंदी को देखकर, नक्सली अपने स्वचालित हथियारों से गोलीबारी करते हुए घने वन की आड़ लेकर भागने लगे। पुलिस दल ने काफी दूर तक नक्सलियों का पीछा किया, लेकिन नक्सली नाले में कूद गये और पहाड़ी जंगल की आड़ लेकर भागने में सफल रहे। पुलिस और नक्सलियों के बीच लगभग आधे घंटे तक अंधाधुंध गोलीबारी होती रही और पुलिस दल ने बहादुरी से नक्सलियों का मुकाबला किया। पुलिस दल में जवानों की संख्या कम होने के कारण, निरीक्षक शिशुपाल सिन्हा ने तत्काल वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को उचित माध्यम से घटना की जानकारी दी तथा नक्सलियों के भागने के रास्तों की घेराबंदी करने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की मांग की, जिस पर तत्काल अन्य पुलिस कार्मिक वहां पहुंच गए। गोलीबारी के बाद मुठभेड़ स्थल को चारों तरफ से घेर लिया गया। जिला मुख्यालय से आई डीआरजी 01 के प्रभारी उप-निरीक्षक भुनेश्वर साहू की टीम को एलंगनार से उरुकपाल के रास्ते की, डीआरजी 02 के प्रभारी निरीक्षक बलराम उसेंडी की टीम को कांदानार से एलंगनार की तथा सीआरपीएफ 227 ई कंपनी कैम्प जीरमगांव सीसी संदीप बिष्ट की टीम को जीरम गांव से कोटवापदर की ओर की घेराबंदी करने का निदेश दिया गया। रात होने के कारण, निरीक्षक शिशुपाल सिन्हा ने डीआरजी 04 प्रभारी उप-निरीक्षक ई. सोमराज ठाकुर की टीम को साथ लेकर सावधानीपूर्वक घटना स्थल की चारों तरफ से घेराबंदी कर ली। सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पालन करते हुए घटनास्थल की चारों तरफ से घेराबंदी कर ली गई। सुबह घटनास्थल की गहन तलाशी लेने पर एक नक्सली पुरुष का शव बरामद हुआ जिसके साथ, एक 303 राइफल, जिसका एक राउंड चैंबर में फंसा हुआ था, उसके गले में 01 वॉकी-टॉकी, उसकी पीठ पर 01 चितकबरा बैग, थैली के साथ 01 पानी की बोतल, 01 छाता, 03 जोड़ी चप्पल, 01 जोड़ी हरे रंग की नक्सली वर्दी, लाल रंग की लगभग 20 मीटर कोडेक्स तार, 01 देसी निर्मित कट्टा,

उसकी जेब में 303 राइफल के 04 जिंदा कारतूस, 81 डेटोनेटर, बैटरी चार्जर, एक कंपास के अंदर 303 के चार जिंदा कारतूस, लगभग 07-07 मीटर लंबाई वाला नीले रंग के सेफ्टी फ्यूज, नक्सली साहित्य, पुस्तक, पर्चे और हस्तलिखित पत्र, पॉकेट डायरी, 3500 रुपये और कुछ फोटो, प्लेट, शॉल, दवाई, दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद की गई।

पुलिस और नक्सलियों की इस पूरी मुठभेड़ में ऑपरेशन टीमों का नेतृत्व करने वाले निरीक्षक शिशुपाल सिन्हा ने धैर्यपूर्वक हमारे पुलिस दल के जवानों के साथ बेहतरीन समन्वय और टीम वर्क के रूप में कार्य किया तथा प्रतिकूल परिस्थितियों में कुशल नेतृत्व का परिचय दिया।

इस ऑपरेशन में, छत्तीसगढ़ पुलिस के श्री शिशुपाल सिन्हा, निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 30.06.2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/21/2024 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 110-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	निर्मल जांगड़े	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
2.	अमैया चिलमुल	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
3.	फुल्ला गोपाल	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
4.	तुलाराम कुहरामी	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
5.	गोपाल बोड्डू	सिपाही	वीरता पदक
6.	हेमंत एण्ड्रिक	सिपाही	वीरता पदक
7.	मोतीलाल राठौर	सिपाही	वीरता पदक
8.	गोविंद सोढ़ी	सिपाही	वीरता पदक
9.	सुकारु राम	सिपाही	वीरता पदक
10.	मुन्ना कड़ती	सिपाही	वीरता पदक
11।	कृष्णा गाली	सिपाही	वीरता पदक
12.	भीमा	सिपाही	वीरता पदक
13.	धनीराम कोरसा	सिपाही	वीरता पदक
14.	कृष्णा ताती	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 25.11.2022 को पुलिस अधीक्षक बीजापुर द्वारा छत्तीसगढ़ के बीजापुर के मिरतुर पुलिस स्टेशन के तहत कामकानार, हकवा, पोमरा, हलूर के जंगल पहाड़ी क्षेत्र में 50-60 (लगभग) सशस्त्र माओवादियों की संभावित मौजूदगी के संबंध जुटाई गई अत्यंत विश्वसनीय और कार्रवाई योग्य आसूचना के आधार पर; माओवादियों की योजना/ऑपरेशन का पता लगाने और उनका खात्मा करने के लिए 22:15 बजे श्री सुबोध कुमार और गंभीर सिंह नेगी, द्वितीय कमान अधिकारी, सीआरपीएफ और डीआरजी उप-निरीक्षक निर्मल जांगड़े तथा उप-निरीक्षक धरम सिंह तुलावी के नेतृत्व में डीईएफ(डीआरजी) एसटीएफ और सीआरपीएफ द्वारा एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया गया। हमला दल रूट प्लान के अनुसार अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहे थे और संचलन के दौरान समुचित औचक और गोपनीयता बनाए रखी गई।

डीआरजी उप-निरीक्षक निर्मल जांगड़े ने अपने दल को दो भागों में विभाजित कर दिया। दल संख्या 01 की कमान उप-निरीक्षक निर्मल जांगड़े के पास थी और दल संख्या 02 की कमान उप-निरीक्षक धरम सिंह तुलावी के पास थी और वे सामरिक रूप से कामकानार-हकवा गांव की ओर बढ़ रहे थे। दिनांक 26.11.2022 को, "स्टैंडर्ड लाइन" फार्मेशन में तलाशी लेते हुए उप-निरीक्षक निर्मल जांगड़े की कमान में दल संख्या 01 बांई तरफ से गांव पोमरा के पहाड़ी वन क्षेत्र में आगे बढ़ रहा था और उप-निरीक्षक धरम सिंह तुलावी की कमान में दल संख्या 02 पहाड़ी के दाईं ओर से आगे बढ़ रहा था, तभी लगभग 07:10 बजे सशस्त्र माओवादियों ने दल संख्या 01 पर घात लगाकर हमला किया और अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। दल के कमांडर उप-निरीक्षक निर्मल जांगड़े, हेड कांस्टेबल फुल्ला गोपाल, सिपाही हेमंत एण्ड्रिक, सिपाही गोपाल बोड्डू, सिपाही मोतीलाल राठौर, सिपाही गोविंद सोढ़ी, सिपाही धनीराम कोरसा व अन्य जवानों ने आत्मरक्षा हेतु सामरिक पोजीशन लेते हुए माओवादियों पर गोलीबारी की, लेकिन जब माओवादियों ने गोलीबारी बंद नहीं की, तो उप-निरीक्षक निर्मल जांगड़े ने तत्काल मेनपैक सेट के माध्यम से दल संख्या 02 के कमांडर धरम सिंह तुलावी को सूचना दी। दल संख्या 02 के प्रभारी उप-निरीक्षक धरम सिंह तुलावी, हेड कांस्टेबल अमैया चिलमुल, हेड कांस्टेबल तुलाराम कुहरामी, सिपाही सुकारु राम, सिपाही मुन्ना कड़ती, सीएएफ सिपाही कृष्णा गाली, सिपाही भीमा, सिपाही कृष्णा ताती और अन्य जवानों ने अपनी जान की परवाह किए बिना, दाईं ओर से गोलीबारी और आगे बढ़ने की रणनीति के साथ माओवादियों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। जब पुलिस दलों ने फिर से संगठित होकर समुचित जवाबी कार्रवाई की, तो घात लगाकर बैठे और अंधाधुंध गोलीबारी कर रहे माओवादी भू-भाग के बारे में सुपरिचित होने और घने जंगल की आड़ का फायदा उठाकर मौके से भाग गए। मुठभेड़ लगभग 25-30 मिनट तक चली और जब गोलीबारी बंद हो गई, तो सैन्य दलों ने पूरे इलाके की तलाशी ली और एक यूएसए 3एम 1 कार्बाइन राइफल, 8 जिंदा कारतूस के साथ मैगजीन, एक 303 राइफल, 5 जिंदा कारतूस के साथ मैगजीन, एक 315 बोर राइफल, 4 जिंदा कारतूस के साथ मैगजीन, एक भरमार, यूएसए 3एम 1 कार्बाइन राइफल के 10 जिंदा कारतूस, 303 राइफल के 32 जिंदा कारतूस, 315 बोर राइफल के 14 जिंदा कारतूस, 01 बंडल बिजली के तार, नक्सली वर्दी, दवाइयों, साहित्य आदि सहित दो पुरुष और दो महिला नक्सली नामत: (1) सुखराम मदकामी पुत्र हड़मा, आयु-29 वर्ष, गांव-गुडसाकल, पुलिस स्टेशन-भैरमगढ़, जिला-बीजापुर (2) मनीराम ओयम पुत्र कुम्मा, आयु-30 वर्ष, गांव-बेचापाल, पुलिस स्टेशन-मिरतुर, जिला-बीजापुर (3) ललिता उर्फ लाली ओयम पुत्री मुसरा, आयु-30 वर्ष, गांव-बड़ेपल्ली, पुलिस स्टेशन-भैरमगढ़, जिला-बीजापुर (छत्तीसगढ़) (4) मंगली करम पुत्री आयतु करम, आयु-27 वर्ष, गांव-किस्काल, पुलिस स्टेशन-भैरमगढ़, जिला-बीजापुर (छत्तीसगढ़) के शव बरामद किए गए।

उप-निरीक्षक निर्मल जांगड़े, हेड कांस्टेबल अमैया चिलमुल, हेड कांस्टेबल फुल्ला गोपाल, हेड कांस्टेबल तुलाराम कुहरामी, सिपाही हेमंत एण्ड्रिक, सिपाही गोपाल बोड्डू, सिपाही मोतीलाल राठौर, सिपाही गोविंद सोढ़ी, सिपाही सुकारु राम, सिपाही मुन्ना कड़ती, सिपाही कृष्णा गाली, सिपाही भीमा, सिपाही धनीराम कोरसा, सिपाही कृष्णा ताती ने अत्यंत साहसी कृत्य का परिचय दिया, उन्होंने न केवल नक्सलियों की ओर से की जा रही गोलियों की बौछार का जवाब दिया बल्कि अन्य जवानों को भी अपनी जान की परवाह किए बिना जोरदार तरीके से जवाब देने और नक्सलियों के ठिकानों की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया, जिसके परिणामस्वरूप वे कट्टर नक्सलियों की घात का सफलतापूर्वक मुकाबला कर पाए। उप-निरीक्षक निर्मल जांगड़े, हेड कांस्टेबल अमैया चिलमुल, हेड कांस्टेबल फुल्ला गोपाल, हेड कांस्टेबल तुलाराम कुहरामी, सिपाही हेमंत एण्ड्रिक, सिपाही गोपाल बोड्डू, सिपाही मोतीलाल राठौर, सिपाही गोविंद सोढ़ी, सिपाही सुकारु राम, सिपाही मुन्ना कड़ती, सिपाही कृष्णा गाली, सिपाही भीमा, सिपाही धनीराम कोरसा और सिपाही कृष्णा ताती द्वारा असाधारण वीरता का परिचय दिया गया और यह उनकी अत्यंत सूझबूझ, शानदार ऑपरेशनल क्षमता, असाधारण साहस, बहादुरी और अदम्य वीरता की प्रवृति को दर्शाता है। अपनी उत्कृष्ट ऑपरेशनल योग्यता के चलते, उन्होंने नक्सलियों की घात के प्रति सफल जवाबी हमले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसे ऐसी परिस्थितियों और दुर्गम इलाकों में हासिल करना बहुत मुश्किल है और उन्होंने नक्सली हमले को सफलतापूर्वक विफल कर दिया।

इस ऑपरेशन में, छत्तीसगढ़ पुलिस के सर्व/श्री निर्मल जांगड़े, उप-निरीक्षक, अमैया चिलमुल, हेड कांस्टेबल, फुल्ला गोपाल, हेड कांस्टेबल, तुलाराम कुहरामी, हेड कांस्टेबल, गोपाल बोड्डू, सिपाही, हेमंत एण्ड्रिक, सिपाही, मोतीलाल राठौर, सिपाही, गोविंद सोढ़ी, सिपाही, सुकारु राम, सिपाही, मुन्ना कड़ती, सिपाही, कृष्णा गाली, सिपाही, भीमा, सिपाही, धनीराम कोरसा, सिपाही और कृष्णा ताती, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 26.11.2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/23/2024 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 111-प्रेज/2024— भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	जगदीश सिंह	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
2.	रमीज़ राशिद कामबे	एस.जी. सीटी	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 05.01.2022 को 0200 बजे वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुलवामा ने एक पुख्ता सूचना जुटाई कि, गांव चंदगाम पुलवामा में आतंकवादी मौजूद हैं, जो क्षेत्र में विध्वंसक कार्रवाई करने की योजना बना रहे हैं। अधीनस्थ पुलिस अधिकारियों और अन्य सहयोगी एजेंसियों के साथ सूचना को और पुख्ता करने/उस पर चर्चा करने के बाद, पुलिस द्वारा 55 आरआर और सीआरपीएफ की 182वीं बटॉलियन के साथ संदिग्ध क्षेत्र में एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया गया और घर-दर-घर तलाशी शुरू की गई। इसके बाद, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुलवामा श्री जीएच. जिलानी वानी की कड़ी निगरानी में श्री तनवीर अहमद डार, अपर पुलिस अधीक्षक पुलवामा के नेतृत्व में एक पुलिस दल, 55 आरआर और सीआरपीएफ की 182वीं बटॉलियन की क्यूआरटी के साथ गांव चंदगाम की ओर रवाना हुआ और लक्षित क्षेत्र की घेराबंदी कर दी तथा गलियों, उप-गलियों और भागने के रास्तों को बंद कर दिया। घेराबंदी करने के बाद, अपर पुलिस अधीक्षक तनवीर अहमद डार की कड़ी निगरानी/नियंत्रण में एक समर्पित पुलिस दल का गठन किया गया जिसमें, उप-निरीक्षक जगदीश सिंह, एस.जी. सीटी रमीज़ राशिद कामबे और 55 आरआर और सीआरपीएफ की 182वीं बटॉलियन की क्यूआरटी शामिल थीं तथा उसे आतंकवादियों की तलाश के लिए तैनात किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुलवामा की कमान में 55 आरआर, सीआरपीएफ की 182वीं बटॉलियन और पुलवामा पुलिस का एक और समर्पित संयुक्त दल प्रारंभिक तलाशी दल को कवरिंग सहायता प्रदान करने के लिए आंतरिक घेरे में तैनात रहा। जैसे ही तलाशी दल संदिग्ध घर में प्रवेश करने वाला था, वहां छिपे आतंकवादियों ने हथगोले फेंके और उसके बाद भारी अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें तलाशी दल बाल-बाल बचा। लेकिन तलाशी दल ने अत्यंत संयम का परिचय दिया और किसी भी तरह के संपार्श्विक नुकसान से बचने के लिए जवाबी गोलीबारी को रोके रखा। इस पर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुलवामा ने अपर पुलिस अधीक्षक पुलवामा तनवीर अहमद डार के नेतृत्व में प्रारंभिक तलाशी दल को तुरंत शीघ्रता से खतरे वाले स्थान से बाहर आने और नाले/बागान क्षेत्र में पोजीशन लेने को कहा और बाकी दलों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने के लिए जानकारी दी। नागरिकों के हताहत होने से बचने के लिए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुलवामा ने घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे नागरिकों को तुरंत निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का निदेश दिया। सभी नागरिकों को निकाल लिए जाने के बाद ऑपरेशनल कमांडर के निदेश पर अपर पुलिस अधीक्षक तनवीर अहमद डार ने घिरे हुए आतंकवादियों से बलों के सामने अपने हथियार डालने को कहा, लेकिन उन्होंने इससे इंकार कर दिया और सैनिकों पर अंधाधुंध गोलीबारी करना जारी रखा तथा वे लक्षित स्थान से बाहर आ गए और उन्होंने नाले/बागान की तरफ से भागने की कोशिश की, लेकिन अपर पुलिस अधीक्षक पुलवामा श्री तनवीर अहमद डार की कमान में तैनात संयुक्त दल ने तुरंत कवर ले लिया और अपनी बेशकीमती जान की परवाह किए बिना सामने से आतंकवादियों की गोलीबारी का बड़े साहस और समर्पण के साथ जवाब दिया और नाले के पास भारी मात्रा में हथियारों से लैस जैश-ए-मोहम्मद संगठन के दो आतंकवादियों को मार गिराया। इस पर, तीसरे आतंकवादी ने पीछे मुड़कर आबादी वाले इलाके में घुसने की कोशिश की, लेकिन, सतर्क संयुक्त सुरक्षा बल/पुलिस दल ने तुरंत पोजीशन ले ली और कार्रवाई की तथा अपनी जान की परवाह किए बिना बहादुरी से लड़ाई लड़ी और उक्त आतंकवादी को भी मार गिराया और इस तरह भागने की कोशिश को नाकाम कर दिया। लंबी चली बंदूक की लड़ाई, जो पूरी रात जारी रही और अगले दिन सुबह समाप्त हुई, के दौरान, तीन (03) खूंखार आतंकवादियों को मार गिराया गया, जिनकी पहचान बाद में तल्हा यासिर निवासी पाकिस्तान, अबू सैफुल्ला निवासी पाकिस्तान और मीर ओवैस पुत्र मोहम्मद अमीन मीर निवासी अशमिंदर पुलवामा के रूप में हुई। जैश-ए-मोहम्मद के इन खूंखार आतंकवादियों का मारा जाना जहां एक ओर पुलिस/सुरक्षा बलों के लिए बड़ी उपलब्धि तथा आम जनता के लिए बड़ी राहत है, वहीं दूसरी ओर प्रतिबंधित जैश-ए-मोहम्मद संगठन के लिए यह बड़ा झटका है।

मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया, जिसका विवरण संलग्न है। इस संबंध में पुलवामा पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16 एवं 20 के तहत मामलागत एफआईआर 03/2022 दर्ज की गई है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री जगदीश सिंह, उप-निरीक्षक और रमीज़ राशिद कामबे, एस.जी. सीटी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 05.01.2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/23/2023 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 112-प्रेज/2024— भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री अल्ताफ अहमद शाह	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 12.12.2021 को अवंतीपोरा पुलिस ने गांव बारागाम अवंतीपोरा में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी की मौजूदगी के बारे में एक पुख्ता सूचना जुटाई। सूचना को और सटीक बनाया गया, उसका विश्लेषण किया गया और उसकी पुष्टि की गई। इस सूचना को तुरंत ही सेना की 42 आरआर के कमान अधिकारी और सीआरपीएफ की 130वीं बटालियन के कमान अधिकारी के साथ साझा किया गया। सभी संभावित खतरों को ध्यान में रखते हुए गहन विचार-विमर्श और सावधानीपूर्वक एक कार्रवाई योग्य योजना तैयार करने के बाद, यह निर्णय लिया गया कि पुलिस घटक अवंतीपोरा, सेना की 42 आरआर की कंपनी और सीआरपीएफ की 130वीं बटालियन का एक संयुक्त दल लक्षित क्षेत्र में जाएगा और तलाशी लेगा ताकि औचक को बनाए रखा जा सके।

बनाई गई योजना के अनुसार, पुलिस उपाधीक्षक जाविद अहमद पीसी अवंतीपोरा के नेतृत्व में पुलिस घटक अवंतीपोरा, सहायक उप-निरीक्षक अल्ताफ अहमद शाह और अन्य कार्मिक सेना की 42 आरआर और सीआरपीएफ की 130 बटालियन के दलों के साथ गांव बारागाम अवंतीपोरा में बागानों के रास्ते संदिग्ध क्षेत्र में पहुँचे और सुबह लगभग 0400 बजे पूरे संदिग्ध इलाके की घेराबंदी कर दी। चूंकि चारों तरफ अंधेरा था, इसलिए तलाशी को उजाला होने तक रोक दिया गया। जब दिन का उजाला हुआ, तो तलाशी की कार्रवाई शुरू की गई। चूंकि दिन के उजाले में ऑपरेशन चलाना चुनौतियों से भरा था, वह भी तब जबकि मौजूद स्थानीय आतंकवादी उसी गांव से ताल्लुक रखने वाला था तथा कानून और व्यवस्था की स्थिति के बिगड़ने की पूरी आशंका थी। रणनीति पर फिर से विचार किया गया और पूरी तैनाती को तीन हिस्सों में बांटा गया। तैनाती के एक हिस्से को विशेष रूप से आसपास के इलाके में कानून और व्यवस्था प्रबंधन का कार्य सौंपा गया और बाकी दो को बाहरी और भीतरी घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया। आतंकवादी द्वारा घेराबंदी तोड़कर भागने को रोकने के लिए भागने के सभी संभावित रास्तों को सामरिक तरीके से बंद कर दिया गया। कानून और व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने से बचने के लिए, लक्षित क्षेत्र के आसपास के स्थानों पर सामरिक रूप से सीआरपीएफ और पुलिस घटकों की पर्याप्त तैनाती की गई ताकि लक्षित स्थान को किसी भी तरह के बाहरी हस्तक्षेप से बचाया जा सके। इस तैनाती को केवल कानून और व्यवस्था संबंधी किसी भी समस्या से निपटने का कार्य सौंपा गया। इसके बाद, संयुक्त तलाशी दलों (सेना+पुलिस+सीआरपीएफ) द्वारा लक्षित क्षेत्र में घरों से नागरिकों को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया और यह ऑपरेशन का अत्यत संवेदनशील चरण था, क्योंकि इस बात की पूरी आशंका थी कि छिपा हुआ आतंकवादी नागरिकों और तलाशी/घेराबंदी दलों पर गोलीबारी कर सकता था। तलाशी/घेराबंदी दल ने पेशेवर दक्षता का परिचय देते हुए, नागरिकों को घेराबंदी वाले क्षेत्र से बाहर निकाला और पुलिस/सेना/सीआरपीएफ की संयुक्त टीम द्वारा उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। पुलिस टीम का नेतृत्व सहायक उप-निरीक्षक अल्ताफ अहमद शाह ने किया।

सफलतापूर्वक घेराबंदी करने और नागरिकों को बाहर निकालने के बाद अगला कदम था, छिपे हुए आतंकवादी की सटीक स्थिति का पता लगाना और उसका खात्मा करना। सहायक उप-निरीक्षक अल्ताफ अहमद शाह के नेतृत्व में संयुक्त तलाशी दलों ने सेना और सीआरपीएफ के समकक्षों के साथ मिलकर क्वाड कॉप्टरों द्वारा निरंतर हवाई निगरानी की सहायता से आसपास के घरों की तलाशी शुरू की। इस बीच घरों की तलाशी की कार्रवाई के दौरान, लक्षित क्षेत्र की एक गौशाला के पीछे कुछ झाड़ियों/पेड़ों के बीच छिपे उक्त आतंकवादी की गतिविधि क्वाड कॉप्टर के 'मॉनीटर' पर देखी गई। यह भी देखा गया कि छिपे हुए आतंकवादी के हाथ में हथगोले और एक पिस्तौल थी। तुरंत ही वायरलेस संचार के माध्यम से घेराबंदी/तलाशी दलों को सतर्क कर दिया गया। इसके बाद 'पीए' सिस्टम के माध्यम से छिपे हुए आतंकवादी को अपने हथियार/गोला-बारूद डालने और आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिसे उसने पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया।

बलों की गतिविधि को भांपते ही उक्त आतंकवादी, तुरंत संयुक्त घेराबंदी/हमला दल (सेना+पुलिस+सीआरपीएफ) की ओर दौड़ा और उसने संयुक्त घेराबंदी/हमला दल (सेना+पुलिस+सीआरपीएफ) को नुकसान पहुंचाने के इरादे से घेराबंदी/हमला दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी तथा लगातार दो हथगोले भी फेंके, लेकिन सामने से सहायक उप-निरीक्षक अल्ताफ अहमद शाह के नेतृत्व में घेराबंदी/हमला दल बाल-बाल बच गया। संयुक्त घेराबंदी/हमला दल पर अंधाधुंध गोलीबारी करने और हथगोले फेंकने के बाद आतंकवादी पास के बगीचों की ओर भागा और उसने घेराबंदी तोड़कर भागने की कोशिश की। लेकिन सेना, पुलिस और सीआरपीएफ के सदैव दृढ़-संकल्पी समग्र दलों ने समन्वित तरीके से आतंकवादी के हमले का प्रभावी ढंग से जवाब दिया और उसे भागने का कोई मौका नहीं दिया। संयुक्त हमला दल जिसमें सहायक उप-निरीक्षक अल्ताफ अहमद शाह के साथ सहायक उप-निरीक्षक सुरजीत सिंह, फोइल किंग पॉल, एसपीओ बिलाल अहमद और एसपीओ रणदीप कुमार शामिल थे, ने बेहतरीन तालमेल का परिचय देते हुए खुद को सामरिक रूप से व्यवहार्य स्थिति में पुनः पोजीशन किया और नजदीक से बंदूक की लड़ाई शुरू की तथा पास के बगीचे में उक्त आतंकवादी को मार गिराया। मारे गए आतंकवादी की पहचान बाद में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से संबद्ध समीर अहमद तांत्रे पुत्र जीएच. मोहम्मद तांत्रे निवासी बारागाम अवंतीपोरा के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादी के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। इस संबंध में अवंतीपोरा पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 एवं विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 3/5 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 201/2021 दर्ज की गई है।

मारा गया आतंकवादी अनुभवी लड़ाका था और विगत में वह स्थानीय और विदेशी आतंकवादियों के लिए मजबूत ओवर ग्राउंड वर्कर (ओजीडब्ल्यू) था। अवंतीपोरा पुलिस ने उसे दिनांक 18.09.2020 को विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 13 के अंतर्गत अवंतीपोरा पुलिस स्टेशन की मामलागत एफआईआर संख्या 127/2020 के तहत गिरफ़्तार किया था और बाद में माननीय न्यायालय ने उसे ज़मानत पर रिहा कर दिया था। वह आतंकवाद में शामिल होने और देश/संघ राज्य क्षेत्र जम्मू और कश्मीर के खिलाफ़ हथियार/गोला-बारूद का प्रयोग करने तथा आतंकवादी घटनाओं के माध्यम से व्यवस्था को अस्थिर करने के लिए युवाओं को उकसाने में शामिल था। वह दिनांक 07.12.2021 को पंपोर में कंडीजल पुल के पास सुरक्षा बलों पर फिदायीन हमला करने की योजना बना रहा था, लेकिन सैनिकों की सतर्कता के कारण, उसने अपनी योजना को रोक दिया और पुलिस/सुरक्षा बलों की गतिविधि को भांपते हुए वह नागरिकों के बीच घुसकर मौके से भाग गया। उक्त आतंकवादी के मारे जाने से पीडी अवंतीपोरा में जैश-ए-मोहम्मद संगठन को धक्का लगा है और इस आतंकवादी द्वारा नागरिकों पर लगातार किए जा रहे अत्याचारों और निर्दोष युवाओं की भर्ती पर रोक लगी है। पूरे ऑपरेशन के दौरान, आतंकवादी ने अंधाधुंध गोलीबारी करके/ग्रेनेड फेंककर बलों को नुकसान पहुंचाने की पूरी कोशिश की, जिसमें पुलिस दल और विशेष रूप से सहायक उप-निरीक्षक अल्ताफ अहमद शाह बाल-बाल बचे। तथापि, सहायक उप-निरीक्षक अल्ताफ अहमद शाह ने अपनी एकाग्रता खोए बिना और सूझ-बूझ के साथ बहादुरी से लड़ाई लड़ी, जिसके परिणामस्वरूप उक्त आतंकवादी को मार गिराया गया।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के श्री अल्ताफ अहमद शाह, सहायक उप-निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 12.12.2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/26/2023 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 113-प्रेज/2024— भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	शबीर अहमद खान	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक
2.	तनवीर जहाँगीर	निरीक्षक	वीरता पदक
3.	नएज अहमद	एस.जी. सीटी	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 30.06.2021 को, कुलगाम पुलिस को चिम्मर गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में पुख्ता सूचना मिली। कुलगाम पुलिस, 09 आरआर और सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन ने उक्त गांव की घेराबंदी कर दी और घर-घर तलाशी शुरू की। टीमों का गठन किया गया और उनका नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक शबीर अहमद खान, एसडीपीओ डीएच पोरा, पुलिस उपाधीक्षक ताहिर अमीन, डीएआर डीपीएल कुलगाम और निरीक्षक तनवीर जहाँगीर, एसएचओ डीएच पोरा ने किया तथा एस.जी. सीटी नएज अहमद भी इनके साथ थे। पुलिस उपाधीक्षक शबीर अहमद खान और निरीक्षक तनवीर जहाँगीर के नेतृत्व में प्रारंभिक दलों ने संबंधित क्यूआरटी और 09 आरआर तथा सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन के समकक्षों के साथ मिलकर इलाके की घेराबंदी कर दी और भागने के सभी संभावित रास्तों को बंद कर दिया। शुरुआती घेराबंदी करने और इस तथ्य की पुष्टि करने पर कि आतंकवादी बशीर अहमद नाइक पुत्र मोहम्मद रमजान नाइक निवासी चिम्मर के आवासीय घर में छिपे हुए हैं, उक्त गांव में घेराबंदी को और मजबूत किया गया और तलाशी अभियान शुरू किया गया। लक्षित घर को घेर लिया गया और आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने का अवसर दिया गया, जिसे उन्होंने अस्वीकार कर दिया। पुलिस उपाधीक्षक शबीर अहमद खान, निरीक्षक तनवीर जहाँगीर और एस.जी. सीटी नएज अहमद ने अपनी जान जोखिम में डालकर नागरिकों को बाहर निकालने में सक्रिय रूप से भाग लिया। सभी नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया और ऑपरेशनल पार्टी अब ऑपरेशन पर ध्यान केंद्रित करने की स्थिति में थी। नागरिकों को बाहर निकालने के बाद, वे तीनों कार्मिक आरआर, सीआरपीएफ और पुलिस के ऑपरेशनल दल में शामिल हो गए। लक्षित घर की तलाशी शुरू की गई और आतंकवादियों ने ऑपरेशनल दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। भीषण गोलीबारी शुरू हो गई जो काफी देर तक जारी रही। ऑपरेशन के दौरान 09 आरआर के 02 कार्मिकों सिपाही दलविंदर सिंह और राइफलमैन लोकेंद्र सिंह झाला गोली लगने से घायल हो गए। इस संबंध में डीएच पोरा पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18, 19, 20 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 77/2021 दर्ज की गई है। निरीक्षक तनवीर जहाँगीर ने अपने साथी एस.जी. सीटी सज्जाद अहमद भट्ट, एस.जी. सीटी नएज अहमद के साथ मिलकर अपने कर्तव्य से आगे बढ़कर और पुलिस उपाधीक्षक शबीर अहमद खान की देखरेख में दोनों घायल जवानों को मुठभेड़ स्थल से बाहर निकाला।

पुलिस दल ने दृढ़ता/धैर्य का परिचय दिया और वह अपने स्थान से एक इंच भी पीछे नहीं हटा। टीमों के बीच सामंजस्य और पहले से बनाई गई रणनीतिक योजना ने प्रभावी ढंग से काम किया, हालांकि, बीच-बीच में गोलीबारी जारी रही। दूसरी ओर, अपर पुलिस अधीक्षक कुलगाम जुल्फकार अहमद के नेतृत्व में ऑपरेशनल दल को हमला करने का आदेश दिया गया और उन्होंने कर्तव्य से आगे बढ़कर अपनी जान की परवाह किए बिना अलग-अलग तरफ से लक्षित क्षेत्र में प्रवेश किया और थोड़ी देर की गोलीबारी में एक खूंखार आतंकवादी को मार गिराया। मारे गए आतंकवादी के अन्य साथी भारी मात्रा में हथियारों से लैस थे और उन्होंने गोलीबारी की दिशा में मौजूद पुलिस कार्मिकों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। लेकिन, सतर्कता और प्रभावी कमान के चलते, ऑपरेशनल दल ने खुद को उचित स्थानों पर तैनात किया और हिम्मत और समझदारी का परिचय दिया। यद्यपि, आतंकवादियों ने ऑपरेशनल दल की ओर एक ग्रेनेड फेंका, लेकिन वह जमीन पर बिना फटे ही रह गया। इस बीच, डीपीएल कुलगाम के बम निरोधक दस्ते को बिना फटे ग्रेनेड को नष्ट करने के लिए बुलाया गया, जिसमें एस.जी. सीटी फारूक अहमद ने गोलीबारी के बीच ग्रेनेड को नष्ट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एक आतंकवादी ने बाहर आकर सुरक्षा बलों और पुलिस दल पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें पुलिस उपाधीक्षक शबीर अहमद खान, निरीक्षक तनवीर जहाँगीर और एस.जी. सीटी नएज अहमद ने वीरता का परिचय दिया और प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की तथा आतंकवादी को मौके पर ही मार गिराया। तदनुसार, सुरक्षा बलों ने सटीक गोलीबारी से दूसरे आतंकवादी को मार गिराया। कुछ देर के लिए गोलीबारी बंद हो गई और इलाके की फिर से तलाशी ली गई। तलाशी अभियान के दौरान पता चला कि एक आतंकवादी अभी भी जिंदा है और उसने पास की गौशाला में शरण ली हुई है। पुलिस दल ने आतंकवादी को चुनौती दी और सुरक्षा बलों के सामने आत्मसमर्पण करने के लिए कहा। अपर पुलिस अधीक्षक कुलगाम, पुलिस उपाधीक्षक शबीर अहमद खान, निरीक्षक तनवीर जहाँगीर और उनके साथी अपने निजी जीवन की परवाह किए बिना आगे बढ़े और किसी अतिरिक्त नुकसान के बिना तीसरे आतंकवादी को मार गिराया। पुलिस घटक विशेष रूप से पुलिस उपाधीक्षक शबीर अहमद खान, निरीक्षक तनवीर जहाँगीर और एस.जी. सीटी नएज अहमद द्वारा अपनी सुरक्षा और निजी जीवन की परवाह किए बिना, दर्शाए गए सामंजस्य और उनकी भूमिका के चलते लश्कर-ए-तैयबा के श्रेणी वाले तीन खूंखार आतंकियों

को मार गिराया गया। बाद में तीनों आतंकवादियों की पहचान शाहनवाज बशीर लोन पुत्र बशीर अहमद लोन निवासी किलबल शोपियां, वसीम शेख बागो पुत्र शफीक बागो निवासी रेडवानी कुलगाम और जाकिर बशीर नाइक पुत्र बशीर अहमद नाइक निवासी चिम्मर डी.एच.पोरा के रूप में हुई।

इन आतंकवादियों का खात्मा प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों की संरचनात्मक और कार्यात्मक इकाइयों के लिए एक बड़ा झटका था, जो जिले में शांतिपूर्ण माहौल को खराब करना चाहते थे। तीनों आतंकवादी कई आपराधिक मामलों में शामिल थे। उनका मुख्य लक्ष्य और उद्देश्य अपने संबंधित ओवर ग्राउंड वर्कस (ओजीडब्ल्यू) को शांतिप्रिय नागरिकों की हत्या करने के लिए निदेश देना था। कार्मिकों द्वारा किए गए उत्कृष्ट प्रयासों के चलते, एक बड़ा आतंकी खतरा टल गया। आगे की जांच के लिए इस संबंध में डीएच पोरा पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18, 19, 20, 38 के तहत मामलागत एफआईआर 77/2021 दर्ज की गई है। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री शबीर अहमद खान, पुलिस उपाधीक्षक, तनवीर जहाँगीर, निरीक्षक और नएज अहमद, एस.जी. सीटी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 30.06.2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/43/2023 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 114-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री अनिल कुमार	एस.जी. सीटी	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 11.11.2021 को 1900 बजे, जिला पुलिस कुपवाड़ा के सहयोग से श्रीनगर जिले के बर्निना क्षेत्र में कहीं पर एक आतंकवादी की मौजूदगी के संबंध में एक पुख्ता सूचना जुटाई गई और यह भी पता चला कि आतंकवादी कश्मीर घाटी में और विशेष रूप से श्रीनगर शहर के पंथा चौक से परिमपोरा राजमार्ग के इलाके में पुलिस/सुरक्षा बलों पर पुलवामा जैसे हमले की योजना को अंजाम देने के इरादे से 5 किलो आईईडी ले जा रहा है। आतंकवादी की सटीक स्थिति/सही पहचान का पता लगाने के लिए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्रीनगर अन्य अधिकारियों के साथ कमांड वाहन में सवार हो गए। बाद में; वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्रीनगर के निदेश पर, वैली क्यूएटी सीआरपीएफ और सेना (02-आरआर) की पर्याप्त नफरी सहित जिला पुलिस श्रीनगर/पुलिस घटक श्रीनगर की 03 टीमें, जिला कुपवाड़ा के पुलिस दल और श्री इफ्तिखार तालिब, पुलिस अधीक्षक पीसी श्रीनगर के नेतृत्व में सिविल वर्दी में एक गुप्त टीम का गठन किया गया।

गठित टीमों ने उक्त क्षेत्र में गहन तलाशी शुरू की और बर्निना बंद के पास एक नाका भी लगाया। इस दौरान, लगभग 2155 बजे, आतंकवादी ने आपराधिक इरादे से नाका दल पर हमला किया और मौके से भाग गया। लेकिन ऑपरेशनल टीमें लक्ष्य का पता लगाने में सफल रहीं और उन्होंने लक्ष्य को घेर लिया और सभी गलियों और उप-गलियों को बंद कर दिया। घेराबंदी और तलाशी अभियान के दौरान, छिपे हुए आतंकवादी ने पुलिस/सुरक्षा बलों की मौजूदगी को भांप लिया तथा भागने का सुरक्षित रास्ता बनाने के लिए पुलिस दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और ग्रेनेड फेंका।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्रीनगर ने लक्षित स्थान की बाहरी घेराबंदी करने के लिए 02 छोटे दल गठित किए जिसमें जिला पुलिस श्रीनगर के नफरी और एस.जी. सीटी अनिल कुमार तथा वैली क्यूएटी सीआरपीएफ शामिल थे और लक्षित स्थान की आंतरिक घेराबंदी करने के लिए सिविल वर्दी में पीसी श्रीनगर तथा सेना (02-आरआर) की पर्याप्त नफरी की एक गुप्त टीम का गठन किया और वे लक्ष्य की ओर आगे बढ़े ताकि किसी संपार्श्विक क्षति के बिना आतंकवादी का खात्मा किया जा सके। तथापि, छिपे हुए आतंकवादी ने आगे बढ़ते हुए दलों की उपस्थिति को भांप

लिया और उसने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें आगे बढ़ रहा दल सावधानीपूर्वक खुद को बचाने में सफल रहा और उसने सुरक्षित तरीके से पोजीशन ले ली तथा अपने व्यक्तिगत जीवन की परवाह किए बिना प्रभावी ढंग से गोलीबारी का जवाब दिया और आतंकवादी को मार गिराया, जिसकी पहचान लश्कर-ए-तैयबा (टीआरएफ) संगठन के सी-श्रेणी के स्थानीय आतंकवादी अमीर रियाज शाह पुत्र स्वर्गीय रियाज अहमद शाह निवासी वहाब साहब ख्रीव अवंतीपोरा जिला पुलवामा के रूप में हुई, जो, दक्षिण/मध्य कश्मीर क्षेत्रों में सक्रिय था। मुठभेड़ स्थल से हथियार/गोला-बारूद भी बरामद किया गया। इस संबंध में पुलिस स्टेशन परिमपोरा में आईपीसी की धारा 307 ओर आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 343/2021 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के श्री अनिल कुमार, एस.जी. सीटी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 11.11.2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/110/2023 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 115-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	मोहिंदर सिंह	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
2.	मुमताज़ अहमद सोफी	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
3.	रेआज़ अहमद वागे	एस.जी. सीटी	वीरता पदक
4.	अरुनदीप सिंह	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 20.10.2021 को गांव द्रागड़-चीरबाग, जैनपोरा-शोपियां में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक पुख्ता आसूचना इनपुट मिला, जो कि आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। इस सूचना के आधार पर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां की कड़ी निगरानी में शोपियां पुलिस ने 44 आरआर और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन की सहायता से ऑपरेशन चलाया। तलाशी अभियान के दौरान, यह पता चला कि आतंकवादी उक्त क्षेत्र में छिपे हुए हैं। किसी भी आकस्मिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए, पुलिस उपाधीक्षक रेआज़ अहमद के नेतृत्व में स्थानीय पुलिस/44 आरआर/सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन की एक संयुक्त टीम का गठन किया गया, जिसमें हेड कांस्टेबल मोहिंदर सिंह, हेड कांस्टेबल मुमताज़ अहमद सोफी और अन्य कार्मिक शामिल थे, ताकि किसी संपार्श्विक क्षति से बचने के लिए लक्षित स्थान से सटे हुए खेतों में खेती कर रहे नागरिकों को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा सके।

यह टीम पुलिस उपाधीक्षक शीज़ान भट्ट के नेतृत्व वाली दूसरी टीम द्वारा प्रदान की गई कवर गोलीबारी की आड़ में नागरिकों को पूरी तरह से निकालने में सफल रही। निकासी की प्रक्रिया पूरी होन के बाद, लक्ष्य का और सटीक निर्धारण किया गया और इलाके में छिपे हुए आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, लेकिन उन्होंने घेराबंदी करने वाले दलों पर अंधाधुंध गोलीबारी की जिसमें पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद अशरिफ और उनकी टीम जिसमें एस.जी. सीटी रेआज़ अहमद वागे, सिपाही अरुनदीप सिंह और अन्य कार्मिक शामिल थे, बाल-बाल बचे। अग्रिम (एडवांस) ऑपरेशन टीम ने प्रभावी ढंग से गोलीबारी का जवाब दिया, जिससे आमने-सामने से गोलीबारी की लड़ाई शुरू हो गई।

छिपे हुए आतंकवादियों से लड़ते हुए संयुक्त दल अग्रिम मोर्चे पर डटा रहा। अपनी जान पर शिकंजा कसता महसूस करने पर, छिपे हुए आतंकवादी गोलियों की बौछार करते हुए छिपने के स्थान से बाहर आ गए। तथापि, निरीक्षक रमेश लाल के नेतृत्व वाली संयुक्त टीम ने असाधारण साहस और बहादुरी का परिचय दिया तथा दृढ़ता से डटे रहे और आमने-सामने की बंदूक की लड़ाई में आतंकवादियों पर भारी गोलीबारी की तथा

02 आतंकवादियों को मार गिराया, जिनकी पहचान बाद में आदिल हुसैन वानी (हिजबुल मुजाहिद्दीन संगठन का "ख" श्रेणी) पुत्र जीएच. मोहम्मद वानी निवासी हेफ-शिरमल, शोपियां और शाकिर अहमद वानी (लश्कर-ए-तैयबा संगठन का "ग" श्रेणी) पुत्र जीएच. कादिर वानी निवासी लिटर पुलवामा के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से हथियार/गोला-बारूद भी बरामद किया गया। इस संबंध में जैनापोरा पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 20 और 38 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 129/2021 दर्ज की गई है।

प्रतिबंधित हिजबुल मुजाहिद्दीन/लश्कर-ए-तैयबा संगठनों के (02) कट्टर आतंकवादियों का सफाया जम्मू और कश्मीर पुलिस के लिए एक बड़ी उपलब्धि है और दूसरी ओर उक्त आतंकवादी संगठनों के लिए यह एक बड़ा झटका है। अनुमान लगाया जा रहा है कि इन आतंकवादियों के खात्मे के साथ, कुल मिलाकर स्थिति में काफी सुधार होने की आशा है।

हेड कांस्टेबल मोहिंदर सिंह, हेड कांस्टेबल मुमताज़ अहमद सोफी, एस.जी. सीटी रेआज़ अहमद वागे और सिपाही अरुनदीप सिंह, जिन्होंने अपनी बेशकीमती जान की परवाह किए बिना कारगर तरीके और बुद्धिमानी से आतंकवादियों से मुकाबला किया, द्वारा प्रदर्शित पेशेवरता और उत्कृष्ट साहस उल्लेखनीय था तथा अत्यंत प्रतिकूल परिस्थिति में लक्ष्य तक पहुँचने का उनका प्रयास वास्तव में वीरतापूर्ण था। उन्होंने साहस का परिचय दिया और घेराबंदी वाले इलाके में फंसे नागरिकों को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया, और इस प्रकार उनकी सूझबूझ और अच्छी पुलिस व्यवस्था के चलते नागरिक हताहत होने से बच गए। हालाँकि, आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी करके सुरक्षा बलों को नुकसान पहुँचाने की पूरी कोशिश की, जिसमें वे बाल-बाल बचे। तथापि, उन्होंने अपनी एकाग्रता खोए बिना और सूझ-बूझ का इस्तेमाल करते हुए बहादुरी से लड़ाई लड़ी और आतंकवादियों के नापाक मंसूबों को नाकाम कर दिया।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री मोहिंदर सिंह, हेड कांस्टेबल, मुमताज़ अहमद सोफी, हेड कांस्टेबल, रेआज़ अहमद वागे, एस.जी. सीटी और अरुनदीप सिंह, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 20.10.2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/111/2023 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 116-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	करण कुमार	पुलिस उप-निरीक्षक	वीरता पदक
2.	मुदासिर अहमद मीर	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
3.	जमीर अहमद खान	एस.जी. सीटी	वीरता पदक
4.	मोहम्मद अशरफ कुमार	एस.जी. सीटी	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 13.05.2022 को बांदीपोरा पुलिस ने मानव/तकनीकी स्रोतों से चारयार श्राइन बरार बांदीपोरा के पहाड़ी क्षेत्र में आतंकवादी की मौजूदगी के संबंध में पुख्ता सूचना जुटाई। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए, बांदीपोरा पुलिस मौके पर पहुंच गई और इसी बीच श्री उदयभास्कर बिल्ला, आईपीएस अपने एस्कॉर्ट कार्मिकों के साथ मौके पर पहुंच गए। यह इलाका सामान्य रूप से घना वन है, जिसमें बड़े-बड़े पत्थर और पेड़ हैं, जो कि छिपे हुए आतंकवादियों को प्राकृतिक कवर प्रदान कर रहे थे। किसी संपार्श्विक नुकसान के बिना आतंकवादियों का खत्मा करना बहुत मुश्किल था। क्षेत्र की स्थलाकृति के संबंध में सेना के साथ एक संक्षिप्त चर्चा के बाद, उप महानिरीक्षक एनकेआर बारामूला की समग्र देखरेख में घेराबंदी और तलाशी अभियान की कार्रवाई शुरू की गई।

बनाई गई योजना के अनुसार श्री उदयभास्कर बिल्ला, आईपीएस उप महानिरीक्षक एनकेआर बारामूला, पुलिस उपाधीक्षक शफात मोहम्मद नजर मुख्यालय बांदीपोरा, पुलिस उप-निरीक्षक करण कुमार, हेड कांस्टेबल मुदासिर अहमद मीर, एस.जी. सीटी जमीर अहमद खान

और एस.जी. सीटी मोहम्मद अशरफ कुमार के नेतृत्व में प्रारंभिक घेराबंदी दल, सेना और सीआरपीएफ के घटकों साथ मिलकर तलाशी में भाग लेने के लिए स्वेच्छा से आगे आए। संदिग्ध क्षेत्र की तलाशी के दौरान, वे बड़े पत्थरों के पीछे छिपे आतंकवादियों की भारी गोलीबारी की चपेट में आ गए, लेकिन हमले के दौरान तलाशी टीम को कोई नुकसान नहीं पहुंचा और सावधानीपूर्वक एक रणनीति बनाई गई तथा आतंकवादी की स्थिति को चिह्नित/निर्धारित किया गया।

तदनुसार, सेना और पुलिस के संयुक्त दलों को लक्षित स्थान के बहुत करीब तैनात किया गया। बनाई गई योजना के अनुसार, उप महानिरीक्षक एनकेआर बारामूला, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय बांदीपोरा, पुलिस उप-निरीक्षक करण कुमार, हेड कांस्टेबल मुदासिर अहमद मीर, एस.जी. सीटी जमीर अहमद खान और एस.जी. सीटी मोहम्मद अशरफ कुमार के नेतृत्व में प्रारंभिक घेराबंदी दलों ने अत्यंत साहसपूर्ण कदम उठाया ओर वे कांटेदार झाड़ियों और खुरदरी जमीन से रेंगते हुए लक्षित स्थल तक पहुंचे। घेराबंदी स्थल को सुरक्षित करने के बाद, बार-बार घोषणाएं की गईं, जिनके माध्यम से आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया। लेकिन आत्मसमर्पण करने के बजाय, उन्होंने संयुक्त दलों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। संयुक्त दलों ने उचित सावधानी बरतते हुए जवाबी गोलीबारी की, ताकि कम-से-कम संपार्श्विक क्षति हो। आतंकवादियों की ओर से लगातार गोलीबारी हो रही थी, क्योंकि वे अच्छी पोजीशन लिए हुए थे और घने जंगल में खुद को सुरक्षित महसूस कर रहे थे। तथापि, पुलिस दल ने आतंकवादियों को उनके नापाक मंसूबों को अंजाम नहीं देने दिया।

उप महानिरीक्षक एनकेआर बारामूला के निदेश पर आतंकवादियों पर गोलियों की बौछार की गई। आतंकवादियों ने हमला करने वाले दल पर लगातार गोलीबारी की, लेकिन हमला करने वाले दल ने हार नहीं मानी और वह डटा रहा तथा आतंकवादियों और हमला करने वाले दल के बीच नजदीक से हुई बंदूक की लड़ाई 02 विदेशी आतंकवादियों के मारे जाने तक जारी रही, जिनकी पहचान बाद में "क+" श्रेणी के अबू इस्माइल उर्फ फैसल उर्फ सिकंदर उर्फ जरगाम उर्फ मोहसिन निवासी पाकिस्तान और लश्कर-ए-तैयबा संगठन के "क+" श्रेणी के आतंकवादी अबू हमजा उर्फ उकाशा उर्फ साद निवासी पाकिस्तान के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से हथियार/गोला-बारूद भी बरामद किया गया। इस संबंध में अरागाम पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 16/2022 दर्ज की गई है। ये आतंकवादी उत्तरी कश्मीर, विशेष रूप से बांदीपोरा जिले में आतंक संबंधी अनेक मामलों में शामिल थे और वे आतंकराज कायम करने के लिए युवाओं को आतंकी रैंकों में शामिल होने के लिए प्रेरित करने में भी शामिल थे।

पुलिस उप-निरीक्षक करण कुमार, हेड कांस्टेबल मुदासिर अहमद मीर, एस.जी. सीटी जमीर अहमद खान और एस.जी. सीटी मोहम्मद अशरफ कुमार, जिन्होंने खुद को अत्यंत जोखिम में डालते हुए कारगर तरीके और बुद्धिमानी से आतंकवादियों से लड़ाई लड़ी, द्वारा प्रदर्शित पेशेवरता और उत्कृष्ट साहस उल्लेखनीय था तथा अत्यंत प्रतिकूल परिस्थिति में लक्ष्य तक पहुंचने का उनका प्रयास वास्तव में वीरतापूर्ण था। हालांकि आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी करके सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की पूरी कोशिश की, जिसमें अधिकारी/कर्मचारी बाल-बाल बचे। तथापि, उन्होंने अपनी एकाग्रता खोए बिना और सूझ-बूझ का इस्तेमाल करते हुए बहादुरी से लड़ाई लड़ी और आतंकवादियों के नापाक मंसूबों को नाकाम कर दिया और किसी संपार्श्विक नुकसान के बिना ऑपरेशन स्थल पर सुरक्षित तरीके से मिशन को पूरा किया, जो इस ऑपरेशन की मुख्य विशेषता रही।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री करण कुमार, पुलिस उप-निरीक्षक, मुदासिर अहमद मीर, हेड कांस्टेबल, जमीर अहमद खान, एस.जी. सीटी और मोहम्मद अशरफ कुमार, एस.जी. सीटी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 13.05.2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/123/2023 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 117-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	युगल कुमार	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक	वीरता पदक

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
2.	सरफराज बशीर गनई	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक
3.	रेआज़ अहमद मीर	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
4.	सफ़ीर लोन	सिपाही	वीरता पदक
5.	शाहनवाज़ अहमद दीदाद	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

गिरफ्तार किए गए एक आतंकवादी शौकत अहमद शेख पुत्र अब अहद शेख निवासी सेडो जिला शोपियां (सेना के जवानों को ले जा रहे वाहन में विस्फोट करने के लिए जिम्मेदार, जिसके परिणामस्वरूप मौतें हुईं और चोटें आईं) के खुलासे पर, दिनांक 19.06.2022 को चंडीगाम लोलाब के वन क्षेत्र के भीतर एक ठिकाने में छिपे पाकिस्तानी आतंकवादियों की मौजूदगी के सबंध में पुख्ता सूचना जुटाई गई। सूचना को और पक्का किया गया और 28 आरआर (सेना) के साथ साझा किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुपवाड़ा के नेतृत्व में, सेना के साथ पुलिस की तलाशी टीमों ने क्षेत्र की घेराबंदी कर दी और संदिग्ध क्षेत्र की तलाशी शुरू की। लगभग 1400 बजे, तलाशी दलों ने घने वन में आतंकवादियों की गतिविधि देखी। पुलिस दल और सेना को देखते ही आतंकवादियों ने अपने स्वचालित हथियारों से संयुक्त बलों पर गोलीबारी की, जिसका दलों ने नियंत्रित और पेशेवर तरीके से जवाब दिया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आतंकवादी न तो उन्हें हताहत करने में और न ही घेराबंदी को तोड़ने में सफल हो सकें। हालांकि, गिरफ्तार आतंकवादी शौकत अहमद शेख घने आच्छादित वन, इलाके के बारे में अपनी जानकारी और पुलिस के जवाबी गोलीबारी में व्यस्त होने का फायदा उठाते हुए, चकमा देकर भाग गया तथा पुलिस और सेना पर हमले में अपने आतंकवादी साथियों के साथ मिल गया।

यह भांपते हुए कि, घने वन क्षेत्र के कारण अतिरिक्त नुकसान हो सकता है, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुपवाड़ा श्री युगल कुमार ने पुलिस टीम को तीन दलों में बांट दिया, जिनका नेतृत्व क्रमश: वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुपवाड़ा, पुलिस उपाधीक्षक सरफराज बशीर गनई और उप-निरीक्षक रेआज़ अहमद मीर ने किया तथा 28 आरआर ने उनकी सहायता की। अन्य दलों को सभी संभावित रास्तों को बंद करने के लिए व्यापक बाहरी घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया।

दलों ने बनाई गई योजना के अनुसार खुद को तैनात किया और धीरे-धीरे लक्षित क्षेत्र को घेरना शुरू कर दिया। जब वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुपवाड़ा के नेतृत्व में दल संदिग्ध लक्ष्य की ओर बढ़ रहा था, तो वह वन में झाड़ियों के पीछे छिपे आतंकवादियों की भारी गोलीबारी की चपेट में आ गया। पोजीशन को संभालते हुए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुपवाड़ा के नेतृत्व में दल ने सिपाही शाहनवाज़ अहमद दीदाद की सहायता से छिपे हुए आतंकवादियों की ओर हमला किया और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुपवाड़ा और सिपाही शाहनवाज़ अहमद दीदाद ने सच्चे साहस का परिचय देते हुए अत्यंत करीब से एक आतंकवादी को मार गिराया। इस बीच, उप-निरीक्षक रेआज़ अहमद मीर के नेतृत्व में दूसरा दल एक और आतंकवादी का पता लगाने में सफल रहा और उप-निरीक्षक रेआज़ अहमद मीर के नेतृत्व में दल ने सिपाही सफ़ीर लोन की सहायता से अपनी जान की परवाह किए बिना अत्यंत वीरतापूर्ण कृत्य का परिचय देते हुए सामने से दूसरे आतंकवादी को मार गिराया।

इस बीच, मौसम ने स्थिति को बिगाड़ना शुरू कर दिया और भारी बारिश शुरू हो गई, जिससे ऑपरेशन को आगे बढ़ाने की कार्रवाई बाधित हो गई। साथ ही, शाम के अंधेरे और कोहरे ने स्थिति को और भी जटिल बना दिया। सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुपवाड़ा ने टीमों को भागे हुए आतंकवादी शौकत अहमद शेख और अन्य पाकिस्तानी आतंकवादियों को घने अंधेरे वाली रात में घेराबंदी तोड़ने का कोई मौका दिए बिना अगली सुबह तक सुरक्षित पोजीशन लेने का आदेश दिया। खराब मौसम की स्थिति का सामना करते हुए, दलों ने सेवा की अपनी सच्ची भावना को बनाए रखा और भोर होने का इंतजार किया।

तड़के, छिपे हुए आतंकवादियों ने घेराबंदी से भागने की कोशिश में तलाशी दलों पर ग्रेनेड फेंकना और गोलीबारी करना शुरू कर दिया। इसी समय, पुलिस उपाधीक्षक सरफराज बशीर गनई और उनका साथी गोलीबारी करने वाले आतंकवादी पर हमले के लिए पार्याप्त नजदीक पहुंच गए। आगे से अपने दल का नेतृत्व करते हुए, पुलिस उपाधीक्षक सरफराज बशीर गनई और उनके साथी ने अत्यंत बहादुरी के साथ आतंकवादी पर करीब से हमला किया और उसे मौके पर ही मार गिराया। दल और आगे बढ़े तथा नेतृत्व कौशल और उच्च मनोबलयुक्त वीरता का परिचय देते हुए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुपवाड़ा और उप-निरीक्षक रेआज़ अहमद मीर के नेतृत्व वाली टीम ने चौथे आतंकवादी को मार गिराया। लश्कर-ए-तैयबा संगठन के मारे गए आतंकवादियों की पहचान बंबर खान, अल बकश, आफताब भाई, सभी पाकिस्तान निवासी और शौकत अहमद शेख पुत्र अब अहद शेख निवासी निवासी सेडो शोपियां (सभी क-श्रेणी के) के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन सोगाम में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा

7/27 और विधिविरूद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 13, 16 तथा 18 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 45/2022 दर्ज की गई है।

पूरे ऑपरेशन में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक युगल कुमार, पुलिस उपाधीक्षक सरफराज बशीर गनई, उप-निरीक्षक रेआज़ अहमद मीर, सिपाही सफ़ीर लोन और सिपाही शाहनवाज़ अहमद दीदाद ने अदम्य साहस और सेवा की सच्ची भावना के साथ बेहद पेशेवरता का परिचय दिया और उन्होंने अत्यंत प्रतिकूल परिस्थिति में लक्ष्य तक पहुंचने के लिए अपनी जान की परवाह किए बिना बहादुरी से लड़ाई लड़ी। हालांकि आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी का सहारा लेकर बलों को नुकसान पहुंचाने की पूरी कोशिश की, जिसमें वे बाल-बाल बचे, तथापि उन्होंने अपनी एकाग्रता खोए बिना और अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना, बहादुरी से लड़ाई लड़ी, जिसके परिणामस्वरूप इन 04 विदेशी/स्थानीय खूंखार आतंकवादियों को मार गिराया गया।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री युगल कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, सरफराज बशीर गनई, पुलिस उपाधीक्षक, रेआज़ अहमद मीर, उप-निरीक्षक, सफ़ीर लोन, सिपाही और शाहनवाज़ अहमद दीदाद, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 19.06.2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/128/2023 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 118-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम), वीरता पदक का प्रथम बार और वीरता पदक का द्वितीय बार सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र. सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	इफ्तखार तालिब	पुलिस अधीक्षक	वीरता पदक
2.	सुमित कुमार शर्मा	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक का प्रथम बार
3.	रोहित कुमार	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक का प्रथम बार
4.	कुशब कुमार	निरीक्षक	वीरता पदक
5.	अमित रैना	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक का द्वितीय बार
6.	फरोज़ अहमद डार	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक
7.	परशातम सिंह	एस.जी. सीटी	वीरता पदक
8.	कुलदीप सिंह	एस.जी. सीटी	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 30.12.2021 को लगभग 2235 बजे, विश्वसनीय स्रोतों से पंथा चौक श्रीनगर के गमंदर मोहल्ला इलाके में आतंकवादियों के एक समूह की मौजूदगी के संबंध में पुख्ता सूचना प्राप्त हुई तथा पता चला कि ये आतंकवादी जिवान पंथा चौक श्रीनगर में एक पुलिस बस पर सनसनीखेज आतंकवादी हमले में शामिल थे, जिसमें 14 पुलिस कार्मिक घायल हो गए थे, तथा उनमें से 03 कार्मिकों ने बाद में दम तोड़ दिया और शहादत प्राप्त की। यह भी पता चला है कि ये आतंकवादी राष्ट्रीय राजमार्ग पर और साथ ही श्रीनगर शहर में पुलिस/सुरक्षा बलों/काफिले/तैनाती पर हमला करने की आपराधिक साजिश रच रहे थे। छिपे हुए आतंकवादियों की सही स्थिति/उचित पहचान का पता लगाने के लिए, तुरंत जिला श्रीनगर/पुलिस घटक श्रीनगर/वैली क्यूएटी सीआरपीएफ की पुलिस टीमों का गठन किया गया ताकि किसी अतिरिक्त क्षति के बिना आतंकवादियों को ढूंढने और उनका खात्मा करने के लिए उनकी सटीक अवस्थिति का पता लगाया जा सके। इन आतंकवादियों की तलाश और उनके निकलने के रास्ते को बंद करने के लिए एक विशेष नाका भी लगाया गया। अचानक, क्षेत्र में पुलिस/बलों और नाका दल की मौजूदगी को देखकर, आतंकवादियों

ने पुलिस/बलों की हत्या करने के इरादे और मौके पर से भागने के लिए अंधाधुंध गोलीबारी की और इसी दौरान ग्रेनेड भी फेंके। इस पर बलों ने लक्षित स्थान के आस-पास के क्षेत्र में घेराबंदी और तलाशी अभियान (सीएएसओ) चलाया, जिसके दौरान छिपे हुए आतंकवादियों ने फिर से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और ग्रेनेड फेंके, लेकिन पुलिस दलों ने मानक कार्रवाई प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार सभी सावधानियां बरतते हुए अपने निजी जीवन की परवाह किए बिना बहादुरी से जवाबी कार्रवाई की।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्रीनगर, श्री राकेश बलवाल आईपीएस और पुलिस अधीक्षक इफ्तखार तालिब पीसी श्रीनगर द्वारा तत्काल एक ऑपरेशनल योजना तैयार की गई। योजना के अनुसार, किसी भी अतिरिक्त नुकसान से बचने के लिए आस-पास के घरों से नागरिकों को बाहर निकालने को प्राथमिकता दी गई और छिपे हुए आतंकवादियों का खात्मा करने के लिए लक्षित स्थान की ओर आगे बढ़ने हेतु एक टीम का गठन किया गया जिसमें पुलिस अधीक्षक इफ्तखार तालिब, पुलिस उपाधीक्षक सुमित कुमार शर्मा पीसी श्रीनगर, पुलिस उपाधीक्षक रोहित कुमार पीसी श्रीनगर, निरीक्षक कुशब कुमार, सहायक उप-निरीक्षक अमित रैना, सहायक उप-निरीक्षक फरोज़ अहमद डार, एस.जी. सीटी परशातम सिंह, एस.जी. सीटी कुलदीप सिंह और अन्य पुलिस कार्मिकों के साथ वैली क्यूएटी सीआरपीएफ की पर्याप्त नफरी शामिल थी। इससे पहले, इलाके के सभी निकास मार्गों और लक्षित स्थान तक पहुंचने के रास्तों को भी बंद कर दिया गया था। पहले तो, छिपे हुए आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, लेकिन उन्होंने इंकार कर दिया और इसके बजाय ऑपरेशनल दलों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें आगे बढ़ रहा दल चमत्कारिक रूप से बच गया। तथापि, गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया गया और दोनों पक्षों के बीच परस्पर गोलीबारी के दौरान, 02 आतंकवादियों को मार गिराया गया।

कार्रवाई के दौरान, लक्षित स्थान के पीछे की ओर, पुलिस अधीक्षक इफ्तखार तालिब के नेतृत्व में एक छोटी टीम ने आस-पास के नागरिकों को निकालकर निकटतम सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। चूंकि लक्षित स्थान का पीछे का हिस्सा बिना किसी आड़ के एक खुला मैदान था, इसलिए आतंकवादी वहां से निकलकर भागने में सफल हो सकते थे। जैसे ही छिपे हुए आतंकवादियों ने पुलिस दल की गतिविधि देखी, उन्होंने अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए ग्रेनेड फेंके, जिसके परिणामस्वरूप पीसी श्रीनगर के सहायक उप-निरीक्षक फरोज़ अहमद डार, हेड कांस्टेबल वरिंदर प्रताप, एस.जी. सीटी राजिंदर कुमार, एस.जी. सीटी मुश्ताक अहमद, एस.जी. सीटी कुलदीप सिंह और एस.जी. सीटी परशातम सिंह सहित कुछ पुलिस कार्मिकों को गोली/छर्रे से चोटें आईं। तथापि, पुलिस दल ने बहादुरी से और अपने निजी जीवन की परवाह किए बिना गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया और छिपे हुए आतंकवादी को मार गिराया। इस कार्रवाई के दौरान, पुलिस अधीक्षक पीसी श्रीनगर की कमान में पुलिस दल ने बहादुरी का परिचय दिया और आगे बढ़ना जारी रखा, जिससे उन्हें आतंकवादियों की भारी गोलीबारी का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब दिया और उन्हें पीछे हटने/वापस लौटने के लिए मजबूर कर दिया। इस बीच सेना (50-आरआर) भी ऑपरेशन में शामिल हो गई। अग्रिम दल के लिए गंभीर खतरे को समझते हुए, पुलिस अधीक्षक पीसी श्रीनगर ने खुद को आतंकवादियों की भारी गोलीबारी के सामने डालते हुए आगे बढ़ना जारी रखा और आतंकवादी को पीछे हटने के लिए मजबूर कर दिया और इस प्रकार उन्होंने अपनी पोजीशन पर बने रहने के लिए अदम्य साहस तथा सर्वोच्च स्तर की अनुकरणीय और असाधारण वीरता का परिचय दिया।

बाद में, मुठभेड़ स्थल से मारे गए 03 आतंकवादियों (02 विदेशी प्रशिक्षित और 01 स्थानीय प्रशिक्षित) के शव बरामद किए गए, जिनकी पहचान जैश-ए-मोहम्मद संगठन के "क+" श्रेणी आतंकवादी रजाक भाई, निवासी पाकिस्तान, जैश-ए-मोहम्मद संगठन के "क" श्रेणी आतंकवादी अबू लुकमान, निवासी पाकिस्तान और जैश-ए-मोहम्मद संगठन "ग" श्रेणी आतंकवादी सुहैल अहमद राथर पुत्र गुलाम मोहम्मद, निवासी इच नंबल जाफरान कॉलोनी, पंथा चौक के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद भी बरामद किया गया। इस संबंध में, पंथा चौक पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 120-ख, 7/25, विधिविरूद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 13 तथा 18 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 132/2021 दर्ज की गई है।

इस तत्काल आतंकवादी-रोधी ऑपरेशन में, पुलिस अधीक्षक इफ्तखार तालिब, पुलिस उपाधीक्षक सुमित कुमार शर्मा पीसी श्रीनगर, पुलिस उपाधीक्षक रोहित कुमार पीसी श्रीनगर, निरीक्षक कुशब कुमार, सहायक उप-निरीक्षक अमित रैना, सहायक उप-निरीक्षक फरोज़ अहमद डार, एस.जी. सीटी परशातम सिंह और एस.जी. सीटी कुलदीप सिंह द्वारा प्रदर्शित भूमिका और नेतृत्व अनुकरणीय रहे। उन्होंने ऑपरेशन की शुरुआत से लेकर समापन तक श्रीनगर पुलिस, केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) और सेना के ऑपरेशनल दलों के बीच समन्वय में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने, ऑपरेशनल रणनीतियों, जैसे कि लक्षित स्थान पर आस-पास के नागरिकों को बाहर निकालने, सर्वोत्तम संभव ऑपरेशनल योजना बनाने और उसके क्रियान्वयन, नागरिकों और ऑपरेशनल दलों के जीवन को प्राथमिकता देने और किसी अतिरिक्त नुकसान के बिना आतंकवादियों पर हमला करने के माध्यम से उक्त ऑपरेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री इफ्तखार तालिब, पुलिस अधीक्षक, सुमित कुमार शर्मा, पुलिस उपाधीक्षक, रोहित कुमार, पुलिस उपाधीक्षक, कुशब कुमार, निरीक्षक, अमित रैना, सहायक उप-निरीक्षक, फरोज़ अहमद डार, सहायक उप-निरीक्षक, परशातम सिंह, एस.जी. सीटी और कुलदीप सिंह, एस.जी. सीटी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 30.12.2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/130/2023 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 119-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री हिलाल अहमद भट्ट	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

पुलिस/सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने के लिए सुरक्षा बलों पर हमला करने की योजना बना रहे, कुशल कॉलोनी तुलीबल, सोपोर में मौजूद आतंकवादियों के बारे में एक पुख्ता सूचना पर कार्रवाई करते हुए, दिनांक 20.06.2022 को लगभग 2340 बजे सोपोर पुलिस द्वारा 52 आरआर और सीआरपीएफ की 177वीं बटालियन के सहयोग से क्षेत्र में एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया गया। ऑपरेशन का इलाका तीन तरफ से घनी आबादी वाला था और सामने से श्रीनगर-कुपवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग के बहुत करीब था। ऑपरेशन आधी रात को शुरू किया गया था, जबकि आतंकवादी अंधेरे का फायदा उठाकर छिपने की जगह से भाग सकते थे, इस तरह ऐसे में किसी संपार्श्विक नुकसान के बिना, आतंकवादियों का खात्मा करना बहुत मुश्किल था। लेकिन सुरक्षा बलों ने एक अच्छी रणनीति अपनाई और सबसे पहले आस-पास के घरों में रहने वाले लोगों को इलाके से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया तथा निकासी की प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा बलों ने अपनी जान को अत्यंत जोखिम में डालकर सर्वोच्च स्तर की पेशेवरता और दृढ़ता का परिचय दिया। जब नागरिकों को निकालने की प्रक्रिया पूरी हो गई, तो सभी प्रवेश और निकास मार्गों को सील करके घेराबंदी को और कड़ा कर दिया गया और तलाशी अभियान शुरू किया गया तथा तलाशी अभियान के दौरान आतंकवादियों की ओर से प्रतिक्रिया पाने के लिए हवा में कुछ गोलियां चलाई गईं, लेकिन शुरू में कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

तदनुसार, बनाई गई रणनीति के अनुसार और सेना और सीआरपीएफ के समकक्षों के साथ गहन विचार-विमर्श और परामर्श के बाद, अंतिम और निर्णायक हमले के लिए संदिग्ध स्थान की ओर आगे बढ़ने के लिए स्वेच्छा से आगे आए दो संयुक्त दल गठित किए गए। पुलिस उपाधीक्षक आबिद रशीद मीर के नेतृत्व में पुलिस/सेना/सीआरपीएफ की पहली संयुक्त टीम को एक अग्रिम (एडवांस) टीम के रूप में गठित किया गया, जो कि निरीक्षक जिया-उर-रहमान के नेतृत्व में दूसरी संयुक्त टीम की बैकअप/कवरिंग फायरिंग की आड़ में कार्रवाई करेगी।

दोनों टीमें संदिग्ध स्थान की ओर रेंगते हुए आगे बढ़ने लगीं और जब संयुक्त टीमें संदिग्ध घर के करीब पहुंचने वाली थीं, तो छिपे हुए आतंकवादी खड़े हो गए और उन्होंने अपने अत्याधुनिक हथियारों से सुरक्षा बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी की, लेकिन संयुक्त टीमें विशेष रूप से हेड कांस्टेबल हिलाल अहमद भट्ट एक चट्टान की तरह अडिग और दृढ़ रहे तथा आमने-सामने की गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया और इसके बाद हुई बंदूक की लड़ाई में दो आतंकवादियों को मार गिराया गया जिनकी पहचान जाहिद अहमद चोपन पुत्र जीएच. मोहम्मद चोपन निवासी तंगवानी शोपियां और मोहम्मद यूनिस गुल पुत्र गुलाम मोहम्मद भट्ट निवासी वहीबुग पुलवामा के रूप में हुई तथा ये दोनों लश्कर-ए-तैयबा संगठन के आतंकवादी थे। मारे गए आतंकवादियों से लड़ते समय, संयुक्त टीमों ने देश की सुरक्षा और संप्रभुता/अखंडता को बनाए रखने के लिए अपनी जान को अत्यंत जोखिम में डाला और उनके सच्चे साहस, दृढ़ता और पेशेवरता के चलते ही अत्यंत कठिन और असमान्य परिस्थिति में दो खूंखार आतंकवादियों के खात्मे के साथ ऑपरेशन पूरा हुआ। मारे गए आतंकवादियों के पास से हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। आगे की जांच के लिए इस संबंध में तरजू पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/25, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 18 और 20 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 58/2022 दर्ज की गई है।

मारे गए आतंकवादी सोपोर जिला पुलिस के क्षेत्राधिकार में कई विध्वंसक गतिविधियों और कुछ अन्य युवाओं को आतंकवादी रैंकों में शामिल होने के लिए प्रेरित करने में शामिल थे। जहां तक आतंकवादी रैंकों में स्थानीय भर्ती की बात है, तो इन आतंकवादियों का मारा जाना लश्कर-ए-तैयबा संगठन के लिए एक बड़ा झटका और सुरक्षा बलों, खासकर सोपोर पुलिस के लिए एक बड़ी सफलता माना जा रहा है।

ऑपरेशन का इलाका घनी आबादी वाला था, जो कि आवासीय घरों से घिरा हुआ था और यह श्रीनगर-कुपवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग के बहुत करीब था, जो हमेशा से सुरक्षा बलों पर हमला करने के लिए आतंकवादियों का केंद्र रहा है, ऐसे समस्याग्रस्त क्षेत्र में किसी संपार्श्विक क्षति

के बिना आतंकवाद-रोधी ऑपरेशन चलाना सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ी चुनौती थी, लेकिन संयुक्त दलों विशेष रूप से हेड कांस्टेबल हिलाल अहमद भट्ट द्वारा प्रदर्शित अदम्य वीरता, पेशेवरता, गुणवत्तापूर्ण नेतृत्व और अतुलनीय दृढ़ता के चलते लश्कर-ए-तैयबा संगठन के दो खूंखार आतंकवादियों के खात्मे के साथ किसी संपार्श्विक क्षति के बिना ऑपरेशन पूरा हुआ, जिसमें उन्होंने भारत की सुरक्षा/संप्रभुता और अखंडता को बनाए रखने के लिए इस ऑपरेशन में अपनी जान को अत्यंत जोखिम में डाल दिया।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के श्री हिलाल अहमद भट्ट, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 20.06.2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/131/2023 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 120-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	अजय कुमार	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक
2.	गुलजार अहमद नायक	एस.जी. सीटी	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 09.08.2022 को बडगाम पुलिस को बडगाम जिले के मुकाम वाटरहेल गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में सूचना मिली। तदनुसार, चूंकि इलाका बहुत अनुकूल नहीं था, इसलिए जमीनी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए 62 आरआर और सीआरपीएफ की 79वीं बटालियन के साथ सावधानीपूर्वक एक ऑपरेशन की योजना बनाई गई। लगभग 2230 बजे, एक ऑपरेशन शुरू किया गया और औचक बनाए रखने के लिए वाहनों को वास्तविक घेराबंदी वाले क्षेत्र से बहुत पहले की खड़ा कर दिया गया। 09/10 अगस्त, 2022 की मध्यरात्रि को लगभग 00:00 बजे घेराबंदी कर ली गई। तलाशी के दौरान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ताहिर सलीम के नेतृत्व में संयुक्त तलाशी दल ने घेराबंदी वाले क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधि देखी और घेराबंदी वाले क्षेत्र के अंदर घरों में रह रहे कुछ संदिग्धों से मौके पर पूछताछ की गई। संदिग्धों से लगातार पूछताछ के दौरान, शीर्ष कमांडर लतीफ अहमद राथर उर्फ उस्मान सहित प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) संगठन के 03 आतंकवादियों की मौजूदगी की पुष्टि हुई। एक तरफ नाला और दूसरी तरफ पहाड़ी के साथ दुर्गम भू-भाग होने के कारण, तैनाती में बदलाव के लिए बल गतिविधि और घेराबंदी में और सहायता करना मुश्किल था। दिनांक 10.08.2022 को लगभग 0400 बजे, संयुक्त तलाशी दल लक्षित क्षेत्र की ओर बढ़ा और आतंकवादियों ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ताहिर सलीम खान के नेतृत्व वाले तलाशी दल पर गोलीबारी की, जिसका उद्देश्य घेराबंदी और तलाशी दलों को नुकसान पहुंचाना और अंधेरे का फायदा उठाकर घेराबंदी तोड़कर भागना था। घेराबंदी/हमला दल ने गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया; अत:, आतंकवादी घेराबंदी नहीं तोड़ सके और उन्हें घेराबंदी वाले क्षेत्र में वापस धकेल दिया गया।

लगभग 04:30 बजे सहायक उप-निरीक्षक अजय कुमार, एस.जी. सीटी गुलजार अहमद नायक और अन्य कार्मिकों सहित अपर पुलिस अधीक्षक बडगाम गौहर अहमद खान के नेतृत्व में पुलिस दल को तैनात करके क्षेत्र की घेराबंदी को और मजबूत कर दिया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ताहिर सलीम खान के नेतृत्व में संयुक्त तलाशी टीम ने किसी परिणाम की परवाह किए बिना, खुद को सिर पर मंडराते खतरे में डालकर लक्षित क्षेत्र के आस-पास के घरों से सभी नागरिकों को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। सुबह लगभग 10:00 बजे तलाशी के दौरान, आतंकवादियों ने फिर से तलाशी दल पर गोलीबारी की, जिसका प्रभावी ढंग से जवाब दिया गया। छिपे हुए आतंकवादी को हथियार डालने और आत्मसमर्पण करने का अवसर दिया गया, इसके बजाय, आतंकवादी ने तलाशी/हमला दल पर गोलीबारी की, जिसका आतंकवादी पर सटीक गोलीबारी करके प्रभावी ढंग से जवाब दिया गया, जिससे 01 आतंकवादी तुरंत मारा गया।

जब ऑपरेशन/हमला दल आगे बढ़ा, तो घेराबंदी वाले/लक्षित क्षेत्र में दो और आतंकवादियों की गतिविधि देखी गई। एक बार फिर, आतंकवादियों को अपने हथियार/गोला-बारूद डालने के अवसर के रूप में घोषणा की गई; तथापि, आतंकवादी आत्मसमर्पण करने के लिए तैयार

नहीं हुए, और इसके बजाय उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बडगाम के नेतृत्व वाले हमला दल पर गोलीबारी की, जिसमें सहायक उप-निरीक्षक अजय कुमार, एस.जी. सीटी गुलजार अहमद नायक और अन्य कार्मिक शामिल थे, जो कि आतंकवादियों की गोलीबारी का मुंहतोड़ जवाब देते हुए समन्वित तरीके से आगे बढ़े। बंदूक की लड़ाई लगभग पूरे दिन जारी रही। बंदूक की लड़ाई के दौरान, अंततः, साहस और वीरता के साथ एक प्रभावी और पेशेवर ड्रिल करते हुए तलाशी दल समन्वित हमला मोड में आतंकवादियों की ओर आगे बढ़ा तथा अपर पुलिस अधीक्षक बडगाम श्री गौहर अहमद खान, सहायक उप-निरीक्षक अजय कुमार और एस.जी. सीटी गुलजार अहमद नायक ने छिपे हुए आतंकवादियों पर सटीक निशाना साधकर प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की, जिससे छिपे हुए शेष 02आतंकवादी भी तुरंत मारे गए।

10 अगस्त, 2022 को पूरे दिन 19:00 बजे तक चली मुठभेड़ में, मारे गए 03 आतंकवादियों के शवों को समुचित सावधानी और सतर्कता के साथ उचित कार्रवाई करते हुए निकाला गया, ताकि मारे गए आतंकवादियों के शवों के पास पड़े संभावित विस्फोटक पदार्थों के कारण बलों को कोई नुकसान न हो। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से हथियार/गोला-बारूद भी बरामद किया गया। इस संबंध में खानसाहिब पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 20, 38 और 39 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 137/2022 दर्ज की गई है। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में खूंखार लश्कर-ए-तैयबा कमांडर लतीफ अहमद राथर पुत्र हबीबुल्लाह राथर निवासी बादीपोरा चाडूरा बडगाम, साकिब मुश्ताक खान पुत्र मुश्ताक अहमद खान निवासी खानमोह श्रीनगर और मुजफ्फर अहमद चोपन पुत्र अब्दुल रहीम चोपन निवासी खानमोह श्रीनगर के रूप में हुई।

इन आतंकवादियों का खात्मा लश्कर-ए-तैयबा के लिए एक बड़ा झटका है। पुलिस और सुरक्षा बलों द्वारा की गई त्वरित और वीरतापूर्ण कार्रवाई ने एक बड़ी/विनाशकारी त्रासदी को टाल दिया है जिसे आतंकवादियों द्वारा अंजाम दिया जा सकता था।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री अजय कुमार, सहायक उप-निरीक्षक और गुलजार अहमद नायक, एस.जी. सीटी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 09.08.2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/132/2023 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 121-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, झारखण्ड पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	सच्चिदानंद सिंह	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक
2.	उमेश सिंह	हवलदार	वीरता पदक
3.	सुभाष दास	सिपाही	वीरता पदक
4.	रवीन्द्र टोप्पो	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 07.03.2019 को चतरा एवं हजारीबाग जिले के तहत पिपरवार, केरेडारी और टंडवा पुलिस स्टेशनों के वन क्षेत्रों में टी.एस.पी.सी. (नक्सल संगठन) के सब जोनल कमांडर जागेश्वर गंझू उर्फ जग्गू, जोनल कमांडर भीखन गंझू, आजाद जी उर्फ मुकेश गंझू और प्रकाश महतो के साथ 12-15 हथियारबंद दस्ता सदस्यों की गतिविधि के संबंध में खुफिया सूचना प्राप्त हुई। उक्त सूचना को वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचाया गया और पुलिस अधीक्षक (चतरा) के दिशानिर्देश पर उक्त क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाने के लिए एक टीम का गठन किया गया जिसमें चतरा पुलिस के सहायक उप-निरीक्षक सच्चिदानंद सिंह, हवलदार उमेश सिंह, सिपाही सुभाष दास, सिपाही रवीन्द्र टोप्पो और सीआरपीएफ और जिला पुलिस के अन्य सदस्य शामिल थे। तलाशी अभियान के दौरान जब टीम तरवा गांव में पहुंची, तो हजारीबाग जिले के केरेडारी पुलिस स्टेशन के तहत बुंडू गांव के बधूतावर टोला के वन क्षेत्र में टी.एस.पी.सी. सदस्यों की मौजूदगी के संबंध में सूचना मिली। तलाशी दल बधूतावर टोला की ओर चल पड़ा। दोपहर लगभग 12:15 बजे, जब टीम बधूतावर टोला पहुंची, तो हथियार और बैकपैक लिए उग्रवादियों का दस्ता घने वन से घिरे एक धान के खेत में देखा गया। पुलिस दल को देखते ही उग्रवादियों ने पुलिस कार्मिकों पर अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। सर्वोच्च स्तर के साहस

और कर्तव्य के प्रति समर्पण का परिचय देते हुए, पुलिस कार्मिकों ने ऊंची आवाज में उग्रवादियों को हथियारों के साथ आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी। चेतावनी के बावजूद उग्रवादियों ने पुलिस कार्मिकों पर अंधाधुध गोलीबारी करना जारी रखा। आत्मरक्षा में पुलिस कार्मिकों ने जवाबी गोलीबारी की। उग्रवादियों ने वन का फायदा उठाकर भागना शुरू कर दिया। पुलिस बलों ने उन्हें पकड़ने के प्रयास में काफी दूर तक उनका पीछा किया लेकिन वे भागने में सफल रहे। तलाशी अभियान के दौरान, तीन उग्रवादियों के शव, कई हथियार और गोला-बारूद, 4920 रुपये की नकद राशि और दैनिक उपयोग की अन्य वस्तुएं बरामद की गईं। मृत उग्रवादियों की पहचान टी.एस.पी.सी. सब जोनल कमांडर जागेश्वर गंझू उर्फ जग्गू गंझू पुत्र तिलक गंझू, गांव-कोयलांग पतरा, पुलिस स्टेशन-बड़कागांव, जिला-हजारीबाग, प्रकाश महतो पुत्र मधु महतो, गांव-होसिर टोला नगरुवा, पुलिस स्टेशन-पिपरवार, जिला-चतरा और चंदर गंझू पुत्र जलेश्वर गंझू, गांव-सिरम, पुलिस स्टेशन-बूडमू, जिला-रांची के रूप में की गई। आत्मरक्षा में इस गोलीबारी में, पुलिस की ओर से लगभग 350 राउंड दागे गए, जिसमें सहायक उप-निरीक्षक सच्चिदानंद सिंह ने अपनी सर्विस पिस्तौल से 06 राउंड दागे, हवलदार उमेश सिंह ने अपनी सर्विस इंसास राइफल से 11 राउंड दागे, सिपाही सुभाष दास ने अपनी सर्विस इंसास राइफल से 16 राउंड दागे और सिपाही रवीन्द्र टोप्पो ने अपनी सर्विस इंसास राइफल से 15 राउंड दागे।

इस ऑपरेशन में, झारखण्ड पुलिस के सर्व/श्री सच्चिदानंद सिंह, सहायक उप-निरीक्षक, उमेश सिंह, हवलदार, सुभाष दास, सिपाही और रवीन्द्र टोप्पो, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 07.03.2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/104/2023 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 122-प्रेज/2024— भारत की राष्ट्रपति, झारखण्ड पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	दीपक कुमार पाण्डेय	वरिष्ठ पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक
2.	विश्वजीत कुमार सिंह	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
3.	गोपाल गंझु	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 28.12.2022 को पुलिस अधीक्षक लोहरदगा को खुफिया सूचना मिली कि सीपीआई माओवादी आरसीएम रविन्द्र गंझु तथा सब जोनल कमांडर चन्द्रभान पहान, लाजिम अंसारी, गोविंद बिरिजिया, शीतल मोची, रंथु उरांव, नीरज, एरिया कमांडर खुदी मुंडा, राजन असुर और 10-12 अन्य कट्टर पीएलजीए कैडर बगरू पुलिस स्टेशन के कोरगो वन क्षेत्र में डेरा डाले हुए हैं और वे घातक हथियारों से लैस हैं तथा सुरक्षा बलों के साथ-साथ सरकारी विकास कार्यों के खिलाफ बड़ी माओवादी विध्वंसक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना मिलने पर, बिना समय बर्बाद किए, दिनांक 28.12.2022 को रात के लगभग 10 बजे श्री दीपक कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ पुलिस उपाधीक्षक (ऑपरेशन) लोहरदगा और श्री संतोष कुमार पाल, द्वितीय कमान अधिकारी, सीआरपीएफ की 158वीं बटालियन के संयुक्त फील्ड नेतृत्व में एक विशेष ऑपरेशन (ऑप्स-243) की योजना बनाई गई, जिसमें जिला सशस्त्र पुलिस, एसएटी और सीआरपीएफ के अलावा उप-निरीक्षक विश्वजीत कुमार सिंह, सिपाही/445 गोपाल गंझु और अन्य कार्मिक शामिल थे। ऑपरेशन के दौरान अतिरिक्त मदद और प्रशासनिक सहायता के लिए पुलिस अधीक्षक लोहरदगा और सीआरपीएफ की 158वीं बटालियन के कमान अधिकारी के अंतर्गत सीआरपीएफ बटालियन मुख्यालय में एक कमांड पोस्ट भी स्थापित की गई।

दोनों फील्ड कमांडरों ने ऑपरेशन दल को पूरी जानकारी दी और बिना समय गंवाए, उन्होंने दिनांक 29.12.2022 को लगभग 02.00 गांव-कोर्गो की ओर बढ़ना शुरू कर दिया। ऑपरेशन की अधिकतम गोपनीयता बनाए रखने के लिए ऑपरेशन दल आंशिक रूप से वाहनों से गोमियाटोली गांव तक गया और उसके बाद गांवों से बचते हुए रात में घने वन और ऊबड़-खाबड़ इलाकों से गुजरते हुए पैदल आगे बढ़ा। दुर्गम पहाड़ियों और घने वन के साथ इलाका बहुत दुर्गम था। जीपीएस और नाइट विजन का उपयोग करते हुए, टीम अपने जीवन और सुरक्षा की परवाह

किए बिना, आक्रामक तरीके से लक्षित क्षेत्र की ओर आगे बढ़ी। चूंकि माओवादी अपने कैडरों को निगरानी और पहरे पर रखते हैं, इसलिए किसी भी आकस्मिक गोली और आईईडी विस्फोट का खतरा निरंतर बना हुआ था। लगभग 2 घंटे पैदल चलने के बाद पूरा दल सुबह लगभग 0500 बजे लक्षित क्षेत्र के पास पहुंच गया। लक्षित क्षेत्र में पहुंचने से ठीक पहले, ऑपरेशन की योजना के अनुसार पूरी टीम तीन भागों में बंट गई। श्री दीपक कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ पुलिस उपाधीक्षक (ऑपरेशन) लोहरदगा की कमान में टीम 1 जिसमें उप-निरीक्षक विश्वजीत कुमार सिंह और सिपाही गोपाल गंझु शामिल थे, एसएटी और सीआरपीएफ के एक छोटे समूह के साथ, छोटी पहाड़ियों की दाईं ओर से आगे बढ़े, जहां माओवादी रविन्द्र अपनी टीम के साथ डेरा डाले हुए था। टीम 1 मुख्य हमला टीम थी, जिसे योजना के अनुसार माओवादी समूह से निपटना था। श्री संतोष कुमार पाल, द्वितीय कमान अधिकारी, सीआरपीएफ की 158वीं बटालियन की कमान में दूसरी टीम और सीआरपीएफ के जवान पहाड़ियों की बाईं ओर से आगे बढ़े। नक्सलियों के भागने की संभावना से बचने के लिए उप-निरीक्षक गौतम कुमार और उप-निरीक्षक अख्तर अली की कमान में एक कट-ऑफ टीम को गांव की मुख्य सड़क के पास तैनात किया गया। श्री दीपक कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ पुलिस उपाधीक्षक (ऑपरेशन) लोहरदगा की कमान में टीम 1 ने अत्यंत गोपनीयता के साथ लक्ष्य की ओर बढ़ना शुरू किया। वहां पर टीम लीडर श्री दीपक कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ पुलिस उपाधीक्षक (ऑपरेशन) को भागने का एक रास्ता दिखाई पड़ा और माओवादियों के भागने की संभावना को रोकने के लिए उन्होंने एक छोटी टीम को वहां तैनात कर दिया। श्री दीपक कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ पुलिस उपाधीक्षक (ऑपरेशन), उप-निरीक्षक विश्वजीत कुमार सिंह, सिपाही गोपाल गंझु और अन्य कार्मिकों के साथ लक्षित क्षेत्र की ओर आगे बढ़े। नक्सलियों की स्थिति को जानने के लिए जब टीम 1 सुबह लगभग 6.30 बजे लक्षित पहाड़ी क्षेत्र में पहुंची, तो नक्सलियों को पुलिस के आने की भनक लग गई और उन्होंने टीम 1 पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। अचानक हुई इस गोलीबारी में सामने से दल का नेतृत्व कर रहे श्री दीपक कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ पुलिस उपाधीक्षक (ऑपरेशन) और उप-निरीक्षक विश्वजीत कुमार सिंह गोली से घायल होने से बाल-बाल बचे। पलक झपकते ही पूरी टीम ने निर्धारित ड्रिल के अनुसार अपनी पोजीशन ले ली। नक्सली, जवानों को आत्मसमर्पण करने के लिए कह रहे थे क्योंकि वे किसी भी तरह के हमले और आक्रमण को रोकने के लिए बेहतर पोजीशन में थे। नक्सलियों में से काली वर्दी पहने एक व्यक्ति ने कहा कि मैं रविन्द्र गंझु हूं, आज तुम पुलिसकार्मिकों को नहीं बख्शा जाएगा। माओवादी आरसीएम रविन्द्र गंझु, माओवादी चन्द्रभान, लाजिम, गोविंद, राजन, शीतल, नीरज को पुलिस दल पर गोलीबारी करते रहने और पुलिस दल को घेरने के लिए भी निर्देशित कर रहा था और उन्हें कार्मिकों की हत्या और पुलिस के हथियार छीनने का निदेश दे रहा था। इसके तुरंत बाद फंसे हुए पुलिस दल को निशाना बनाकर स्वचालित हथियारों से भारी गोलीबारी की गई। सर्वोच्च स्तर के साहस, दृढ़ता, कर्तव्य के प्रति समर्पण का परिचय देते हुए और अपने जीवन और सुरक्षा की परवाह किए बिना श्री दीपक कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ पुलिस उपाधीक्षक (ऑपरेशन) रेंगते हुए बढ़े और टीम के सदस्यों को जानकारी दी तथा स्थिति को भांपते हुए उन्होंने अपनी टीम को कवर लेने का निदेश दिया तथा कार्मिकों के हताहत होने से बचने के लिए उन्होंने अपनी टीम को सामरिक तरीके से तितर-बितर कर दिया और नियंत्रित गोलीबारी के साथ जवाबी कार्रवाई की तथा पुलिस अधीक्षक लोहरदगा को टेलीफोन पर नक्सली दस्ते के साथ मुठभेड़ की सूचना भी दी। इस बीच, उप-निरीक्षक विश्वजीत कुमार सिंह ने पीए सिस्टम के माध्यम से आत्मसमर्पण करने के लिए कई घोषणा की। माओवादियों की ओर से गोलियों की बौछार जारी रही। श्री दीपक कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ पुलिस उपाधीक्षक (ऑपरेशन), उप-निरीक्षक विश्वजीत कुमार सिंह और सिपाही गोपाल गंझु अपने जीवन और सुरक्षा की परवाह किए बिना एक दूसरे को कवर गोलीबारी प्रदान करते हुए गोलीबारी की दिशा में आगे बढ़ने लगे। खतरे की आशंका सर्वोच्च स्तर की थी और किसी को नहीं पता था कि अगले पल क्या होने वाला है क्योंकि आरसीएम रविन्द्र गंझु, कोयल शंख जोन का सबसे खूंखार कमांडर था। जब गोलीबारी चल रही थी, तब कुछ नक्सली घने वन और झाड़ियों का फायदा उठाकर किसी नापाक इरादे से इस दल के करीब आने की कोशिश कर रहे थे। श्री दीपक कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ पुलिस उपाधीक्षक (ऑपरेशन) और उप-निरीक्षक विश्वजीत कुमार सिंह ने नक्सलियों की पोजीशन को देखा और उन पर गोलियां चला दीं। पुलिस की भारी कार्रवाई को देखकर नक्सलियों के पांव उखड़ गए और वे वन क्षेत्र का फायदा उठाकर भागने लगे। माओवादियों को रुकने और आत्मसमर्पण करने के लिए चुनौती दी गई, लेकिन वे अलग-अलग दिशाओं में भागते रहे। भागते समय एक माओवादी संभवतः गोली लगने के कारण मुठभेड़ स्थल के बहुत करीब एक ग्रामीण के घर के पास गिर गया और उसमें कोई हरकत नहीं हो रही थी। श्री दीपक कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ पुलिस उपाधीक्षक (ऑपरेशन) ने टीम 2 के साथ समन्वय करते हुए भाग रहे नक्सलियों का पीछा करने का आदेश दिया। जब एक माओवादी, टीम की पकड़ सकने की दूरी के भीतर आ गया तो श्री दीपक कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ पुलिस उपाधीक्षक (ऑपरेशन) और श्री संतोष कुमार पाल, द्वितीय कमान अधिकारी, सीआरपीएफ की 158वीं बटालियन की कमान में क्रमश: टीम 1 और टीम 2 ने भाग रहे माओवादी पर हमला किया और उसे पकड़ लिया। वह सब जोनल कमांडर गोविंद बिरिजिया था और झारखण्ड सरकार ने उस पर 5 लाख रुपये का इनाम घोषित किया हुआ था। रुक-रुक कर गोलीबारी आधे घंटे तक जारी रही। नक्सलियों के भागते समय भी टीम 2 के सीआरपीएफ दल और नक्सलियों के बीच गोलीबारी हुई। ऑपरेशन दल ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी और मुठभेड़ स्थल की गहन तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान एक कट्टर नक्सली एसजेडसी चन्द्रभान पहान (झारखण्ड सरकार ने उस पर भी 5 लाख रुपये का इनाम घोषित किया हुआ था) गोली लगने से घायल अवस्था में एक ग्रामीण के घर के पास मिला। उसे तुरंत प्राथमिक उपचार दिया गया तथा घायल नक्सली को तत्काल बाहर निकालने के लिए कमांड पोस्ट को सूचित किया गया। शीघ्र ही मेडिकल टीम मुठभेड़ स्थल पर पहुंच गई तथा घायल नक्सली को बेहतर उपचार के लिए सदर अस्पताल ले गई, लेकिन अस्पताल ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। तलाशी के दौरान, घायल तथा पकड़े गए नक्सलियों के कब्जे से एक देसी निर्मित पिस्तौल, कई जिंदा कारतूस सहित एक कट्टा, दागे गए कारतूसों के खोखे, मोबाइल फोन, नकदी, फ्लैश लाइट, बैटरी और दैनिक उपयोग की अन्य वस्तुएं बरामद की गईं। पकड़े गए नक्सली गोविंद बिरिजिया से पूछताछ के दौरान उसने बताया कि गुनी जंगल के पास आईईडी का एक बड़ा

जखीरा छिपाकर रखा गया है। उसके कबूलनामे के आधार पर वही टीम बीडीडीएस के साथ गुनी जंगल पहुंची तथा 200 मीटर कॉर्डेक्स तार के साथ 200 घातक आईईडी (2 किलोग्राम प्रत्येक) बरामद कीं। बीडीडीएस टीम द्वारा सभी वस्तुओं को उचित सुरक्षा सावधानियों के साथ मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। ऑपरेशन यहीं समाप्त नहीं हुआ बल्कि माओवादी गोविंद बिरिजिया ने फिर खुलासा किया कि पुलिस से लूटे गए हथियारों और गोला-बारूद का एक बड़ा जखीरा कोरगो वन क्षेत्र में रखा गया है। इस गुप्त सूचना पर, पुलिस अधीक्षक लोहरदगा और सीआरपीएफ की 158वीं बटालियन लोहरदगा के कमान अधिकारी की कमान में वही टीम अगले दिन कोरगो वन क्षेत्र पहुंची और 1 एसएलआर राइफल, 1 इंसास राइफल, दो .303 राइफल, 1 सेमी राइफल, विभिन्न कैलिबर के 588 जिंदा कारतूस, 200 आईईडी (2 किलोग्राम प्रत्येक), 200 मीटर कॉर्डेक्स तार और 13 इलेक्ट्रिक डेटोनेटर बरामद किए, जिसके लिए बरगु पुलिस स्टेशन में एक अलग मामला दर्ज किया गया है।

पूरे ऑपरेशन को एक अनुकरणीय तरीके से अंजाम दिया गया जो सफल ऑपरेशनों के इतिहास में एक मिसाल है। इस सफल ऑपरेशन ने पुलिस के साथ-साथ सीआरपीएफ का भी मनोबल बढ़ाया है और यह आने वाली पीढ़ी को भी प्रेरणा देता रहेगा। इस ऑपरेशन ने नक्सलियों के मनोबल और उनकी तैयारी पर अभूतपूर्व प्रहार किया और इसने लोहरदगा जिले के पहाड़ी इलाकों में पूर्ण विकास का मार्ग प्रशस्त किया। बेहतरीन योजना और जमीनी स्तर पर उत्कृष्ट क्रियान्वयन के फलस्वरूप सफलता की एक और गाथा लिखी गई।

इस ऑपरेशन में, झारखण्ड पुलिस के सर्व/श्री दीपक कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ पुलिस उपाधीक्षक, विश्वजीत कुमार सिंह, उप-निरीक्षक और गोपाल गंझु, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 29.12.2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/06/2024 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 123-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, मध्य प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री मोहम्मद अय्यूब खान	उप-निरीक्षक	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

हत्या की दो अलग-अलग घटनाओं के संबंध में, पुलिस स्टेशन औद्योगिक क्षेत्र, रतलाम (मध्य प्रदेश) में आईपीसी की धारा 302 और आयुध अधिनियम, 1959 की धारा 25 एवं 27 के तहत मामला संख्या 270/2020 तथा आईपीसी की धारा 302 और आयुध अधिनियम, 1959 की धारा 25 एवं 27 के तहत मामला संख्या 602/2020 दर्ज किया गया। उक्त दोनों मामलों की जांच पुलिस अधीक्षक, रतलाम द्वारा गठित एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) द्वारा की जा रही थी और उपर्युक्त दोनों मामलों में से दूसरा मामला तीन हत्याओं का है। उपर्युक्त दोनों मामलों में एक अंतरराज्यीय अपराधी नामतः दिलीप सिंह देवल पुत्र भाव सिंह देवल, निवासी गांव खरेड़ी डूंगरी फाल्या, जिला दाहोद (गुजरात) आरोपी था और उसे गिरफ्तार करने के लिए एसआईटी के सदस्यों द्वारा किए गए अथक प्रयासों के बावजूद वह पकड़ा नहीं जा सका था। मामला संख्या 270/2020 के संबंध में कथित भगौड़े अपराधी दिलीप सिंह देवल पर 20,000/- रुपये का इनाम था, जबकि मामला संख्या 602/2020 के संबंध में उस पर अलग से 30,000/- रुपये के इनाम की घोषणा कर रखी थी।

भगौड़ा आरोपी दिलीप देवल, जो एक खूंखार अपराधी था, को गुजरात के दाहोद शहर में पूर्व में हुई एक हत्या के मामले में पहले ही दोषसिद्ध किया जा चुका था और उस मामले में उसे कठोर आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। तदनंतर, कोविड-19 वैश्विक महामारी से उत्पन्न स्थिति का लाभ उठाते हुए, कथित दिलीप देवल को पैरोल पर रिहा किया गया था, परन्तु उसने जमानत का उल्लंघन किया और तब से वह भगौड़ा था।

दिनांक 03.12.2020 को एसआईटी को विश्वसनीय सूत्र से यह सूचना प्राप्त हुई कि उक्त आरोपी रतलाम जिले में मऊ-नीमच फोर लेन हाईवे पर स्थित एचपी पेट्रोल पंप के सामने कच्ची सड़क के किनारे बने एक फुटपाथ से होकर मिड-टाउन कॉलोनी में जाएगा, जहां वह कथित रूप से एक किराये के घर में रह रहा था। उक्त सूचना प्राप्त होने के बाद, एसआईटी टीम आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए तत्काल रवाना हो गई। सम्पूर्ण तलाशी ऑपरेशन के लिए एसआईटी को तीन समूहों में बांट दिया गया। पहली टीम अर्थात् पार्टी संख्या 01, 02 और 03 में क्रमशः श्री मोहम्मद अय्यूब खान, उप-निरीक्षक, श्री रेवल सिंह बारडे, निरीक्षक और श्री किशोर पाटनवाला, निरीक्षक ग्रुप लीडर थे।

इनामी आरोपी व्यक्ति की प्रभावी गिरफ्तारी के लिए तत्काल एक कार्य-योजना तैयार की गई और इसे अमल में लाया गया। जब तलाशी ऑपरेशन चल रहा था, तब श्री विपुल भावसार, सिपाही ने हाईवे की ओर से एक संदिग्ध व्यक्ति को आते हुए देखा, तो उन्होंने टीम के अन्य सदस्यों को सतर्क कर दिया। संदिग्ध व्यक्ति के चेहरे पर टॉर्च की बीम लाइट मारने पर, तत्काल उसकी पहचान इनामी भगौड़े दिलीप देवल के रूप में की गई। उसे श्री मोहम्मद अय्यूब खान, उप-निरीक्षक द्वारा तुरंत चेतावनी देकर रूकने के लिए कहा गया। पुलिस द्वारा दी गई चेतावनी के प्रत्युत्तर में आरोपी दिलीप देवल ने पुलिस टीम को गालियां दी और साथ ही यह धमकी भी दी कि यदि उसे पकड़ने का कोई भी प्रयास किया गया, तो वह उन्हें मार देगा। तत्पश्चात्, अचानक कथित आरोपी ने अपनी पिस्तौल से श्री मोहम्मद अय्यूब खान, उप-निरीक्षक और उनके समूह के सदस्यों पर उन्हें मारने के इरादे से गोलीबारी शुरू कर दी। उन्होंने गोलियों से स्वयं की रक्षा की और अपनी चेतावनी के प्रति इस अप्रत्याशित प्रतिक्रिया से जैसे-तैसे अपनी जान बचाई।

उन्हें मारने के प्रयास के बावजूद, पुलिस टीम ने पुनः आरोपी दिलीप देवल को चेतावनी दी। उसे अपनी पिस्तौल फेंककर आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया। अपनी और टीम के अन्य सदस्यों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए, श्री मोहम्मद अय्यूब खान, उप-निरीक्षक और श्री अनुराग यादव, उप-निरीक्षक ने दो हवाई फायर किए, परन्तु आरोपी दिलीप देवल ने आत्मसमर्पण नहीं किया। इसी बीच, उचित अवसर का लाभ उठाते हुए श्री विपुल भावसार, सिपाही दौड़कर आरोपी के नजदीक गए और उन्होंने उसके उस हाथ को दबोच लिया, जिसमें उसने पिस्तौल पकड़ रखी थी। उसी दौरान, श्री बलराम पाटीदार, सिपाही भी दौड़कर आरोपी के नजदीक पहुंच गए और उन्होंने स्थिति पर नियंत्रण करने का प्रयास किया। दोनों बहादुर सिपाहियों ने अपनी जान की तनिक भी परवाह नहीं की। दोनों पुलिस कार्मिकों के द्वारा किए गए प्रयास की जवाबी कार्रवाई में, आरोपी ने दोनों को एक ओर धकेल दिया और उनपर एक बार और गोली चलाई। सौभाग्य से दोनों सिपाही गोली से बचने में सफल हो गए। उसी समय, जब श्री अनुराग यादव, उप-निरीक्षक ने दोनों सिपाहियों के संघर्ष को देखा, तो उन्होंने श्री हिम्मत सिंह, सिपाही के साथ तुरंत निडरतापूर्वक आरोपी को काबू में करने का प्रयास किया। अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी दिलीप देवल ने श्री अनुराग यादव, उप-निरीक्षक पर दूसरी गोली चला दी, परन्तु गोलीबारी से बचने के लिए उन्होंने शीघ्र छलांग लगा दी और अपने आप को बचाया। तथापि, इस प्रयास में वे बुरी तरह घायल हो गए और उनको ग्रेड ।।। एसीएल की चोट पहुंची, जिससे उनका दायां घुटना हमेशा के लिए क्षतिग्रस्त हो गया। तत्पश्चात्, वहां से बच निकलने के लिए दिलीप देवल गेहूं के खुले खेतों की ओर भागने लगा, तब श्री मोहम्मद अय्यूब खान, उप-निरीक्षक ने निडरतापूर्वक कार्रवाई करते हुए अपनी तीव्र बुद्धिमता का प्रयोग किया और अदम्य साहस के साथ अपने हाथों से अपराधी को पीछे से पकड़ लिया, जिसके कारण वह गोली चलाने के लिए अपने हाथों को नहीं हिला सका। परन्तु आरोपी ने जैसे-तैसे पिस्तौल के पीछे अपनी कलाई को घुमा लिया और गोली चला दी, जो श्री अय्यूब की बायीं पसली को छूकर निकल गई। वे एक झटके के साथ जमीन पर गिर गए और उन्होंने आरोपी को दोबारा गोलीबारी करने से रोकने के लिए पोजीशन ले ली तथा आत्मरक्षा में दोनों उप-निरीक्षकों, श्री अय्यूब खान और श्री अनुराग यादव ने आरोपी दिलीप देवल पर एक-एक राउंड गोली चलाई और वह उसी क्षण ढेर हो गया। यह पूरी घटना 3 मिनट से भी कम समय में घटित हुई। थोड़ी देर के बाद पार्टी संख्या 02 और 03 घटना स्थल के नजदीक पहुंच गई और उसने उस जगह को घेर लिया। पार्टी संख्या 01 के तीन सदस्यों, उप-निरीक्षक श्री मोहम्मद अय्यूब खान, उप-निरीक्षक श्री अनुराग यादव, श्री हिम्मत गौड़, सिपाही, श्री विपुल भावसार, सिपाही और श्री बलराम पाटीदार, सिपाही तथा आरोपी दिलीप देवल इस घटना में बुरी तरह घायल हो गए।

पार्टी संख्या 01 के टीम लीडर की हैसियत से उप-निरीक्षक श्री मोहम्मद अय्यूब खान ने अत्यधिक महत्वपूर्ण पुलिस मुठभेड़ की उपर्युक्त घटना के दौरान अनुकरणीय बहादुरी, अदम्य साहस और कर्तव्यपरायणता का प्रदर्शन किया। श्री खान ने कर्तव्यपरायणता को अपनी जान से बढ़कर माना और कुख्यात अपराधी दिलीप देवल, जो लगातार गोलीबारी कर रहा था, को काबू करने और उसे मार गिराने में अनुकरणीय भूमिका निभाई।

श्री मोहम्मद अय्यूब खान ने विकट परिस्थिति में अपना धैर्य बनाए रखते हुए अदम्य साहस, अनुशासन, कमान और अपनी टीम पर नियंत्रण का प्रदर्शन किया। वीरता और पेशेवरता के इस कृत्य के परिणामस्वरूप, उपर्युक्त मुठभेड़ में पुलिस बल को कोई भी क्षति पहुंचे बिना अपराधी दिलीप देवल मारा गया।

इस ऑपरेशन में, मध्य प्रदेश पुलिस के श्री मोहम्मद अय्यूब खान, उप-निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 03.12.2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/79/2023 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 124-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, मध्य प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	आशीष शर्मा	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
2.	हनुमंत टेकाम	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 18 दिसम्बर, 2022 को, श्री आशीष शर्मा, उप-निरीक्षक को गांव हरातोला से सटे वन्य क्षेत्र के निकट माओवादियों की मौजूदगी के बारे में विश्वसनीय खुफिया जानकारी प्राप्त हुई। इन जानकारियों से यह पता चला कि माओवादी एक बार फिर से कुछ ग्रामीणों को मारने की योजना बना रहे हैं, ताकि उनको आतंकित किया जा सके, जैसाकि अगस्त, 2022 के महीने में गांव जगला, पुलिस स्टेशन मलाजखंड में हुआ था। हेड कांस्टेबल हनुमंत टेकाम की सहायता से श्री आशीष शर्मा, उप-निरीक्षक द्वारा इस जानकारी की तत्काल पुष्टि की गई और उसे पुलिस अधीक्षक बालाघाट के साथ साझा किया गया। उक्त जानकारी की पुष्टि के बाद, विशेष ऑपरेशन समूह (एसओजी) 5 को गहन तलाशी ऑपरेशन के लिए भेजा गया।

श्री आशीष शर्मा, उप-निरीक्षक ने इस सैन्य बल को दो टीमों में विभाजित कर दिया और उन्हें खुफिया जानकारी, क्षेत्र की स्थिति और रणनीतिक ढंग में आगे बढ़ने संबंधी रणनीति के बारे में जानकारी प्रदान की और गांव हरातोला के निकटवर्ती वन में तलाशी ऑपरेशन शुरू कर दिया। लगभग 12:10 बजे, जब उपर्युक्त टीमें गांव हरातोला के निकटवर्ती वन क्षेत्र की तलाशी करते हुए जंगल के रास्ते गांव किनारदा की ओर जाने वाली सड़कों के क्रास जंक्शन की ओर आगे बढ़ रही थी, तब पुलिस पार्टियों पर खूंखार माओवादियों द्वारा अचानक भीषण गोलीबारी की गई।

यह गोलीबारी लगभग एक घंटे तक चली। श्री आशीष शर्मा, उप-निरीक्षक ने पुलिस पार्टियों को एक नियंत्रित ढंग में जवाबी कार्रवाई करने का आदेश दिया। लगातार चेतावनियों के बाद भी माओवादियों ने आत्मसमर्पण नहीं किया, तो श्री आशीष शर्मा ने अपनी निजी सुरक्षा की बिल्कुल परवाह किए बिना अपने कवर से बाहर निकलकर माओवादियों और सैन्य बलों के बीच स्थित सामरिक मैदान को कवर करते हुए बरसती हुई गोलियों के बीच रेंगकर आगे बढ़ने का निर्णय लिया, जहां परिष्कृत विस्फोटक उपकरण (आईईडी) बिछाए जाने की प्रबल संभावना भी थी। इस कार्रवाई में हेड कांस्टेबल हनुमंत टेकाम द्वारा उनकी सहायता की गई। जैसे ही, माओवादियों को यह पता चला कि दो पुलिसकर्मी उनकी दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, तो उन्होंने तुरंत अपनी गोलीबारी को आगे बढ़ रहे पुलिस कर्मियों की ओर मोड़ दिया।

श्री आशीष शर्मा, उप-निरीक्षक और हेड कांस्टेबल हनुमंत टेकाम ने विलक्षण युद्ध कौशल का प्रदर्शन किया, क्योंकि उन्होंने स्वयं को माओवादियों के बच निकलने के मार्गों के पास तैनात कर लिया था। उपर्युक्त अधिकारियों की तीव्र सोच ने माओवादियों को बैक-फुट पर धकेल दिया और उनके कैडरों ने भागना शुरू कर दिया। उसी समय एक माओवादी, जो जबावी गोलीबारी में घायल हो गया था, पेड़ के पीछे छिपा हुआ दिखाई दिया।

दोनों कार्मिक रणनीतिक ढंग से माओवादी की ओर आगे बढ़े और उन्होंने आस-पास में आईईडी के संकेतों का पता लगाया। श्री आशीष शर्मा, उप-निरीक्षक ने यह सुनिश्चित किया कि उनकी टीमों ने सुरक्षित कवर ले लिया है और फिर उन्होंने उपर्युक्त क्षेत्र को सावधानीपूर्वक सेनिटाइज करने तथा माओवादी से राइफल को दूर हटाते समय अपनी स्वयं की जान को जोखिम में डाल दिया। उन्होंने उसके जीवित होने के लक्षणों का पता लगाया, परन्तु माओवादी पहले ही मर चुका था।

उपर्युक्त माओवादी के जीवित होने के लक्षणों का पुनः सावधानीपूर्वक पता लगाया गया, परन्तु वह मृत पाया गया। बाद में, मृत माओवादी की पहचान रूपेश हुंगा डोडी, एरिया कमेटी मेंबर (एसीएम), एसजेडसीएम सुरेन्द्र अक्का कबीर के गार्ड, निवासी गांव टेकलगुडा, तहसील कोंटा, जिला सुकमा, छत्तीसगढ़ के रूप में की गई। वह मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र राज्यों में उन्नीस आपराधिक मामलों में वांछित था। उस पर मध्य प्रदेश सरकार का 3 लाख रुपये, छत्तीसगढ़ सरकार का 5 लाख रुपये और महाराष्ट्र सरकार का 4 लाख रुपये (कुल 12 लाख रुपये का इनाम) का नकद इनाम था।

इस ऑपरेशन में, मध्य प्रदेश पुलिस के सर्व/श्री आशीष शर्मा, उप-निरीक्षक और हनुमंत टेकाम, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 18.12.2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/173/2023 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 125-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, मध्य प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) और वीरता पदक का प्रथम बार सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	समीर सौरभ, भापुसे	पुलिस अधीक्षक	वीरता पदक
2.	मोती उर रहमान, भापुसे	कमाण्डेंट	वीरता पदक
3.	आशीष शर्मा	निरीक्षक	वीरता पदक का प्रथम बार
4.	मोहन लाल मरावी	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
5.	राजेश धुर्वे	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

वर्ष 2023 की पहली तिमाही में, जिला बालाघाट के कान्हा वन क्षेत्र में भारी संख्या में माओवादियों की मौजूदगी के संबंध में लगातार खुफिया जानकारियां प्राप्त हो रही थी। इन जानकारियों की पुष्टि करने के लिए 22 अप्रैल को रात के लगभग 12:08 बजे, निरीक्षक आशीष शर्मा के नेतृत्व में विशेष ऑपरेशन समूह (एसओजी), बैहर को कान्हा वन क्षेत्र में भेजा गया। 22 अप्रैल की सुबह एसओजी बैहर को माओवादियों की एक योजना के बारे में विश्वसनीय खुफिया जानकारी प्राप्त हुई कि वे पुलिस मुखबीरों का पता लगाकर उन्हें मारने के लिए कान्हा वन क्षेत्र के कडला फोरेस्ट गांव में आएंगें। इस जानकारी को निरीक्षक आशीष शर्मा द्वारा तत्काल श्री समीर सौरभ, भापुसे, पुलिस अधीक्षक बालाघाट और श्री मोती उर रहमान, भापुसे, कमाण्डेंट, हॉक फोर्स के साथ साझा किया गया।

पुलिस अधीक्षक बालाघाट और कमान अधिकारी हॉक ने उपर्युक्त खुफिया जानकारी को विभिन्न स्रोतों के माध्यम से क्रॉस चेक किया और कान्हा जंगल के कडला फोरेस्ट गांव क्षेत्र में माओवादियों के छिपने के संभावित स्थानों का पता लगाया। पुलिस अधीक्षक बालाघाट, कमान अधिकारी हॉक और एसओजी बैहर प्रभारी ने कडला फोरेस्ट गांव के निकट एक कॉमन मीटिंग प्वाइंट पर मिलने की सहमति जताई। पुलिस अधीक्षक बालाघाट और कमान अधिकारी हॉक ने उक्त बल को दो टीमों में विभाजित कर दिया और उन्हें विस्तृत जानकारी प्रदान की। जानकारी प्रदान करने के बाद, पुलिस टीमों ने माओवादियों के छिपने के संभावित स्थानों का पता लगाने के लिए कडला फोरेस्ट गांव के आस-पास के वन क्षेत्रों में गहन तलाशी ऑपरेशन शुरू कर दिया।

दिनांक 22.04.2023 को लगभग 03:00 बजे, जब पुलिस टीमें कडला फोरेस्ट गांव से बालधा फोरेस्ट कैंप की ओर आगे बढ़ रही थी, तो पहले से घात लगाकर बैठे माओवादियों ने उनपर अचानक भीषण गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस टीमों ने तत्काल, जो कोई भी कवर वहां पर मौजूद था, ले लिया और चिल्लाकर माओवादियों को यह चेतावनी दी कि उन्हें पुलिस ने चारों तरफ से घेर लिया है और वे अपने हथियार फेंककर आत्मसमर्पण कर दें। परन्तु माओवादी लगातार अंधाधुंध गोलीबारी करते रहे और उन्होंने अपना निशाना सीधे चेतावनी वाले स्रोत की ओर मोड़ दिया।

पुलिस अधीक्षक बालाघाट ने तुरंत स्थिति का आकलन किया और यह निर्णय लिया कि दोनों दिशाओं से माओवादियों की ओर आगे बढ़ने के लिए एक घात-रोधी युक्ति अपनाई जाये। पुलिस अधीक्षक बालाघाट, कमान अधिकारी हॉक और एसओजी बैहर प्रभारी ने अपने सहयोगियों, उप-निरीक्षक मोहन लाल मरावी और सहायक उप-निरीक्षक राजेश धुर्वे के साथ अदम्य साहस का प्रदर्शन किया तथा अपनी निजी सुरक्षा की बिल्कुल भी परवाह किए बिना अपने कवर से बाहर निकलकर बरसती हुई गोलियों की ओर रेंगते हुए आगे बढ़ने का निर्णय लिया। उपर्युक्त अधिकारी कुछ गोलियों से बाल-बाल बच गए परन्तु इन अधिकारियों ने अपनी जान को खतरे में डाल दिया और जवाबी गोलीबारी करने

के लिए आगे बढ़ गए तथा उन्होंने विलक्षण युद्ध-कौशल का प्रदर्शन किया। उनकी साहसिक रणनीतियों के परिणामस्वरूप, आपसी गोलीबारी में दो खूंखार माओवादियों का सफाया हो गया और उनमें से कुछ माओवादियों को चोटें भी आईं, परन्तु इसके बावजूद वे घटनास्थल से भागने में सफल हो गए।

बाद में, मारे गए माओवादियों की पहचान सुनीता उर्फ सोम्दी मरावी (एसीएम) निवासी गांव नगरम, पुलिस स्टेशन जागरगुंडा, जिला सुकमा (छत्तीसगढ़), जिसके पास एक .303 राइफल थी और जिसपर कुल 14 लाख रुपये का नकद इनाम था तथा सरिता उर्फ बिज्जी निवासी गांव जोनागुडेम, पुलिस स्टेशन चिंतलनार, जिला सुकमा (छत्तीसगढ़), जिसके पास एक .303 राइफल थी और जिसपर कुल 14 लाख रुपये का नकद इनाम था, के रूप में की गई।

निःसंदेह, खूंखार माओवादियों के इस गुट ने ऑपरेशन में शामिल पुलिस कर्मियों की जान को एक प्राणघातक आघात पहुंचाने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। यह उपर्युक्त अधिकारियों की वास्तविक हिम्मत और साहस के बल पर ही हुआ कि पुलिस टीमें प्रभावकारी जवाबी कार्रवाई करते हुए माओवादी दलम को तितर-बितर करने में सफल रही।

इस ऑपरेशन में, मध्य प्रदेश पुलिस के सर्व/श्री समीर सौरभ, भापुसे, पुलिस अधीक्षक, मोती उर रहमान, भापुसे, कमाण्डेंट, आशीष शर्मा, निरीक्षक, मोहन लाल मरावी, उप-निरीक्षक और राजेश धुर्वे, सहायक उप-निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 22.04.2023 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/46/2024 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 126-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, मध्य प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) और वीरता पदक का प्रथम बार सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	नामदेव शर्मा	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
2.	अरुण मिश्रा	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक
3.	अतुल कुमार शुक्ला	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक का प्रथम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

वर्ष 2023 की अंतिम तिमाही में, बालाघाट के जमशेहरा-कामकोडादार वन क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की लगातार रिपोर्ट प्राप्त हो रही थी। 14 दिसम्बर की सुबह, एसओजी मोतीनाला को इन रिपोर्टों की पुष्टि करने के लिए जमशेहरा-कामकोडादार वन क्षेत्र में भेजा गया। तलाशी करते समय, पुलिस पार्टी को माओवादियों की योजना के संबंध में यह विश्वसनीय आसूचना प्राप्त हुई कि वे पुलिस का मुखबिर होने के संदेह पर फोरेस्ट गार्ड की हत्या करेंगे। यह आसूचना पुलिस अधीक्षक बालाघाट, श्री समीर सौरभ, पुलिस अधीक्षक मंडला, श्री रजत सकलेचा और कमान अधिकारी हॉक फोर्स, श्री मोती उर रहमान के साथ साझा की गई।

उपर्युक्त खुफिया जानकारी की पुनः पुष्टि की गई और अपर पुलिस अधीक्षक बैहर, श्री विनोद कुमार मीणा को जमशेहरा-कामकोडादार क्षेत्र की ओर आगे बढ़ने तथा माओवादियों के विरुद्ध ऑपरेशन का नेतृत्व करने का निदेश दिया गया। अपर पुलिस अधीक्षक बैहर ने पुलिस पार्टी का प्रभार संभाल लिया। फिर उन्होंने पुलिस बल को दो टीमों में विभाजित कर दिया और उन्हें विस्तृत जानकारी प्रदान की। तदनंतर, पुलिस टीमों ने जमशेहरा और कामकोडादार फोरेस्ट कैंप से सटे वन क्षेत्रों में गहन तलाशी ऑपरेशन शुरू कर दिया।

सुबह लगभग 11:15 बजे, पुलिस टीमों पर घात लगाकर बैठे माओवादियों द्वारा भीषण गोलीबारी की गई। पुलिस टीमों ने कवर ले लिया और चिल्लाकर माओवादियों को यह चेतावनी दी कि उनको पुलिस ने घेर लिया है और आत्मसमर्पण कर दें। तथापि, माओवादी अपनी अंधाधुंध गोलीबारी करते रहे।

अपर पुलिस अधीक्षक बैहर ने शीघ्र स्थिति का मूल्यांकन किया और यह निर्णय लिया कि दोनों दिशाओं से माओवादियों की ओर आगे बढ़ने के लिए एक घात-रोधी रणनीति आवश्यक है। अपने सहयोगियों, उप-निरीक्षक नामदेव शर्मा, सहायक उप-निरीक्षक अरुण मिश्रा और सहायक उप-निरीक्षक अतुल कुमार शुक्ला के साथ अनुकरणीय साहस तथा अपनी निजी सुरक्षा के प्रति पूर्ण उपेक्षा का प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने कवर से बाहर निकलकर बरसती हुई गोलियों की ओर सावधानीपूर्वक आगे बढ़ने का निर्णय लिया।

कई गोलियों से बाल-बाल बचने के बावजूद, इन अधिकारियों ने अपनी जान को जोखिम में डाला और वे विलक्षण कौशल के साथ जवाबी गोलीबारी करते हुए आगे बढ़ते रहे। उनकी साहसिक रणनीतियों के फलस्वरूप एक खूंखार माओवादी का सफाया हो गया। यद्यपि कुछ माओवादियों को चोंटे आईं, परन्तु वे मुठभेड़ स्थल से बच निकले।

बाद में, मारे गए माओवादी की पहचान चैतू उर्फ हिदमा मडकम, मलाजखंड दलम के एसीएम के रूप में की गई। चैतू एक 315 राइफल के साथ मृत पाया गया और उसके सिर पर 14 लाख रुपये का नकद इनाम था।

निश्चित रूप से, माओवादियों के इस गुट ने पुलिस कर्मियों की जान के प्रति एक भीषण आघात पहुंचाने के प्रयास में अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। यह केवल उप-निरीक्षक नामदेव शर्मा, सहायक उप-निरीक्षक अरुण मिश्रा और सहायक उप-निरीक्षक अतुल कुमार शुक्ला के अडिग दृढ़ निश्चय और साहस के कारण हुआ कि पुलिस टीमों ने निर्णयात्मक ढंग से कार्रवाई की तथा माओवादी दलम के हमले को विफल कर दिया।

इस ऑपरेशन में, मध्य प्रदेश पुलिस के सर्व/श्री नामदेव शर्मा, उप-निरीक्षक, अरुण मिश्रा, सहायक उप-निरीक्षक और अतुल कुमार शुक्ला, सहायक उप-निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 14.12.2023 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/48/2024 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 127-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, मध्य प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री पुनीत गेहलोद, भापुसे	कमाण्डेंट	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 30.11.2022 की सुबह, श्री समीर सौरभ (पुलिस अधीक्षक बालाघाट) को जमशेहरा फोरेस्ट कैंप के निकट नक्सलियों के एक बड़े समूह की मौजूदगी के संबंध में एक विश्वसनीय जानकारी प्राप्त हुई, जिनका इरादा वन विभाग के कार्मिक को पुलिस का मुखबिर होने के संदेह पर जान से मारने का था। पुलिस अधीक्षक बालाघाट ने तत्काल ऑपरेशन की व्यवहार्यता और ब्यौरों पर श्री पुनीत गेहलोद, भापुसे, कमाण्डेंट, हॉक फोर्स के साथ चर्चा की तथा विशेष ऑपरेशन समूह (एसओजी) मोतीनैया को उपर्युक्त क्षेत्र में भेजा गया।

इसी बीच, पुलिस अधीक्षक बालाघाट और कमान अधिकारी हॉक ने बड़े परिश्रम के साथ खुफिया जानकारी की पुष्टि की। पुलिस अधीक्षक मंडला श्री यशपाल राजपुत को भी इस ऑपरेशन में शामिल किया गया और वे दिनांक 30.11.2022 की सुबह लक्षित कैंप के पास एसओजी मोतीनैया से मिले। पुलिस अधीक्षक बालाघाट और कमान अधिकारी हॉक ने पूरे समूह को 4 टीमों में विभाजित कर दिया। उपर्युक्त टीमों को दोनों अधिकारियों द्वारा क्षेत्र, लक्ष्य और अन्य ऑपरेशनल ब्यौरों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई और जमशेहरा वन क्षेत्र में गहन तलाशी ऑपरेशन शुरू कर दिया गया।

लगभग 1030 बजे, कैंप की ओर आगे बढ़ रही पुलिस पार्टियों पर घात लगाकर बैठे माओवादियों द्वारा भारी और अंधाधुंध गोलीबारी की गई। पुलिस पार्टियों ने तुरंत कवर ले लिया और पुलिस अधीक्षक बालाघाट और कमान अधिकारी हॉक ने बार-बार चिल्लाकर माओवादियों को गोलीबारी रोकने तथा आत्मसमर्पण करने के लिए कहा। परन्तु माओवादियों का हमला और तेज हो जाने से पुलिस के पास आत्मरक्षा में गोलीबारी करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा।

पुलिस अधीक्षक बालाघाट, कमान अधिकारी हॉक और पुलिस अधीक्षक मंडला ने एसओजी मोतीनैया प्रभारी के साथ जबावी हमले का सामने से नेतृत्व किया। प्रतिरोधी घात के लिए आवश्यक सामरिक कौशल के बारे में भली-भांति परिचित होने के कारण, उन्होंने अपनी टीम की

सहायता से विषम परिस्थिति में कुशलतापूर्वक विलक्षण साहस और दृढ़ निश्चय का प्रदर्शन किया। पुलिस पार्टियों की चढ़ाई को महसूस करते हुए माओवादियों ने अपने हमले को और तेज कर दिया तथा शत्रु की ओर साहसपूर्ण ढंग में आगे बढ़ रहे पुलिसकर्मी कुछ गोलियों से बाल-बाल बच गए। पुलिस अधीक्षक मंडला और एसओजी प्रभारी ने शत्रु के निकट पहुंचने में अपनी टीमों का नेतृत्व करते हुए अपनी जान को भी जोखिम में डाल दिया। उनके द्वारा प्रदर्शित सामरिक दक्षता और विलक्षण साहस के फलस्वरूप दो खूंखार माओवादियों का सफाया हो गया।

बाद में, मारे गए माओवादियों की पहचान एमएमसी कॉर्डिनेशन कमेटी प्रमुख गणेश मडावी (डीवीसीएम), जिसके पास एक एके-47 राइफल थी और जिसपर 29 लाख रुपये का नकद इनाम था तथा कमांडर राजेश वंजम, जिसके पास .315 राइफल थी और जिसपर 20 लाख रुपये का इनाम था, के रूप में की गई।

कुल मिलाकर, अत्यधिक विषम परिस्थिति में कर्तव्यनिष्ठापूर्ण कार्रवाई करते हुए, श्री पुनीत गेहलोद, भापुसे, कमाण्डेंट ने उत्कृष्ट सामरिक कौशल, अनुकरणीय साहस, विलक्षण हिम्मत और दृढ़ निश्चय का प्रदर्शन किया।

इस ऑपरेशन में, मध्य प्रदेश पुलिस के श्री पुनीत गेहलोद, भापुसे, कमाण्डेंट ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 30.11.2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/47/2024 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 128-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, महाराष्ट्र पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) और वीरता पदक, मरणोपरांत सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	डॉ. कुणाल शंकर सोनवणे	अनुमण्डल पुलिस अधिकारी	वीरता पदक
2.	दिपक रंभाजी औटे	पुलिस उप-निरीक्षक	वीरता पदक
3.	स्व. धनाजी तानाजी होनमाने	पुलिस उप-निरीक्षक	वीरता पदक (मरणोपरांत)
4.	नागेशकुमार बोंदयालु मादरबोईना	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
5.	शकील युसूफ शेख	पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
6.	विश्वनाथ समय्या पेंदाम	पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
7.	विवेक मनकु नरोटे	पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
8.	मोरेश्वर नामदेव पोटावी	पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
9.	कैलास चुंगा कुलमेथे	पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 27.11.2019 को वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के आदेशानुसार कोर्के वेलाडी दस्ते के पुलिस उप-निरीक्षक दिपक रंभाजी औटे और 15 पुलिस कर्मियों, गंगाराम सिदाम दस्ते के 21 कार्मिकों, ईश्वर गोबी दस्ते के 23 कार्मिकों और शामराव दुग्गा दस्ते के 23 कार्मिकों वाले सभी चार सी-60 दस्ते नक्सल-रोधी ऑपरेशन चलाने के लिए प्राणहिता से रवाना हुए। बीच रास्ते में, डॉ. कुणाल शंकर सोनवणे, अनुमण्डल पुलिस अधिकारी, भामरागढ़, पुलिस उप-निरीक्षक धनाजी तानाजी होनमाने और दो पुलिसकर्मी इन चार सी-60 दस्तों में शामिल हो गए। तत्पश्चात्, उन्होंने स्वयं को दो समूहों में विभाजित कर लिया। पहले समूह में डॉ. कुणाल शंकर सोनवणे, पुलिस उप-निरीक्षक धनाजी तानाजी होनमाने और कोर्के वेलाडी एवं गंगाराम सिदाम दस्तों के कार्मिक शामिल थे तथा दूसरे समूह में शामराव दुग्गा और ईश्वर गोटा दस्तों के कार्मिक शामिल थे।

दिनांक 29.11.2019 को, डॉ. कुणाल शंकर सोनवणे, पुलिस उप-निरीक्षक धनाजी तानाजी होनमाने और गंगाराम सिदाम एवं कोर्के वेलाडी के नेतृत्व वाले दस्ते ने कोयूर और मुरांगल पहाड़ियों के जंगल की तलाशी की तथा मोरमेटा के जंगल में प्रवेश किया। लगभग 1600 बजे, जब उपर्युक्त दस्तें गांव मोरमेटा की निकटवर्ती पहाड़ी पर चढ़ रहे थे, तो उनपर अचानक गोलियों की बौछार हुई। उस दौरान, पुलिस कार्मिकों ने तुरंत स्वयं का बचाव किया और गोलीबारी की दिशा का अनुमान लगाया तथा नक्सलियों से आत्मसमर्पण करने की अपील की। परन्तु नक्सलियों ने अपील को अनसुना कर दिया और लगातार गोलीबारी करते रहे। उसी समय, डॉ. कुणाल शंकर सोनवणे ने पुलिस पार्टीयों को तीन समूहों में विभाजित कर दिया, पुलिस उप-निरीक्षक धनाजी तानाजी होनमाने और उनके समूह ने दायीं दिशा से, पुलिस उप-निरीक्षक जनक और उनके समूह ने मध्य से तथा डॉ. कुणाल शंकर सोनवणे और उनके समूह ने बायीं दिशा से नक्सलवादियों पर आत्मरक्षा में नियंत्रित गोलीबारी शुरू कर दी। इसके साथ-साथ, डॉ. कुणाल शंकर सोनवणे के मार्गदर्शन में सभी तीनों पुलिस समूहों ने नक्सलियों को उनके लाभपूर्ण ठिकानों से हटाने के लिए पहाड़ी पर चढ़ना शुरू कर दिया।

उस समय, उनमें से एक माओवादी को तेज आवाज में अन्य माओवादियों को निर्देश देते हुए सुना गया "ये पुलिस वाले पिछले चुनाव के दौरान बच गए थे, परन्तु आज इनमें से कोई जिंदा नहीं बचना चाहिए।" इसके बाद उन्होंने पुलिस पार्टी पर गोलीबारी शुरू कर दी और उन्होंने पुलिस कर्मियों को मारने के इरादे से एक लैंडमाइन से विस्फोट भी किया। जवाबी कार्रवाई में, पुलिस पार्टी ने नक्सलवादियों की दिशा में नियंत्रित गोलीबारी का सहारा लिया। इसी बीच, पुलिस उप-निरीक्षक जनक के नेतृत्व वाले समूह पर नक्लवादियों द्वारा भारी गोलीबारी की गई और वे उसमें घिर गए। जैसे ही, उपर्युक्त सूचना वॉकी-टॉकी सेट पर प्राप्त हुई, डॉ. कुणाल शंकर सोनवणे के नेतृत्व वाला समूह अपनी स्वयं की जान को भारी संकट में डालकर फंसे हुए कार्मिकों की ओर बायीं दिशा से आगे बढ़ा। उसी समय, पुलिस उप-निरीक्षक धनाजी तानाजी होनमाने और पुलिस उप-निरीक्षक दिपक रंभाजी औटे के नेतृत्व वाले दूसरे समूह ने अपने समूह के साथ अपनी जान को खतरे में डालकर 15-20 फुट गहरे नाले में प्रवेश किया और फिर पहाड़ी पर चढ़ना शुरू कर दिया। पुलिस के बढ़ते हुए दबाव को भांप कर नक्सलियों ने पहाड़ी और घनी झाड़ियों का कवर लेने का प्रयास किया। डॉ. कुणाल शंकर सोनवणे और पुलिस उप-निरीक्षक धनाजी तनाजी होनमाने तथा पुलिस उप-निरीक्षक दिपक रंभाजी औटे के नेतृत्व वाले समूहों द्वारा प्रदर्शित विलक्षण साहस के कारण, फंसे हुए पुलिस समूह को नक्सलियों के चंगुल से सफलतापूर्वक बचा लिया गया। तत्पश्चात् पुलिस कर्मियों की समीक्षा की गई, जिसके दौरान दो पुलिसकर्मी नामतः नायक पुलिस कांस्टेबल शंकर मडावी और पुलिस कांस्टेबल शकील युसूफ शेख को घायल पाया गया। शेष पुलिसकर्मी सुरक्षित और क्षतिरहित थे। कथित आपसी गोलीबारी लगभग एक घंटे तक चली। घटनास्थल पर माओवादियों के एक बड़े प्रशिक्षण शिविर का संकेत मिला। प्रशिक्षण के लिए प्रयुक्त अवरोधक और अन्य सामग्रियां भी वहां पाई गई। इसके अतिरिक्त, उस स्थान के आस-पास एक पेड़ के नीचे पका हुआ भोजन और भोजन पकाने के लिए प्रयुक्त सामग्री दिखाई दी। चूंकि, अंधेरा हो रहा था, अतः पुलिस पार्टी की सुरक्षा के मद्देनजर घटनास्थल के निकट स्थित पहाड़ी पर रात्रि विश्राम किया गया।

तत्पश्चात्, अगले दिन दिनांक 30.11.2019 को पुलिस द्वारा घटनास्थल की तलाशी की गई। घटनास्थल की गहन छानबीन करने पर, पुलिस को दो पुरुष माओवादी जमीन पर अचेत पड़े हुए मिले। इसके साथ-साथ, घटनास्थल से निम्नलिखित सामग्रियां, जैसे कि एक .303 राइफल, .303 राइफल के जिंदा कारतूस, एक 8 एमएम राइफल, 8 एमएम राइफल के सात जिंदा कारतूस, दो भारमर बंदूकें, एके-47 राइफल के 16 जिंदा कारतूस, एसएलआर राइफल के सात जिंदा कारतूस, 12 बोर की बंदूक के सात कारतूस, चार डेटोनेटर और अन्य सामग्रियां भी प्राप्त हुईं।

उसके बाद, पुलिस पार्टी अचेत पुरुष माओवादियों और नक्सल सामग्री को घटनास्थल से लेकर गांव नेलगुंडा की ओर रवाना हुई। जैसे ही, पुलिस पार्टी घटनास्थल से कुछ दूर आगे बढ़ी, तो जंगल में छिपे हुए माओवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए पुलिस पार्टी पर पुनः हमला कर दिया। उस दौरान, पुलिस पार्टी ने माओवादियों पर जवाबी गोलीबारी करते हुए आत्मरक्षा में कार्रवाई की। पुलिस के बढ़ते हुए दबाव को भांप कर, माओवादी घने जंगल में भाग गए। तत्पश्चात्, सावधानी बरतते हुए और नक्सल-रोधी ऑपरेशन को अंजाम देते हुए, पुलिस पार्टी गांव नेलगुंडा में पहुंची। फिर दोनों अचेत माओवादियों को चिकित्सीय उपचार के लिए एक चॉपर में गडचिरोली भेज दिया गया।

इस ऑपरेशन में, महाराष्ट्र पुलिस के डॉ. कुणाल शंकर सोनवणे, अनुमण्डल पुलिस अधिकारी, सर्व/श्री दिपक रंभाजी औटे, पुलिस उप-निरीक्षक, स्व. धनाजी तानाजी होनमाने, पुलिस उप-निरीक्षक, नागेशकुमार बोंदयालु मादरबोईना, नायक पुलिस कांस्टेबल, शकील युसूफ शेख, पुलिस कांस्टेबल, विश्वनाथ समय्या पेंदाम, पुलिस कांस्टेबल, विवेक मनकु नरोटे, पुलिस कांस्टेबल, मोरेश्वर नामदेव पोटावी, पुलिस कांस्टेबल और कैलास चुंगा कुलमेथे, पुलिस कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 29.11.2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/90/2023 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 129-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, महाराष्ट्र पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	कोतला बोटू कोरामी	पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
2.	कोरके सन्नी वेलादी	पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
3.	महादेव विष्णु वानखेडे	पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 23.07.2017 को, विशेष ऑपरेशन दस्ता, प्राणहिता (अहेरी) के पुलिस कांस्टेबल कोरके सन्नी वेलादी को कवथाराम-कापेवांचा जंगल में 20-25 नक्सलियों की मौजूदगी के संबंध में गोपनीय जानकारी प्राप्त हुई। विशेष ऑपरेशन दस्ता, प्राणहिता (अहेरी) के पुलिस उप-निरीक्षक सुखदेव बंदगर ने भी यह सूचना अपर पुलिस अधीक्षक, अहेरी, श्री राजा आर. को प्रदान की। उसके बाद एक योजना तैयार की गई और एक टीम का गठन किया गया।

उपर्युक्त पुलिस पार्टी 10.45 बजे रवाना हुई। लगभग 16.30 बजे, जब कवथाराम जंगल में तलाशी ऑपरेशन चलाया जा रहा था, तब घात लगाकर बैठे 20-25 नक्सलियों ने अचानक पुलिस पार्टी को घेर लिया। पुलिस पार्टी अकस्मात नक्सलियों की अंधाधुंध गोलीबारी में घिर गई। कवर लेने के लिए छलांग लगाने के बाद पुलिस पार्टी ने प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के सदस्यों को गोलीबारी बंद करने, अपने हथियार डालने और पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया, परन्तु उनके आदेश को अनसुना कर दिया गया। प्रभाकर मडावी पार्टी के 10 सदस्यों को पूरी तरह से घेर लिया गया था और उनपर नक्सलवादियों द्वारा सभी दिशाओं से भारी गोलीबारी की जा रही थी, जो एक-दूसरे को निर्देश एवं आदेश दे रहे थे कि घिरे हुए पुलिस कर्मियों मार डालो और उनके हथियार एवं गोलाबारुद छीन लो। इन पुलिस वालों को बचाना अत्यधिक महत्वपूर्ण था। पुलिस कांस्टेबल कोतला बोटू कोरामी, पुलिस कांस्टेबल कोरके सन्नी वेलादी और पुलिस कांस्टेबल महादेव विष्णु वानखेडे ने बचाव पार्टी की हमलावर टुकड़ी तैयार की, जिसने न केवल नक्सलियों की घात को भेद दिया, बल्कि यह टुकड़ी संभावित क्षति अथवा मौत का सामना कर रहे घिरे हुए पुलिस कार्मिकों को भी बचाने में सक्षम रही।

बाद में चलाए गए कॉम्बिंग ऑपरेशन में, पुलिस पार्टी को एक पुरुष नक्सली का शव, एक 12 बोर की राइफल, एके-47 से चलाई गई सात गोलियों के खोखे और अन्य सामग्रियां प्राप्त हुईं।

इस विशिष्ट घटना में यह ध्यान देना आवश्यक है कि नक्सली अपनी ओर से अचंभित करने की एक स्पष्ट लाभपूर्ण स्थिति में थे। यह उनके द्वारा तैयार की गई घात से स्पष्ट प्रतीत होता था। फिर भी पुलिस पार्टी ने नक्सलवादियों द्वारा की गई अचानक गोलीबारी से विचलित हुए बिना जवाबी कार्रवाई करते हुए अनुकरणीय साहस और बुद्धिमत्ता का प्रदर्शन किया। पुलिस कांस्टेबल कोतला बोटू कोरामी, पुलिस कांस्टेबल कोरके सन्नी वेलादी और पुलिस कांस्टेबल महादेव विष्णु वानखेडे द्वारा चलाया गया बचाव ऑपरेशन 'कमांडो भातृत्व' की एक बेहतरीन मिसाल है, जिसमें बचाव पार्टी के सदस्यों ने घिरे हुए अपने कमांडो भाईयों को बचाने के लिए अपनी स्वयं की जान को जोखिम में डाल दिया था।

इस ऑपरेशन में, महाराष्ट्र पुलिस के सर्व/श्री कोतला बोटू कोरामी, पुलिस कांस्टेबल, कोरके सन्नी वेलादी, पुलिस कांस्टेबल और महादेव विष्णु वानखेडे, पुलिस कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 23.07.2017 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/201/2023 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 130-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, महाराष्ट्र पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	अनुज मिलींद तारे, भापुसे	अपर पुलिस अधीक्षक	वीरता पदक

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
2.	राहुल नामदेवराव देव्हडे	पुलिस उप-निरीक्षक	वीरता पदक
3.	विजय दादासो सपकाल	पुलिस उप-निरीक्षक	वीरता पदक
4.	महेश बोरु मिच्चा	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
5.	समय्या लिंगय्या आसम	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 28.09.2022 को, एसपीएस राजाराम (केएच.) के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत कापेवानेहा-नैनर के जंगल में काली-हरी पोशाक पहने सीपीआई (माओवादी) गुट के सशस्त्र सदस्यों के एकत्र होने के बारे में विश्वसनीय आसूचना प्राप्त हुई। यह भी पता चला कि इन माओवादियों का संबंध अहेरी एलओएस, पेमिली एलओएस और कुछ अन्य अज्ञात संगठनों से था। उनकी संख्या लगभग 30-40 थी और वे भारी हथियारों से सुसज्जित थे। उक्त जानकारियों से यह भी पता चला कि वहां पर घनी झाड़ियों और मैनर कापेवांचा क्षेत्र के दुर्गम पहाड़ी भू-भाग का लाभ उठाकर सुरक्षा बलों पर एक बड़ा हमला करने का षड्यंत्र रचा जा रहा था। इसलिए, सुरक्षा तंत्र पर माओवादियों द्वारा किसी बड़े हमले को अंजाम देने से पहले ही उन्हें खदेड़ना आवश्यक था। तदनुसार, श्री अंकित गोयल, पुलिस अधीक्षक, गडचिरौली के कहने पर श्री सौम्य मुंडे, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑप्स), श्री समीर शेख, अपर पुलिस अधीक्षक (प्रशासन) और श्री अनुज मिलींद तारे, अपर पुलिस अधीक्षक अहेरी द्वारा संयुक्त रूप से एक माओवादी-रोधी ऑपरेशन की योजना तैयार की गई।

इसलिए, 7 विशेष ऑपरेशन दस्तों (सी-60) वाली एक पुलिस टीम गठित की गई और उसे उपर्युक्त सम्पूर्ण वन क्षेत्र में माओवादी-रोधी ऑपरेशन चलाने का काम सौंपा गया। सभी सी-60 दलों को श्री सौम्य मुंडे और श्री अनुज मिलींद तारे द्वारा ऑपरेशन के उद्देश्य, माओवादियों की संभावित संख्या, उनके हथियारों आदि के बारे में पूर्ण जानकारी प्रदान की गई। लगभग 12:35 बजे, वे उक्त ऑपरेशन के लिए रवाना हुए और कथित वन क्षेत्रों के निकट पहुंचकर वाहन से उतर गए। तदनंतर, ऑपरेशन संबंधी आवश्यकता को पूरा करने के लिए पुलिस कर्मियों ने स्वयं को दो समूहों मे विभाजित कर लिया और ऑपरेशन शुरू कर दिया।

लगभग 18:00 बजे, उपर्युक्त जंगल में तलाशी ऑपरेशन चलाते समय पहाड़ी की चोटी पर छिपे माओवादियों ने पुलिस उप-निरीक्षक विजय दादासो सपकाल के नेतृत्व वाले प्रथम समूह पर अचानक हमला कर दिया, जिनकी सी-60 पार्टी के कमांडर हेड कांस्टेबल महेश बोरु मिच्चा द्वारा कुशलतापूर्वक सहायता की गई। माओवादियों ने पुलिस पार्टी को मारने तथा बाद में उनके हथियार और गोलाबारुद छीनने के इरादे से उनपर अंधाधुंध गोलीबारी की और उसके बाद बम (यूबीजीएल एवं बीजीएल) से हमला किया। इस खतरनाक स्थिति में, पुलिस कर्मियों ने चट्टानों और पेड़ों के पीछे आड़ ले ली। इस गंभीर खतरे का सामना होने पर भी माओवादियों से आत्मसमर्पण करने की अपील की गई। अपील को नजरअंदाज करते हुए माओवादियों ने घिरे हुए समूह पर गोलीबारी जारी रखी। परिणामस्वरूप, पुलिस कर्मियों ने आत्मरक्षा में माओवादियों पर नियंत्रित गोलीबारी शुरू कर दी। सामने से नेतृत्व करते हुए, पुलिस उप-निरीक्षक विजय दादासो सपकाल और हेड कांस्टेबल महेश बोरु मिच्चा अपने साथी कार्मिकों के साथ धीरे-धीरे एवं सुदृढ़ ढंग में नजदीक आ रहे माओवादियों की ओर आगे बढ़े। इस संकट की घड़ी में, पुलिस उप-निरीक्षक विजय दादासो सपकाल और हेड कांस्टेबल महेश बोरु मिच्चा ने अनुकरणीय साहस और रणनीतिक जंगल युद्ध कौशल का प्रदर्शन किया और अपने सैन्य दस्तों को उस पोजीशन में ले गए जहां से उन्होंने माओवादियों को आगे बढ़ने से रोक दिया। पुलिस उप-निरीक्षक विजय दादासो सपकाल, हेड कांस्टेबल महेश बोरु मिच्चा और उनके कार्मिकों ने नियंत्रित ढंग में गोलीबारी करना जारी रखा, ताकि सहायता बुलाई जा सके। इस रणनीतिक चाल ने कुछ समय के लिए माओवादियों को दूर रखा।

इसी बीच, पुलिस उप-निरीक्षक विजय दादासो सपकाल ने पुलिस उप-निरीक्षक राहुल नामदेवराव देव्हडे के नेतृत्व वाले दूसरे समूह और सी-60 पार्टी कमांडर नायक पुलिस कांस्टेबल समय्या लिंगय्या आसम को वॉकी-टॉकी सेट के माध्यम से सूचित किया और उनसे सहायता मांगी। यह समूह तत्काल माओवादियों के निकट पहुंच गया और उन्होंने माओवादियों से आत्मसमर्पण करने की अपील की। परन्तु अपील को नजरअंदाज करते हुए माओवादियों ने दूसरे समूह के साथ-साथ सहायता के लिए पहुंचे अन्य कार्मिकों पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस उप-निरीक्षक राहुल नामदेवराव देव्हडे और नायक पुलिस कांस्टेबल समय्या लिंगय्या आसम ने उपर्युक्त क्षेत्र के बारे में अनेक वर्षों के दौरान प्राप्त अपनी घनिष्ठ जानकारी का उपयोग किया तथा शीघ्र ही रणनीतिक ढंग में पीछे हट गए। उन्होंने स्वयं को दो समूहों में विभाजित कर लिया, पुलिस उप-निरीक्षक राहुल नामदेवराव देव्हडे के नेतृत्व में पहला समूह और नायक पुलिस कांस्टेबल समय्या लिंगय्या आसम के नेतृत्व में दूसरा समूह विपरीत दिशाओं से उस माओवादी गुट की ओर आगे बढ़ा, जो पुलिस उप-निरीक्षक विजय दादासो सपकाल और हेड कांस्टेबल महेश बोरु मिच्चा के नेतृत्व वाले समूह पर हमला करने के अवसर की तलाश में था। इन दोनों समूहों ने माओवादियों को पूर्णरूप से अचंभित कर दिया और उन्होंने वॉकी-टॉकी पर समन्वय करते हुए स्वचालित एवं क्षेत्रीय हथियारों की सहायता से माओवादियों पर सटीक और नियंत्रित गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस उप-निरीक्षक राहुल नामदेवराव देव्हडे और नायक पुलिस कांस्टेबल समय्या लिंगय्या आसम द्वारा प्रदर्शित समझ-बूझ, विश्वास और एक-

दूसरे की पोजीशन का ज्ञान उच्चकोटि का था, जिससे वे माओवादियों को कुछ दूरी तक पीछे धकेलने में सफल हो गए। माओवादियों की ओर से हो रही गोलीबारी में इस अल्प परन्तु महत्वपूर्ण विराम की वजह से पुलिस उप-निरीक्षक राहुल नामदेवराव देव्हडे, पुलिस उप-निरीक्षक विजय दादासो सपकाल और नायक पुलिस कांस्टेबल समय्या लिंगय्या आसम को माओवादियों की गोलीबारी की रेंज से बाहर निकलने और आगामी कार्रवाई के लिए रणनीति तैयार करने हेतु कुछ दूरी पर पुनः संगठित होने का मौका मिल गया। यह सम्पूर्ण आपसी गोलीबारी लगभग 45 मिनट तक चली।

चूंकि, अंधेरा हो रहा था, दृश्यता कम हो गई थी और इसलिए, कमांडो ने वहीं पर विश्राम किया। पुलिस कर्मियों को कुछ दूरी पर माओवादियों की मौजूदगी महसूस हो रही थी। इस बात की पूरी संभावना थी कि माओवादी पुलिस पर पुनः घात लगाकर हमला कर सकते हैं। इसलिए शीघ्र वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल सहायता भेजने हेतु सूचित किया गया।

बहुमूल्य समय को गंवाए बिना, श्री अनुज मिलींद तारे, भापुसे, अपर पुलिस अधीक्षक, अहेरी ने सहायक पुलिस बल और उपर्युक्त ऑपरेशन का इस आधार पर नेतृत्व करने का निर्णय लिया कि एक वरिष्ठ अधिकारी की मौजूदगी में पुलिस बलों का हौसला बढ़ेगा और इसके फलस्वरूप बेहतर समन्वय होगा तथा प्रभावकारिता बढ़ेगी।

इस प्रकार, श्री अनुज मिलींद तारे, अपर पुलिस अधीक्षक, अहेरी ने 09 सी-60 पार्टियों को सहायक बल के रूप में अपने साथ शामिल कर लिया। मार्ग में, उन्होंने इस ऑपरेशन में शामिल प्रत्येक पार्टी को जानकारी प्रदान की और उन्हें उनके मिशन का महत्व समझाते हुए आगे की कार्रवाई के लिए मानसिक रूप से तैयार किया। दिनांक 29.09.2022 को लगभग 0500 बजे वाहन से उतरने के बाद उन्होंने उक्त क्षेत्र के बारे में अत्यधिक जागरूकता का प्रदर्शन किया और यह सुनिश्चित किया कि घने अंधेरे में सभी पार्टियां अपने रेडियो बंद कर ले तथा उस स्थान की ओर जाने में उनका मार्गदर्शन किया, जहां पर पहले वाली पार्टियां रूकी हुई थी।

इस प्रकार की संकटपूर्ण स्थिति में, दिनांक 29.09.2022 को लगभग 05.00 बजे, उपर्युक्त कार्मिकों के साथ श्री अनुज मिलींद तारे, अपर पुलिस अधीक्षक, अहेरी माओवादी-रोधी ऑपरेशन के लिए रवाना हुए और कापेवांचा-नैनर वन क्षेत्रों के निकट पहुंच गए। तत्पश्चात् इस समूह को दो समूहों में विभाजित कर दिया गया। दोनों समूहों का नेतृत्व श्री अनुज मिलींद तारे द्वारा किया गया। ये दोनों समूह तत्काल घात के भीतर फंसे समूह के पास पहुंच गए। इसी बीच, चूंकि कुछ सी-60 पार्टियां घात के भीतर फंसी हुई थी, अतः माओवादियों ने यह मान लिया कि दूसरी सी-60 पार्टियां सहायता के लिए आ सकती हैं और वे दूसरी नई सी-60 पार्टियों पर घात लगाने के लिए तैयार बैठे थे। जैसे ही, श्री अनुज मिलींद तारे के नेतृत्व में सी-60 पार्टियां कापेवांचा-नैनर के पहाड़ी क्षेत्र में पहुंची, माओवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और बम (यूबीजीएल एवं बीजीएल) से हमला किया। अचानक हुए हमले के कारण, कमांडो उक्त क्षेत्र में फैल गए और कवर लेकर आगे बढ़ते हुए यह ग्रुप माओवादियों के समीप पहुंच गया। यह देखकर माओवादियों ने पुलिस कर्मियों को सभी दिशाओं से घेर लिया और उनपर भीषण गोलीबारी शुरू कर दी तथा उनपर बम से भी हमला किया। श्री अनुज मिलींद तारे ने सावधानी बरतते हुए अपने समूह के अन्य पुलिस कर्मियों को माओवादियों द्वारा लगभग 200 मीटर की दूरी पर की गई घेराबंदी पर निशाना साधने और माओवादियों पर भारी गोलीबारी शुरू करने का निर्देश दिया। इस लक्षित हमले से अचंभित होकर उस छोटे भाग में मौजूद माओवादियों ने अपनी पोजीशन छोड़ दी और वे जल्दी से पीछे हट गए। फिर श्री अनुज मिलींद तारे के नेतृत्व वाले समूहों ने माओवादियों की घेराबंदी के बीच से अपना रास्ता बना लिया और उस समूह के पास पहुंच गए, जो वहां रात में ठहरा हुआ था। श्री अनुज मिलींद तारे और उनके साथी कार्मिकों द्वारा युद्ध क्षेत्र में प्रदर्शित अदम्य साहस और युद्ध कौशल के कारण फंसे हुए कमांडो को सफलतापूर्वक बचाया जा सका और पुलिस कर्मियों के बहुमूल्य जीवन की रक्षा की जा सकी।

फिर, श्री अनुज मिलींद तारे ने सभी सी-60 पार्टियों को विस्तारित संरचना में पुनर्गठित किया और वे नियंत्रित ढंग में गोलीबारी करते हुए माओवादियों की ओर आगे बढ़े। माओवादियों ने पुलिस के बढ़ते हुए दबाव को भांप लिया और वे घने जंगल का लाभ उठाकर भाग गए।

तत्पश्चात, पुलिस पार्टियों ने तलाशी ऑपरेशन चलाया और एक महिला माओवादी अर्थात् नंदी जोगा कुडम (मडकम), एसीएम का शव बरामद किया। घटनास्थल से 8 एमएम राइफल-01, 9 एमएम राइफल के कारतूस-03, 7.65 एमएम के कारतूस-01, 7.62 एमएम एसएलआर राइफल के कारतूस-01, सैमसंग कंपनी का मोबाइल फोन-01, हैवरसैक (पिठ्ठू)-03, मैगजीन पाउच-05, स्वीच-01, कार चार्जर-01, एल्यूमीनियम बर्तन-01, स्टील प्लेट-03, स्टील मग-04, प्लास्टिक कैन-02, फुटवियर-03, माओवादी पुस्तकें, दवाइयां और माओवादियों से संबंधित अन्य सामग्रियां भी बरामद की गईं।

आपसी गोलीबारी के दौरान, अपर पुलिस अधीक्षक श्री अनुज मिलींद तारे, पुलिस उप-निरीक्षक राहुल नामदेवराव देव्हडे, पुलिस उप-निरीक्षक विजय दादासो सपकाल, हेड कांस्टेबल महेश बोरु मिच्चा और नायक पुलिस कांस्टेबल समय्या लिंगय्या आसम ने युद्ध क्षेत्र में अपनी जान को गंभीर खतरे में डालकर विलक्षण साहस और गुरिल्ला युद्ध कौशल का प्रदर्शन किया है। इन पुलिस कर्मियों द्वारा की गई अक्रामक जवाबी कार्रवाई के कारण पुलिस ने फंसे हुए पुलिस कर्मियों के बहुमूल्य जीवन को बचाकर विलक्षण नेतृत्व का प्रदर्शन करते हुए एक खूंखार महिला माओवादी का सफलतापूर्वक सफाया कर दिया।

इस ऑपरेशन में, महाराष्ट्र पुलिस के सर्व/श्री अनुज मिलींद तारे, भापुसे, अपर पुलिस अधीक्षक, राहुल नामदेवराव देव्हडे, पुलिस उप-निरीक्षक, विजय दादासो सपकाल, पुलिस उप-निरीक्षक, महेश बोरु मिच्चा, हेड कांस्टेबल और समय्या लिंगय्या आसम, नायक पुलिस कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 28.09.2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/51/2024 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 131-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, पंजाब पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) और वीरता पदक का प्रथम बार सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	संदीप गोयल	सहायक पुलिस महानिरीक्षक	वीरता पदक
2.	बिक्रमजीत सिंह बराड़	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक का प्रथम बार
3.	राजन परमिंदर सिंह	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक
4.	पुषविंदर सिंह	निरीक्षक (एलआर)	वीरता पदक
5.	जसप्रीत सिंह	उप-निरीक्षक (एलआर)	वीरता पदक
6.	गुरप्रीत सिंह	उप-निरीक्षक (एलआर)	वीरता पदक
7.	सुखराज सिंह	कांस्टेबल-।।	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

तेजिंदर सिंह उर्फ तेजा के विरुद्ध यूएपीए सहित 38 जघन्य आपराधिक मामले दर्ज थे और उसे 11 मामलों में दोषसिद्ध किया गया था। वह पंजाब पुलिस के सिपाही कुलदीप सिंह की हत्या में भी एक वांछनीय अपराधी था। प्राप्त गुप्त सूचना के अनुसार, तेजिंदर सिंह उर्फ तेजा और उसके दो सहयोगी, अमनप्रीत उर्फ पीता ढेशी और विजय उर्फ मनी राहूं जिला फतेहगढ़ साहेब और रूप नगर क्षेत्र में एक थार गाड़ी संख्या पीबी 12 एएफ 0052 में घूम रहे थे और उनके पास भारी मात्रा में हथियार थे। सहायक महानिरीक्षक संदीप गोयल के साथ-साथ अन्य पुलिस अधिकारियों ने उपर्युक्त गैंगस्टरों का पता लगाने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए एक ऑपरेशन शुरू किया। अपराधियों को थार गाड़ी में न्यू फतेहगढ़ साहिब मार्केट, बस्सी पठाना में घूमते हुए देखा गया। सहायक महानिरीक्षक संदीप गोयल और पुलिस उपाधीक्षक बिक्रमजीत सिंह बराड़ के साथ-साथ पुलिस टीमों ने उक्त अपराधियों की गाड़ी को अवरुद्ध करने के लिए अपने वाहन तैनात कर दिए। तत्पश्चात्, सहायक महानिरीक्षक संदीप गोयल और पुलिस उपाधीक्षक बिक्रमजीत सिंह बराड़ ने तेजिंदर सिंह उर्फ तेजा और उसके सहयोगियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, परन्तु उक्त अपराधियों ने पुलिस टीमों पर सभी दिशाओं से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। उप-निरीक्षक (एलआर) गुरप्रीत सिंह के पैर में एक गोली लगने से चोट लग गई और जब तेजिंदर सिंह उर्फ तेजा ने सी-।। सुखराज सिंह पर गाड़ी चढ़ा दी, तो उनका पैर भी जख्मी हो गया। अंधाधुंध गोलीबारी के बावजूद, अपराधियों के बच निकलने के प्रयास को विफल करने के लिए पुलिस उपाधीक्षक राजन परमिंदर सिंह अपनी जान की परवाह किए बिना उनके वाहन की ओर आगे बढ़े और उन्होंने गोली मारकर थार गाड़ी के टायर को पंचर कर दिया। इसके साथ-साथ, सहायक महानिरीक्षक संदीप गोयल, पुलिस उपाधीक्षक बिक्रमजीत सिंह बराड़, निरीक्षक पुषविंदर सिंह और पुलिस टीमें अपनी जान की परवाह किए बिना अपराधियों को काबू में करने के लिए उनकी ओर आगे बढ़ी और जवाबी गोलीबारी शुरू कर दी। जारी आपसी गोलीबारी में, निरीक्षक पुषविंदर सिंह और उप-निरीक्षक (एलआर) जसप्रीस सिंह की बुलेटप्रूफ जैकेटों में गोलियां लगी। गोलीबारी बंद होने के बाद, शारीरिक तौर पर निरीक्षण करने के बाद यह पता चला कि तेजिंदर सिंह उर्फ तेजा और मनी राहूं मारे जा चुके हैं, जबकि अमनप्रीत सिंह उर्फ पीता ढेशी घायल हो गया है, जिसकी अस्पताल में उपचार के दौरान बाद में मौत हो गई। अपराधियों के कब्जे से 41 जिंदा कारतूसों के साथ चार .30 कैलिबर चीनी पिस्तौल सहित 09 पिस्तौलें बरामद की गईं।

इस ऑपरेशन में, पंजाब पुलिस के सर्व/श्री संदीप गोयल, सहायक पुलिस महानिरीक्षक, बिक्रमजीत सिंह बराड़, पुलिस उपाधीक्षक, राजन परमिंदर सिंह, पुलिस उपाधीक्षक, पुषविंदर सिंह, निरीक्षक (एलआर), जसप्रीत सिंह, उप-निरीक्षक (एलआर), गुरप्रीत सिंह, उप-निरीक्षक (एलआर) और सुखराज सिंह, कांस्टेबल-।। ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 22.02.2023 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/41/2024 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 132-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, तेलंगाना पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	सुनील दत्त, भापुसे	पुलिस अधीक्षक	वीरता पदक
2.	मोरा कुमार	डिप्टी असॉल्ट कमाण्डर/ रिजर्व निरीक्षक	वीरता पदक
3.	शनिगरापु संतोष	सहायक असॉल्ट कमाण्डर/रिजर्व उप-निरीक्षक	वीरता पदक
4.	अमिली सुरेश	जूनियर कमाण्डो/पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
5.	वेलमुला वमशी	जूनियर कमाण्डो/पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
6.	कम्पाटी उपेन्दर	जूनियर कमाण्डो/पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक
7.	पायम रमेश	जूनियर कमाण्डो/पुलिस कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

पुलिस अधीक्षक सुनील दत्त, भापुसे को एक विशिष्ट जानकारी प्राप्त हुई कि मधु एवं राजेश के नेतृत्व में सशस्त्र मिलिशिया सहित सीपीआई (माओवादी) के 25-30 सदस्य किस्ताराम-पुलिस स्टेशन, जिला सुकमा (छत्तीसगढ़) के अंतर्गत पेसाजपाडू (गांव) के निकट कैंप लगा रहे हैं। पुलिस अधीक्षक सुनील दत्त, भापुसे ने दिनांक 24.12.2021 को ग्रेहाउंड्स और छत्तीसगढ़ पुलिस के साथ एक संयुक्त ऑपरेशन की योजना बनाई। पुलिस अधीक्षक सुनील दत्त, भापुसे के नेतृत्व में दिनांक 25.12.2021 को टीमें रवाना हुईं और यह सम्पूर्ण ऑपरेशन रात्रि में नेविगेशन करने का था। योजना के अनुसार, ग्रेहाउण्ड्स की 5-ए/यूनिटें वारांगल बेस पहुंची। ए/यूनिटों में से एक यूनिट सुबह 5.30 बजे तक (दिनांक 27.12.2021 को) एफ प्वाइंट पर पहुंच गई, फिर यूनिट के सदस्यों को 40-50 मीटर की दूरी पर शत्रु दिखाई दिए और इसी बीच, शत्रुओं ने भी पुलिस दलों को देख लिया तथा अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। ग्रेहाउंड्स दलों ने उन्हें जिंदा पकड़ने के इरादे से उनको आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, परन्तु उन्होंने इसे अनसुना कर दिया और गोलीबारी करना जारी रखा। ग्रेहाउंड्स पुलिस बल ने आत्मरक्षा में भीषण गोलीबारी करते हुए जवाबी कार्रवाई की। दोनों ओर से गोलीबारी बंद होने के बाद, ग्रेहाउंड्स पुलिस बल आगे बढ़ा और उसे खून के धब्बे दिखाई दिए तथा तलाशी के दौरान चेरूवू/तलाब में 1-एसबीबीएल, एलयूपी (जिसमें 15-20 सदस्य रह सकते हैं) और उक्त क्षेत्र में एक अन्य एसबीबीएल भी प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त, उन्होंने दूसरी टीम की दिशा में (एलयूपी से 30 मीटर की दूरी पर) एक महिला को दौड़कर जाते हुए देखा और संबंधित टीम को सतर्क कर दिया।

उसी दिन अर्थात् दिनांक 27.12.2021 को, टीम के सदस्यों को एक संकरा रास्ता दिखाई दिया और वे, दो सब-टीमों में विभाजित हो गए तथा पूर्वी दिशा की ओर (एक टीम बायीं दिशा से और दूसरी टीम दायीं दिशा से) आगे बढ़े और उनको एक माओवादी दिखाई दिया तथा उसे आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, परन्तु वह भाग गया। नामित पुलिस कर्मियों ने माओवादी को देखा और उसे आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, परन्तु उसने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके कारण जूनियर कमाण्डर/पुलिस कांस्टेबल पायम रमेश और अन्य कार्मिकों ने भी आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई करते हुए गोलीबारी शुरू कर दी तथा उस माओवादी (पुरुष) को मार गिराया।

सहायक असॉल्ट कमाण्डर/रिजर्व उप-निरीक्षक शनिगरापु संतोष के नेतृत्व में उत्तर-पूर्वी दिशा में आगे बढ़ते हुए दूसरी टीम ने 1-माओवादी (महिला) को देखा तो उसे आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, परन्तु उसने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके कारण जूनियर कमाण्डो/पुलिस कांस्टेबल अमिली सुरेश और सहायक असाल्ट कमांडर/रिजर्व उप-निरीक्षक शनिगरापु संतोष के साथ-साथ अन्य कार्मिकों ने जवाबी कार्रवाई की और उक्त माओवादी (महिला) को मार गिराया। उसके बाद नामित पुलिस कर्मियों और अन्य कार्मिकों ने बांध पर 8-9 माओवादियों को देखा और गोलीबारी शुरू कर दी तथा जूनियर कमाण्डो/पुलिस कांस्टेबल कम्पाटी उपेन्दर ने यूबीजीएल शेल से हमला किया।

इसके अतिरिक्त, जूनियर कमाण्डो/पुलिस कांस्टेबल अमिली सुरेश बांध पर चढ़ गए और उन्हें पानी में छिपी 3-माओवादी (महिला) दिखाई दी और उन्हें आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, परन्तु उन्होंने इसका विरोध किया। फिर जूनियर कमाण्डो/पुलिस कांस्टेबल अमिली सुरेश ने गोलीबारी शुरू कर दी और 1-माओवादी (महिला) को मार गिराया। जूनियर कमाण्डो/पुलिस कांस्टेबल वेलमुला वमशी और टीम के शेष सदस्यों ने भी गोलीबारी शुरू कर दी तथा दो अन्य माओवादियों (महिला) का सफाया कर दिया।

इसके अतिरिक्त, जब डिप्टी असाल्ट कमाण्डर/रिजर्व निरीक्षक मोरा कुमार के नेतृत्व में अन्य दल उपर्युक्त क्षेत्र में घूम रहा था, उन्होंने माओवादियों को देखा और उन्हें आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, परन्तु माओवादियों ने बचकर भागते हुए गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके कारण पुलिस बलों ने जवाबी कार्रवाई की और एक माओवादी (पुरुष) को मार गिराया।

उपर्युक्त कार्रवाई के बाद, पुलिस बलों ने उक्त क्षेत्र की तलाशी की और 6-माओवादियों (2-पुरुष एवं 4-महिला) अर्थात् माधवी पोत्तैया, एस अन्ना मिदियामी, रावलदमा, फुनेम कोसी, रावा कोसी और रावा चुक्कू के शव बरामद किए, जो सभी चेरला एलओएस पार्टी के सदस्य थे तथा .303 हथियार-2 एवं 17-जिंदा कारतूस, 3-सिंगल बोर राइफल और 2-जिंदा कारतूस तथा 5-रॉकेट लॉन्चर शेल बरामद किए।

इस ऑपरेशन में, तेलंगाना पुलिस के सर्व/श्री सुनील दत्त, भापुसे, पुलिस अधीक्षक, मोरा कुमार, डिप्टी असॉल्ट कमाण्डर/रिजर्व निरीक्षक, शनिगरापु संतोष, सहायक असॉल्ट कमाण्डर/रिजर्व उप-निरीक्षक, अमिली सुरेश, जूनियर कमाण्डो/पुलिस कांस्टेबल, वेलमुला वमशी, जूनियर कमाण्डो/पुलिस कांस्टेबल, कम्पाटी उपेन्दर, जूनियर कमाण्डो/पुलिस कांस्टेबल और पायम रमेश, जूनियर कमाण्डो/पुलिस कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 27.12.2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/3282/54/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 133-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	जितेन्द्र कुमार सिंह	निरीक्षक	वीरता पदक
2.	राकेश कुमार सिंह चौहान	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
3.	अनिल कुमार	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
4.	हरिओम सिंह	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

मेहरबान, जो एक खूंखार अंतरराज्यीय बदमाश और हत्या के मामले में आजीवन कारावास का दोषसिद्ध एवं जमानत पर रिहा अपराधी था, जिसने माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद द्वारा सजा की पुष्टि किए जाने पर भी आत्मसमर्पण नहीं किया था। इस अवधि के दौरान, वह आपराधिक गतिविधियों की अंजाम देने और आम लोगों के बीच आतंक फैलाने में संलिप्त था। उक्त अवधि के दौरान, उसने एक सनसनीखेज डकैती को भी अंजाम दिया था, जिसमें उसने वीआरएफ फूड्स, गुलावथी, बुलंदशहर के कैशियर से 65 लाख रुपये की लूट की थी। उसके विरुद्ध 30 से अधिक जघन्य मामले दर्ज थे। उसकी गिरफ्तारी के लिए 1,00,000/- रुपये के इनाम की घोषणा की गई थी। स्थानीय पुलिस के अलावा, एसटीएफ उत्तर प्रदेश भी उसकी गिरफ्तारी के लिए आसूचना एकत्र कर रही थी।

दिनांक 17.07.2019 को, आसूचना एकत्र करने के दौरान, एक गुप्त जानकारी प्राप्त हुई कि मेहरबान सिल्वर रंग की सेंट्रो कार सं. डीएल 7 सीजे 2934 में जिला गाजियाबाद के साहिबाबाद क्षेत्र में घूम रहा है। तदनुसार, एसटीएफ नोएडा के उप-निरीक्षक राकेश कुमार सिंह चौहान तत्काल टीम के साथ ओपी तुलसी निकेतन के अंतर्गत भौपुरा तिराहे पर पहुंचे और उन्होंने एसएचओ साहिबाबाद निरीक्षक जितेन्द्र कुमार सिंह से संपर्क किया।

दिनांक 18.07.2019 को लगभग 00.25 बजे, एक सेंट्रो कार दिल्ली की ओर से आती हुई दिखाई दी। नजदीक आने पर पुलिस ने उन्हें रूकने का संकेत दिया, परन्तु उक्त अपराधी तेज स्पीड में लोनी की तरफ भाग गए। पीछा करने के दौरान, बार-बार चेतावनियां दिए जाने के बावजूद उपर्युक्त अपराधी नहीं रूके, अपितु उन्होंने पीछे की दायीं खिड़की से अपने हाथ निकालकर पुलिस पर गोलीबारी की। कुछ दूर जाने के बाद, अपराधियों ने अपनी कार को दूसरे रास्ते पर कोयल एनक्लेव की ओर मोड़ लिया। अपराधियों की कार अनियंत्रित हो गई और वह एक निर्माणाधीन इमारत के नजदीक सड़क की बायीं ओर कीचड़ में फंस गई। उक्त अपराधी कार से बाहर निकल आए और उन्होंने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। एसएचओ जितेन्द्र कुमार सिंह, उप-निरीक्षक राकेश कुमार सिंह चौहान, हेड कांस्टेबल अनिल कुमार और सिपाही हरिओम सिंह ने पुलिस वाहनों और रोड डिवाइडर की आड़ में पोजीशन ले ली तथा क्षेत्रीय कौशल एवं रणनीतियों का पालन करके अपनी जान बचाई। अपराधियों ने पुलिस द्वारा दी गई सभी चेतावनियों को नजरअंदाज किया और उन्होंने अलग-अलग दिशाओं से अंधाधुंध गोलीबारी करना जारी रखा। अपराधियों द्वारा चलाई गई गोलियों से हेड कांस्टेबल अनिल कुमार और सिपाही हरिओम सिंह घायल हो गए तथा एसटीएफ की स्कॉर्पियो भी क्षतिग्रस्त हो गई। हेड कांस्टेबल अनिल कुमार और सिपाही हरिओम सिंह ने घायल होने के बावजूद अपना हौसला बनाए रखा और एसएचओ जितेन्द्र कुमार सिंह और उप-निरीक्षक राकेश कुमार सिंह चौहान के साथ विलक्षण साहस एवं जोश से अपराधियों का मुकाबला करते रहे। अपना जीवन खतरे में होने के बावजूद, पुलिस कर्मियों ने विलक्षण साहस, हिम्मत और बहादुरी के साथ खूंखार अपराधियों का सामना किया। कोई विकल्प नहीं बचने पर, उन्होंने अपराधियों की गोलीबारी की रेंज में प्रवेश किया और आत्मरक्षा में गोलीबारी की, जिसके फलस्वरूप एक अपराधी घायल हो गया और बाद में उसकी मौत हो गई, जिसकी पहचान मेहरबान, एक कुख्यात अपराधी और 1,00,000/- रुपये के इनामी बदमाश के रूप में की गई।

फैक्ट्री निर्मित 12 बोर की एक एसबीबीएल बंदूक, फैक्ट्री निर्मित .32 बोर का एक रिवॉल्वर और 29 जिन्दा एवं 11 खाली कारतूसों के साथ .315 बोर की एक सीएमपी तथा सेंट्रो कार सं. डीएल 7 सीजे 2934 बरामद की गई।

इस ऑपरेशन में, उत्तर प्रदेश पुलिस के सर्व/श्री जितेन्द्र कुमार सिंह, निरीक्षक, राकेश कुमार सिंह चौहान, उप-निरीक्षक, अनिल कुमार, हेड कांस्टेबल और हरिओम सिंह, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 18.07.2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/37/2024-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 134-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	जितेन्द्र प्रताप सिंह	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
2.	विपिन कुमार	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 09.07.2020 को आरटी सेट पर यह सूचना प्राप्त हुई कि एक स्कॉर्पियो में सवार 04 अज्ञात अपराधियों ने पुलिस स्टेशन बकेवर के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग 02 पर श्याम ढाबा के निकट बंदूक की नोक पर स्विफ्ट डिजायर कार सं. डीएल1जेडए3602 को रूकवा कर लूट लिया और वे कार में बैठे हुए व्यक्तियों को घायल करके इटावा-आगरा की ओर भाग रहे हैं।

यह सूचना मिलने पर स्टेशन ऑफिसर, पुलिस स्टेशन सिविल लाइन/उप निरीक्षक सिविल पुलिस जितेन्द्र प्रताप सिंह ने तुरंत कार्रवाई की और पुलिस बल के साथ शीघ्र आईटीआई चौराहे पर पहुंच गए तथा उक्त वाहन की जांच शुरू कर दी। इसी बीच, प्रभारी स्वॉट उप निरीक्षक सिविल पुलिस सतेन्द्र सिंह यादव और प्रभारी निगरानी उप-निरीक्षक बचन कुमार सिंह भी पुलिस बल के साथ वहां पहुंच गए और जांच ऑपरेशन में शामिल हो गए। प्रातः लगभग 04.40 बजे, राष्ट्रीय राजमार्ग 02 के सर्विस रोड से आईटीआई चौराहे की ओर जाने वाली सड़क पर एक चौपहिया वाहन आता हुआ दिखाई दिया, जिसे रोकने का प्रयास किया गया, परन्तु उक्त वाहन पुलिस बैरियर को तेज स्पीड में टक्कर मारकर डी.एम. चौराहे

की ओर भाग गया। पुलिस बल ने अपने संबंधित सरकारी वाहनों द्वारा स्विफ्ट का पीछा किया। अपराधी लूटी हुई स्विफ्ट को डीएम चौराहे-एसएसपी चौराहे और पुलिस लाइन से होते हुए कचौरा रोड पर ले गए। पीछा करने के दौरान पुलिस वाहनों की लाइट में स्विफ्ट की पीली प्लेट पर रजिस्ट्रेशन नं. डीएल1जेडए3602 दिखाई दिया। जितेन्द्र प्रताप सिंह ने सहायता के लिए कंट्रोल रूम को सूचित किया। लुहाना चौराहे और साईं मंदिर से आगे की ओर जाते हुए अपराधियों ने स्विफ्ट गाड़ी में से पुलिस दल पर गोलीबारी की। उप-निरीक्षक जितेन्द्र प्रताप सिंह ने भौंपू के जरिए अपराधियों को आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, परन्तु उन्होंने बार-बार दी गई चेतावनियों की कोई परवाह नहीं की और उन्होंने अंधाधुंध गोलीबारी करना जारी रखा। कोई विकल्प नहीं बचने पर उप-निरीक्षक जितेन्द्र प्रताप सिंह ने आत्मरक्षा में 01 राउंड गोली चलाई, जिसके फलस्वरूप अपराधियों की गाड़ी का संतुलन बिगड़ गया और वह प्रातः लगभग 04:55 बजे गांव विक्रमपुर के सामने क्लीन के नजदीक एक नीम के पेड़ से टकरा गई। पुलिस बल को देखकर घिरे हुए अपराधी कार से नीचे उतर गए और अंधाधुंध गोलीबारी करने लगे। उप-निरीक्षक जितेन्द्र प्रताप सिंह और सिपाही विपिन कुमार ने अपनी जान की परवाह किए बिना विलक्षण साहस और बहादुरी का प्रदर्शन करते हुए अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए गोलीबारी की रेंज में प्रवेश किया। अपराधियों द्वारा चलाई गई गोलियों में से एक गोली उप-निरीक्षक सतेन्द्र को लग गई, जो बुलेटप्रूफ जैकेट होने की वजह से बच गए। अपराधियों को गिरफ्तार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचने पर, उप-निरीक्षक जितेन्द्र प्रताप सिंह और सिपाही विपिन ने आत्मरक्षा में नियंत्रित ढंग में गोलीबारी की। परिणामस्वरूप, एक अपराधी घायल हो गया। जब अपराधियों की ओर से गोलीबारी बंद हो गई, तो पुलिस दल आगे बढ़ा और उनको एक अपराधी घायल मिला। उसको बचाने के लिए उसे तत्काल अस्पताल भेज दिया गया, जहां चोटों के कारण उसकी मौत हो गई।

मारे गए अपराधी की पहचान विकास दुबे गैंग के एक सक्रिय सदस्य प्रवीण कुमार दुबे उर्फ बउवा गांव विकरू, पुलिस स्टेशन चौबेपुर, कानपुर नगर, के रूप में हुई, जो दिनांक 03.07.2020 को पुलिस स्टेशन पर हमले की घटना में संलिप्त था, जिसमें 8 अधिकारी और एक कार्मिक ने अपनी जान गंवाई थी। उस पर गिरफ्तारी हेतु 50,000/- रुपये का इनाम था।

02 जिंदा और 04 खाली कारतूसों के साथ फैक्ट्री निर्मित एक डीबीबीएल बंदूक सं. 31108-04 और 03 जिंदा और 02 खाली कारतूसों के साथ एक पिस्तौल और स्विफ्ट डिजायर कार सं. डीएल1जेडए3602 बरामद की गई।

इस ऑपरेशन में, उत्तर प्रदेश पुलिस के सर्व/श्री जितेन्द्र प्रताप सिंह, उप-निरीक्षक और विपिन कुमार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 09.07.2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/38/2024-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 135-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	विमल कुमार सिंह	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक
2.	नवेन्दु कुमार	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक
3.	ज्ञानेन्द्र कुमार राय	निरीक्षक	वीरता पदक
4.	अनिल कुमार सिंह	निरीक्षक	वीरता पदक
5.	सुनील कुमार	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
6.	सुशील कुमार	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

उमेश पाल उर्फ कृष्ण कुमार पाल और गैंगस्टर अतीक अहमद के विरुद्ध एक गवाह के रूप में उसकी सुरक्षा करने के लिए उसे प्रदान किए गए दो पुलिस कर्मियों की 24 फरवरी, 2023 को उत्तर प्रदेश के जिला प्रयागराज में दिनदहाड़े हत्या कर दी गई थी। उक्त घटना दिन के दौरान एक भीड़-भाड़ वाले इलाके में घटित हुई। अत्याधुनिक हथियारों और विस्फोटकों से लैस अपराधियों के एक बड़े समूह द्वारा की गई यह सुनियोजित हत्या नजदीक लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई थी। उपर्युक्त फुटेज को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मीडिया द्वारा चलाया गया, जिससे लोगों के बीच सनसनी फैल गई और आतंक एवं भय का वातावरण पैदा हो गया।

उमेश पाल स्वर्गीय राजू पाल, विधायक की हत्या का गवाह था, जिसे जनवरी, 2005 में उसी गैंग द्वारा इसी तरह मार दिया गया था। उक्त गैंग ने बड़े गैंगस्टरों के विरुद्ध सभी महत्वपूर्ण गवाहों को आतंकित करने का प्रयास किया और इससे यह स्पष्ट हो गया कि न्याय के उद्देश्य से सहायता करने वाले किसी भी व्यक्ति को स्वयं जोखिम उठाना पड़ेगा।

अपराधियों द्वारा एआई आधारित इमेज एनहेंसमेंट टेक्निक अपनाए जाने के बारे में पता चला। अपराधियों का पता लगाने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए यूपी एसटीएफ को तैनात किया गया। अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए देशव्यापी तलाशी ऑपरेशन शुरू किया गया।

पुलिस उपाधीक्षक विमल कुमार सिंह और पुलिस उपाधीक्षक नवेन्दु कुमार के नेतृत्व वाली टीम को विश्वसनीय सूत्रों से यह पता चला कि उक्त घटना के प्रमुख साजिशकर्ता और शूटर-मोहम्मद असद पुत्र अतीक अहमद और मोहम्मद गुलाम पुत्र मकसुदुल हसन झांसी शहर और झांसी जिले में इसके निकटवर्ती कस्बों में छिपे हुए हैं। दिनांक 13.04.2023 को, कार्रवाई योग्य जानकारी प्राप्त हुई और पुलिस उपाधीक्षक विमल कुमार सिंह और उनकी टीम शीघ्र बडागांव एवं परीछा के आस-पास वाले क्षेत्रों के लिए रवाना हुई। पुलिस उपाधीक्षक नवेन्दु कुमार और उनकी टीम चिरगांव शहर में पहुंची, जहां उनको यह सूचना प्राप्त हुई कि हथियारों से लैस दोनों अपराधी परीछा की ओर निकल गए हैं।

सुबह लगभग 11.30 बजे, पुलिस उपाधीक्षक नवेन्दु कुमार परीछा की ओर रवाना हुए जहां उन्हें वे बिना नम्बर प्लेट वाली मोटर साइकिल पर जाते हुए दिखाई दिए। उपर्युक्त टीम ने उनको चेतावनी दी और उन्हें रोकने का प्रयास किया। उनमें से प्रत्येक अपराधी पर पांच लाख रुपये के इनाम की घोषणा कर रखी थी। पुलिस उपाधीक्षक विमल कुमार सिंह और उनकी टीम ने उन्हें एक समन्वित ढंग में विपरीत दिशा से घेर लिया। दोनों अपराधियों ने कच्चा रास्ता पकड़कर परीछा बांध की ओर भागने का प्रयास किया।

1.5 किलोमीटर की दूरी तक पीछा करने के बाद वह बाइक जिसपर वांछित अपराधी सवार थे, फिसल गई और वह निकटवर्ती गड्ढे और बबूल की झाड़ियों में गिर गई। दोनों अपराधी तुरंत खड़े हो गए और उन्होंने पुलिस पर अंधाधुंध गोलीबारी करना एवं गालियां देना शुरू कर दिया।

एसटीएफ टीमों के सदस्य तत्काल अपने वाहनों से उतर गए और उपलब्ध कवर ले लिया तथा उन्हें गिरफ्तार करने के लिए अपनी जान की परवाह किए बिना अनुकरणीय साहस और वीरता का प्रदर्शन करते हुए अपराधियों की गोलीबारी की रेंज में प्रवेश किया। बार-बार चेतावनियां दिए जाने के बावजूद अपराधियों ने अंधाधुंध गोलीबारी करना जारी रखा। कोई दूसरा विकल्प नहीं मिलने पर, पुलिस उपाधीक्षक नवेन्दु और विमल, निरीक्षक अनिल कुमार सिंह एवं ज्ञानेन्द्र कुमार राय और हेड कांस्टेबल सुशील कुमार एवं सुनील कुमार ने आत्मरक्षा हेतु नियंत्रित ढंग में गोलीबारी की। कुछ समय के बाद, अपराधियों की ओर से हो रही गोलीबारी बंद हो गई। तत्पश्चात् एसटीएफ की टीम अपराधियों के निकट पहुंची और उन दोनों को घायल एवं कराहते हुए पाया। उनकी पहचान 5-5 लाख रुपये के इनामी अपराधी असद और गुलाम के रूप में की गई। दोनों घायल अपराधियों को चिकित्सीय उपचार हेतु अस्पताल ले जाया गया, जहां चोटों के कारण उनकी मौत हो गई।

एक विदेशी पिस्तौल वालथर पी-88, .455 बोर की एक विदेशी रिवॉल्वर 'दी ब्रिटिश बुलडॉग', .32 बोर की एक सीएमपी, 7.65 बोर के 19 जिंदा कारतूस, 7.65 बोर के 05 खाली कारतूस, .45 बोर के 5 कारतूस और बिना नम्बर की मोटर साइकिल बरामद की गई।

इस ऑपरेशन में, उत्तर प्रदेश पुलिस के सर्व/श्री विमल कुमार सिंह, पुलिस उपाधीक्षक, नवेन्दु कुमार, पुलिस उपाधीक्षक, ज्ञानेन्द्र कुमार राय, निरीक्षक, अनिल कुमार सिंह, निरीक्षक, सुनील कुमार, हेड कांस्टेबल और सुशील कुमार, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 13.04.2023 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/39/2024-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 136-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	राजीव चौधरी	निरीक्षक	वीरता पदक
2.	जयवीर सिंह	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
3.	रईस अहमद	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
4.	अरुण कुमार	सिपाही	वीरता पदक
5.	अजय कुमार	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 12.04.2023 की रात्रि में, श्री जयवीर सिंह, उप-निरीक्षक सिविल पुलिस, प्रभारी, स्वॉट टीम, जिला बिजनौर, उत्तर प्रदेश अपने कार्यालय में उपस्थित थे और वे अपनी टीम के पुलिस अधिकारियों के साथ वांछित अपराधियों के ठिकानों और उनकी गतिविधि के बारे में विचार-विमर्श कर रहे थे। उनको सूत्रों के हवाले से 02 अपराधियों की गतिविधि के बारे में सूचना प्राप्त हुई, जिसमें कुख्यात, खूंखार, क्रूर लुटेरे और न्यायिक हिरासत में भागे हुए अपराधी, जिसपर 2,50,000/- रुपये का इनाम था, आदित्य राणा उर्फ रवि, निवासी गांव रानी नगला, पुलिस स्टेशन स्योहारा, जिला-बिजनौर शामिल था, जो पुलिस स्टेशन स्योहारा के अंतर्गत गांव पैंदापुर के जंगल में मौजूद था। उपर्युक्त टीम ने तत्काल कार्रवाई की और वह उप-निरीक्षक शौकत अली, हेड कांस्टेबल रईस अहमद, सिपाही अरुण कुमार और अन्य कार्मिकों के साथ तत्काल सरकारी वाहनों में गांव पैंदापुर की ओर रवाना हुई तथा स्योहारा पुलिस स्टेशन प्रभारी श्री राजीव चौधरी, निरीक्षक को सूचित किया और उन्हें पुलिस दल के साथ बुधनपुर जांच चौकी पर मिलने के लिए कहा। बुधनपुर जांच चौकी के निकट पहुंचने पर, उप-निरीक्षक जयवीर सिंह एसएचओ स्योहारा श्री राजीव चौधरी, उप-निरीक्षक मानचंद, सिपाही अजय कुमार और अन्य पुलिस कर्मियों से मिले। अपराधियों को घेरकर पकड़ने के लिए सम्पूर्ण पुलिस बल दो टीमों में विभाजित हो गया। पहली टीम का नेतृत्व एचएचओ स्योहारा श्री राजीव चौधरी, निरीक्षक द्वारा किया गया और दूसरी टीम का नेतृत्व श्री जयवीर सिंह, उप-निरीक्षक द्वारा किया गया। दोनों टीमें बुलेटप्रूफ जैकेटें पहनकर पैदल रास्ते से कासमबाद कनाल पूल के नजदीक कनाल ट्रैक पर पहुंची। लगभग 60-70 कदम आगे, निरीक्षक राजीव चौधरी ने टॉर्च की रोशनी में पैंदापुर जंगल की ओर से दो लोगों को आते हुए देखा, पुलिस दल उनको रोकने के लिए आगे बढ़ा। निरीक्षक स्योहारा श्री राजीव चौधरी ने अपना परिचय देते हुए अपराधियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा। उनमें से एक अपराधी ने यह कहा कि पुलिस ने हमें घेर लिया है, गोलीबारी शुरू कर दो नहीं तो हम मारे जाएंगें।

प्रभारी निरीक्षक ने इसकी सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को दे दी। दोनों अपराधियों ने पुलिस को अपने सामने देखकर उनको मारने के इरादे से पुलिस की ओर अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। एसएचओ श्री राजीव चौधरी ने चिल्लाकर अपराधियों को गोलीबारी बंद करके आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, परन्तु उग्र, खूंखार और क्रूर अपराधियों ने भारी गोलीबारी जारी रखी, जिसमें निरीक्षक श्री राजीव चौधरी, उप-निरीक्षक श्री जयवीर सिंह, हेड कांस्टेबल रईस अहमद, और सिपाही अजय कुमार एवं अरुण कुमार के नाजुक अंगों में गोली से चोट लग गई।

निरीक्षक श्री राजीव चौधरी, उप निरीक्षक श्री जयवीर सिंह, हेड कांस्टेबल रईस अहमद और कांस्टेबल अजय कुमार एवं अरुण कुमार ने अदम्य साहस से लड़ाई लड़ी और अपराधियों को जिंदा पकड़ने के लिए प्रतिबद्धता दिखाई। पुलिस दल और अपराधियों के बीच हुई गोलीबारी के दौरान, लगभग 01:37 बजे एक अपराधी घायल होकर गिर पड़ा, बाद में जिसकी मृत्यु हो गई और उसकी पहचान कुख्यात तथा खूंखार आदित्य राणा उर्फ रवि के रूप में की गई। उसके पास से अत्याधुनिक हथियार और गोलाबारूद सफलतापूर्वक बरामद किए गए।

इस ऑपरेशन में, उत्तर प्रदेश पुलिस के सर्व/श्री राजीव चौधरी, निरीक्षक, जयवीर सिंह, उप-निरीक्षक, रईस अहमद, हेड कांस्टेबल, अरुण कुमार, सिपाही और अजय कुमार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 12.04.2023 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/40/2024-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 137-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, पश्चिम बंगाल पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	संजीब सेनापति	निरीक्षक	वीरता पदक
2.	अल्ताब हुसैन	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
3.	रतन कुमार राय	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

रानाघाट पुलिस थाने में प्रभारी निरीक्षक के रूप में कार्यरत श्री संजीब सेनापति ने उप-निरीक्षक अल्ताब हुसैन और सहायक उप-निरीक्षक रतन कुमार राय के साथ एक महत्वपूर्ण घटना में हुई कार्रवाई के दौरान असाधारण साहस और समर्पण का परिचय दिया।

दिनांक 29.08.2023 को लगभग 15:00 बजे, रानाघाट पुलिस थाने में ड्यूटी के दौरान, रानाघाट पुलिस थाने के अंतर्गत चाबी गेट क्षेत्र के पास सेनको गोल्ड शाखा नामत: "सोनाझूरी" में डकैती की घटना घटी। पुलिस दल ने सूचना मिलने पर तुरंत कार्रवाई की और बिना देर किए घटनास्थल पर पहुंच गई। चोरी का सामान लेकर दुकान से बाहर निकले बदमाशों ने पुलिसकर्मियों पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं। उस महत्वपूर्ण क्षण में जब अन्य अधिकारी डकैतों का पीछा करने में हिचकिचा रहे थे, निरीक्षक संजीब सेनापति, उप-निरीक्षक अल्ताब हुसैन और सहायक उप-निरीक्षक रतन कुमार राय ने निडरता से अपनी सर्विस रिवॉल्वर से जवाबी गोलीबारी की और अपनी जान की परवाह किए बिना उनका पीछा किया। यह बहादुरी भरा संघर्ष दोपहर में रानाघाट टाउन क्षेत्र की भीड़भाड़ वाली सड़कों पर उस समय हुआ, जब स्कूली बच्चे उस गली में मौजूद थे। उनकी जिम्मेदारीपूर्ण कार्रवाई के कारण कोई राहगीर हताहत नहीं हुआ।

इस कार्रवाई के दौरान, एक हथियारबंद बदमाश घायल हो गया और बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया, साथ ही उसके चार अन्य साथियों को भी पकड़ लिया गया तथा उनके पास से चोरी की गई वस्तुओं की बरामदगी भी हुई। इस सफल ऑपरेशन के परिणामस्वरूप पाँच (05) बदमाशों को गिरफ्तार किया गया और लगभग 1.54 करोड़ रुपये मूल्य के सोने तथा अन्य कीमती सामान के साथ-साथ 3.71 लाख रुपये नकद जब्त किए गए। इसके अलावा, बदमाशों के पास से 25 राउंड गोला-बारूद के साथ पाँच (05) आग्नेयास्त्र भी जब्त किए गए।

दिनांक 29.08.23 को आरोपी व्यक्तियों के साथ हुई गोलीबारी की घटना के दौरान, मणिकांत यादव उर्फ मणिकांत देव कुमार (19 वर्ष) पुत्र विष्णुदेव कुमार निवासी गोपालपुर, पोस्ट-गोकुले, थाना बिदुपुर, जिला वैशाली, बिहार को खून से लथपथ घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया तथा रानाघाट एसडी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस घटनाक्रम निरीक्षक संजीब सेनापति, उप-निरीक्षक अल्ताब हुसैन तथा सहायक उप-निरीक्षक रतन कुमार के अनुकरणीय साहस तथा उत्कृष्ट समर्पण को दर्शाता है, जिन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना डकैतों की योजना को सफलतापूर्वक विफल कर दिया।

इस ऑपरेशन में, पश्चिम बंगाल पुलिस के सर्व/श्री संजीब सेनापति, निरीक्षक, अल्ताब हुसैन, उप-निरीक्षक और रतन कुमार राय, सहायक उप-निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 29.08.2023 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/04/2024-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 138-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, असम राइफल्स के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री मु. खमबाटन खान	हवलदार	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

हवलदार (जनरल ड्यूटी) मु. खमबाटन खान एक मेहनती और प्रेरित सैनिक हैं, जिन्होंने अपने यूनिट में एक जबरदस्त खुफिया आधार सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत की है। उन्होंने कड़े उग्रवाद-रोधी माहौल में कई ऑपरेशनों में हिस्सा लिया है, जिसके कारण कई कट्टर उग्रवादियों के पकड़े जाने, आत्मसमर्पण करने और मार गिराने में मदद मिली।

दिनांक 09 अगस्त, 2023 को, नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड-खापलांग (निक्की) के तीन हथियारबंद कैडरों के तिरप जिले के हुकनजुरी गांव की ओर बढ़ने के बारे में स्वयं के सूत्रों से सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर, उनकी यूनिट के सैनिकों और तिरप पुलिस की एक संयुक्त टीम ने हुकनजुरी के आसपास के क्षेत्रों में तलाशी अभियान शुरू किया। शाम तक, समूह के एक उग्रवादी को पकड़ लिया गया तथा अन्य दो उग्रवादियों की तलाश में अभियान जारी रहा।

10 अगस्त की मध्यरात्रि को, हवलदार खान के सूत्रों ने सूचना दी कि तिरप जिले के नोइटोंग गांव के पास के जंगल में दो आतंकवादियों को देखा गया है। संयुक्त दल ने मौके पर पहुंचकर उस क्षेत्र की तलाशी शुरू की। लगभग 0615 बजे, हवलदार खान के एक अन्य सूत्र ने बताया कि स्थानीय लकड़हारों ने नोइटोंग और हुकंजुरी के बीच के वन क्षेत्र में दो संदिग्धों को घूमते देखा है। तलाशी दल ने एक घात के रूप में संगठित होकर तुरंत हमला किया। सैन्य दल के कमांडर हवलदार मु. खमबाटन खान ने ऑपरेशन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए चतुराई से अपने दल को उग्रवादियों की गोलीबारी और उनकी नजर में आने से बचाया। लगभग 0645 बजे, उन्होंने देखा कि दो कट्टर आतंकवादी जंगल से निकलकर उनकी ओर बढ़ते आ रहे हैं। हवलदार मु. खमबाटन खान ने संदिग्धों को रुकने के लिए चुनौती दी। दोनों संदिग्ध व्यक्तियों ने सैनिकों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे हवलदार खान तथा अन्य सैनिक बाल-बाल बचे। हवलदार मु. खमबाटन खान ने भीषण गोलीबारी के बीच अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना, धैर्य बनाए रखा और हवलदार अश्वनी कुमार के साथ मिलकर आतंकवादियों पर सटीक गोलीबारी की। नॉन-कमीशंड ऑफिसर द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई और तत्काल जवाबी गोलीबारी ने एक आतंकवादी को तुरंत मार गिराया, और दूसरे को इतना डरा दिया कि वह अपनी बंदूक छोड़कर मौके से भाग खड़ा हुआ। हवलदार मु. खमबाटन खान ने भीषण गोलीबारी के बीच अदम्य साहस का परिचय दिया, जिसके परिणामस्वरूप प्रतिबंधित उग्रवादी समूह के स्वयंभू सचिव को मार गिराया गया, और दूसरे आतंकवादी को भागने पर मजबूर होना पड़ा। ये दोनों स्थानीय लोगों को डराने और उनसे पैसे ऐंठने के लिए जाने जाते थे। घटनास्थल से एक 9 एमएम बेरेटा पिस्तौल, एक-पॉइंट 32 एमएम पिस्तौल, 12 जिंदा कारतूस और युद्ध में उपयोग होने वाले अन्य सामान भी बरामद किए गए।

इस ऑपरेशन में, असम राइफल्स के श्री मु. खमबाटन खान, हवलदार ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 10.08.2023 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/184/2024-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 139-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम), मरणोपरांत प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	स्व. श्री महेंद्र सिंह	उप-निरीक्षक	वीरता पदक (मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

छत्तीसगढ़ में 12 नवंबर 2018 को होने वाले प्रथम चरण के विधानसभा चुनाव को सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने के लिए 10 नवंबर, 2018 को 35 बटालियन बीएसएफ (एडहॉक-430 बटालियन) और एडहॉक-426 बटालियन की 5 टीमें 3 दिन और 2 रात की अवधि के लिए एरिया डोमिनेशन अभियान के लिए रवाना हुईं।

श्री जयवीर खोथ, सहायक कमांडेंट के नेतृत्व में सीओबी उदनपुर एक्स-35 बटालियन बीएसएफ से एक ऑपरेशन शुरू किया गया था। 10 नवंबर, 2018 को, टीम -03 ने गांव मिंडी और आसपास के क्षेत्र को सुरक्षित किया तथा अबूझमाड़ के किनारे पर गांव गट्टाकल के पास के वन

क्षेत्र को भी सुरक्षित किया एवं 10/11 नवंबर, 2018 की रात्रि के दौरान वहां विश्राम किया। अगली सुबह अर्थात 11 नवंबर, 2018 को, श्री जयवीर खोथ, सहायक कमांडेंट ने अपनी टीम को दो दलों में विभाजित किया- एक का नेतृत्व बाईं ओर वह स्वयं कर रहे थे और दूसरे का नेतृत्व उप-निरीक्षक महेंद्र सिंह ने किया जो दाईं ओर थे। लगभग 0835 बजे गट्टाकल गाँव के पास एक नाले को पार करते समय, दाहिनी टुकड़ी का नेतृत्व कर रहे उप-निरीक्षक महेंद्र सिंह ने अचानक, नाले के पार माओवादियों को देखा। स्थिति को भांपते हुए, उन्होंने तुरंत पूरी तरह कैमोफ्लेज होकर घने और अभेद्य जंगल में पोजीशन लिए हुए माओवादियों पर गोलीबारी शुरू कर दी। माओवादियों ने बीएसएफ जवानों को अधिकतम हताहत करने के लिए भारी मात्रा में गोलीबारी की और वहां लगाए गए 31 (इकतीस) आईईडी में से 11 (ग्यारह) को विस्फोट कर दिया। उप-निरीक्षक महेंद्र सिंह ने अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना तुरंत पोजीशन ली और गोलीबारी शुरू कर दी तथा माओवादियों को भागने के लिए विवश कर दिया। भीषण गोलीबारी के दौरान, उप निरीक्षक महेंद्र सिंह गर्दन और छाती पर स्प्लिन्टर/गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, उप-निरीक्षक महेंद्र सिंह ने वीरता और साहस का परिचय देते हुए अपनी एके-47 से 11 राउंड फायर किए और नक्सलियों को निष्क्रिय कर दिया। उनकी इस वीरतापूर्ण कार्रवाई से दल के अन्य सैनिकों को नक्सलियों की प्रभावी गोलीबारी से खुद को बचाने में मदद मिली।

अत्यधिक रक्तस्राव के कारण, उप-निरीक्षक महेंद्र सिंह ने बाद में सीओबी उदनपुर ले जाते समय अंतिम सांस ली, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित किया था। तथापि, उन्होंने सुनिश्चित किया कि उनका सैन्य दल नक्सलियों की प्रभावी गोलीबारी से दूर रहे। उनकी बहादुरी भरी कार्रवाई के कारण अच्छी पोजीशन लिए हुए नक्सलियों को भी भागने पर मजबूर होना पड़ा।

उप-निरीक्षक महेंद्र सिंह ने अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना, अनुकरणीय साहस, सौहार्द और समर्पण का परिचय देते हुए माओवादियों की पहली गोलीबारी का सामना करते हुए अपने जवानों को हताहत होने से बचाया। उन्होंने माओवादियों की गोलीबारी का धैर्य और दृढ़ संकल्प के साथ जवाब दिया, जिससे माओवादियों को अबूझमाड़ में पीछे हटने के लिए मजबूर होना पड़ा तथा शेष बचे आईईडी को विस्फोट कर उन्हें और अधिक नुकसान पहुंचाने से रोका।

इस ऑपरेशन में, सीमा सुरक्षा बल के स्व. श्री महेंद्र सिंह, उप-निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 11.11.2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/56/47/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 140-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री नरभु शेरपा	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 20 अप्रैल, 2023 को हेड कांस्टेबल (जीडी) नरभू शेरपा 175 बटालियन बीएसएफ की बीओपी- खोइलटोर, 'सी' कंपनी के एक एम्बुश कम पेट्रोल (एसीपी) दल का हिस्सा थे, जिसका नेतृत्व हेड कांस्टेबल (जीडी) राय सिंह भगेल कर रहे थे। हेड कांस्टेबल (जीडी) नरभू शेरपा को संवेदनशील तांगोन नदी पुल (जीआईएन सं. 183) पर तैनात किया गया था। लगभग 2130 बजे, हेड कांस्टेबल (जीडी) नरभू शेरपा ने बांग्लादेश से आईबीबीएफ की ओर आते हुए 5-6 बदमाशों की संदिग्ध आवाजाही देखी। वह बदमाशों की ओर दौड़े और उन्हें रूकने के लिए चुनौती दी। अचानक, भारत की ओर से आए 6 से 7 बदमाशों, जो घनी वनस्पतियों/झाड़ियों की आड़ में छिपे हुए थे, बाहर आए, उन्हें घेर लिया तथा उन्हें जान से मारने और उनके हथियार छीनने के इरादे से धारदार हथियारों और लाठियों से उन पर हमला कर दिया। हाथापाई के दौरान, हेड कांस्टेबल (जीडी) नरभु शेरपा ने विपरीत परिस्थितियों में बहादुरी दिखाई और अपना बचाव किया तथा अपने हथियार को सुरक्षित रखा एवं मदद के लिए आवाज भी लगाई, लेकिन बदमाशों के साथ हुई जोरदार हाथापाई के दौरान बदमाशों के धारदार हथियारों से उनकी नाक, बायीं आंख और माथे पर उन्हें चोटें आईं। सहायता के लिए चीखने की तेज आवाज सुनकर आस-पास के संतरी और एसीपी कमांडर चौकन्ने हो गए।

एसीपी कमांडर के साथ-साथ दूसरी तरफ से संतरी भी उस तरफ दौड़े। बीएसएफ के अतिरिक्त बल को देखकर बदमाश अंधेरे और ऊबड़-खाबड़ जमीन का फायदा उठाकर मौके से भाग गए, लेकिन हेड कांस्टेबल (जीडी) नरभु शेरपा ने एक घायल बदमाश को मौके पर ही पकड़ लिया। उस क्षेत्र की तलाशी लेने पर बीएसएफ पार्टी ने 100 बोतल फेंसेडिल और 01 मोबाइल फोन बरामद किया। बदमाशों की संख्या ज्यादा होने के बावजूद, घायल हेड कांस्टेबल (जीडी) नरभु शेरपा ने 01 भारतीय तस्कर को पकड़ा। यह उनके जीवन पर आए गंभीर खतरे के बावजूद, उनके विशिष्ट वीरता, साहस, दृढ़ संकल्प और कर्तव्य के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

इस ऑपरेशन में, सीमा सुरक्षा बल के श्री नरभु शेरपा, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 20.04.2023 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/24/2024-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 141-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:-

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री मुकेश चंद	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 18.02.2023 को लगभग 2100 बजे, बीओपी तीनगांव, 152 बटालियन बीएसएफ के एओआर में फेंसेडिल की तस्करी के बारे में एक विशेष सूचना श्री मुकेश कुमार, उप-कमाण्डेंट (जी), एफजीटी किशनगंज द्वारा साझा की गई, जिसे बटालियन के एओआर में तैनात एफजीटी किशनगंज के हेड कांस्टेबल (जी) मुकेश चंद और कार्य. कमांडेंट, 152 बटालियन बीएसएफ द्वारा आगे बढ़ाया गया/पुष्टि की गई। सूचना को निरीक्षक (जीडी) आरके अर्हसन, कार्य. कंपनी कमांडर, बीओपी तीनगांव, 152 बटालियन बीएसएफ के साथ साझा किया गया। अद्यतन जानकारी को तुरंत कार्य. कमांडेंट, 152 बटालियन बीएसएफ के साथ साझा किया गया, जिन्होंने बिना देरी किए सभी संबंधित कार्मिकों/अधिकारियों को एओआर में अतिरिक्त सतर्क रहने का निर्देश दिया।

कार्य. कमांडेंट, 152 बटालियन बीएसएफ के निर्देशानुसार, निरीक्षक अर्हसन, कार्य. कंपनी कमांडर, हेड कांस्टेबल रतन देबनाथ, कांस्टेबल तन्मय नायक, कांस्टेबल (डीवीआर) मान सिंह और हेड कांस्टेबल (जी) मुकेश चंद के साथ गहन क्षेत्र में विशेष अभियान चलाने की योजना बनाई गई थी। लगभग 2115 बजे , विशेष अभियान दल उस स्थान पर पहुंचा, जहां से तस्करों की गतिविधि के बारे में इनपुट मिलने की उम्मीद थी। यह स्थान बीओपी तीनगांव से लगभग 1400 मीटर की दूरी पर दक्षिण दिशा में गोलिन गांव के पास था ।

विशेष अभियान दल तस्करों के इलाके और उनकी रणनीति से परिचित था, इसलिए दल ने तस्करों के संभावित प्रवेश मार्गों को कवर करने के लिए खुद को दो समूहों में विभाजित किया, अर्थात् एक समूह मक्का के खेत में था और दूसरा कुख्यात गांव गोलिन के पास बैंगन के बगीचे में था विशेष अभियान दल ने खुद को बेहद पेशेवर अंदाज में और दुश्मनों को आश्चर्यचकित करते हुए रणनीतिक तरीके से तैनात किया और अपना धैर्य बनाए रखते हुए वहां छिपकर तस्करों के आने का इंतजार किया।

लगभग 2230 बजे, विशेष अभियान दल ने 03 से 04 तस्करों को अपनी पीठ पर कुछ भार लादकर चलते देखा। जैसे ही तस्कर विशेष अभियान दल के पास पहुँचे, उन्होंने उन्हें चुनौती दी/उनकी ओर दौड़े। कुछ ही समय में, विशेष अभियान दल ने तस्करों को चारों दिशाओं से घेर लिया। वहां उत्पन्न परिस्थितियों और विशेष अभियान दल की उग्र प्रतिक्रिया को देखते हुए, तस्करों ने भार को ज़मीन पर गिरा दिया और नजदीकी मक्के की झाड़ियों में भागने लगे।

इस समय, हेड कांस्टेबल (जी) मुकेश चंद ने उच्चतम स्तर की प्रतिक्रियात्मक क्षमता दिखाई और घने मक्के के खेत में तस्कर को पकड़ने के लिए पीछा करना शुरू कर दिया और विशेष अभियान दल के बाकी सदस्यों ने भी उसका पीछा किया। अत्यंत तीव्र और तात्कालिक कार्रवाई के परिणामस्वरूप, हेड कांस्टेबल (जी) मुकेश चंद मौके पर एक तस्कर को पकड़ने में सफल हुए। हेड कांस्टेबल (जी) मुकेश चंद के साथ नज़दीकी

लड़ाई में, तस्कर ने भी जवाबी कार्रवाई की और एक स्थानीय छोटे आग्नेयास्त्र से एक राउंड फायर किया, जिसके कारण हेड कांस्टेबल (जी) मुकेश चंद के पेट के बाएं हिस्से में 'बंदूक की गोली' लगी, जिसमें वे घायल हो गए।

गोली की आवाज सुनकर, 152 बटालियन बीएसएफ के हेड कांस्टेबल रतन देबनाथ ने तस्करों के बीच डर पैदा करने के लिए अपनी इंसास राइफल से 01 राउंड हवा में फायर किया, जो इस कार्रवाई के दौरान एक ऑपरेशनल मास्टर-स्ट्रोक भी साबित हुआ। इस कार्रवाई में, हेड कांस्टेबल (जी) मुकेश चंद 'बंदूक की गोली लगने' के कारण घायल हो गए, तथापि उन्होंने उस समय अपनी जान पर आए गंभीर खतरे के बावजूद तस्कर पर अपनी पकड़ ढीली नहीं की। विशेष अभियान दल के अन्य सदस्य भी तुरंत मौके पर पहुंच गए और तस्कर को काबू में कर लिया। जबकि बाकी तस्कर अंधेरे और मक्के की ऊंची फसल का फायदा उठाकर पास के गांवों की ओर भाग गए।

हेड कांस्टेबल (जी) मुकेश चंद को बीओपी तीनगांव, 152 बटालियन बीएसएफ में तुरंत ले जाया गया, आगे वहां से उन्हें बीपीएचसी, लोधन ले जाया गया। बीपीएचसी लोधन में प्राथमिक उपचार दिए जाने के बाद, उन्हें यूनिट एम्बुलेंस में 'बीएन नर्सिंग असिस्टेंट' के साथ सब डिविजनल हॉस्पिटल', इस्लामपुर रेफर किया गया। वे लगभग 190015 बजे एसडीएच, इस्लामपुर पहुंचे । प्रारंभिक जांच और एक्स-रे के बाद, यह पाया गया कि कोई भी महत्वपूर्ण अंग क्षतिग्रस्त नहीं हुआ था तथा हेड कांस्टेबल (जी) मुकेश चंद की हालत स्थिर थी।

ऑपरेशन के दौरान, विशेष अभियान दल द्वारा पूरे घटनास्थल की तलाशी ली गई, जिसके दौरान मक्के के खेत से फेंसेडिल से भरे 04 प्लास्टिक पॉली बैग और 01 देशी आग्नेयास्त्र बरामद किया गया। सामान जब्त करने के बाद, तस्कर मोहम्मद सुमोन, उम्र 20 वर्ष, पुत्र मोहम्मद अख्तर, निवासी गांव मराधर, डाकघर मोनाटोली, थाना हरिपुर, जिला ठाकुरगांव , बांग्लादेश को गिरफ्तार किया गया।

152 बटालियन बीएसएफ के उपरोक्त विशेष अभियान के दौरान, हेड कांस्टेबल (जी) मुकेश चंद ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए स्थिति पर तुरंत नियंत्रण पा लिया, सूचना मिलते ही अपनी टीम को सबसे प्रभावी तरीके से तैनात/समूहबद्ध किया। उन्होंने विषम भूभाग और घनी वनस्पतियों के बावजूद, तस्करों को पकड़ने के लिए विशेष कुशलता का प्रदर्शन करते हुए, सर्वोच्च स्तर की बहादुरी दिखाई। उन्होंने अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए, पकड़े गए तस्कर पर अपनी पकड़ बनाए रखी और विशेष अभियान दल के अन्य सदस्यों की रक्षा के लिए हथियार से लैस अपराधी से हाथापाई की।

इस ऑपरेशन में, सीमा सुरक्षा बल के श्री मुकेश चंद, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 18.02.2023 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/28/2024-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 142-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम), मरणोपरांत प्रदान करती हैं:—

क्र. सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय रैंक	पदक प्रदान किया गया
1.	स्व. श्री रंजीत यादव	सिपाही	वीरता पदक (मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

मणिपुर राज्य में 03 मई, 2023 को मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय संघर्ष छिड़ गया। एडहॉक एमएंडसी-IV बटालियन के अधीन 'ए' कंपनी ईएक्स-163 बटालियन बीएसएफ को कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए 30 मई, 2023 से मणिपुर के काकचिंग जिले के सेरौ प्रैक्टिकल हाई स्कूल में तैनात किया गया। जातीय संघर्ष के शुरुआती दिनों से ही सुगनू और उसके आसपास की स्थिति में अस्थिरता थी, क्योंकि वहां की आबादी में मैतेई और कुकी दोनों समुदाय शामिल हैं।

06 जून, 2023 को लगभग 0415 बजे, कुछ अज्ञात बदमाशों ने 'ए' कंपनी ईएक्स-163 बटालियन बीएसएफ के शिविर पर लगभग सभी दिशाओं से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सिपाही (जीडी) रंजीत यादव, सह-प्रहरी सिपाही (जीडी) महंत राजबंगशी के साथ 0200 बजे से 0500 बजे तक की पाली में सेरौ प्रैक्टिकल हाई स्कूल भवन की छत पर एलएमजी मोर्चा सं. 2 पर ड्यूटी कर रहे थे। अज्ञात बदमाशों द्वारा

भारी मात्रा में की गई गोलीबारी के बावजूद, सिपाही (जीडी) रंजीत यादव ने बहादुरी से जवाबी कार्रवाई की और अपने निजी हथियार से 7.62 मिमी के 08 राउंड फायर किए। तथापि, गोलीबारी के दौरान, बदमाशों की एक गोली सिपाही (जीडी) रंजीत यादव के बाईं तरफ पीठ के ऊपरी हिस्से में लगी और वह मोर्चे के अंदर जमीन पर गिर गए । सह-प्रहरी ने तुरंत श्री परवीन चंद्र, सहायक कमांडेंट/कंपनी कमांडर 'ए' कंपनी को रेडियो-सेट पर सूचना दी। यह सुनते ही, मोर्चा नंबर 3 पर तैनात सिपाही दिनेश कुमार नेवार तुरंत मोर्चा नंबर 2 पर पहुंचे और पाया कि सिपाही (जीडी) रंजीत यादव बेहोश पड़े हैं और उनके शरीर से खून बह रहा था। उन्होंने तुरंत घायल सिपाही की बीपी जैकेट और हेलमेट उतारा। कंपनी कमांडर भी मौके पर पहुंचे और वहां उपलब्ध जवानों की मदद से, सिपाही/जीडी रंजीत यादव को भारी गोलीबारी के बीच सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया, आगे उन्हें असम राइफल के एमआई रूम और फिर जीवन अस्पताल काकचिंग ले जाया गया, जहां उनका इलाज कर रहे डॉक्टर ने उन्हें लगभग 0718 बजे मृत घोषित कर दिया।

बदमाशों द्वारा की गई गोलीबारी के दौरान, सिपाही (जीडी) रंजीत यादव, ईएक्स-163 बटालियन बीएसएफ ने व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना वीरता और अदम्य साहस का परिचय दिया तथा अपने कर्तव्य से आगे बढ़कर साथी सैनिकों की जान बचाई एवं राष्ट्र के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने खुद को एक सच्चा बीएसएफ सैनिक साबित किया और उन्हें "सच्चे सैनिक" की उपाधि दी जा सकती है। संघर्ष के दौरान उनका साहस और अपने कर्तव्य के प्रति निष्ठा, एक सैनिक द्वारा प्रदर्शित बहादुरी के उत्कृष्ट उदाहरण के रूप में सराहनीय है।

इस ऑपरेशन में, सीमा सुरक्षा बल के स्व. श्री रंजीत यादव, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 06.06.2023 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/29/2024-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 143-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम) और वीरता पदक, मरणोपरांत प्रदान करती हैं:-

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	अशोक कुमार	सहायक कमाण्डेंट	वीरता पदक
2.	स्व. नरेन्द्र कुमार	सिपाही	वीरता पदक (मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

03 मई, 2023 को, मणिपुर राज्य में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय संघर्ष छिड़ गया। एडहॉक एमएंडसी-I बीएसएफ के अधीन 'सी' कंपनी ईएक्स-122 बटालियन को 08 मई 2023 को मोरेह , जिला-तेंगनौपाल मणिपुर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने की ड्यूटी के लिए तैनात किया गया। 28 मई 2023 को लगभग 1000 बजे , मोरेह शहर में मैतेई और कुकी के बीच चल रहे संघर्ष की स्थिति तब और खराब हो गई जब उपद्रवियों ने घरों और दुकानों में आग लगाना शुरू कर दिया। असम राइफल्स द्वारा चलाई गई गोली से एक नागरिक की मौत के बाद स्थिति और खराब हो गई। लोग अपने घरों से बाहर निकलने लगे और कई महिलाएं सड़क पर इकट्ठा हो गईं तथा मोरेह बाजार शहर क्षेत्र की ओर बढ़ गईं, जबकि और भी कई घर जला दिए गए।

एलोरा होटल के पीछे की तरफ पॉइंट सं. 01 पर पिकेटिंग ड्यूटी के लिए तैनात सैन्य दस्ते 01 के एसओ और 01 ओआर जवान पर सशस्त्र उग्रवादियों ने गोलीबारी की, जिसका बीएसएफ पार्टी ने आत्मरक्षा में जवाब दिया , जबकि उप-निरीक्षक राजनारायण सिंह ने श्री अशोक कुमार, सहायक कमाण्डेंट/कंपनी कमांडर को, जो सुबह 0800 बजे से गार्ड पार्टी के साथ एरिया डोमिनेशन पर थे, रेडियो सेट के माध्यम से सूचित किया कि पिकेट संख्या 2 पर भी गोलीबारी हो रही है, इसलिए वहां भी अतिरिक्त बलों की आवश्यकता है। कंपनी कमांडर सरकारी संपत्ति/नागरिकों की संपत्ति के नुकसान के खतरे को भांपते हुए सिपाही नरेंद्र कुमार सहित गार्ड पार्टी के साथ , पिकेट नंबर 2 की ओर दौड़ पड़े, जहां सिपाही नरेंद्र कुमार ने भी खतरे को भांप लिया क्योंकि गुस्साई भीड़ बहुत हिंसक थी और एलोरा होटल को जलाने पर आमादा थी। कंपनी

कमांडर ने उप-निरीक्षक जेरी जेराल्ड एक्का को अतिरिक्त सहायता के लिए कंपनी मुख्यालय को रेडियो सेट के माध्यम से कॉल करने को कहा, जबकि बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों; ज्यादातर महिलाओं ने सरकार के खिलाफ नारे लगाने शुरू कर दिए। कंपनी कमांडर ने सिपाही नरेंद्र कुमार के साथ मिलकर महिलाओं को समझाने की कोशिश की। भीड़ और अधिक हिंसक हो गई तथा एलोरा होटल को जलाने की अनुमति देने के लिए चिल्लाने लगी, जहां उन्होंने दावा किया कि कुछ पुलिस कमांडो छिपे हुए थे। सिपाही नरेंद्र कुमार और सिपाही चौधरी आशीष कुमार ने कुछ लोगों को अपने हाथों में पेट्रोल बम, गुलेल और हथियारों के साथ देखा। आसन्न खतरे और लोगो द्वारा दी जा रही धमकी को भांपते हुए, कंपनी कमांडर और सिपाही नरेंद्र कुमार दोनों ने खुद को भीड़ से दूर कर लिया और कंपनी कमांडर ने भीड़ को तितर-बितर करने के इरादे से अपने निजी हथियार से 01 राउंड फायर किया। भीड़ तितर-बितर हो गई और संकरी गली में घुसकर छिप गई, जिसके बाद बदमाशों ने बीएसएफ पार्टी की ओर अंधाधुंध गोलीबारी की। भीड़ के बीच से बदमाशों/उग्रवादियों को अपने हथियार तानते और गोलीबारी करते हुए अपनी ओर बढ़ते देख, सिपाही नरेंद्र कुमार ने अपनी जान और खुद की सुरक्षा की परवाह किए बिना अपने कंपनी कमांडर को सतर्क कर दिया। वह स्थिति का आकलन करने के लिए आगे बढ़े क्योंकि कंपनी कमांडर के साथ केवल वे ही मौजूद थे। सिपाही नरेंद्र कुमार ने रणनीतिक रूप से आगे बढ़ते हुए अपने हथियार को कोक किया। आगे बढ़ने के दौरान, सिपाही/जीडी नरेंद्र कुमार के सिर में गोली लग गई। श्री अशोक कुमार, सहायक कमाण्डेंट ने प्वाइंट नंबर 1 के गार्ड पार्टी और पिकेटिंग पार्टी को कवर लेकर जवाबी कार्रवाई करने का आदेश दिया, उसी समय एक गोली उनके दाहिने हथेली में लगी। जवाबी कार्रवाई में श्री अशोक कुमार, सहायक कमाण्डेंट और बीएसएफ पार्टी ने भी आत्मरक्षा में बदमाशों की ओर गोलियां चलाई। दोनों घायलों को लगभग 1350 बजे बीएसएफ के हेप्टर द्वारा असम राइफल्स के अस्पताल और बाद में रिम्स अस्पताल इम्फाल ले जाया गया। 29 मई 2023 को लगभग 1818 बजे सिपाही नरेंद्र कुमार ने गंभीर रूप से घायल होने के कारण दम तोड़ दिया और शहीद हो गए तथा श्री अशोक कुमार, सहायक कमाण्डेंट/कंपनी कमांडर को उपचार के बाद रिम्स अस्पताल इंफाल से छुट्टी दे दी गई।

बदमाशों/आतंकवादियों द्वारा की गई गोलीबारी के दौरान, सिपाही नरेंद्र कुमार, 122 बटालियन बीएसएफ ने व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना अदम्य साहस और कर्तव्य से आगे बढ़कर समर्पण का परिचय दिया। वह न केवल अपने साथी सैनिक और नागरिकों की जान बचाने में सफल रहे, बल्कि ग्रामीणों की संपत्ति भी बचा पाए, क्योंकि बदमाश/आतंकवादी घरों को जलाने और लूटने पर उतारू थे। सिपाही नरेंद्र कुमार ने राष्ट्र के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। सिपाही नरेंद्र कुमार, 122 बटालियन बीएसएफ ने खुद को एक नायाब बीएसएफ सैनिक के रूप में साबित किया तथा संघर्ष के दौरान साहस और अपने कर्तव्य के प्रति निष्ठा बनाए रखकर एक उदाहरण पेश किया।

इस ऑपरेशन में, सीमा सुरक्षा बल के सर्व/श्री अशोक कुमार, सहायक कमाण्डेंट और स्व. नरेन्द्र कुमार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 28.05.2023 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/30/2024-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 144-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम), मरणोपरांत प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	स्व. श्री रौशन कुमार	उप-निरीक्षक	वीरता पदक (मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

11 फरवरी, 2019 को गांव असुरैन, थाना लुटुआ, जिला गया, बिहार से सटे पूर्वी चक्रबंधा के जंगल में खूंखार सशस्त्र माओवादी कैडरों की गतिविधि के बारे में यूनिट इंटेलिजेंस सेल से प्राप्त एक इनपुट के आधार पर 205 कोबरा की 06 टीमों, 153 सीआरपीएफ और 159 सीआरपीएफ की 02-02 कंपनियों, 29 एसएसबी की 01 कंपनी, अभियान दल की 02 टीमों और एसटीएफ, बिहार पुलिस की 02 टीमों द्वारा एक एसएडीओ शुरू किया गया था।

तदनुसार, तीन स्ट्राइक टीमें; कोबरा की दो-दो टीमें, मुख्य रूप से गठित की गईं और उन्हें लक्ष्य क्षेत्र पर हमला करने का काम सौंपा गया। 12 फरवरी, 2019 को उपयुक्त ब्रीफिंग और कार्रवाई की संभावनाओं तथा होने वाले खतरों का आकलन करने के बाद, टीमें अलग-अलग

मार्गों से लक्ष्य क्षेत्र की ओर चुपके से बढ़ीं। सघन जंगल में एक घनी अंधेरी रात में बाधाओं को पार करने और कुशलता से आगे बढ़ने के बाद, तीनों स्ट्राइक टीमें लक्ष्य क्षेत्र में पहुँचीं और वहां रात्रि विश्राम किया। अगले दिन सुबह-सुबह जब सभी स्ट्राइक टीमें अगले लक्ष्य की ओर बढ़ रही थीं, तो उन्हें रास्ते में दो आईईडी का पता चला, जिन्हें उचित सावधानी बरतने के बाद मौके पर ही निष्क्रिय कर दिया गया। उप-निरीक्षक/जीडी रौशन कुमार की टीम, जो स्ट्राइक वन का हिस्सा थी, लक्ष्य क्षेत्र की ओर बढ़ते समय उन माओवादियों की भारी गोलीबारी की चपेट में आ गई, जो काफी अच्छी पोजीशन में थे और बड़े पत्थरों के पीछे छिपे हुए थे। तुरंत, उप-निरीक्षक/जीडी रौशन कुमार ने कांस्टेबल/जीडी राहुल तिवारी, कांस्टेबल/जीडी धर्मेंद्र सिंह राठौर, कांस्टेबल/जीडी हितेश एंगटी और कांस्टेबल/जीडी दिगंत कुमार बोरा के साथ पोजीशन लेकर भारी गोलीबारी करते हुए जवाबी कार्रवाई की और साथ ही साथ रणनीतिक रूप से आगे बढ़ते रहे।

यह महसूस करते हुए कि माओवादियों पर प्रभावी गोलीबारी करने में यह उबड़-खाबड़ भूभाग एक बड़ी बाधा है, उप-निरीक्षक/जीडी रौशन कुमार रेंगते हुए आगे बढ़कर उन चट्टानों के करीब पहुंचे, जो माओवादियों तथा उनके शिविर के लिए ढाल बना हुआ था और उनकी गोलीबारी का जवाब दिया। टीमें अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना गोलीबारी करती रहीं और बहादुरी से आगे बढ़ती रहीं। समन्वित जवाबी हमले ने माओवादियों को चौंका दिया और उन्हें तितर-बितर कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप माओवादी ऊबड़-खाबड़ भूभाग का फायदा उठाकर मौके से भागने लगे। यह देखकर उप-निरीक्षक/जीडी रौशन कुमार ने अपने साथियों के साथ मिलकर उनका पीछा करना शुरू किया और उनका पीछा करते समय उप-निरीक्षक/जीडी रौशन कुमार दुर्भाग्य से माओवादियों द्वारा लगाए गए एक आईईडी की चपेट में आ गए।

परिणामस्वरूप, उक्त आईईडी के विस्फोट से उप-निरीक्षक/जीडी रौशन कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। गंभीर चोटों और अत्यधिक रक्तस्राव के बावजूद, बहादुर कमांडर ने गोलीबारी जारी रखी और बाद में घायल अवस्था में दम तोड़ दिया। उनके अन्य साथी; कांस्टेबल/जीडी दिगंत कुमार बोरा भी छर्रे लगने के कारण घायल हो गए।

उप-निरीक्षक/जीडी रौशन कुमार आईईडी विस्फोट के कारण उत्पन्न प्रारंभिक प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद अदम्य प्रतिबद्धता के साथ मौके पर डटे रहे, अद्वितीय वीरता का परिचय दिया, बहादुरी से लड़ाई लड़ी और कर्तव्य की वेदी पर अपने प्राणों की आहुति दे दी, तथा एक मजबूत मोर्चेबंदी में लाभकारी स्थिति में छिपे हुए दुश्मन को वहां से खदेड़ दिया।

इस ऑपरेशन में, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के स्व. श्री रौशन कुमार, उप-निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 13.02.2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/3270/48/2022 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 145-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	महाले मनीष गोरख	द्वितीय कमान अधिकारी	वीरता पदक
2.	मुकेश कुमार सेवरिया	उप-कमाण्डेंट	वीरता पदक
3.	अनिल कुमार	सहायक कमाण्डेंट	वीरता पदक
4.	बिजय कुमार ठाकुर	निरीक्षक	वीरता पदक
5.	पवन कुमार	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
6.	अन्तेश कुमार	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
7.	मनोज कुमार	सिपाही	वीरता पदक
8.	विप्लव कुमार	सिपाही	वीरता पदक
9.	आदेश कुमार	सिपाही	वीरता पदक
10.	सोमवीर	सिपाही	वीरता पदक
11.	विशाल कुमार यादव	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

16 मार्च 2021 को, आरएफटी पटना के निरीक्षक/इंट. बिजय कुमार ठाकुर ने अमरेश सिंह भोक्ता (जेडसीएम) और शिव पूजन यादव (एसजेडसीएम) के नेतृत्व में 07-08 माओवादियों के एक छोटे समूह की गतिविधि गांव कोकना, थाना डुमरिया, जिला गया, बिहार के पूर्वी दिशा में होने के बारे में एक इनपुट जुटाया और बाद में इसकी पुष्टि की तथा तत्पश्चात डीआईजी, रेंज पटना द्वारा यूनिट के साथ साझा किया गया।

तदनुसार, टीएसी गया में श्री संजय कुमार, डीआईजी रेंज पटना के निर्देशों के अनुसार, श्री महाले मनीष गोरख, द्वितीय कमान अधिकारी, 205 कोबरा एवं श्री मुकेश कुमार सेवरिया, उप कमाण्डेंट, 205 कोबरा के नेतृत्व में राज्य पुलिस के साथ मिलकर एक ऑपरेशन की योजना बनाई गई। श्री मुकेश कुमार सेवरिया, उप-कमाण्डेंट, और श्री अनिल कुमार, सहायक कमांडेंट के नेतृत्व में दो टीमों, अर्थात् क्रमशः टीम सं. 18 और 02 को इस ऑपरेशन को अंजाम देने की जिम्मेदारी सौंपी गई। योजना बनाते समय, पास के जंगल/पहाड़ी क्षेत्र में 16-17 सशस्त्र माओवादियों की उपस्थिति के बारे में एक और खुफिया जानकारी मिली, जिसे कमांडेंट, 159 सीआरपीएफ द्वारा डीआईजी रेंज पटना को उपलब्ध कराया गया था और बाद में श्री महाले मनीष गोरख, द्वितीय कमान अधिकारी और श्री मुकेश कुमार सेवरिया, उप-कमाण्डेंट के साथ साझा किया गया। तदनुसार, अतिरिक्त सैनिकों को शामिल करके संशोधित योजना बनाई। मौनबार गांव में स्थित लक्षित घर की सटीक अवस्थिति की पहचान करने के लिए डीआईजी, रेंज पटना द्वारा एक अन्य स्रोत से भी परामर्श किया गया। लक्षित घर की सटीक अवस्थिति गांव के गूगल मानचित्र को दिखाकर चिह्नित की गई। लक्षित घर पहाड़ी से सटे मौनबार गांव से लगभग 770 मीटर उत्तर पूर्व में स्थित था।

जवानों को रणनीतिक रूप से तैनात किया गया, जिसमें हेड कांस्टेबल/जीडी पवन कुमार, कांस्टेबल/जीडी आदेश कुमार, कांस्टेबल/जीडी विप्लव कुमार और हेड कांस्टेबल/आरओ अंतेश कुमार लक्षित घर के दाईं ओर थे, जबकि श्री महाले मनीष गोरख, द्वितीय कमान अधिकारी, कांस्टेबल/जीडी विशाल कुमार यादव, श्री अनिल कुमार, सहायक कमांडेंट को घर के बाईं ओर तैनात किया गया। घर के सामने वाले हिस्से में, श्री मुकेश कुमार सेवरिया, उप-कमाण्डेंट के साथ कांस्टेबल/जीडी मनोज कुमार और निरीक्षक/इंट बिजय कुमार ठाकुर थे। घर के पीछे की तरफ, कांस्टेबल/जीडी सोमवीर और अन्य कमांडो को तैनात किया गया।

घर के आस-पास मौजूद सिविलियन नागरिकों, जिसमें घर में खेल रहा एक बच्चा भी शामिल था, को माओवादियों को भनक लगने दिए बिना सावधानीपूर्वक बाहर निकाला गया। नागरिकों को सुरक्षित निकालने के बाद माओवादियों को आत्मसमर्पण करने की सलाह दी गई, लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ, संदिग्ध घर का दरवाजा खुला और दो माओवादी तेजी से बाहर निकले तथा घेराबंदी दल पर अत्याधुनिक हथियारों से भारी गोलीबारी शुरू कर दी। उनकी गोलीबारी को घर के आस-पास की पहाड़ियों पर किए गए कुछ आईईडी विस्फोटों से और बल मिला, क्योंकि उस इलाके में हथियारबंद माओवादियों का एक और समूह भी मौजूद था। तथापि, जंगल युद्ध कला में निपुण सैनिकों के सख्त इरादों को भांपते हुए, वे अपने फंसे हुए माओवादी कमांडरों की मदद करने के लिए नीचे नहीं आए। माओवादियों ने घेराबंदी दल को भारी नुकसान पहुंचाने और उनके हथियार छीनने के इरादे से लक्षित घर से भारी गोलीबारी की। उसी समय, घर के अंदर मौजूद दो अन्य माओवादियों ने घेराबंदी दल की दिशा में अंदर के दरवाजे से गोलीबारी शुरू कर दी।

अपने कमांडर के आदेश के अनुसार ऑपरेशन कर रहे कमांडो ने खुद को और अपने हथियारों को बचाने के लिए नियंत्रित जवाबी गोलीबारी शुरू की। कोबरा कमांडो के समन्वित प्रयासों से, दुश्मन से भिड़ते समय फायर-एंड-मूव रणनीति का इस्तेमाल करते हुए, दो माओवादियों को लंबे समय तक हमला करने से रोककर रखा गया, जिसके परिणामस्वरूप बाद में उन्हें मार गिराया गया। तथापि, पास के एक घर में छिपे दो अन्य माओवादियों ने सुरक्षा बलों को गाली देते हुए भीतरी दरवाजे से भारी गोलीबारी जारी रखी।

श्री महाले मनीष गोरख, द्वितीय कमान अधिकारी से सहमति प्राप्त करने पर, श्री मुकेश कुमार सेवरिया, उप-कमाण्डेंट ने निरीक्षक/इंट. बिजय कुमार ठाकुर को अपने साथ लिया और श्री अनिल कुमार, सहायक कमांडेंट, कांस्टेबल/जीडी मनोज कुमार द्वारा कवर फायर के साथ रणनीतिक तरीके से माओवादियों की ओर आगे बढ़े। अपनी जान की परवाह किए बिना, श्री मुकेश कुमार सेवरिया, उप-कमाण्डेंट और निरीक्षक/

इंट. बिजय कुमार ठाकुर दुश्मनों द्वारा की गई गोलियों की बौछार के बीच उनकी ओर निडरता से रेंगते रहे। उन्होंने घर के अंदरूनी दरवाज़े पर पहुँचकर छोटे-छोटे पत्थरों के पीछे पोजिशन ले ली।

श्री मुकेश कुमार सेवरिया, उप-कमाण्डेंट ने स्वयं को पोजीशन करने के बाद अपने साथियों को कवर फायर बंद करने का संकेत दिया। गोलीबारी के अचानक बंद हो जाने से माओवादी अचंभित हो गए और अपने हमले को फिर से शुरू करने से पहले बाहर की स्थिति का आकलन करने के लिए भीतरी दरवाजे पर कुछ देर के लिए आए। इसी बीच, श्री मुकेश कुमार सेवरिया, उप-कमाण्डेंट और निरीक्षक/इंट. बिजय कुमार ठाकुर ने माओवादियों का सामने से मुकाबला करने का फैसला करते हुए एक साहसिक कदम उठाया। माओवादियों ने उन्हें मारने के प्रयास में अंधाधुंध गोलीबारी की, लेकिन वे बाल-बाल बच गए और तुरंत जवाबी कार्रवाई की। अचानक से किया गया हमला काम आया और माओवादी डर गए। सुरक्षा बलों से कोई राहत न मिलने पर, माओवादियों ने भागने का प्रयास किया और अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए दरवाजे से बाहर निकल गए। श्री मुकेश कुमार, उप-कमाण्डेंट और निरीक्षक/इंट. बिजय कुमार ठाकुर उनके द्वारा कोई भी ऐसा कदम उठाए जाने का इंतजार कर रहे थे और उन्होंने भाग रहे माओवादियों पर एक घातक प्रहार किया, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें मार गिराया गया।

मुठभेड़ के बाद की गई तलाशी के दौरान, दो इनामी सहित चार कट्टर माओवादियों के शव बरामद किए गए, साथ ही 02 एके 47 राइफल, 01 एचके-33 राइफल और 01 इंसास राइफल सहित भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए। मारे गए माओवादियों की पहचान बाद में अमरेश सिंह भोक्ता, शिव पूजन यादव, उदय पासवान और सीता भुइया क्रमशः जोनल कमांडर तथा सब जोनल कमांडर के रूप में हुई।

इस ऑपरेशन में, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के सर्व/श्री महाले मनीष गोरख, द्वितीय कमान अधिकारी, मुकेश कुमार सेवरिया, उप-कमाण्डेंट, अनिल कुमार, सहायक कमाण्डेंट, बिजय कुमार ठाकुर, निरीक्षक, पवन कुमार, हेड कांस्टेबल, अन्तेश कुमार, हेड कांस्टेबल, मनोज कुमार, सिपाही, विप्लव कुमार, सिपाही, आदेश कुमार, सिपाही, सोमवीर, सिपाही और विशाल कुमार यादव, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 16.03.2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/08/2023 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 146-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री सुरेन्द्र कुमार यादव	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

25 फरवरी 2022 को, लंगोराही, पचरुखिया, ब्रह्मदेव बथान, करिबा धोबा, बांदी और दूधझागरापहाड़ थाना मदनपुर, जिला औरंगाबाद, बिहार के आसपास छकरबंधा वन क्षेत्र में स्थित नक्सलियों के गढ़ में उनके एक सशस्त्र समूह की मौजूदगी के बारे में प्राप्त एक खुफिया इनपुट के आधार पर 205 कोबरा, 47 सीआरपीएफ और बिहार पुलिस द्वारा एक विशेष अभियान चलाया गया। 205 कोबरा की टीम संख्या 01, 02 और 10 को 47 सीआरपीएफ की 'ए' कंपनी के साथ लगभग 1100 बजे लक्ष्य क्षेत्र पर हमला करने का काम सौंपा गया।

टीम-02 का नेतृत्व श्री बिभोर कुमार सिंह, सहायक कमांडेंट ने किया, जिसमें हेड कांस्टेबल/आरओ सुरेंद्र कुमार यादव भी शामिल थे। यह टीम मुख्य हमला टीम थी और जब वे करीबडोभा में चिह्नित किए गए स्थान की ओर बढ़ रहे थे, तब बगल की पहाड़ी पर पत्थरों के पीछे छिपे हुए नक्सलियों की भारी गोलीबारी की चपेट में आ गए।

इसकी जवाबी कार्रवाई में, टीम कमांडर श्री बिभोर कुमार सिंह के साथ मौजूद हेड कांस्टेबल/आरओ सुरेन्द्र कुमार यादव ने अपनी टीम को दाएं किनारे से तेजी से आगे बढ़ाया और नक्सलियों द्वारा लगाए गए घात में फंसी हुई टीम को सहायता प्रदान की तथा उनके द्वारा लगाए गए घात को विफल कर दिया। नक्सलियों ने "कमांड एंड प्रेशर आईईडी" लगाकर अपनी सुरक्षा को मजबूत किया था । इस नक्सली हमले का मुकाबला

करने के लिए और गंभीर एवं खतरनाक परिस्थितियों को देखते हुए, सैनिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता थी। हेड कांस्टेबल/आरओ सुरेंद्र कुमार ने अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना आगे बढ़ना जारी रखा और नक्सलियों के साथ हो रही गोलीबारी में अपने टीम कमांडर का साथ दिया। किनारे से अचानक हुई इस भारी गोलीबारी ने नक्सलियों का मनोबल गिरा दिया और वे मौके से भागने लगे। पीछे हटते समय, नक्सली पत्थरों और पेड़ों को ढ़ाल बनाकर सैनिकों पर लगातार गोलीबारी करते रहे।

जवाबी कार्रवाई के दौरान, हेड कांस्टेबल/आरओ सुरेन्द्र कुमार यादव और श्री बिभोर कुमार सिंह, सहायक कमांडेंट एक आईईडी विस्फोट की चपेट में आ गए, जिसके परिणामस्वरूप वे गंभीर रूप से घायल हो गए। जीवन के लिए अत्यंत खतरनाक स्थिति और गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, हेड कांस्टेबल/आरओ सुरेंद्र कुमार यादव ने अपना धैर्य बनाए रखा और साहसपूर्वक गोलीबारी जारी रखी। उन्होंने तेज दर्द और असहनीय पीड़ा होते हुए भी अपनी टीम को कवर फायर प्रदान करके उच्चतम स्तर की वीरता, दृढ़ संकल्प और बहादुरी का प्रदर्शन किया। उन्होंने अपनी गोलीबारी में निरंतरता बनाए रखी और एक सिग्नल-मेन के रूप में अपनी मुख्य भूमिका अर्थात निर्बाध कमांड एंड कंट्रोल सुनिश्चित करने को प्रभावी ढंग से निभाया। उनके वीरतापूर्ण कार्य और दृढ़ निश्चय ने उनकी टीम को समन्वित और निरंतर जवाबी हमला करने में सक्षम बनाया, जिससे नक्सलियों को पीछे हटने पर मजबूर होना पड़ा। इससे, अंततः उनके साथी सैनिकों की जान बच गई और 205 कोबरा के सैनिकों के लिए पहाड़ी की चोटी को सुरक्षित करने और उस क्षेत्र पर नियंत्रण स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त हुआ।

हेड कांस्टेबल/आरओ सुरेंद्र कुमार यादव द्वारा प्रदर्शित असाधारण साहस और सूझबूझ ने नक्सली समूह को पीछे हटने पर मजबूर किया, जिसके परिणामस्वरूप उनकी टीम के अन्य सदस्यों की जान बच गई। गंभीर चोटों से जूझते रहने के बावजूद भी, उनके संकल्प, दृढ़ निश्चय और निरंतर किए गए जवाबी हमलों ने, नक्सलियों को मुठभेड़ क्षेत्र में अपनी पोजीशन से पीछे हटने के लिए मजबूर कर दिया। बहादुरी के इस कार्य ने न केवल जवानों की जान बचाई बल्कि नक्सली कैंप को ध्वस्त करने में भी योगदान दिया। इस ऑपरेशन के दौरान, घटनास्थल से बड़ी मात्रा में आईईडी बनाने की सामग्री बरामद की गई।

इस ऑपरेशन में, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के श्री सुरेन्द्र कुमार यादव, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 25.02.2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/137/2023 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 147-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) और वीरता पदक का प्रथम बार सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	तेजा राम चौधरी	सहायक कमाण्डेंट	वीरता पदक का प्रथम बार
2.	गणेश चन्द जाट	सिपाही	वीरता पदक
3.	जीत तांती	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

02 अक्टूबर, 2022 को, गांव बसकुचन, पुलिस स्टेशन इमामसाहिब, जिला शोपियां, जम्मू और कश्मीर में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां से प्राप्त विशेष सूचना के आधार पर 178 सीआरपीएफ, 44 आरआर और जम्मू और कश्मीर पुलिस के एसओजी द्वारा एक संयुक्त घेराबंदी एवं तलाशी अभियान (सीएएसओ) शुरू किया गया। श्री तेजा राम चौधरी, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में

178 सीआरपीएफ की सीटीटी तथा जम्मू और कश्मीर पुलिस के एसओजी इमामसाहिब एक साथ बसकुचन गांव पहुंचे और प्रारंभिक घेराबंदी की।

लक्षित घर के आस-पास के आठ घरों की घेराबंदी की गई और वहां से भागने के सभी संभावित रास्ते बंद कर दिए गए। घेरे के भीतर के घरों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया और आतंकवादियों की संभावित मौजूदगी के बारे में उनसे पूछताछ की गई। इस बीच, जम्मू और कश्मीर पुलिस द्वारा साझा की गई एक सूचना से लक्षित घर में आतंकवादी नसीर अहमद भट की मौजूदगी की पुष्टि हुई ।

श्री तेजा राम चौधरी, सहायक कमाण्डेंट ने कमांडेंट, 178 सीआरपीएफ को तुरंत सूचना दी कि एक आतंकवादी आंतरिक घेरे में फंसा हुआ है। 44 आरआर की एक टीम भी वहां पहुंची तथा आंतरिक घेरे को और मजबूत किया। यह देखते हुए कि वहां फंसा हुआ आतंकवादी एक स्थानीय निवासी था, दो अतिरिक्त कंपनियों, अर्थात् 178 सीआरपीएफ की 'डी' कंपनी और 178 सीआरपीएफ की 'ई' कंपनी को क्रमशः बसकुचन-नौपोरा छोर और बसकुचन-सांगरेन रोड पर कानून और व्यवस्था की किसी भी संभावित परिस्थिति से निपटने के लिए तैनात किया गया। 178 सीआरपीएफ की क्यूएटी भी मुठभेड़ स्थल पर पहुंची और बाहरी घेरे में पोजीशन ली।

सैनिकों को रणनीतिक रूप से पोजीशन करने के बाद, लक्षित घर के मालिक से उसके घर में छिपे आतंकवादियों की सही संख्या के बारे में पूछताछ की गई। उसने पुष्टि की कि एके सीरीज के हथियार से लैस केवल एक आतंकवादी, नसीर अहमद भट वहां मौजूद था। इसके अतिरिक्त, कुछ स्थानीय निवासियों ने यह जानकारी दी कि फ़ज्र नमाज (सुबह की पहली नमाज) के दौरान गांव में हथियार के साथ दो अज्ञात व्यक्ति देखे गए थे, तथापि उनकी सही पोजीशन की पुष्टि नहीं हुई।

योजना के अनुसार, लक्षित घर के आस-पास के चार घरों को फायरबेस के रूप में चिह्नित किया गया, जहां हमला और एचआईटी दलों को तैनात किया गया, जिसमें 178 सीआरपीएफ की सीटीटी, जम्मू और कश्मीर पुलिस के एसओजी की एक टीम और 44 आरआर की एक टीम शामिल थी। निर्देशानुसार, कुछ सैनिकों को क्रमश: फायरबेस/घर सं. 35 और फायरबेस/घर सं. 70 के पास तैनात किया गया। सीटीटी 178 के सहायक कमाण्डेंट श्री तेजा राम चौधरी के नेतृत्व में सीटी/जीडी गणेश चंद जाट और सीटी/जीडी जीत तांती को फायरबेस/लक्षित घर के पास तैनात किया गया। इसके अलावा, जैनापोरा और गगरेन से आई दो और एसओजी टीमें इस ऑपरेशन में शामिल हुईं।

फायरबेस में हमला दलों की तैनाती के बाद, आतंकवादी से आत्मसमर्पण करने की अपील की गई; तथापि, उसने कोई उत्तर नहीं दिया। फंसे हुए आतंकवादी ने लक्षित घर से सटे एक नवनिर्मित बाथरूम में पोजीशन ले ली और सैनिकों को नुकसान पहुँचाने के इरादे से आंतरिक घेरा पार्टी पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। तदनुसार, कमांड पोस्ट से टीम कमांडर द्वारा सभी टीमों को सतर्क किया गया और इसके प्रत्युत्तर में फायर बेस के पास तैनात सैन्य दलों ने भी सभी आवश्यक सावधानियां बरतते हुए प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की।

इसके बाद, जब आतंकी की तरफ से कोई हरकत नहीं देखी गई तो उसकी सही लोकेशन का पता लगाने के लिए ड्रोन तैनात किए गए। जैसे ही ड्रोन बाथरूम के आसपास पहुंचा, आतंकी के छिपे होने का पता चला। आतंकी बाथरूम के अंदर छिपा हुआ था, जहां से भाग निकलने का कोई रास्ता नहीं था। इस समय, एक साथ गोलीबारी करके बाथरूम की दीवारों को तोड़ने का फैसला किया गया। इसके बाद, संयुक्त टीमों ने बाथरूम की ऊपरी दीवार को तोड़ने के लिए फायरबेस से एक साथ फायरिंग शुरू कर दी। इसके जवाब में, बाथरूम में छिपे आतंकी ने फायर बेस के पास तैनात सैन्य दलों की ओर निशाना साधते हुए अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

एसओजी इमामसाहिब तथा 178 सीआरपीएफ की सीटीटी की टीमें लक्षित घर के काफी करीब पहुंचीं और बाथरूम की दीवारों को तोड़ने में कामयाब हो गई। जैसे ही आतंकवादी फायरबेस/लक्षित घर से की जाने वाली गोलीबारी की रेंज में आया, सीटीटी/178 सीआरपीएफ के श्री तेजा राम चौधरी, सहायक कमाण्डेंट और उनके साथी सीटी/जीडी गणेश चंद जाट तथा सीटी/जीडी जीत तांती अपनी पोजीशन से बाहर आए और अदम्य साहस का परिचय दिया एवं अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना आतंकवादी पर एक साथ प्रभावी गोलीबारी की और उसे मौके पर ही मार गिराया।

इसके बाद, संयुक्त सैन्य दस्ते द्वारा पूरे इलाके की गहन तलाशी ली गई ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि लक्षित घर में और उसके आसपास कोई अन्य आतंकवादी छिपा न हो। मुठभेड़ के बाद की गई तलाशी के दौरान, एक आतंकवादी का शव बरामद किया गया, जिसकी पहचान बाद में हिजबुल मुजाहिदीन आतंकी संगठन के श्रेणी-'सी' के नसीर अहमद भट के रूप में हुई, जिसके पास से 01 एके 56 राइफल, एके 56 के 03 मैगजीन तथा एके 56 के 11 कारतूस बरामद किए गए।

इस ऑपरेशन में, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के सर्व/श्री तेजा राम चौधरी, सहायक कमाण्डेंट, गणेश चन्द जाट, सिपाही और जीत तांती, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 02.10.2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/10/2023 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 148-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) और वीरता पदक का द्वितीय बार सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	तेजा राम चौधरी	सहायक कमाण्डेंट	वीरता पदक का द्वितीय बार
2.	चन्दन कुमार	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 10/11 नवम्बर, 2022 को, गांव कपरेन, पुलिस स्टेशन और जिला शोपियां, जम्मू एवं कश्मीर में कुछ आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां से प्राप्त एक विशेष सूचना के आधार पर, 178 सीआरपीएफ, 34 आरआर और जम्मू एवं कश्मीर पुलिस के एसओजी द्वारा एक संयुक्त घेराबंदी एवं तलाशी अभियान (सीएएसओ) शुरू किया गया। योजना के अनुसार, श्री तेजा राम चौधरी, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 178 सीआरपीएफ के सीटीटी, 34 आरआर और जम्मू एवं कश्मीर पुलिस के एसओजी एक साथ लगभग 0420 बजे लक्षित स्थान पर पहुंचे और प्रारंभिक घेराबंदी की।

वहां की स्थिति के आकलन और उस पर गहन विचार-विमर्श के बाद, 4-5 संदिग्ध घरों, एक मदरसा और एक छोटी मस्जिद, जिनमें से प्रत्येक के बीच की दूरी 15-20 फीट के बीच की थी, को आंतरिक घेरे में रखा गया। मदरसे का पिछला हिस्सा ऊँचाई पर स्थित था और सेब के घने बागों से घिरा हुआ था, जिसकी घेराबंदी को 178 सीआरपीएफ की क्यूएटी द्वारा और अधिक मजबूत किया गया।

योजना के अनुसार, सैनिकों ने तलाशी अभियान शुरू किया और मदरसे के शिक्षकों तथा छात्रों सहित इन घरों में रहने वाले सभी लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। बाहर निकाले गए लोगों से हुई पूछताछ के दौरान, नसीर अहमद मीर (मदरसा शिक्षक) ने खुलासा किया कि वह मारे गए आतंकवादी रईस अहमद मीर का भाई है, जिसे 08 दिसंबर, 2021 को जम्मू और कश्मीर के शोपियां के चेक-चोलन गाँव में चलाए गए संयुक्त अभियान के दौरान मार गिराया गया था। सीटीटी 178 सीआरपीएफ के सहायक कमाण्डेंट श्री तेजा राम चौधरी द्वारा की गई गहन पूछताछ के बाद, नसीर अहमद मीर (मदरसा शिक्षक) ने स्वीकार किया कि 09 नवंबर, 2022 को एक पाकिस्तानी आतंकवादी कुलगाम से उसके साथ आया था, जो वर्तमान में सैनिकों द्वारा घेराबंदी किए गए भवनों में से किसी एक भवन में छिपा हुआ है।

उपरोक्त सूचना के आधार पर, छिपे हुए आतंकवादी का पता लगाने के लिए गहन तलाशी शुरू की गई। यद्यपि नसीर अहमद मीर (मदरसा शिक्षक) ने आतंकवादी को देखा था, तथापि श्री तेजा राम चौधरी, सहायक कमाण्डेंट उसे घर सं. 143 में ले गए। घर सं. 143 की गहन तलाशी के बाद, नसीर अहमद मीर ने आगे खुलासा किया कि उसने पाकिस्तानी आतंकवादी को मदरसा और मस्जिद के बीच छोड़ दिया था।

लगभग 0540 बजे , जब संदिग्ध घरों की तलाशी पूरी होने वाली थी और सैनिक अंतिम घर के करीब पहुंच रहे थे, छिपे हुए आतंकवादी ने सैनिकों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका सैनिकों ने प्रभावी ढंग से जवाब दिया।

सैनिकों द्वारा चारों तरफ से की गई मजबूत घेराबंदी को देखते हुए छिपे हुए आतंकवादी ने वहां तैनात सैनिकों पर जोरदार हमला किया। मस्जिद के चारों ओर तैनात सैनिकों ने इस हमले का प्रभावी ढंग से जवाब दिया जिसके परिणामस्वरूप छिपे हुए आतंकवादी ने खुद को

मस्जिद के अंदर फंसा पाया, क्योंकि घरों के समूह की ओर जाने वाली एक संकरी गली के अलावा भागने का कोई अन्य रास्ता नहीं था। घेराबंदी से भागने की कोशिश में आतंकवादी गली में कूद गया, हालांकि श्री तेजा राम चौधरी, सहायक कमाण्डेंट और उनके साथी सीटी/बग चंदन कुमार, सीटीटी 178 सीआरपीएफ ने अदम्य साहस का परिचय दिया तथा व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना भागने की कोशिश में भारी गोलीबारी कर रहे आतंकवादी पर प्रभावी गोलीबारी शुरू की और इस मुठभेड़ में उक्त आतंकवादी को मार गिराया गया।

आतंकवादी को मार गिराने के बाद, सैनिकों ने पूरे इलाके की व्यापक तलाशी ली ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि लक्षित घर में और उसके आसपास कोई अन्य आतंकवादी मौजूद न हो। मुठभेड़ के बाद की तलाशी के दौरान, एक आतंकवादी का शव बरामद किया गया, जिसकी पहचान बाद में जैश-ए-मोहम्मद के श्रेणी-'ख' आतंकवादी अनीस भाई के रूप में हुई, जिसके पास से 01 एके-74 राइफल, एके-74 राइफल की 04 मैगजीन, एके राइफल के 82 कारतूस और 8 एपीआई कारतूस बरामद किए गए।

इस ऑपरेशन में, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के सर्व/श्री तेजा राम चौधरी, सहायक कमाण्डेंट और चन्दन कुमार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 10.11.2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/139/2023 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 149-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	दिल राम यादव	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक
2.	अजित दास	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 04-05 अक्टूबर, 2022 की मध्यरात्रि में, गांव मोलू, पुलिस स्टेशन और जिला शोपियां, जम्मू और कश्मीर में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में प्राप्त एक विशेष सूचना के आधार पर, 178 सीआरपीएफ, 44 आरआर और जम्मू और कश्मीर पुलिस के एसओजी द्वारा एक संयुक्त घेराबंदी एवं तलाशी अभियान (सीएएसओ) शुरू किया गया था। तदनुसार, श्री तेजा राम चौधरी, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 178 सीआरपीएफ के सीटीटी के साथ-साथ 44 आरआर तथा जम्मू और कश्मीर पुलिस, इमामसाहिब के एसओजी की संयुक्त टीमें लगभग 0325 बजे लक्षित स्थान पर पहुंची और प्रारंभिक घेराबंदी की।

इस बीच, श्री प्रमेंद्र नारायण, उप-कमाण्डेंट के नेतृत्व में 178 सीआरपीएफ की क्यूएटी लक्षित स्थान पर पहुंची और इसे कानून एवं व्यवस्था की स्थिति को संभालने के लिए बाहरी घेरे में तैनात किया गया। प्राप्त सूचना के अनुसार, एक आतंकवादी गांव मोलू के बाजार क्षेत्र में मौजूद था। परिणामस्वरूप, बाजार क्षेत्र के बीच में संदिग्ध घरों और दुकानों के एक समूह की घेराबंदी करके तलाशी अभियान शुरू किया गया।

सेना के जवानों ने तीन दिशाओं से बाजार क्षेत्र में प्रवेश किया। जब तलाशी दल मोलू गांव के मुख्य बाजार मार्ग पर पहुंचा, तब नवीनतम सूचना से पता चला कि आतंकवादी एक दो मंजिला शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में घुस गया है, जो घर सं. 16 और 17 के ठीक सामने सड़क के दूसरी तरफ अवस्थित था।

तत्काल, आसपास के घरों और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स क्षेत्र में उपस्थित सभी सिविलियन नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। इसके साथ ही, सैन्य दल घर सं. 16 और 17 की गैलरी में पश्चिम की ओर से दाखिल हुआ और उन्होंने वहां से भाग निकलने के सभी संभावित रास्तों को बंद कर दिया। सैन्य दल द्वारा संयुक्त रूप से घर सं. 16 और 17 के पास एक फायरबेस बनाया गया। 178 सीआरपीएफ के सीटीटी के एएसआई/जीडी दिल राम यादव के नेतृत्व में सीटी/जीडी अजित दास और अन्य सैनिकों को फायरबेस सं. 16 के पास तैनात किया गया।

सीटीटी 178 सीआरपीएफ के जवानों और 44 आरआर तथा जम्मू और कश्मीर पुलिस की एसओजी की टीमों को फायरबेस/घर सं. 17 के पास तैनात किया गया। फायरबेस के पास संयुक्त टीमों की तैनाती सुनिश्चित होने के बाद आतंकवादी से आत्मसमर्पण करने को कहा गया; लेकिन उसने कोई जवाब नहीं दिया। छिपे हुए आतंकवादी ने संयुक्त घेराबंदी टीमों पर शॉपिंग कॉम्प्लेक्स से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। घर सं. 16 और 17 के फायरबेस के पास तैनात सैनिकों ने आवश्यक जवाबी कार्रवाई की। इसके पश्चात, गहन विचार-विमर्श के बाद, शॉपिंग कॉम्पलेक्स की दक्षिणी दीवार को तोड़कर उसमें प्रवेश करने का निर्णय लिया गया। तदनुसार, दुकान की दीवार को ध्वस्त करने के लिए सैनिकों द्वारा ग्रेनेड का उपयोग किया गया। ग्रेनेड के विस्फोटों के परिणामस्वरूप, दुकान की दीवार के क्षतिग्रस्त होते ही अंदर छिपा हुआ आतंकवादी बाहर आ गया और सैनिकों को मारने के प्रयास में अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सैन्य दलों द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई के दौरान, आतंकवादी घायल हो गया, लेकिन उसने आंतरिक घेरे में तैनात संयुक्त सैन्य दलों पर अंधाधुंध गोलीबारी जारी रखी।

इस निर्णायक मोड़ पर, फायरबेस/घर सं. 16 के पास तैनात एएसआई/जीडी दिल राम यादव के नेतृत्व वाली टीम भारी गोलीबारी की चपेट में आ गई, लेकिन उन्होंने आतंकवादी द्वारा की गई गोलीबारी से खुद को बचाने में चतुराई दिखाई और इसमें वे कामयाब रहे। आतंकवादी फायरबेस/घर सं. 16 के ठीक सामने पोजीशन लिए हुए था, जिसके कारण गोलियों की एक जबरदस्त बौछार खिड़कियों के माध्यम से फायरबेस में सीधे प्रवेश कर गई। तथापि, फायरबेस/घर सं. 16 के पास तैनात सैनिकों ने आतंकवादी की गतिविधियों पर तत्परता से निगरानी करके खुद को प्रभावी रूप से सुरक्षित किया। आतंकवादी के सैनिकों की गोलीबारी की रेंज में आते ही फायरबेस/घर सं. 16 के भीतर पहले से पोजीशन लिए हुए एएसआई/जीडी दिल राम यादव और सीटी/जीडी अजित दास ने अदम्य साहस का परिचय दिया। दोनों ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना और एक समन्वित प्रयास में आतंकवादी पर प्रभावी गोलीबारी की तथा उसे मौके पर ही मार गिराया।

आतंकवादी के मारे जाने के बाद, सैनिकों ने पूरे इलाके की गहन तलाशी ली, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि लक्षित घर में और उसके आसपास कोई अन्य आतंकवादी मौजूद न हो। मुठभेड़ के बाद ली गई तलाशी के दौरान एक आतंकवादी का शव बरामद हुआ, साथ ही 01 एके 56 राइफल, 04 एके 56 मैगजीन और 12 जिंदा कारतूस बरामद किए गए। मारे गए आतंकवादी की पहचान बाद में लश्कर-ए- तैयबा संगठन के श्रेणी "ग" आतंकवादी आरिफ राशिद वानी के रूप में हुई।

इस ऑपरेशन में, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के सर्व/श्री दिल राम यादव, सहायक उप-निरीक्षक और अजित दास, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 04.10.2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/147/2023 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 150-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	उमेश यादव	उप-कमाण्डेंट	वीरता पदक
2.	सब्जार अहमद भट	सिपाही	वीरता पदक
3.	राज कुमार	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

26 मई 2022 को लगभग 2105 बजे, पुलिस स्टेशन/पीडी अवंतीपोरा, जिला पुलवामा, जम्मू एवं कश्मीर के अंतर्गत अघंजिपोरा गांव में 02-03 आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवंतीपोरा से प्राप्त विशेष सूचना के आधार पर 130 सीआरपीएफ, जेकेपी/एसओजी और 55 आरआर द्वारा एक संयुक्त घेराबंदी एवं तलाशी अभियान (सीएएसओ) शुरू किया गया।

योजनानुसार, सीटीटी 130 सीआरपीएफ और एसओजी जम्मू एवं कश्मीर पुलिस प्रारंभिक घेराबंदी करने के लिए लक्षित क्षेत्र में गए। श्री उमेश यादव, उप-कमाण्डेंट, 130 सीआरपीएफ को मुख्यालय शिविर में बीपी जेसीबी के साथ तैयार रहने का निर्देश दिया गया। सुरक्षा दस्ते के साथ कमाण्डेंट, 130 सीआरपीएफ को 130 सीआरपीएफ की 'डी' कंपनी और एक प्लाटून के साथ कानून और व्यवस्था की संभावित स्थिति से निपटने के लिए पदगामपोरा पुल के पास तैनात किया गया था।

भागने के सभी संभावित मार्गों को बंद करने के लिए लक्षित क्षेत्र के चारों ओर एक घेरा बनाया गया। 130 सीआरपीएफ के शेष जवानों को बाहरी घेरे में जंगल की ओर रणनीतिक रूप से तैनात किया गया। आतंकवादियों की मौजूदगी की पुष्टि होने के बाद, उनका खात्मा करने हेतु तलाशी अभियान शुरू करने के लिए एक योजना पर विचार-विमर्श करने के बाद उसे अंतिम रूप दिया गया। लगभग 2130 बजे, तलाशी शुरू होने के बाद, आतंकवादियों ने अघंजिपोरा गांव के सबसे पश्चिमी बाहरी क्षेत्र में अवस्थित सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग के खाली पड़े हुए एक मंजिला भवन से तलाशी दल पर गोलीबारी शुरू कर दी। गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया गया और आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने की अपील की गई, लेकिन कोई उत्तर नहीं मिला। आतंकवादियों ने संयुक्त सैन्य दस्ते पर रुक-रुक कर गोलीबारी जारी रखी, जिसका प्रभावी ढंग से जवाब दिया गया।

लगभग 2200 बजे, एक आतंकवादी ने आंतरिक घेरे में तैनात सैनिकों पर गोलीबारी शुरू कर दी। आतंकवादियों ने उपरोक्त भवन की मोटी और मजबूत दीवारों की आड़ में खुद को रणनीतिक रूप से पोजीशन किया था, जिसके परिणामस्वरूप आतंकवादियों पर प्रभावी गोलीबारी करना बहुत मुश्किल था। इसी बीच, बटालियन मुख्यालय में बीपी जेसीबी के साथ मौजूद उप-कमाण्डेंट श्री उमेश यादव को सुरक्षित/सुगम मार्ग अपनाते हुए मुठभेड़ स्थल की ओर बढ़ने और आवश्यकता पड़ने पर आगे की कार्रवाई के लिए तैयार स्थिति में पदगामपोरा गांव में डी/एफ 130 सीआरपीएफ के पास रुकने के लिए कहा गया। श्री उमेश यादव, उप-कमाण्डेंट की निगरानी में सीटी/डीवीआर राज कुमार, 185 सीआरपीएफ ने बीपी जेसीबी (साथ लगे मोर्चे के साथ) को घटनास्थल पर पहुंचाया। श्री उमेश यादव, उप-कमाण्डेंट, 130 सीआरपीएफ के साथ बीपी जेसीबी चालक 185 सीआरपीएफ के सीटी/डीवीआर राज कुमार को पहली टीम में रखा गया और वे चालक के केबिन से बाहर देख पाने की स्थिति में थे। सीटी/जीडी सब्जार अहमद भट तथा अन्य को दूसरी टीम में रखा गया और उन्होंने बीपी जेसीबी के साथ लगे मोर्चे में पोजीशन ली।

दोनों टीमें जैसे ही बीपी जेसीबी के साथ लक्षित घर के पास पहुंची, आतंकवादियों ने चालक के केबिन और साथ लगे मोर्चे को निशाना बनाते हुए बीपी जेसीबी पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी तथा दो हथगोले भी फेंके जो बीपी जेसीबी से कुछ मीटर दूर फटे। अंधेरे, घनी झाड़ियों और हथगोले के विस्फोट के कारण चारों ओर फैले धूल और धुएं के कारण भवन की दीवार की आड़ में छिपे आतंकवादियों की पोजीशन का पता नहीं चल रहा था। बीपी जेसीबी के केबिन में मौजूद उप-कमाण्डेंट श्री उमेश यादव ने सीटी/डीवीआर राज कुमार (बीपी जेसीबी चालक) को आगे बढ़ने और लक्षित घर के कमरे की दीवार को ध्वस्त करने का निर्देश दिया। पहले कमरे की दीवार के आंशिक रूप से ध्वस्त होते ही वहां छिपे हुए आतंकवादियों में से एक की पोजीशन का पता चला। श्री उमेश यादव, उप-कमाण्डेंट ने ज्योंही ड्राइवर केबिन के लूप होल से आतंकवादी को निशाना बनाया, उसने अपनी पोजीशन बदली और साथ लगे मोर्चे पर गोलीबारी शुरू कर दी। साथ ही, गोलीबारी के बीच; आतंकवादी बीपी जेसीबी के ड्राइवर केबिन के काफी करीब आ गया। तुरंत, बीपी जेसीबी के ड्राइवर केबिन में पहले से ही तैनात श्री उमेश यादव, उप-कमाण्डेंट ने साहस का परिचय दिया और अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना आतंकवादी पर प्रभावी गोलीबारी की तथा उसे बंदूक की नजदीकी लड़ाई में मार गिराया।

श्री उमेश यादव, उप-कमाण्डेंट के नेतृत्व में सीटी/डीवीआर राज कुमार ने बीपी जेसीबी को चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और दिए गए निर्देशों का बहुत ही पेशेवर तरीके से पालन किया। पहले आतंकवादी के खात्मे के बाद, लक्षित घर के एक अन्य कमरे में छिपे दूसरे आतंकवादी ने बीपी जेसीबी के साथ लगे मोर्चे में तैनात टीम पर गोलीबारी शुरू कर दी। श्री उमेश यादव, उप-कमाण्डेंट ने पहले कमरे का मलबा साफ करते समय सीटी/डीवीआर राज कुमार को लक्षित घर के दूसरे कमरे की दीवार को ध्वस्त करने का निर्देश दिया। बीपी जेसीबी द्वारा दूसरे कमरे की दीवार को नष्ट करने के बाद वहां छिपे हुए दूसरे आतंकवादी की पोजीशन का पता चला। इसे भांपते हुए, दूसरे आतंकवादी ने बीपी जेसीबी के साथ लगे मोर्चे में तैनात टीम पर गोलीबारी शुरू कर दी। बीपी जेसीबी के साथ लगे मोर्चे में पहले से तैनात सीटी/जीडी सब्जार अहमद भट ने अदम्य साहस का परिचय दिया और अपनी निजी सुरक्षा की परवाह किए बिना दूसरे आतंकवादी पर प्रभावी गोलीबारी की एवं बंदूक की नजदीकी लड़ाई में उसे मार गिराया।

मुठभेड़ खत्म होने के बाद, संयुक्त सैन्य दस्ते ने पूरे इलाके की गहन तलाशी ली। तलाशी के दौरान, दो आतंकियों के शव बरामद हुए, साथ ही उनके पास से एके 56-01, एके मैगजीन-04, एके कारतूस-43, पिस्तौल-01, पिस्तौल मैगजीन-02 और पिस्तौल कारतूस-06 बरामद किए गए। मारे गए आतंकियों की पहचान बाद में लश्कर-ए-तैयबा संगठन के शाहिद मुश्ताक, श्रेणी "सी" और फरहान हबीब, श्रेणी "सी" के रूप में हुई। मारे गए दोनों आतंकवादी 25 मई, 2022 को बडगाम में मासूम टीवी अदाकारा/कलाकार अमरीन भट की नृशंस हत्या और उनके नाबालिग भतीजे को घायल करने में भी शामिल थे।

इस ऑपरेशन में, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के सर्व/श्री उमेश यादव, उप-कमाण्डेंट, सब्जार अहमद भट, सिपाही और राज कुमार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 26.05.2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/163/2023 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 151-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	नरेश कुमार	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
2.	पंचाल पंकजभाई दशरथभाई	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
3.	हिमांशु हालदार	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

11 जुलाई, 2022 को, 130 सीआरपीएफ की ऑपरेशनल कमान में 152 सीआरपीएफ की एफ कंपनी की एक टीम को एसएएनजेवाई-22 के दौरान पुलिस स्टेशन अवंतीपोरा, पुलवामा, जम्मू और कश्मीर के अंतर्गत वंडकपोरा-गोरिपोरा क्रॉसिंग पर नाका ड्यूटी के लिए तैनात किया गया था। लगभग 1215 बजे, एनएच 44 के आसपास के क्षेत्र में कुछ संदिग्ध आतंकवादियों की गतिविधि के बारे में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवंतीपोरा से एक विशेष सूचना प्राप्त हुई। तुरंत, यह सूचना सैन्य दस्तों और स्थानीय पुलिस को सतर्क रहने तथा निर्दिष्ट नाकों पर वाहनों की तलाशी लेने के निर्देश के साथ प्रसारित की गई ।

लगभग 1225 बजे, पदगामपोरा की तरफ से मोटरसाइकिल पर दो व्यक्ति आए। नाका चौकी के पास पहुंचने पर, 152 सीआरपीएफ की 'एफ' कंपनी के एचसी/जीडी पंचाल पंकजभाई दशरथभाई और उनके साथी सीटी/जीडी हिमांशु हालदार ने मोटरसाइकिल को रुकने का इशारा किया। तथापि, मोटरसाइकिल सवार नहीं रूके, साथ ही पीछे बैठे युवक ने तेजी से अपनी पिस्तौल निकाली और चलती मोटरसाइकिल से नाका पार्टी की ओर गोलीबारी शुरू कर दी। परिणामस्वरूप, दोनों सैनिक आतंकवादियों की गोलीबारी से खुद को बचाने के लिए तुरंत सड़क पर पड़े लकड़ी के लट्ठों के पीछे छिप गए। इसके साथ ही वंडकपोरा की ओर कट-ऑफ मार्ग पर तैनात एचसी/जीडी नरेश कुमार और उनके साथी ने आत्मरक्षा में उनपर गोलियां चलाई, जिसके कारण दोनों आतंकवादी अपनी मोटरसाइकिल से उतरकर भागने लगे।

उन्होंने पेड़ों के पीछे पोजीशन ले ली और नाका पार्टी पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिस पर सैनिकों ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की।

आतंकवादी हमले की सूचना तुरंत उच्च अधिकारियों को दी गई तथा घटनास्थल पर की गई घेराबंदी को और मजबूत करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बलों को भेजा गया, जिसमें कंपनी क्यूआरटी, जम्मू और कश्मीर पुलिस/एसओजी, अपने सुरक्षा दल के साथ कमांडेंट 130 सीआरपीएफ, सीटीटी 130 सीआरपीएफ, क्यूएटी 130 सीआरपीएफ और 50 आरआर शामिल थे। स्थिति की समीक्षा की गई और सुरक्षा बलों ने भागने के सभी संभावित रास्तों को बंद कर दिया।

मुठभेड़ के दौरान, एक आतंकवादी ने एचसी/जीडी पंचाल पंकजभाई दशरथभाई और उसके साथी सीटी/जीडी हिमांशु हालदार पर अपने स्वचालित हथियार से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए, एचसी/जीडी पंचाल पंकजभाई दशरथभाई ने तुरंत कवर फायर देने के लिए अपने सैन्य दल को इशारा किया। तेजी से कार्रवाई करते हुए, सैन्य दल ने कवर फायर दिया और आतंकवादियों पर प्रभावी कार्रवाई की। इस मौके का फायदा उठाते हुए रणनीतिक रूप से तैनात एचसी/जीडी पंचाल पंकजभाई दशरथभाई और सीटी/जीडी हिमांशु हालदार ने अदम्य वीरता का प्रदर्शन किया और अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना आतंकवादी पर संयुक्त रूप से निर्णायक और प्रभावी जवाबी गोलीबारी की तथा पहले आतंकवादी को मौके पर ही मार गिराया।

इसी समय, बाग के पास धँसी हुई जमीन में छिपा दूसरा आतंकवादी अचानक सामने आया और अपनी पिस्तौल से एचसी/जीडी नरेश कुमार पर गोलीबारी करना शुरू कर दिया तथा बगीचे की आड़ में वंडकपोरा की ओर भागने लगा। इस बीच, रणनीतिक पोजीशन पर पहले से

ही तैनात एचसी/जीडी नरेश कुमार ने असाधारण साहस का परिचय दिया और अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना, वहां से भाग रहे दूसरे आतंकवादी पर सटीक और प्रभावी जवाबी गोलीबारी की एवं उसे मौके पर ही मार गिराया।

लगभग 1315 बजे , दूसरे आतंकवादी को मार गिराने के बाद, संयुक्त सैन्य दस्ते द्वारा पूरे क्षेत्र की गहन तलाशी ली गई। मुठभेड़ की तलाशी के दौरान, दो आतंकवादियों के शव के साथ एके 74 राइफल-1, एके मैगजीन-2, एके कारतूस-19, पिस्तौल-1, पिस्तौल मैगजीन-2, पिस्तौल कारतूस-2 (जिंदा) और एक मोटर साइकिल (बजाज डिस्कवर-125) पंजीकरण सं. PB39G-0349 बरामद किए गए। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में जैश-ए-मोहम्मद संगठन के कैसर राशिद, श्रेणी "सी" और इशाक अहमद, श्रेणी "सी" आतंकवादी के रूप में हुई।

इस ऑपरेशन में, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के सर्व/श्री नरेश कुमार, हेड कांस्टेबल, पंचाल पंकजभाई दशरथभाई, हेड कांस्टेबल और हिमांशु हालदार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 11.07.2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/164/2023 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 152-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	सुरजीत कुमार	कमाण्डेंट	वीरता पदक
2.	आशुतोष वरदेय	सहायक कमाण्डेंट	वीरता पदक
3.	राम प्रकाश	सिपाही	वीरता पदक
4.	पवित्र बसुमतारी	सिपाही	वीरता पदक
5.	बसवराज इरनट्टी	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 30 अगस्त 2022 को, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां से प्राप्त एक विशेष सूचना के आधार पर, जिसमें पुलिस स्टेशन ज़ैनापोरा, जिला शोपियां, जम्मू और कश्मीर के गांव होसांगपोरा नागबल के सामान्य क्षेत्र में 3-4 आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में बताया गया, जिसके आधार पर 178 सीआरपीएफ, 44 आरआर तथा जम्मू और कश्मीर पुलिस के एसओजी द्वारा एक घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया गया।

योजना के अनुसार, 178 सीआरपीएफ के कमाण्डेंट, श्री सुरजीत कुमार, अपने सुरक्षा दल और 178 सीआरपीएफ के सीटीटी तथा श्री आशुतोष वरदेय, सहायक कमाण्डेंट की कमान के तहत 178 सीआरपीएफ की ई कंपनी के साथ सफलतापूर्वक लक्षित स्थान पर पहुंचे और प्रारंभिक घेराबंदी की। इसके साथ ही, जम्मू और कश्मीर पुलिस के 44 आरआर तथा एसओजी के जवान तुरंत लक्षित स्थान पर पहुंचे और घेराबंदी को और मजबूत किया। लक्षित स्थान गांव के इलाके से बाहर सेब के एक बड़े घने बाग में था। उचित विचार-विमर्श के बाद, 2-3 घर, जहां संदिग्ध आतंकवादी छिपे हुए थे, को आंतरिक घेरे में लिया गया तथा भागने के सभी संभावित रास्तों को बंद कर दिया गया।

लगभग 1700 बजे, श्री सुरजीत कुमार, कमाण्डेंट ने अपने सुरक्षा दल के साथ, 178 सीआरपीएफ की ई कंपनी सहायक कमाण्डेंट, श्री आशुतोष वरदेय के नेतृत्व में तथा 178 सीआरपीएफ की सीटीटी टीम जो आंतरिक घेरे में तैनात थी, ने उत्तर-पश्चिम की ओर से प्रारंभिक तलाशी शुरू की। श्री सुरजीत कुमार और उनकी टीम ने घर सं. 79 और 80 की तलाशी शुरू की। जब संदिग्ध घरों की तलाशी चल रही थी, तो घर सं.

80 का मालिक अचानक अपने घर से बाहर निकला और कश्मीरी भाषा में चिल्लाया कि तीन अज्ञात आतंकवादी उसके घर में जबरदस्ती छिपे हुए हैं।

इसके जवाब में, घर सं. 80 में छिपे आतंकवादियों ने दो खिड़कियों से संयुक्त सैन्य दलों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। संयुक्त सैन्य दलों ने प्रभावी ढंग से इसका जवाब दिया तथा सामरिक युक्तिचालन के माध्यम से, खुद को सुरक्षित करने में कामयाब रहे। गोलीबारी में स्वचालित हथियारों से लैस 03-04 आतंकवादियों की मौजूदगी की पुष्टि हुई। स्थिति के गहन विश्लेषण के बाद क्यूएटी-178 सीआरपीएफ को भी एक सहायता टीम के रूप में होसांगपोरा-नागबल में रणनीतिक रूप से तैनात किया गया।

आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने को कहा गया, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। चूंकि छिपे हुए आतंकवादी स्वचालित हथियारों से लैस थे, इसलिए 44 आरआर और 178 सीआरपीएफ के संयुक्त सैन्य दलों द्वारा जांच के लिए लक्षित घर की दीवार पर कुछ गोलियां चलाई गईं, लेकिन इन प्रयासों के बावजूद, कोई स्पष्ट हलचल नहीं देखी गई। जैसे ही संयुक्त सैन्य दल आगे बढ़े, लक्षित घर के भीतर छिपे दो आतंकवादी अप्रत्याशित रूप से बाहर आए अर्थात एक मुख्य द्वार से और दूसरा सामने की खिड़की से। उन्होंने आगे बढ़ रहे संयुक्त दल पर, नुकसान पहुंचाने के इरादे से, उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। परिणामस्वरूप, आगे बढ़ रहे 178 सीआरपीएफ के तलाशी सैन्य दल भारी गोलीबारी की चपेट में आ गए, लेकिन सौभाग्य से वे बाल-बाल बच गए क्योंकि वे घने पेड़ों की आड़ में थे।

भारी गोलीबारी के बीच स्वचालित हथियारों से लैस दो आतंकवादियों ने संयुक्त सैन्य दलों पर अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए बाग वाले क्षेत्र में घुसने का प्रयास किया। इस जोखिम भरी परिस्थिति को भांप कर, 178 सीआरपीएफ के सीटीटी के सिपाही/जीडी पवित्र बसुमतारी और सिपाही/जीडी बसवराज इरनट्टी के साथ श्री आशुतोष वरदेय, सहायक कमाण्डेंट ने तत्काल आगे की पोजीशन संभाली। उत्कृष्ट साहस का परिचय देते हुए तथा अपनी जान की परवाह किए बिना उन्होंने भाग रहे आतंकवादियों पर प्रभावी गोलीबारी की और दोनों आतंकवादियों को मौके पर ही मार गिराया।

लगभग 1745 बजे, दो आतंकवादियों के मारे जाने की पुष्टि के लिए ड्रोन तैनात किए गए। ड्रोन से निगरानी करते समय एक आतंकवादी को घर सं. 80 के दरवाजे पर गिरा हुआ देखा गया और दूसरे आतंकवादी को लगभग 60-70 मीटर दूर सड़क के किनारे बाग की तरफ़ देखा गया। यह पुष्टि करने के लिए कि वास्तव में मारे गए या अभी भी जीवित हैं, कई सामरिक उपाय भी किए गए। दो आतंकवादियों के मारे जाने की पुष्टि होने के बाद, संभावना बनी रही कि लक्षित घर या बाग क्षेत्र में अन्य आतंकवादी छिपे हो सकते हैं। 178 सीआरपीएफ, 44 आरआर और जम्मू-कश्मीर पुलिस की एसओजी के संयुक्त दलों ने किन्हीं अन्य छिपे हुए आतंकवादियों का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान तेज कर दिया। तत्पश्चात, श्री सुरजीत कुमार, कमाण्डेंट के नेतृत्व में 178 सीआरपीएफ की टीम तथा 44 आरआर आगे की ओर बढ़ी, लक्षित घर से बाग में घुसपैठ करने वाले एक आतंकवादी ने संयुक्त सैन्य दलों पर अंधाधुंध गोलीबारी तथा ग्रेनेड हमले शुरू कर दिए। आक्रामक हमले के बावजूद, आगे बढ़ रहे सतर्क दल ने सफलतापूर्वक जवाबी कार्रवाई की।

इस स्थिति में, तीसरे छिपे हुए आतंकवादी को घेर लिया गया, लेकिन वह स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं दे रहा था। उसकी स्थिति का पता लगाने के लिए एक बार फिर ड्रोन तैनात किया गया। ड्रोन फीड का विश्लेषण करने के बाद, श्री सुरजीत कुमार, कमाण्डेंट के नेतृत्व में 178 सीआरपीएफ की टीम, 44 आरआर तथा एसओजी की टीम के साथ अंतिम हमले के लिए लक्ष्य की ओर आगे बढ़ी। इस स्थिति को भांप कर कि, वह संयुक्त सैन्य दलों द्वारा घेर लिया गया है, छिपे हुए तीसरे आतंकवादी ने 178 सीआरपीएफ के दलों पर ग्रेनेड फेंका और उन पर अंधाधुंध गोलीबारी की। श्री सुरजीत कुमार के नेतृत्व में दलों ने प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की। इसके साथ ही, श्री सुरजीत कुमार, कमाण्डेंट और उनके सहयोगी सिपाही/जीडी राम प्रकाश को आतंकवादी के करीब जाने का अवसर मिल गया। अदम्य साहस का परिचय देते हुए तथा अपनी जान की परवाह किए बिना, उन्होंने तीसरे आतंकवादी पर प्रभावी गोलीबारी की तथा अंततः उसे नजदीकी लड़ाई में मार गिराया।

तीसरे आतंकवादी के मारे जाने के बाद, संयुक्त सैन्य दलों द्वारा पूरे इलाके की गहन तलाशी ली गई। मुठभेड़ के बाद, तलाशी के दौरान तीन आतंकवादियों के शव बरामद किए गए जिनकी पहचान बाद में, दानिश खुर्शीद भट; तनवीर अहमद वानी, दोनों हिज्बुल मुजाहिदीन गुट के, श्रेणी "ख" और तौसीफ अहमद भट, लश्कर-ए-तैयबा गुट के, श्रेणी "ग" के रूप में हुई। इसके अलावा, उनके कब्जे से 03 एके 47 राइफलें, 08 एके मैगजीन, 01 चीनी ग्रेनेड, 60 राउंड नाटो एपीआई, 36 राउंड एपीआई और 125 राउंड पाकिस्तानी के साथ-साथ एके-47 (सामान्य) के 60 राउंड बरामद किए गए।

मुठभेड़ के बाद की तलाशी में तीन आतंकवादियों के शव बरामद किए गए और बाद में उनकी पहचान दानिश खुर्शीद भट, तनवीर अहमद वानी, दोनों एचएम संगठन, श्रेणी "बी" और तौसीफ अहमद भट, लश्कर संगठन, श्रेणी "सी" के रूप में हुई। इसके अलावा, उनके कब्जे से 03 एके 47 राइफलें, 08 एके मैगजीन, 01 चीनी ग्रेनेड, 60 नाटो एपीआई राउंड, 36 एपीआई राउंड और 125 पाकिस्तानी राउंड के साथ-साथ एके-47 (सामान्य) के 60 राउंड बरामद किए गए।

इस ऑपरेशन में, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के सर्व/श्री सुरजीत कुमार, कमाण्डेंट, आशुतोष वरदेय, सहायक कमाण्डेंट, राम प्रकाश, सिपाही, पवित्र बसुमतारी, सिपाही और बसवराज इरनट्टी, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 30.08.2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/13/2024 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 153-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	विक्की कुमार पाण्डेय	उप-कमाण्डेंट	वीरता पदक
2.	जितेन्द्र सिंह	सहायक कमाण्डेंट	वीरता पदक
3.	दारशुंग रुवंदार अनल	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
4.	रंजीत कुमार	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
5.	अजय यादव	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
6.	महेन्दर सिंह	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
7.	गुलाब चंद्र पाण्डेय	सिपाही	वीरता पदक
8.	मनोज कुमार महार	सिपाही	वीरता पदक
9.	चव्हाण पृथ्वीराज अशोक	सिपाही	वीरता पदक
10.	अतुल पी कामडे	सिपाही	वीरता पदक
11.	अवधेश सिंह डांगी	सिपाही	वीरता पदक
12.	आलोक कुमार पारुई	सिपाही	वीरता पदक
13.	जयवीर	सिपाही	वीरता पदक
14.	मुकेश कुमार मिश्रा	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

पुलिस अधीक्षक, खूंटी से प्रभु सहाय बोदरा (जोनल कमांडर) और दीट नाग के नेतृत्व में पीएलएफआई के सशस्त्र कैडरों की गतिविधि के संबंध में सूचना प्राप्त हुई, जो झारखंड के खूंटी जिले के पुलिस स्टेशन अर्की के जंगल क्षेत्र में मौजूद थे। अन्य स्रोतों से सूचना की पुष्टि करने के बाद, 209 कोबरा द्वारा एक ऑपरेशन की योजना बनाई गई। श्री विक्की कुमार पाण्डेय, उप-कमाण्डेंट और श्री जितेन्द्र सिंह, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में दो हमलावर टीमों को ऑपरेशन को अंजाम देने का काम सौंपा गया।

दिनांक 29 जनवरी 2019 को, योजना के अनुसार; दोनों हमलावर टीमें ऊबड़-खाबड़ ज़मीन, चट्टानों, घनी वनस्पतियों तथा झाड़ियों को पार करते हुए लक्षित क्षेत्र की ओर आगे बढ़ीं। नक्सलियों की पूर्व चेतावनी प्रणाली को चकमा देते हुए, सैन्य दल अत्यंत गोपनीयता तथा

चौकसी बनाए रखते हुए अंधेरे की आड़ में लक्षित क्षेत्र के करीब पहुँच गया। दलों ने रुककर स्थिति का विश्लेषण किया और आगे की कार्ययोजना बनाई। तदनुसार, नक्सलियों के संभावित भागने के रास्तों को बंद करने के लिए 04 कट-ऑफ टीमें बनाई गईं और हमले को अंजाम देने के लिए 02 टीमें (एसएटी 1 और एसएटी 2) बनाई गईं।

योजना के अनुसार, कट-ऑफ टीमें रणनीतिक रूप से अपने निर्दिष्ट बिंदुओं की ओर आगे बढ़ीं और भागने के संभावित रास्तों को बंद कर दिया। कट-ऑफ टीमों से पुष्टि प्राप्त करने के बाद, कुछ कार्मिकों से युक्त एसएटी 01 और 02, मुख्य क्षेत्र में आगे बढ़े। इस बीच, कट-ऑफ 02 टीम के साथ तैनात हेड कांस्टेबल/जीडी अरुण कुमार ने श्री जितेन्द्र सिंह, सहायक कमाण्डेंट को लक्षित क्षेत्र में टीले के ऊपर एक अलाव के बारे में सूचित किया। दोनों एसएटी (टीमों) को घटनाक्रम के बारे में अपडेट किया गया और सतर्क रहने का निर्देश दिया गया। चुपके से आगे बढ़ते हुए, एसएटी लगभग 0550 बजे संदिग्ध स्थान के करीब पहुँच गई। दोनों एसएटी कमांडरों ने क्षेत्र की स्थलाकृति का विश्लेषण किया तथा अंतिम हमले की योजना बनाई और तदनुसार, सामने से आगे बढ़ते हुए, 'L' आकार में दो तरफ से लक्ष्य तक पहुँचे।

करीब पहुंचने पर दोनों कमांडरों ने नक्सलियों के सशस्त्र प्रहरियों को देखा। उन्होंने एक-दूसरे को नक्सलियों की स्थिति के बारे में संकेत दिया तथा समन्वित तरीके से अत्यधिक सावधानी के साथ लक्ष्य की ओर रेंगने लगे। दोनों कमांडरों ने नक्सलियों द्वारा पता लगने से बचने हेतु तथा लक्षित क्षेत्र के एक व्यापक मोर्चे को कवर करने के लिए एसएटी टीमों को चार छोटे दलों में बाँट दिया।

श्री विक्की कुमार पाण्डेय, उप-कमाण्डेंट, हेड कांस्टेबल/जीडी अजय यादव, सिपाही/जीडी मनोज कुमार महार, सिपाही/जीडी गुलाब चंद्र पाण्डेय के साथ दल 1 में थे। हेड कांस्टेबल/जीडी महेन्दर सिंह, सिपाही/जीडी अवधेश सिंह डांगी, सिपाही/जीडी अतुल पी कामडे दल 2 में थे, श्री जितेन्द्र सिंह, सहायक कमाण्डेंट हेड कांस्टेबल/जीडी रंजीत कुमार, सिपाही/जीडी मुकेश कुमार मिश्रा, सिपाही/जीडी आलोक कुमार पारुई दल 3 में थे तथा सिपाही/जीडी चव्हाण पृथ्वीराज अशोक और सिपाही/जीडी जयवीर दल 4 में थे।

चारों दल आपसी तालमेल से नक्सलियों के ठिकानों की ओर बढ़ने लगे। दिन के उजाले के साथ होने वाली हलचल ने दलों को खतरे में डाल दिया और जैसा कि अपेक्षित था, नक्सलियों ने उनकी मौजूदगी को भांप लिया और एसएटी (टीमों) पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। तुरंत ही हमारे जवानों ने पोजीशन ले ली और हथियारबंद नक्सलियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा। उन्होंने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया और घातक स्वचालित हथियारों से अंधाधुंध गोलीबारी जारी रखी। कोई और विकल्प न होने पर हमारे जवानों ने आत्मरक्षा में हमले का जवाब दिया।

इस बीच, दल 2 नक्सलियों के मारक क्षेत्र में फंस गया। उन्हें खतरे से बाहर निकालने के लिए तत्काल सहायता की आवश्यकता थी। इस समय, श्री विक्की कुमार पाण्डेय, उप-कमाण्डेंट ने स्थिति का चतुराई से विश्लेषण किया और दल 3 और दल 4 को नक्सलियों को घेरने का निर्देश दिया, जबकि उन्होंने दल 1 के साथ मिलकर नक्सलियों पर सीधा हमला किया। जल्द ही, श्री जितेन्द्र सिंह, सहायक कमाण्डेंट, दल 3 के साथ दल 1 में शामिल हो गए और जवाबी हमले को बढ़ाया। इस बीच, दल 2 ने नक्सलियों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई जारी रखी।

दल 1 और दल 3 के साहसिक हमले ने नक्सलियों को चौंका दिया और उन्हें अपनी रणनीति बदलने पर मजबूर कर दिया। नक्सलियों ने अपनी गोलाबारी को दल 1 और दल 3 की ओर मोड़ दिया। नतीजतन, दल 2, जो मारक क्षेत्र में फंस गया था, बाहर निकल गया और साथ वाले दलों में शामिल हो गया। नक्सलियों ने सैन्य दलों पर एक पूर्ण हमला किया, ताकि उन्हें आगे बढ़ने से रोका जा सके। हालांकि, दल 1 और दल 3 ने साथी दलों के समर्थन से जवाबी हमला जारी रखा और आगे बढ़ते गए। गोलियों की बौछार के बीच तथा कोई कवर न होते हुए भी, श्री विक्की कुमार पाण्डेय, उप-कमाण्डेंट ने दल 1 के साथ मिलकर नक्सलियों की ओर हमला किया और 01 सशस्त्र कैडर को मार गिराया। साथ ही, श्री जितेन्द्र सिंह, सहायक कमाण्डेंट ने दल 3 के साथ मिलकर एक और सशस्त्र कैडर को मार गिराया।

समन्वित जवाबी हमले ने नक्सलियों को अपनी मजबूत सुरक्षित जगह को छोड़ने पर मजबूर कर दिया। वे कट-ऑफ टीमों की ओर भागने लगे। श्री जितेन्द्र सिंह, सहायक कमाण्डेंट ने दल 3 और दल 4 के साथ मिलकर भाग रहे नक्सली सहयोगियों का पीछा किया और साथ ही कट-ऑफ टीमों को सतर्क रहने का निर्देश दिया। बच के भागने के दौरान, उप निरीक्षक/जीडी दारशुंग रुवंदर अनल के नेतृत्व में कट-ऑफ टीम ने नक्सलियों का रास्ता रोक दिया और उन्हे भागने नहीं दिया। गोलीबारी के दौरान, एक और सशस्त्र कैडर को मार गिराया गया तथा बाकी शेष कैडरों ने भागने के लिए खुद को दूसरी ओर मोड़ लिया। हालांकि, श्री जितेन्द्र सिंह, सहायक कमाण्डेंट जो नक्सलियों का पीछा कर रहे थे, दल 3 और दल 4 के साथ उनके करीब पहुंचे और भाग रहे नक्सलियों को रोक लिया। दोनों पक्षों के बीच भीषण गोलीबारी हुई। सैन्य दलों ने नक्सलियों पर हमला किया और एक सशस्त्र कैडर को मार गिराया।

गोलीबारी बंद होने के बाद, सैन्य दलों ने मुठभेड़ स्थल को सुरक्षित कर इलाके की गहन तलाशी ली और हथियारों के साथ 05 शव बरामद किए तथा 02 नक्सलियों को जिंदा पकड़ा गया। बरामद हथियारों में दो एके 47 राइफलें, दो .315 बोर राइफलें, चार पिस्तौल, गोला-बारूद एवं अन्य आपत्तिजनक वस्तुएं शामिल थी।

नक्सलियों की बेहतर मारक क्षमता और इस तथ्य के बावजूद कि वे एक प्रमुख स्थान पर पॉज़िशन लिए हुए थे, कुछ एक कोबरा कमांडोज ने ऑपरेशन को शानदार अंजाम दिया। जिसमें, अपने बहादुर कमांडरों के नेतृत्व में कुछ कोबरा जवानों ने नक्सलियों के गढ़ में घुसकर अपनी योजनाओं को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। उन्होंने यह सफलता बहुत ही पेशेवर तरीके से हासिल की।

इस ऑपरेशन में, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के सर्व/श्री विक्की कुमार पाण्डेय, उप-कमाण्डेंट, जितेन्द्र सिंह, सहायक कमाण्डेंट, दारशुंग रुवंदार अनल, उप-निरीक्षक, रंजीत कुमार, हेड कांस्टेबल, अजय यादव, हेड कांस्टेबल, महेन्दर सिंह, हेड कांस्टेबल, गुलाब चंद्र पाण्डेय, सिपाही, मनोज कुमार महार, सिपाही, चव्हाण पृथ्वीराज अशोक, सिपाही, अतुल पी कामडे, सिपाही, अवधेश सिंह डांगी, सिपाही, आलोक कुमार पारुई, सिपाही, जयवीर, सिपाही और मुकेश कुमार मिश्रा, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 19.01.2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/12/2024 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 154-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	पुनीत कुमार कौलधर	कमाण्डेंट	वीरता पदक
2.	विवेक शर्मा	सहायक कमाण्डेंट	वीरता पदक
3.	सुंजय कुमार	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
4.	रागवीर सिंह	सिपाही	वीरता पदक
5.	हरकीरत सिंह	सिपाही	वीरता पदक
6.	विक्की शर्मा	सिपाही	वीरता पदक
7.	सिया राम	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 21 अप्रैल 2022 को लगभग 2330 बजे, जम्मू के जलालाबाद, सुंजवान रोड इलाके में कुछ आतंकवादियों के छिपे होने की विशेष सूचना मिलने पर, 38 सीआरपीएफ के कमाण्डेंट अपनी टीम के साथ वहाँ पहुंचे और पुलिस अधीक्षक (एसओजी) जम्मू के साथ परामर्श के बाद एक विशेष संयुक्त अभियान की योजना बनाई।

विस्तृत जानकारी प्राप्त करने तथा कार्य सौंपे जाने के बाद, संदिग्ध क्षेत्र जहाँ आतंकवादी छिपे हुए थे, में गहन तलाशी अभियान शुरू किया गया। लगभग 0340 बजे; सीआईएसएफ द्वारा स्थापित एक मोबाइल चेक पोस्ट के पास, एक बड़ा विस्फोट और भारी गोलीबारी हुई। स्थिति का जवाब देते हुए, 38 सीआरपीएफ के कमाण्डेंट और उनकी टीम पूरी सावधानी बरतते हुए, घने अंधेरे में सभी सावधानियों को ध्यान में रखते हुए, गोलीबारी की जगह पर पहुंचे तथा आम नागरिकों को नुकसान से बचाने और आतंकवादियों को भागने से रोकने के लिए जवाबी गोलीबारी से परहेज किया।

जम्मू के पुलिस अधीक्षक एसओजी से घायल सीआईएसएफ जवानों के बारे में सूचना मिलने पर, 38 सीआरपीएफ के कमाण्डेंट बंकर का उपयोग करते हुए आगे बढ़े। संकरी सड़क ने बंकर से आवाजाही को बाधित किया तथा उच्च अधिकारियों को सूचित किया गया। गोलीबारी बंद होने के बाद, अंधेरा होने के कारण आतंकवादियों की सही पोजीशन का पता लगाना चुनौतीपूर्ण हो गया। घने अंधेरे में कार्रवाई करने में संभावित

जोखिमों को देखते हुए, टीमों ने अपने सैनिकों तथा आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु तत्काल कार्रवाई से परहेज किया। यह शांति आतंकवादियों को भागने से रोकने की योजना का एक सोचा समझा और सुविचारित हिस्सा था तथा इस रुख को सुबह की पहली रोशनी तक बनाए रखा गया।

इस बीच, बाहरी घेरे में तैनात 166 सीआरपीएफ के कमाण्डेंट श्री पुनीत कुमार कौलधर और उनकी टीम लगभग 04.15 बजे घटनास्थल पर पहुँची। इलाके की सुरक्षा के लिए अपनी क्यूएटी को तैनात करते हुए, श्री पुनीत कुमार कौलधर, कमाण्डेंट और सिपाही हरकीरत सिंह ने एक हल्की सी आवाज़ सुनी। वे आवाज़ की ओर रणनीतिक रूप से आगे बढ़े और वहाँ एक गंभीर रूप से घायल सीआईएसएफ कार्मिक को पाया। बिना किसी कवर के गोलीबारी के बीच में होने के बावजूद, श्री पुनीत कुमार कौलधर, कमाण्डेंट ने घायल कार्मिक को बाहर निकालने को प्राथमिकता दी और वे रेंगते हुए सुरक्षित स्थान पर पहुँचे, जिससे उनकी जान बच गई।

सफल निकासी के बाद, श्री पुनीत कुमार कौलधर, कमाण्डेंट ने अपने सैनिकों को फिर से तलाशी शुरू करने का निर्देश दिया। ऑपरेशन के दौरान, यह पता चला कि गोलीबारी की चपेट में आई बस के अंदर कोई छिपा हुआ है। श्री पुनीत कुमार कौलधर, कमाण्डेंट और उनकी टीम ने ड्राइवर के दरवाजे और खिड़कियों से बस में प्रवेश किया, जहाँ उन्होंने चार घायल सीआईएसएफ कार्मिकों और एक सहायक उप निरीक्षक को पाया, जो चोटों के कारण दम तोड़ चुके थे। उन्होंने आतंकवादियों को सचेत किए बिना, रणनीतिक रूप से, मृतकों सहित सभी को पास के सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया ।

जैसे ही सुबह हुई, आस-पास के घरों को खाली कराया गया और घरों को खाली कराने के दौरान, घेरे गए घर के पीछे एक शौचालय/बाथरूम के दरवाजे से दो संदिग्ध व्यक्ति चुपके से घुसते हुए देखे गए। आसन्न खतरे को भाँपते हुए, सैनिकों को सामरिक पोजीशन लेने का निर्देश दिया गया और श्री विवेक शर्मा, सहायक कमाण्डेंट की कमान के तहत सेक्टर क्यूएटी ने शौचालय/बाथरूम के दरवाजे के सामने एक ऊंची इमारत पर पोजीशन ले ली। साथ ही, श्री पुनीत कुमार कौलधर और सिपाही/जीडी रागवीर सिंह ने भी दूसरी तरफ पोजीशन ले ली।

घेराबंदी को भांपते हुए आतंकवादियों ने अचानक बाथरूम के अंदर से सैनिकों पर गोलीबारी और ग्रेनेड फेंकना शुरू कर दिया। इमारत पर यूबीजीएल राउंड लगने के बावजूद, सैनिकों की रणनीतिक पोजीशन तथा सतर्कता के कारण उन्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचा। श्री विवेक शर्मा, सहायक कमाण्डेंट, सिपाही/जीडी विक्की शर्मा, सिपाही/जीडी सिया राम और हेड कांस्टेबल/जीडी सुंजय कुमार तुरंत हरकत में आए और पूरी ताकत से जवाबी कार्रवाई की। अचानक, छिपे हुए आतंकवादियों की ओर से गोलीबारी बंद हो गई, जवाब में सैनिकों ने भी गोलीबारी बंद कर दी।

कुछ मिनटों की शांति के दौरान, आतंकवादियों से आत्मसमर्पण की अपील की गई, लेकिन भागने के प्रयास में आतंकवादियों ने सैनिकों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका सैनिकों द्वारा प्रभावी ढंग से जवाब दिया गया और आतंकवादियों को पीछे हटने पर मजबूर होना पड़ा।

जब आतंकवादियों की ओर से गोलीबारी बंद नहीं हुई, तो श्री विवेक शर्मा, सहायक कमाण्डेंट ने सिपाही/जी.डी. विक्की शर्मा और सिपाही/जी.डी. सिया राम को यू.बी.जी.एल. फायर करने का निर्देश दिया, ताकि वे लक्ष्य पर निशाना साध सकें। आदेश का पालन करते हुए, आतंकवादियों पर स्वचालित हथियारों से लक्षित फायर के साथ-साथ यू.बी.जी.एल. के चार राउंड फायर किए गए, जिसके बाद गोलीबारी बंद हो गई, जिससे आतंकवादी घेराबंदी तोड़ने में सफल नहीं हो पाए। आतंकवादियों की गोलीबारी की तीव्रता के बावजूद, क्यू.ए.टी. ने समय पर और रणनीतिक रूप से यू.बी.जी.एल. राउंड का उपयोग करके अपनी पोजीशन को बनाए रखा और स्थिति को नियंत्रण में बनाए रखा।

बाद में पूरे इलाके की गहन तलाशी ली गई और दो आतंकवादियों के शव बरामद किए गए। इसके अलावा यह भी पता चला कि दोनों आतंकवादी जैश-ए-मोहम्मद संगठन से जुड़े विदेशी नागरिक थे। तलाशी के दौरान पता चला कि आतंकवादियों में से एक ने आत्मघाती जैकेट पहन रखी थी, जो दिनांक 24 अप्रैल 2022 को जम्मू में भारत के माननीय प्रधानमंत्री की रैली को बाधित करने की भयावह योजना का संकेत देता है। उचित विचार-विमर्श के बाद, संदिग्ध घर में एक और तलाशी अभियान शुरू किया गया तथा एक संदिग्ध व्यक्ति, सफीक अहमद शेख को घर से पकड़ा गया। बाद में उसे पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया। पूछताछ करने पर, सफीक अहमद शेख ने दोनों आतंकवादियों को ट्रक से सांबा जिलों के रास्ते मुठभेड़ स्थल पर लाने की बात कबूल की। उसके बयान के आधार पर, ट्रक चालक को श्रीनगर में सिविल पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया। इसके अतिरिक्त, मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद, जैसे यूबीजीएल के साथ जुड़ी 01 एके 56 राइफल, 01 एके 47 राइफल, 05 एके 56 मैगजीन, 180 लाइव राउंड, 01 क्लॉक पिस्तौल, 01 पिस्तौल मैगजीन, 05 पिस्तौल राउंड, 01 एचके ग्रेनेड, 01 यूबीजीएल ग्रेनेड, 01 आत्मघाती जैकेट और अन्य वस्तुएं बरामद की गई।

इस ऑपरेशन में, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के सर्व/श्री पुनीत कुमार कौलधर, कमाण्डेंट, विवेक शर्मा, सहायक कमाण्डेंट, सुंजय कुमार, हेड कांस्टेबल, रागवीर सिंह, सिपाही, हरकीरत सिंह, सिपाही, विक्की शर्मा, सिपाही और सिया राम, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 22.04.2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/11/2024 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 155-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) और वीरता पदक, मरणोपरांत प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	स्व. शंकर प्रसाद पटेल	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक (मरणोंपरांत)
2.	प्रमोद पात्रा	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
3.	सुरेन्द्र कुमार बालियान	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
4.	आर नितीन	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
5.	अंकित चौहान	सिपाही	वीरता पदक
6.	पुनित कुमार	सिपाही	वीरता पदक
7.	राजेश कुमार	सिपाही	वीरता पदक
8.	आमिर सोरेन	सिपाही	वीरता पदक
9.	रामनरेश गुर्जर	सिपाही	वीरता पदक
10.	वाडेद विट्ठल शांतप्पा	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

जम्मू जिले के जानीपुर में कैम्पिंग कर रही सीआईएसएफ की कंपनी नं. 757 को संघ राज्य क्षेत्र जम्मू और कश्मीर में आंतरिक सुरक्षा ड्यूटी के लिए तैनात किया गया था और इसे दिनांक

10.04.2022 से गश्त करने, स्थिर कार्मिक ड्यूटी पोस्टों, नाकों पर तैनाती तथा स्थानीय पुलिस को सशस्त्र सहायता प्रदान कर आसपास के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने का काम सौंपा गया।

दिनांक 21/22.04.2022 की मध्यरात्रि को, कंपनी नं. 757 के 05 सीआईएसएफ कर्मियों अर्थात् हेड कांस्टेबल/जीडी आर नितिन, सिपाही/जीडी संजीव काकोडिया, सिपाही/जीडी गोविंदा मजूमदार, सिपाही/जीडी वाडेद विट्ठल शांतप्पा और सिपाही/जीडी दिव्यप्रत्यूष को चार स्थानीय पुलिस (जेकेपी) कार्मिकों के साथ सुंजवान चौक नाका पर 2000 से 0600 बजे तक "सी" शिफ्ट ड्यूटी में तैनात किया गया। अचानक लगभग 0330 बजे, वे भारी अंधाधुंध गोलीबारी की चपेट में आ गए और उन्होंने तुरंत सुरक्षित पॉज़िशन ली तथा गोलीबारी का जवाब दिया। आतंकवादियों की ओर से गोलीबारी (जैसा कि बाद में पता चला) भारी बौछार तथा यूबीजीएल के रूप में की गई थी। सीआईएसएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के कार्मिकों द्वारा तत्काल जवाबी कार्रवाई करने से आतंकवादियों की ओर से गोलीबारी बंद हो गई।

इस बीच लगभग 0345 बजे; घटना से अनजान, सीआईएसएफ की शिफ्ट बस 10 सीआईएसएफ कार्मिकों को लेकर सुंजवान नाका के पास आकर खड़ी हो गई। शिफ्ट बस सैनिक कॉलोनी नाका तथा भटिंडी नाका से गुजरते हुए सुंजवान नाका के पास पहुंची। जैसे ही बस सुंजवान

नाका के पास पहुंची, आतंकवादियों ने फिर से बस पर भारी गोलीबारी (बौछार एवं यूबीजीएल) शुरू कर दी। बस में सवार आठ सीआईएसएफ कार्मिक लेट गए और हेड कांस्टेबल/जीडी प्रमोद पात्रा तथा सिपाही/जीडी राजेश कुमार तुरंत बस से नीचे उतर गए और सुरक्षित स्थान पर पॉज़िशन ले ली। सहायक उप-निरीक्षक/एक्सई शंकर प्रसाद पटेल ने बस में सीआईएसएफ कार्मिकों का नेतृत्व किया।

गोलीबारी के दौरान, सहायक उप-निरीक्षक/एक्सई शंकर प्रसाद पटेल (ब्रेवहार्ट) ने 32 राउंड फायर, हेड कांस्टेबल/जीडी आर नितिन ने 19 राउंड फायर, हेड कांस्टेबल/जीडी सुरेंद्र कुमार बालियान ने 29 राउंड फायर, हेड कांस्टेबल/जीडी प्रमोद पात्रा ने 05 राउंड फायर, सिपाही/जीडी अंकित चौहान ने 08 राउंड फायर, सिपाही/जीडी राम नरेश गुर्जर ने 04 राउंड फायर, सिपाही/जीडी पुनीत कुमार ने 07 राउंड फायर, सिपाही/जीडी राजेश कुमार ने 10 राउंड फायर, सिपाही/जीडी आमिर सोरेन ने 01 राउंड फायर और सिपाही/जीडी वाडेद विट्ठल शांतप्पा ने 04 राउंड फायर अपने सर्विस हथियारों से किए। कुल 119 राउंड फायर की गई।

थोड़ी देर बाद, सीआरपीएफ, जम्मू-कश्मीर पुलिस के एसओजी और सेना द्वारा एक समन्वित संयुक्त तलाशी एवं आतंकवाद विरोधी अभियान चलाया गया और दो आतंकवादियों को मार गिराया गया। दोनों आतंकवादियों के पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया।

इस हमले में सहायक उप-निरीक्षक/एक्सई शंकर प्रसाद पटेल ने राष्ट्र की सेवा में सर्वोच्च बलिदान दिया। सिपाही/जीडी वाडेद विट्ठल शांतप्पा को गोली से गंभीर चोट लगी तथा 07 अन्य सीआईएसएफ कार्मिकों अर्थात् हेड कांस्टेबल/जीडी आर नितिन, हेड कांस्टेबल/जीडी प्रमोद पात्रा, हेड कांस्टेबल/जीडी सुरेंद्र कुमार बालियान, सिपाही/जीडी राजेश कुमार, सिपाही/जीडी आमिर सोरेन, सिपाही/जीडी सनी कुमार और सिपाही/जीडी पुनीत कुमार को छर्रे लगने से चोटें आईं तथा बाकी 06 कार्मिकों को कोई चोट नहीं आई।

इस ऑपरेशन में, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के सर्व/श्री स्व. शंकर प्रसाद पटेल, सहायक उप-निरीक्षक, प्रमोद पात्रा, हेड कांस्टेबल, सुरेंद्र कुमार बालियान, हेड कांस्टेबल, आर नितिन, हेड कांस्टेबल, अंकित चौहान, सिपाही, पुनित कुमार, सिपाही, राजेश कुमार, सिपाही, आमिर सोरेन, सिपाही,रामनरेश गुर्जर, सिपाही और वाडेद विट्ठल शांतप्पा, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 22.04.2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/3251/50/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 156-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	हेमंत कुमार	उप-कमाण्डेंट	वीरता पदक
2.	सैयद अफसर	निरीक्षक	वीरता पदक
3.	राऊत योगिन्द्र रामचन्द्र	सिपाही	वीरता पदक
4.	जुन्मोनी बरुआ	सिपाही	वीरता पदक
5.	रितेश कोनगाड़ी	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 10.02.2021 को लखीसराय के सहायक पुलिस अधीक्षक (अभियान) से पंचभूर नाला और गोबरदाहा इलाके में नक्सलियों की गतिविधि के संबंध में इनपुट प्राप्त हुआ। उस क्षेत्र में सक्रिय हमारे सूत्रों द्वारा इस इनपुट को आगे बढ़ाया गया। सूचना की पुष्टि के बाद, एक बी लेवल एसएडीओ ऑपरेशन (शेषनाग) की योजना बनाई गई। ऑपरेशन में 02 हमलावर टीमों, एसएटी-1 और एसएटी-2 को शामिल किया गया।

करीब 1020 बजे जब एसएटी-1 जंगल क्षेत्र की खड़ी पहाड़ियों पर चढ़ाई कर रही थी, तभी फ्रंट गाइड सिपाही (जीडी) राऊत योगिन्द्र रामचन्द्र ने आगे कुछ हलचल देखी और उन्होंने पार्टी कमांडर को सूचित किया। वहाँ पगडंडी पर हथियार से लैस तथा जैतून हरे रंग का स्वेटर पहने एक नक्सली बैठा था और उसके बाईं ओर कुछ और नक्सली बैठे थे। हालांकि घनी वनस्पति/लताएं होने के कारण उनकी संख्या स्पष्ट नहीं हो सकी। इससे पहले कि टीम कुछ समझ पाती, नक्सलियों ने उन पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। टीम ने तुरंत पोजीशन ली और उन्हें बतलाया कि वे पुलिस बल के जवान हैं और नक्सलियों को हथियार के साथ आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी। फिर भी, वे नहीं रुके और भारी गोलीबारी शुरू कर दी। नक्सलियों के साथ गोलीबारी की सूचना प्रथम सेक्शन में मौजूद ऑपरेटर द्वारा तुरंत बटालियन नियंत्रण कक्ष को दी गई। गोलीबारी के दौरान निरीक्षक(जीडी) सैयद अफसर, सिपाही (जीडी) जुन्मोनी बरुआ तथा सिपाही (जीडी) रितेश कोनगाड़ी आगे बढ़े और ट्रैक के बाईं ओर पोजीशन ले ली। पार्टी कमांडर, उप-कमाण्डेंट ओपीएस श्री हेमंत कुमार ने दल-3 को, जिसकी कमान उप निरीक्षक (जीडी) रोहित चौधरी के पास थी, को दाएं तरफ से नक्सलियों को घेरने के लिए कहा। जैसे ही वे दाईं तरफ बढ़ने लगे, वे भारी गोलीबारी की चपेट में आ गए। इसे देखते हुए दल-1 ने उप-कमाण्डेंट (ऑपरेशन) के साथ मिलकर नक्सलियों पर गोलीबारी शुरू कर दी।

उप निरीक्षक (जीडी) रोहित चौधरी और उनके दल ने भी नक्सलियों पर गोलीबारी शुरू कर दी। इस तरह की जवाबी कार्रवाई और निशाना साधकर की गई गोलीबारी से नक्सलियों को पीछे हटना पड़ा। नक्सली घने जंगल का फायदा उठाकर भागने लगे। इसके बाद गोलीबारी रोकने का आदेश दिया गया। एसएटी-I ने सहायता टीम के साथ इलाके की तलाशी शुरू कर दी। तलाशी के दौरान पाया गया कि एक (01) नक्सली मारा गया, जिसकी पहचान बाद में मनसा कोड़ा, गांव बिचला टोला, गुरमाहा, थाना-बरहट जिला-जमुई, बिहार के निवासी के रूप में हुई। मारे गए नक्सली की थैली से 5.56 एमएम इंसास राइफल, 5.56 एमएम के 15 राउंड से भरी राइफल से जुड़ी एक मैगजीन, 5.56 एमएम के 220 राउंड, 02 डेटोनेटर और 03 हैंड ग्रेनेड (स्थानीय निर्मित) बरामद किए गए।

इन ऑपरेशनों में सभी कार्मिकों का योगदान असाधारण रहा है। शायद यही कारण है कि हमारी टीम में शामिल किसी भी कार्मिक को कुछ खरोंचों को छोड़कर कोई गंभीर चोट नहीं आई। इस पूरे ऑपरेशन के दौरान, श्री हेमंत कुमार, उप-कमाण्डेंट, निरीक्षक (जीडी) सैयद अफसर, सिपाही (जीडी) जुन्मोनी बरुआ, सिपाही (जीडी) रितेश कोनगाड़ी और सिपाही (जीडी) राऊत योगिन्द्र रामचन्द्र ने असाधारण नेतृत्व क्षमता, साहस, दृढ़ संकल्प एवं पेशेवरता का परिचय दिया है।

इस ऑपरेशन में, सशस्त्र सीमा बल के सर्व/श्री हेमंत कुमार, उप-कमाण्डेंट, सैयद अफसर, निरीक्षक, राऊत योगिन्द्र रामचन्द्र, सिपाही, जुन्मोनी बरुआ, सिपाही और रितेश कोनगाड़ी, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 11.02.2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/93/2023 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 157-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	मुकेश कुमार	कमाण्डेंट	वीरता पदक
2.	रणजीत सिंह	उप-कमाण्डेंट	वीरता पदक
3.	रितेश शर्मा	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
4.	मो. स्यदुल्लाह मीर	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 30/09/2022 को 0230 बजे, एसएसपी बारामुल्ला से एसडीपीओ पट्टन, बारामुल्ला के माध्यम से पुलिस स्टेशन पट्टन, बारामुल्ला (जम्मू-कश्मीर) के अंतर्गत गांव-यादीपोरा, पलहालन, पट्टन, बारामुल्ला जो 02 बटालियन मुख्यालय एसएसबी, पट्टन से लगभग 05 किलोमीटर दूर है, में आतंकवादी की मौजूदगी के संबंध में परिचालन क्षमता हेतु अनुरोध प्राप्त हुआ। उचित ब्रीफिंग के बाद, श्री मुकेश कुमार, कमाण्डेंट 02 बटालियन के नेतृत्व में परिचालन दल ऑपरेशन स्थल पर पहुंचा। डीआईजी, एसएचक्यू (स्पेशल-ऑप्स) एसएसबी, श्रीनगर और कमाण्डेंट (ऑप्स.) एफएचक्यू, एसएसबी, नई दिल्ली को उचित जानकारी दी गई।

चर्चा तथा विचार-विमर्श के आधार पर, एक ऑपरेशन योजना तैयार की गई और 29 आरआर सेना, 02 बटालियन एसएसबी और एसओजी जेकेपी के जवानों द्वारा गांव-यादीपोरा, पलहलान, पट्टन, बारामुल्ला जो अत्यधिक आबादी वाले क्षेत्र में आता है, में घेराबंदी तथा तलाशी अभियान शुरू किया गया। जवानों ने गांव-यादीपोरा में संदिग्ध घर के चारों ओर कड़ी और मजबूत घेराबंदी की। 29 कार्मिकों को आंतरिक घेराबंदी में और 31 कार्मिकों को बाहरी घेराबंदी में रणनीतिक रूप से तैनात किया गया। जब संदिग्ध घरों में से एक की तलाशी ली जा रही थी, तो आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इसका डटकर जवाब दिया गया। आगे की कार्रवाई करने से पहले, घर में रहने वालों और पड़ोसियों को बचाया गया और उन्हे सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया गया। गोलियों की बौछार के बीच, एसएसबी 02 बटालियन की ऑप्स टीम, 29 आरआर और एसओजी के कार्मिकों ने अपनी जान जोखिम में डालकर, शानदार तथा नेतृत्व गुणों और अदम्य साहस का परिचय देते हुए आंतरिक घेरा बनाया। आंतरिक और बाहरी घेराबंदी करने के बाद, श्री मुकेश कुमार, कमाण्डेंट ने व्यक्तिगत रूप से घेरे की सघनता, एकजुटता और सामरिक लेआउट सुनिश्चित किया। जिस घर से गोलीबारी की गई थी, उसके चारों ओर घेराबंदी मजबूत की गई और जवानों को सामरिक रूप से तैनात किया गया। इसके बाद, सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों को चेतावनी देते हुए उन्हें आत्मसमर्पण करने और हथियार डालने का पर्याप्त अवसर दिया, लेकिन छिपे हुए आतंकवादी की ओर से कोई जवाब नहीं मिला। फिर भीषण गोलीबारी शुरू हो गई और दोनों ओर से गोलीबारी जारी रही। श्री मुकेश कुमार, कमाण्डेंट, श्री रणजीत सिंह, उप कमाण्डेंट, सिपाही, मो. स्यदुल्लाह मीर और हेड कांस्टेबल रितेश शर्मा, 29 आरआर तथा एसओजी के अन्य हमलावर दलों के साथ आतंकवादियों की अंधाधुंध गोलीबारी के बीच प्राकृतिक कवर लेते हुए छिपे हुए आतंकवादियों की ओर आगे बढ़े और लक्षित घर के पास (लगभग 25 मीटर) पोज़िशन लेने में सफल रहे और बाकी दल रणनीतिक रूप से तैनात थे।

नियमित रूप से गोलीबारी जारी थी, लेकिन ऑपरेशन स्थल के आस-पास की जगह अनुकूल न होने के कारण सुरक्षा बल आतंकवादियों पर प्रभावी जवाबी गोलीबारी करने में सक्षम नहीं थे। आतंकवादियों की ओर से रुक-रुक कर गोलीबारी जारी रही। तदनुसार, श्री मुकेश कुमार, कमाण्डेंट, श्री रणजीत सिंह, उप कमाण्डेंट, सिपाही, मो. स्यदुल्लाह मीर और हेड कांस्टेबल रितेश और अन्य सुरक्षा बल सुरक्षित रूप से उस घर के पास पहुंचने में कामयाब रहे, जहां आतंकवादी छिपे हुए थे। जब श्री मुकेश कुमार, कमाण्डेंट लक्षित घर के पास पोज़िशन ले रहे थे, तो उन पर लगातार गोलियों की बौछार की गई, लेकिन वे सीओ, 29 आरआर के रक्षक वाहन (बुलेट रेजिस्टेंस) के पीछे छिपने में कामयाब रहे और अपनी जान बचाने में कामयाब रहे। इसके बाद, श्री मुकेश कुमार, कमाण्डेंट ने श्री रणजीत सिंह, उप कमाण्डेंट, सिपाही मो. स्यदुल्लाह मीर और हेड कांस्टेबल रितेश शर्मा को सुरक्षा बलों की कवर फायरिंग में, आतंकवादियों का ध्यान भटकाने के साथ-साथ उनकी सटीक पोजीशन का पता लगाने तथा लक्षित घर के निकटतम पहुंचने के लिए घर के अंदर विभिन्न दिशाओं/कोणों से 03 आंसू धुएं के गोले दागने का निर्देश दिया। आतंकवादियों की ओर से रुक-रुक कर गोलीबारी अभी भी जारी थी। हालांकि, 02 बटालियन एसएसबी के जवान रणनीतिक रूप से तैनात थे और श्री मुकेश कुमार, कमाण्डेंट, श्री रणजीत सिंह, उप कमाण्डेंट, सिपाही मो. स्यदुल्लाह मीर और हेड कांस्टेबल रितेश शर्मा ने अन्य सुरक्षा बलों के साथ मिलकर आतंकवादियों की गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया। आंसू धुएं के गोले का लाभ उठाते हुए और युद्धकौशल का प्रदर्शन करते हुए, श्री मुकेश कुमार, कमाण्डेंट, श्री रणजीत सिंह, उप कमाण्डेंट, सिपाही मो. स्यदुल्लाह मीर और हेड कांस्टेबल रितेश शर्मा एसओजी और 29 आरआर के अन्य हमलावर दलों के साथ, खतरे तथा अपनी जान की परवाह किए बिना, सुरक्षा बलों के कवर फायर की सहायता से रेंगते हुए घर की ओर आगे बढ़े और लक्षित घर के करीब पहुंचने में कामयाब रहे। जब, श्री मुकेश कुमार, कमाण्डेंट, श्री रणजीत सिंह, उप कमाण्डेंट, सिपाही मो. स्यदुल्लाह मीर और हेड कांस्टेबल रितेश लक्षित घर की ओर बढ़ रहे थे, तो आतंकवादियों ने भारी गोलीबारी जारी रखी, लेकिन उन्होंने सामरिक कौशल का प्रदर्शन किया (फायर कवर का लाभ उठाते हुए) और अपनी जान की परवाह किए बिना गोलीबारी का जवाब दिया। हालांकि, आतंकवादियों की ओर से रुक-रुक कर गोलीबारी अभी भी जारी थी। स्थिति को ध्यान में रखते हुए, श्री मुकेश कुमार, कमाण्डेंट, श्री रणजीत सिंह, उप कमाण्डेंट, सिपाही मो. स्यदुल्लाह मीर और हेड कांस्टेबल रितेश ने 29 आरआर और एसओजी के हमलावर बलों के साथ स्थानीय रीति-रिवाजों तथा मानवाधिकारों और अन्य संपत्ति को नुकसान न पहुंचाने के साथ-साथ उपरोक्त ऑपरेशन में भाग लेने वाले अन्य सुरक्षा बलों को चोट से बचाने के लिए उचित सावधानी बरतते हुए छिपे हुए आतंकवादियों पर नियंत्रित तरीके से भारी/तीव्र गोलीबारी की। जब यह पाया गया कि सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों को मार गिराया है, जिसकी पुष्टि मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) की तस्वीर से हुई, श्री मुकेश कुमार, कमाण्डेंट, श्री रणजीत सिंह, उप कमाण्डेंट, सिपाही मो. स्यदुल्लाह मीर और हेड कांस्टेबल रितेश ने 29 आरआर और एसओजी जेकेपी के कार्मिकों के साथ रूम इंटरवेंशन ड्रिल की और एहतियात तथा उचित अभ्यास के साथ घर में प्रवेश किया। अन्य सुरक्षा बलों के साथ पेशेवर तरीके से घर की तलाशी ली गई और दो आतंकवादियों के शव बरामद किए गए। ऑपरेशन को कमांडरों के बेहतर समन्वय और योजना के साथ दो आतंकवादियों को मार गिराने के साथ सफल बनाया गया।

पूरे ऑपरेशन में, श्री मुकेश कुमार, कमाण्डेंट ने एक विशिष्ट और सराहनीय भूमिका निभाई तथा महान नेतृत्व कौशल का प्रदर्शन किया, श्री रणजीत सिंह, उप कमाण्डेंट, हेड कांस्टेबल रितेश शर्मा और सिपाही मो. स्यदुल्लाह मीर ने भी उच्चतम स्तर की पेशेवरता, साहस का परिचय दिया तथा स्पष्ट और लगातार खतरे के बीच युद्ध के अच्छे कौशल का प्रदर्शन किया, जिसके फलस्वरूप सुरक्षा बल और पुलिस की संयुक्त टीम भारी हथियारों से लैस दो खूंखार आतंकवादियों को मार गिराने में सफल रही। बाद में, मारे गए आतंकवादियों की पहचान यावर शफी भट पुत्र मोहम्मद शफत भट निवासी कलमपोरा, पुलवामा और आमिर हुसैन भट, निवासी वेशरो शोपियां के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे

से 01 एके एस-74 यू राइफल नया संस्करण, 03 एके एस-74 यू राइफल मैगजीन, एके एस-74 के 11 जिंदा राउंड, 01 पिस्तौल, 01 पिस्तौल मैगजीन और अन्य हथियार एवं गोला-बारूद बरामद किए गए।

इस ऑपरेशन में, सशस्त्र सीमा बल के सर्व/श्री मुकेश कुमार, कमाण्डेंट, रणजीत सिंह, उप कमाण्डेंट, रितेश शर्मा, हेड कांस्टेबल और मो. स्यदुल्लाह मीर, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 30.09.2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/146/2023 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 158-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	शिव शंकर कुमार	निरीक्षक	वीरता पदक
2.	रोहित चौधरी	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
3.	कुंवर जीत	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
4.	अनिल कुमार कुम्हार	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
5.	जियाउल हक अन्सारी	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 08.06.2022 को लगभग 1930 बजे विभिन्न माध्यमों अर्थात 16 बटालियन एसएसबी इंटेल सेटअप, पुलिस एवं तकनीकी खुफिया के माध्यम से पुलिस स्टेशन-गढ़ी के अंतर्गत बिरगोडा गांव के सामान्य क्षेत्र में 4 से 5 सीपीआई माओवादी नक्सलियों के एक समूह की मौजूदगी के संबंध में खुफिया जानकारी प्राप्त हुई। खुफिया जानकारी ने गिधेश्वर के पास बिरगोडा गांव में वांछित नक्सली पिंटू राणा, करुणा मतलू तुरी एवं अन्य की मौजूदगी की पुष्टि की, जो अपनी नापाक योजना को अंजाम देने और अपनी रसद सहायता की व्यवस्था करने के लिए वहां मौजूद थे।

इस खुफिया सूचना के आधार पर, स्थानीय पुलिस-गढ़ी पुलिस स्टेशन के साथ संयुक्त ऑपरेशन (एसएडीओ) की योजना बनाई गई और जवानों को ब्रीफ़ करने के बाद ऑपरेशन को शुरू किया गया। नक्सलियों की संख्या, उनके पास हथियारों एवं गोला-बारूद की उपलब्धता, ऑपरेशन क्षेत्र तथा सीओबी (कोय ऑपरेटिंग बेस) के बीच की दूरी, सड़क और संचार की कनेक्टिविटी, ऑपरेशन क्षेत्र में होने वाले खतरे की आशंका, क्षेत्र में अंधेरे के कारण खतरा तथा ऑपरेशन शुरू करने और उसे पूरा करने के लिए कंपनी के पास उपलब्ध समय जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं को ध्यान में रखा गया।

स्थिति के सभी पहलुओं पर विचार करते हुए ए कंपनी परासी में मौजूद एसएटी-1 टीम को टीम कमांडर निरीक्षक, शिव शंकर कुमार ने पूर्ण रूप से ब्रीफ़ किया। सभी दलों को ब्रीफ़ किया गया और अलग-अलग रास्तों पर चलने के साथ-साथ अलग-अलग कार्य भी सौंपे गए, दलों को तीन टुकड़ियों 01, 02 और 03 में बांटा गया जिसमें, टुकड़ी-01 हमलावर/तलाशी दल तथा टुकड़ी-02 और 03 घेराबंदी दल थे। ऑपरेशन एसएटी-1 टीम द्वारा निरीक्षक/जीडी शिव शंकर कुमार, कंपनी इंचार्ज ए कंपनी, 16 बटालियन के नेतृत्व में स्थानीय पुलिस के साथ गांव बिरगोडा में शुरू किया गया, जो थाना गढ़ी, जमुई के अंतर्गत सकदरी/गिधेश्वर पहाड़ के सामान्य क्षेत्र में है। उपरोक्त टीम लगभग 1955 बजे सरकारी वाहन से गढ़ी बिशनपुर गांव के लिए रवाना हुई और अपने गंतव्य पर पहुंच गई। इसके अलावा, दल पैदल ही सकदरी गांव से होते हुए बिरगोडा गांव की ओर बढ़ा और बिरगोडा गांव पहुंचा। बिरगोडा गांव के पास पहुंचते ही एसएटी-1 टीम तय किए गए अनुसार 03 (तीन) टुकड़ियों में बंट गई और अलग-अलग योजनाबद्ध रास्ते अपनाए जिसमें टुकड़ी-1 (तलाशी/हमलावर), टुकड़ी-02 और टुकड़ी-03 को पूरे बिरगोडा गांव क्षेत्र की घेराबंदी करनी थी। टुकड़ी-2 द्वारा उत्तर-पूर्व की ओर से और टुकड़ी-03 द्वारा दक्षिण-पूर्व की ओर से बिरगोडा गांव की घेराबंदी करने के बाद टुकड़ी-01 ने

बिरगोडा गांव में प्रवेश किया और इनपुट के अनुसार बिरगोडा गांव के उत्तर-पूर्व की ओर से तलाशी शुरू की। निरीक्षक/जीडी शिव शंकर कुमार और एक पुलिस कांस्टेबल सहित टुकड़ी एक के 04 कार्मिकों ने सभी एहतियात बरतते हुए गांव की संदिग्ध झोपड़ियों की तलाशी शुरू कर दी। टीम के अन्य 04 सदस्य बाहर से उनको कवर प्रदान कर रहे थे, क्योंकि वे अन्य झोपड़ी के पास बाहर छिपकर इंतजार कर रहे थे। जब निरीक्षक/जीडी शिव शंकर कुमार अपनी टीम के साथ एक संदिग्ध झोपड़ी की तलाशी ले रहे थे और घर के मालिक से पूछताछ कर रहे थे, तो उन्होंने बाहर कुछ हलचल देखी, जिससे यह पुष्टि हुई कि कुछ लोग जंगल की ओर भागने की कोशिश कर रहे थे। इससे एसएटी टीम की टुकड़ी-1 के संदेह की पुष्टि हुई। एसएटी टीम की पूरी टुकड़ी-1 ने तेजी से कार्रवाई की तथा गांव के उत्तरी हिस्से यानी गिधेश्वर पहाड़ की ओर भाग रहे नक्सलियों का पीछा किया और उन्हें रुकने का निर्देश दिया।

एसएटी की टुकड़ी-1 के निर्देशों का पालन न करते हुए नक्सलियों ने एसएटी की टुकड़ी-1 पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। एसएटी टीम ने इसका पेशेवर तरीके से जवाब दिया। एसएटी और पुलिस की संयुक्त टीम ने नक्सलियों की गोलीबारी का जवाब दिया, क्योंकि उन्होंने रुकने एवं आत्मसमर्पण करने के आदेश को मानने से इनकार कर दिया।

नक्सलियों के साथ गोलीबारी की सूचना 16 बटालियन के डीसी (ऑपरेशन) श्री मनोरंजन ब्रह्मा को दी गई। श्री मनोरंजन ब्रह्मा डीसी (ऑपरेशन) तुरंत अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और गोलीबारी के बीच एसएटी टीम की मदद करने के लिए दल में शामिल हो गए। गोलीबारी जारी रही, जिसमें नक्सलियों की ओर से भी रुक-रुक कर गोलीबारी की गई। ऑपरेशन पार्टी द्वारा जंगल क्षेत्र में लगभग 200-300 गज तक नक्सलियों का पीछा किया गया, लेकिन घने जंगल/दुर्गम पहाड़ियों और अंधेरे का फायदा उठाकर नक्सल समूह के कुछ सदस्य भाग गए। इसके बाद लगभग 2230 बजे कमांडेन्ट श्री मनीष कुमार, श्री शौर्य सुमन, एसपी जमुई के साथ सहायता के लिए क्षेत्र के दक्षिण की ओर से आगे बढ़े। सहायक कमाण्डेंट, ई. कंपनी जन्मस्थान की कमान के तहत 22 कार्मिकों का एक दल भी सहायता के लिए ऑपरेशन में शामिल था। जब गोलीबारी बंद हुई, तो एसएटी-1 और पुलिस टीम के संयुक्त दलों ने सभी एहतियात बरतते हुए आस-पास के इलाके की तलाशी ली। तलाशी अभियान के दौरान, एक नक्सली मृत पाया गया, जिसने काली वर्दी पहनी हुई थी और उसके हाथ में इंसास राइफल और राइफल का मैगजीन पाउच था। उसकी पहचान बाद में, हार्ड कोर नक्सली (सीपीआई माओवादी कैडर में एसजेडसीएम) मतलू तुरी पुत्र बिरो तुरी, निवासी-बराटांड, थाना-चंद्रमंडी, जिला-जमुई के रूप में हुई।

इस ऑपरेशन में, सशस्त्र सीमा बल के सर्व/श्री शिव शंकर कुमार, निरीक्षक, रोहित चौधरी, उप-निरीक्षक, कुंवर जीत, उप-निरीक्षक, अनिल कुमार कुम्हार, हेड कांस्टेबल और जियाउल हक अन्सारी, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 08.06.2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/151/2023 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 159-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, दिल्ली अग्निशमन सेवा के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	राजेश कुमार	सहायक मंडल अधिकारी	वीरता पदक
2.	प्रवीन कुमार	फायर ऑपरेटर	वीरता पदक
3.	अजमेर सिंह	फायर ऑपरेटर	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 27.09.2023 को लगभग 19.46 बजे, फायर स्टेशन रूप नगर के वॉच रूम में एक वायरलेस संदेश प्राप्त हुआ जिसमे बताया गया कि मुखर्जी नगर अपार्टमेंट, नई दिल्ली के पास स्थित गर्ल्स सिग्नेचर पीजी में आग लगी है। तुरंत, सहायक मंडल अधिकारी/फायर राजेश के साथ दो फायर यूनिट आग की घटना पर कार्रवाई करने के लिए घटनास्थल पर पहुँचे। जैसे ही अग्निशमन दल/वाहन घटना स्थल पर पहुँचे,

पड़ोसियों तथा देखने वालों ने बताया कि कुछ लड़कियाँ ऊपरी मंजिलों पर फंसी हुई हैं। तुरंत ही टीम प्रभावित इमारत में पहुंची और पाया कि गर्ल्स पीजी दिल्ली में आग लगी हुई थी तथा ऊपरी मंजिलों तक पहुँचने के लिए केवल एक सीढ़ी थी, जो पूरी तरह से आग की चपेट में आ चुकी थी। आग की लपटें, गर्मी और धुआँ सीढ़ियों के माध्यम से ऊपरी मंजिलों तक पहुँच रहा था। अग्निशमन कर्मियों के लिए स्थिति बहुत चुनौतीपूर्ण, विपरीत और प्रतिकूल थी। लड़कियाँ मदद के लिए बचाओ-बचाओ चिल्ला रही थीं ।

तत्काल, एडीओ राजेश कुमार ने स्थिति का आकलन किया और तदनुसार, तीन टीमों का गठन किया। इन तीन टीमों में से एक टीम को बचाव कार्य के लिए नियुक्त किया गया तथा अन्य दो को ग्राउंड/स्टिल्ट तल पर अग्निशमन कार्य सौंपा गया। तत्काल, सभी क्षेत्रों को कवर करते हुए, दो डिलीवरी होज़ लाइन, एक सामने की तरफ से और दूसरी पीछे की तरफ से, बिछाकर आग बुझाने का काम शुरू किया गया, ताकि आग लंबवत और क्षैतिज दोनों तरह से न फैल सके। इस बीच बचाव दल के सदस्यों, जिसमें एडीओ राजेश कुमार, एफओ प्रवीन कुमार तथा एफओ अजमेर सिंह शामिल थे, ने बगल की इमारत के माध्यम से प्रभावित इमारत में ऑपरेशन शुरू किया। सबसे पहले, बचाव दल के सदस्यों ने ग्राउंड फ्लोर से पहुँचने की कोशिश की, लेकिन वे असफल रहे और फिर उन्होंने छत की मोंटी/सीढ़ी के माध्यम से इमारत में प्रवेश करने का प्रयास किया, लेकिन भारी धुएं और गर्मी के कारण वे कामयाब नहीं हो पाए।

बिना समय बर्बाद किए उन्होंने तुरंत अपनी कार्ययोजना बदली और बगल की इमारत की छत से काटने/तोड़ने के औजारों की मदद से चौथी मंजिल के स्तर पर प्रभावित इमारत की साइड की दीवार में एक बड़ा छेद किया तथा ब्रीदिंग उपकरण सेट एवं अन्य पीपीई पहनकर प्रभावित मंजिल में प्रवेश किया। एडीओ राजेश कुमार, एफओ प्रवीन कुमार और एफओ अजमेर सिंह ने सबसे पहले पूरी चौथी मंजिल की तलाशी ली, लेकिन वहां कोई भी मौजूद नहीं था। उसके बाद, बचाव दल के सदस्य तीसरी मंजिल पर पहुंचे और पाया कि तीन लड़कियां मदद के लिए फूट-फूट कर रो रही थीं और चिल्ला रही थीं "हमें बचा लो प्लीज"। वे आखिरी के बाथरूम में छिपी हुई थीं और निराश एवं डरी हुई लग रही थीं। बचाव दल तुरंत उनके पास पहुंचा। बाद में, इन तीन लड़कियों की पहचान सुश्री करिश्मा आयु 20 वर्ष, सुश्री अनुराधा आयु 24 वर्ष और सुश्री कोमल आयु 20 वर्ष के रूप में हुई।

इस बीच, एक लड़की ने बताया कि साथ वाले कमरे में एक बच्ची भी फंसी हुई है। तुरंत बचाव दल वहां पहुंचा और पाया कि बिस्तर पर एक बच्ची अन्वी उम्र करीब 2.5 साल बेहोश पड़ी हुई है। सबसे पहले बचाव दल ने बच्ची को छत के रास्ते से बाहर निकाला और एफओ अजमेर सिंह उसे सावधानी से पकड़ कर नीचे ले आए। उसके बाद बाकी तीनों लड़कियों को भी बचाव दल ने छत के रास्ते से सुरक्षित निकाल लिया। चूंकि घटना स्थल पर कोई एम्बुलेंस नहीं थी और इसलिए एफओ अजमेर सिंह बेहोश बच्ची को उठाए हुए अस्पताल की तरफ भागे। सौभाग्य से, एक बाइक सवार ने उन्हें लिफ्ट दी और वे तुरंत पास के अस्पताल पहुंचे। बच्ची की जान बचाने के लिए अस्पताल ले जाते समय एफओ अजमेर सिंह ने उसे तीन बार कृत्रिम रूप से होश में लाने का प्रयास किया, जिसके परिणामस्वरूप उसके शरीर में कुछ हलचल देखी गई। जब एफओ अजमेर सिंह न्यूलाइफ अस्पताल पहुंचे तो बच्ची की सांसें सामान्य हो गई थीं और वह कुछ होश में भी आ गई थी। अस्पताल पहुंचकर उन्होंने बच्ची को डॉक्टरों को सौंप दिया, जहां उसको उचित उपचार दिया गया। तीनों लड़कियों को पहले ग्राउंड फ्लोर पर लाया गया और फिर इलाज के लिए पास के अस्पताल में भेज दिया गया। डॉक्टर ने उन्हें उचित उपचार दिया और तीनों लड़कियों और बच्ची को सुरक्षित घोषित कर दिया। बचाव और अग्निशमन अभियान के दौरान, एडीओ राजेश कुमार, एफओ अजमेर सिंह और एफओ प्रवीन कुमार बचाव अभियान का नेतृत्व कर रहे थे और उन्होंने तीनों लड़कियों की बहुमूल्य जान बचाई और उन्हें सीढ़ियों के जरिए ग्राउंड फ्लोर पर लाए तथा इन सभी लड़कियों और बच्ची के सुरक्षित और त्वरित बचाव के लिए पूरे ऑपरेशन की निगरानी की। श्री राजेश कुमार और उनकी बचाव टीम ने जान तथा आसपास की कई संपत्तियों को बचाते हुए परिसर में प्रतिकूल एवं जानलेवा परिस्थितियों में काम करने के लिए सूझबूझ, अनुकरणीय साहस और वीरता का परिचय दिया।

इस ऑपरेशन में, दिल्ली अग्निशमन सेवा के सर्व/श्री राजेश कुमार, सहायक मंडल अधिकारी, प्रवीन कुमार, फायर ऑपरेटर और अजमेर सिंह, फायर ऑपरेटर ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 27.09.2023 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/36/2024 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 160-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, झारखण्ड अग्निशमन सेवा के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री प्यारे लाल ताम्बर	फायरमैन/ड्राइवर	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

फायरमैन/ड्राइवर प्यारे लाल ताम्बर ने ड्यूटी के आह्वान पर कार्रवाई के लिए हाजीपुर भिठा गांव, पुलिस स्टेशन- मुफस्सिल, जिला-साहिबगंज में स्थित एक सड़क निर्माण स्थल पर घटी आग की एक गंभीर घटना पर काबू पाने के लिए तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। उपरोक्त सूचना दिनांक 16.05.23 को 14:10 बजे मुफस्सिल पुलिस स्टेशन, जिला सबिहगंज के कार्यालय द्वारा फायर स्टेशन, साहिबगंज को दी गई। सूचना मिलने के तुरंत बाद, फायरमैन/ड्राइवर प्यारे लाल ताम्बर, लीडिंग फायरमैन ड्राइवर प्रकाश यादव के साथ, दिनांक 16.05.23 को 14:12 बजे आग की घटना स्थल के लिए रवाना हुए और लगभग 18 किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद 15:20 बजे वहां पहुंचे। घटना स्थल पर पहुंचने पर, उन्होंने पाया कि सड़क निर्माण उपकरण तथा तारकोल भंडारण टैंक में आग लगी हुई है, जिससे स्थानीय ग्रामीणों एवं एनएच-80 से गुजरने वाले वाहनों की सुरक्षा को गंभीर खतरा हो सकता था। कर्तव्य के प्रति पूर्ण समर्पण का परिचय देते हुए तथा अपनी जान जोखिम में डालते हुए, फायरमैन/ड्राइवर प्यारे लाल ताम्बर ने तत्परता से अग्निशमन कार्य शुरू किया तथा तारकोल भंडारण टैंकों में लगी आग पर काबू पा लिया, जिससे जान-माल को गंभीर खतरा हो सकता था। हालांकि, उपरोक्त घटनाक्रम के दौरान, आग से उत्पन्न गर्मी के कारण, तारकोल भंडारण टैंकों में कई विस्फोट हुए, जिससे फायरमैन/ड्राइवर प्यारे लाल ताम्बर को गंभीर चोटें आईं। चोटों के कारण दर्द या परेशानी के किसी भी लक्षण को दिखाए बिना, उन्होंने अग्निशमन अभियान जारी रखा और अंततः घटनास्थल पर आग बुझाने में सफल रहे, जिसके परिणामस्वरूप जान-माल को ज़्यादा क्षति नहीं पहुंची। फायरमैन/ड्राइवर प्यारे लाल ताम्बर को गंभीर रूप से जलने की चोटें आईं और उन्हें सरकारी अस्पताल, साहिबगंज तथा राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान, रांची में भर्ती कराया गया और कुल 46 दिनों तक उनका इलाज चला। अपनी चोटों से उबरने के बाद, उन्होंने तुरंत ड्यूटी पर रिपोर्ट किया और तब से विभाग को अपनी बहुमूल्य सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

इस ऑपरेशन में, झारखण्ड अग्निशमन सेवा के श्री प्यारे लाल ताम्बर, फायरमैन/ड्राइवर ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 16.05.2023 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/154/2023 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 161-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश गृह रक्षक एवं नागरिक सुरक्षा सेवा के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री बनवारी लाल	सहायक उप कन्ट्रोलर (सीनियर स्केल)	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 13 मई, 2023 को दोपहर 01:15 बजे, गाजियाबाद के सिविल डिफेंस कार्यालय को सूचना मिली कि उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में सादिक की पुलिया के पास कैला भट्टा (कैला खरा) में एक आवासीय इमारत में आग लग गई है। पास के एक घर में एलपीजी सिलेंडर रखे हुए थे। सिलेंडरों की अनधिकृत रीफिलिंग का काम चल रहा था। श्री बनवारी लाल, सहायक उप कन्ट्रोलर (सीनियर स्केल) अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने हिम्मत और साहस का परिचय दिया और सभी लोगों को खतरे से बचाने की योजना बनाई। उन्होंने आस-पास के लोगों को वहाँ से बाहर निकाला और उन्हें अपने घर छोड़ने के लिए मनाया।

श्री बनवारी लाल, सहायक उप कन्ट्रोलर (सीनियर स्केल) ने पेशेवर दक्षता का परिचय देते हुए उन्होंने सावधानीपूर्वक योजना बनाई। वे उस घर में घुस गए जिसमें आग लगी हुई थी। उन्होंने अपनी जान की परवाह नहीं की। अपनी बुद्धि का इस्तेमाल करते हुए उन्होंने एल.पी.जी. सिलेंडर में आग लगने से पहले ही घर खाली करने का फैसला किया। अधिकारी ने जबरदस्त एवं अनुभवी कौशल और बेजोड़ साहस का परिचय दिया, जिसके परिणामस्वरूप एल.पी.जी. सिलेंडरों में विस्फोट होने से पहले तीन लोगों की जान बचाई गई। बचाव अभियान के दौरान उनका हाथ भी जख्मी हो गया। अधिकारी ने सामान की शीघ्र बरामदगी भी कर ली।

इस ऑपरेशन में, उत्तर प्रदेश गृह रक्षक एवं नागरिक सुरक्षा सेवा के श्री बनवारी लाल, सहायक उप कन्ट्रोलर (सीनियर स्केल) ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 13.05.2023 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/165/2024 - पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 162-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति स्वतंत्रता दिवस, 2024 के अवसर पर; पुलिस, अग्निशमन, जेल प्रशासन तथा गृह रक्षक व नागरिक सुरक्षा सेवाओ के लिए राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशो / केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) / केन्द्रीय पुलिस संगठनों (सीपीओ) तथा अन्य संबंधित संगठनों के निम्नलिखित कार्मिको को राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक (पीएसएम) सहर्ष प्रदान करती हैं :—

पुलिस सेवा

1. श्री रवि प्रकाश मीसाला, पुलिस महानिरीक्षक, आंध्र प्रदेश
2. श्री दण्डु गंगा राजू दसरी, पुलिस निरीक्षक, आंध्र प्रदेश
3. श्री माके बुइ, पुलिस उपाधीक्षक, अरुणाचल प्रदेश
4. श्रीमती रत्ना सिंहा, पुलिस उप महानिरीक्षक, असम
5. श्री संजय सिंह, अपर पुलिस महानिदेशक, बिहार
6. श्री राजेश कुमार शर्मा, वरीय पुलिस उपाधीक्षक, बिहार
7. श्री आनंद सिंह रावत, सहायक सेनानी, छत्तीसगढ़
8. श्री आत्माराम वी. देशपांडे, संयुक्त आयुक्त पुलिस (परिचालन), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
9. सुश्री शशि बाला, सहायक आयुक्त पुलिस, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
10. श्रीमती सुनीता सावलो सावंत, पुलिस अधीक्षक, गोवा
11. श्री बलवंतसिंह हेमतुजी चावडा, उप पुलिस अधीक्षक, गुजरात
12. श्री भरतकुमार मनुभाई बोराणा, पुलिस वायरलेस सब इंस्पेक्टर, गुजरात
13. श्री विकास कुमार अरोड़ा, पुलिस आयुक्त, हरियाणा
14. सुश्री रंजना शर्मा, सहायक उप निरीक्षक, हिमाचल प्रदेश
15. श्री चन्द्र शेखर मुव्वा, अपर पुलिस महानिदेशक, कर्नाटक
16. श्री वेंकटेश हती बेलगल, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक,केरल
17. श्री चंचल शेखर, अतिरिक्त महानिदेशक, मध्य प्रदेश
18. श्री अरविन्द कुमार सक्सेना, पुलिस महानिरीक्षक, मध्य प्रदेश
19. श्री आर. के. हिंगणकर, पुलिस महानिरीक्षक, मध्य प्रदेश
20. श्री रामाधार भारद्वाज, पुलिस अधीक्षक, मध्य प्रदेश
21. श्री चिरंजीव रामछबीला प्रसाद, अपर पुलिस महानिदेशक, महाराष्ट्र
22. डॉ. राजेंद्र बालाजीराव डहाले, संचालक एवं विशेष पुलिस महानिरीक्षक ,महाराष्ट्र
23. श्री सतिश रघुवीर गोवेकर, सहायक पुलिस आयुक्त, महाराष्ट्र
24. श्री ज़ोरमसांग राल्ते, उप कमांडेंट, मिजोरम
25. श्री सुरेश देव दत्त सिंह, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक(ऑपरेशन), ओडिशा
26. श्री सच्चिदानंद रथ, उप आरक्षी अधीक्षक, ओडिशा
27. श्रीमती वोरूवुरु नीरजा, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, पंजाब

28. श्री मनमोहन कुमार, सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पंजाब
29. श्री विजय कुमार सिंह, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, राजस्थान
30. श्री क. वन्निया पेरुमाल, पुलिस महानिदेशक/ नागरिक सुरक्षा निदेशक और कमांडेंट जनरल, तमिलनाडु
31. श्री अभिन दिनेश मोदक, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, तमिलनाडु
32. श्री संजय कुमार जैन, एडिशनल डायरेक्टर जनरल ओफ पुलिस, तेलंगाना
33. श्री कटकम मुरलीधर, डेपुटी कमिश्नर ओफ पुलिस,तेलंगाना
34. श्री सुवेन्द्र कुमार भगत, अपर पुलिस महानिदेशक,उत्तर प्रदेश
35. श्रीमती कल्पना सक्सेना, पुलिस उप महानिरीक्षक/ अपर पुलिस आयुक्त, उत्तर प्रदेश
36. श्रीमती सुगन्धा उपाध्याय, निरीक्षक, उत्तर प्रदेश
37. श्री रामवीर सिंह, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
38. श्रीमती वर्षा शर्मा, उप महानिरीक्षक,अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
39. श्री इम्तियाज हुसैन मीर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जम्मू और कश्मीर
40. श्री जोगिंदर सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जम्मू और कश्मीर
41. श्री मोहनदास पी, सूबेदार (लिपिक), असम राइफल्स
42. श्री सुमित शरण, महानिरीक्षक, बीएसएफ
43. श्री राजेन्द्र सिंह खरड़वाल, कमांडेंट, बीएसएफ
44. श्री एस. राघवेन्द्र, सहायक कमांडेंट (अनु0), बीएसएफ
45. श्री इंन्द्राज सिंह, सहायक उपनिरीक्षक (जी0डी0), बीएसएफ
46. सुश्री जयती घोष, उप महानिरीक्षक, सीआईएसएफ
47. श्री युनूस अहमद, सहायक उप निरीक्षक/कार्यकारी, सीआईएसएफ
48. श्री अनिल कुमार, उप महानिरीक्षक, सीआरपीएफ
49. श्री देविन्दर जीत सिंह, उप महानिरीक्षक, सीआरपीएफ
50. श्रीमती नीतू डी भट्टाचार्य, उप महानिरीक्षक, सीआरपीएफ
51. श्री वीरेन्द्र अग्रवाल, उप महानिरीक्षक, सीआरपीएफ
52. श्री अनुपम श्रीवास्तव, कमांडेंट, सीआरपीएफ
53. श्री जैकब टी, निरीक्षक (जीडी), सीआरपीएफ
54. श्री गिरीश चन्द्र पुरोहित, उप महानिरीक्षक (जी.डी.), आईटीबी
55. श्री पवन कुमार नेगी, उप महानिरीक्षक (जी.डी.), आईटीबी
56. श्री रोमेश भाटिया, सेनानी (जी.डी.), आईटीबी
57. श्री रत्न संजय, महानिरीक्षक, एसएसबी
58. श्री दीपक कुमार सिन्हा, उप महानिरीक्षक, एसएसबी
59. डॉo बलजीत सिंह, संयुक्त निदेशक, गृह मंत्रालय
60. श्री एम.एस. अरुण कुमार, संयुक्त उपनिदेशक/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
61. श्री महिपाल सिंह राणावत, संयुक्त उपनिदेशक/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
62. श्री निरंजन सामल, सहायक निदेशक/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
63. श्री राजेश कुमार, उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
64. श्री पोलुर रामन श्रीधर, अतिरिक्त उपनिदेशक/एन पी, गृह मंत्रालय
65. श्री सोइरेंसंग्बम इबोमचा सिंह, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी-I/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
66. श्री रयाज अहमद वार, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी-II/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
67. श्री प्रदीप कुमार के, पुलिस अधीक्षक, सीबीआई
68. श्री नरेश कुमार शर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक, सीबीआई

69. श्री प्रमोद कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक, सीबीआई
70. श्री मुकेश कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक, सीबीआई
71. श्री रामजी लाल जाट, प्रधान आरक्षक, सीबीआई
72. श्री राज कुमार, प्रधान आरक्षक, सीबीआई
73. श्री गुरचरन सिंह, व्यैक्तिगत सहायक, बीपीआरएंडडी
74. श्री दिनेन्द्र कश्यप, वरिष्ठ विश्लेषक, एनटीआरओ
75. श्री जी.एम. ईश्वर राव, महानिरीक्षक-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, आरपीएफ

अग्निशमन सेवा

76. श्री सुमेश कुमार दुआ, उप-मुख्य अग्निशमन अधिकारी, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
77. श्री बीजु वि के, स्टेशन ऑफिसर, केरल
78. श्री षाजी कुमार टि, स्टेशन ऑफिसर, केरल
79. श्री दिनेशन सि वि, सीनियर फायर एवं रेस्क्यू ऑफिसर, केरल
80. श्री संतोष श्रीधर वारिक, मुख्य अग्निशमन अधिकारी, महाराष्ट्र
81. श्री वैंकटेश्वरलू कांडिमल्ला, ड्राइवर ऑपरेटर, तेलंगाना
82. श्री ऋषि राज, सहायक उप निरीक्षक/अग्नि, सीआईएसएफ
83. श्री हरि हर दाश, सहायक उप निरीक्षक/अग्नि, सीआईएसएफ

होम गार्ड और सिविल डिफेंस

84. श्री ज्योति बोरा, वरिष्ठ कर्मचारी अधिकारी, असम
85. श्री बासवलिंगा कुरूबा बाचालप्पा, वरिष्ठ प्लाटून कमांडर, कर्नाटक
86. श्री भगवान दास बैंडवाल, डिवीजनल कमांडेंट एचजी अधिकारी, मध्य प्रदेश
87. श्री प्रकाश चंद्र साहू, कंपनी कमांडर, ओडिशा
88. श्री सीमांचल कुंडू, सिविल डिफ़ेंस स्वयंसेवक, ओडिशा
89. श्री विनोद कुमार यादव, ब्लाक आर्गनाइजर/कनिष्ठ प्रशिक्षक,उत्तर प्रदेश
90. श्री विनय कुमार मिश्रा, मण्डलीय कमांडेंट (ग्रेड-2), उत्तर प्रदेश
91. श्री घनश्याम चतुर्वेदी, मण्डलीय कमांडेंट (ग्रेड-1), उत्तर प्रदेश

सुधारात्मक सेवा

92. श्री पि. विजयन, सुप्रण्ट, केरल
93. श्री अशोक बोवाजी ओलंबा, हवलदार, महाराष्ट्र
94. श्री एस.के. भद्रिका, अडिशनल सुपरिटेंडेंट, मणिपुर

2. राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक (पीएसएम), राष्ट्रपति सचिवालय के अधिसूचना संख्या 86-प्रेस/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 तथा गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता हैं |

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 163-प्रेज/2024—भारत की राष्ट्रपति स्वतंत्रता दिवस, 2024 के अवसर पर; पुलिस, अग्निशमन, जेल प्रशासन तथा गृह रक्षक व नागरिक सुरक्षा सेवाओ के लिए राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशो / केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) / केन्द्रीय पुलिस संगठनों (सीपीओ) तथा अन्य संबंधित संगठनों के निम्नलिखित कार्मिको को सराहनीय सेवा के लिए पदक (एमएसएम) सहर्ष प्रदान करती हैं :—

पुलिस सेवा

1. श्री विष्णु नर्निन्दि, अपर पुलिस अधीक्षक, आंध्र प्रदेश

2. श्रीमती लक्ष्मी एन एस जे, पुलिस उपमहानिरीक्षक, आंध्र प्रदेश
3. श्री गोपाल कृष्ण सोमसानी, पुलिस उपाधीक्षक, आंध्र प्रदेश
4. श्री मुरली कृष्ण तक्केलपति, पुलिस उपाधीक्षक, आंध्र प्रदेश
5. श्री राम चंद्र मूर्ति कोंडुमहन्ति, अपर पुलिस अधीक्षक, आंध्र प्रदेश
6. श्री उदय भास्कर देसबाथिना, ग्रुप कमांडर, आंध्र प्रदेश
7. श्री श्रीनिवासुलु पेडारासी, पुलिस उपाधीक्षक, आंध्र प्रदेश
8. श्री कृष्ण मूर्ति राजू कनुमुरी, पुलिस निरीक्षक, आंध्र प्रदेश
9. श्री लक्ष्मी नरसिम्हा राव सिरिकी, सहायक पुलिस उपनिरीक्षक, आंध्र प्रदेश
10. श्री रमेश बाबू कटरागद्दा, पुलिस कांस्टेबल, आंध्र प्रदेश
11. श्री श्रीनिवास राव गद्दाम, सहायक पुलिस उपनिरीक्षक, आंध्र प्रदेश
12. श्री वीरा वेंकट सत्य संबाशिव राव तोताकुरा, सहायक पुलिस उपनिरीक्षक, आंध्र प्रदेश
13. श्री वेंकट सुब्बारायुडु जिंका, सहायक पुलिस उपनिरीक्षक, आंध्र प्रदेश
14. श्री राम चंद्र शेखर राव मंडा, हेड कांस्टेबल, आंध्र प्रदेश
15. श्री जयचंद्र रेड्डी वड्डीरेड्डी, हेड कांस्टेबल, आंध्र प्रदेश
16. श्री भक्तवत्सलम राजू डी, सहायक पुलिस उपनिरीक्षक, आंध्र प्रदेश
17. श्री चिन्ना सैदा शेख, सहायक पुलिस उपनिरीक्षक, आंध्र प्रदेश
18. श्री गोविंदा राजुलु के, सहायक पुलिस उपनिरीक्षक, आंध्र प्रदेश
19. श्री शरीफ़ महबूब, पुलिस उपनिरीक्षक, आंध्र प्रदेश
20. श्री मोती चन्द प्रसाद, उप-निरीक्षक, अरुणाचल प्रदेश
21. श्री बिजय गिरी कुलीगाम, पुलिस उपमहानिरीक्षक (एन आर), असम
22. श्री मिहिर जीत गायन, पुलिस अधीक्षक, असम
23. श्री रंजन भुइयां, पुलिस अधीक्षक, असम
24. श्री सिंह राम मिलि, पुलिस अधीक्षक, असम
25. श्री त्रैलक्या शर्मा, उप निरीक्षक (आर/टी),असम
26. श्री बिजू लहकर, लांस नायक यूबी, असम
27. श्री बिपुल सैकिया, उप निरीक्षक, असम
28. श्री प्रफुल्ल डेका, लांस नायक/यूबी, असम
29. श्री कामिनी डेका, सहायक उप निरीक्षक (यूबी), असम
30. श्री सैलेन काकती, लांस नायक (यूबी), असम
31. श्री मनोज कुमार सिंह, निरीक्षक, असम
32. श्री कांता सिंहा, लांस नायक (यूबी), असम
33. श्री इनामुल हक, लांस नायक (यूबी), असम
34. श्री नीरज कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक, बिहार
35. श्री पंकज कुमार, पुलिस अधीक्षक, बिहार
36. श्री अरविन्द कुमार सिन्हा, पुलिस उपाधीक्षक, बिहार
37. श्री आशीष कुमार सिंह, पुलिस उपाधीक्षक, बिहार
38. श्रीमती कुमारी किरण पासवान, वरीय पुलिस उपाधीक्षक, बिहार
39. श्री विजय कुमार, पुलिस निरीक्षक, बिहार
40. श्री बिनायक राम, पु0स0अ0नि0, बिहार
41. श्री प्रकाश कुमार शर्मा, हवलदार, बिहार
42. श्री मोरा मुण्डा, सिपाही, बिहार

43. श्री संजय कुमार सिंह, हवलदार, बिहार
44. श्री विजय कुमार यादव, पु0स0अ0नि0, बिहार
45. श्री कृष्ण मोहन गुप्ता, पु0अ0नि0, बिहार
46. श्री अंजनी कुमार, सिपाही, बिहार
47. श्रीमती सविता देवी, सिपाही, बिहार
48. श्री गणेश बहादुर थापा, हवलदार, बिहार
49. श्री राजेश कुमार सिंह, हवलदार, बिहार
50. श्री राहुल भगत, सचिव, माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
51. श्री सुशील चंद्र द्विवेदी, पुलिस महानिरीक्षक, छत्तीसगढ़
52. श्री राजकुमार मिंज, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, छत्तीसगढ़
53. श्री गुरजित सिंह ठाकुर, उप पुलिस अधीक्षक, छत्तीसगढ़
54. श्री प्रशांत श्रीवास्तव, सहायक सेनानी, छत्तीसगढ़
55. श्री प्रभु लाल कोमरे, कंपनी कमांडर, छत्तीसगढ़
56. श्री द्वारिका प्रसाद मिश्रा, उप निरीक्षक, छत्तीसगढ़
57. श्री धरम सिंह नरेटी, प्रधान आरक्षक, छत्तीसगढ़
58. श्री रविन्द्र कुमार ठाकुर, प्रधान आरक्षक, छत्तीसगढ़
59. डॉ. रजनीश गर्ग, उपायुक्त पुलिस, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
60. सुश्री सुमन गोयल, संयुक्त आयुक्त पुलिस, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
61. श्री अरविन्द कुमार, सहायक पुलिस आयुक्त, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
62. सुश्री रेनू लता, सहायक आयुक्त पुलिस, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
63. श्री दिनेश चंद्र पुंडोरा, सहायक आयुक्त पुलिस, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
64. श्री दिनेश कुमार शर्मा, निरीक्षक (कंप्यूटर),राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
65. सुश्री नीरज टोकस, सहायक आयुक्त पुलिस, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
66. श्री सतेन्द्र पुनिया, यातायात निरीक्षक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
67. श्री शाहजहान एस, उपनिरीक्षक (कार्यकारी), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
68. श्री सुरेश कुमार, उप निरीक्षक (घुड़सवार)/ (कार्यात्मक रैंक),राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
69. श्री विरेंद्र कुमार, सहायक उप निरीक्षक (स्पेशल ग्रेड), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
70. श्री सुरेंदर सिंह, सहायक उपनिरीक्षक (कार्यकारी), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
71. श्री देवेंद्र कुमार, इंस्पेक्टर (कार्यकारी), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
72. श्री सत्यपाल सिंह, सहायक आयुक्त पुलिस, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
73. श्री हंस राज, सहायक उप निरीक्षक (घुड़सवार)/ कार्यात्मक रैंक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
74. श्री राकेश सिंह राना, निरीक्षक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
75. श्री दामोदर गणपत मयेकर, प्रधान शिपाई, गोवा
76. श्री अशोककुमार महेन्द्रभाई मुनिया, सेनापति, गुजरात
77. श्री राजेन्द्रसिंह वखतसिंह चुडासमा, सेनापति, गुजरात
78. श्री सजनसिंह वजाभाई परमार, नायब पुलिस आयुक्त, गुजरात
79. श्री बीपीन चन्दुलाल ठक्कर, उप पुलिस अधीक्षक, गुजरात
80. श्री दिनेशभाई जीवणभाई चौधरी, सशस्त्र पुलिस उपाधीक्षक, गुजरात
81. श्री नीरवसिंह पवनसिंह गोहिल, सहायक पुलिस आयुक्त, गुजरात
82. श्री कृष्णकुमारसिंह हिम्मतसिंह गोहिल, उप पुलिस अधीक्षक, गुजरात
83. श्री जुगलकुमार धनवंतकुमार पुरोहित, उप पुलिस अधीक्षक, गुजरात

84. श्री करणसिंह धनबहादुरसिंह पंथ, पुलिस उपनिरीक्षक, गुजरात
85. श्री हरसुखलाल खीमाभाई राठोड, असीस्टन्ट इन्टेलीजन्स ओफिसर, गुजरात
86. श्री अश्विनकुमार अमृतलाल श्रीमाली, ईन्टेलीजन्स ओफिसर, गुजरात
87. श्री विजयकुमार नटवरलाल पटेल, सहायक उप निरीक्षक, गुजरात
88. श्री बशीर ईस्माईल मुद्राक, सहायक उप निरीक्षक, गुजरात
89. श्री ईश्वरसिंह अमरसिंह सिसोदिया, पुलिस उपनिरीक्षक, गुजरात
90. श्री रमेशभाई किशोरभाई पटेल, पुलिस हेड कांस्टेबल, गुजरात
91. श्री किशोरसिंह सेतानसिंह सिसोदिया, पुलिस उपनिरीक्षक, गुजरात
92. श्री प्रकाशभाई दीताभाई वाधेला, आर्म पुलिस उपनिरीक्षक, गुजरात
93. श्री महिपाल सुरेशभाई पटेल, पुलिस हेड कांस्टेबल, गुजरात
94. श्री धर्मेन्द्रसिंह छत्रसिंह वाघेला, पुलिस उपनिरीक्षक,गुजरात
95. श्री दीपक सहारन, पुलिस अधीक्षक, हरियाणा
96. श्री कमल दीप गोयल, सहायक महानिरीक्षक, हरियाणा
97. श्री सुरेन्द्र सिंह भौरिया, पुलिस अधीक्षक, हरियाणा
98. श्री विजय प्रताप, पुलिस उपायुक्त, हरियाणा
99. श्री दीपक, पुलिस उपाधीक्षक, हरियाणा
100. श्री संदीप कुमार, पुलिस उपाधीक्षक, हरियाणा
101. श्री अनिल कुमार, निरीक्षक, हरियाणा
102. श्री राम निवास, उप निरीक्षक, हरियाणा
103. श्री ओम प्रकाश, निरीक्षक, हरियाणा
104. श्रीमती संतोष, उप निरीक्षक, हरियाणा
105. श्री ओम प्रकाश, निरीक्षक, हरियाणा
106. श्री महेन्द्र सिंह, सहायक उप निरीक्षक, हरियाणा
107. श्री संदीप धवल, सहायक महानिरीक्षक, हिमाचल प्रदेश
108. श्री हेम प्रकाश, उप निरीक्षक, हिमाचल प्रदेश
109. श्री नाग देव, निरीक्षक, हिमाचल प्रदेश
110. श्री रणधीर कुमार सिंह, आरक्षी, झारखंड
111. श्री विमल कुमार क्षेत्री, आरक्षी, झारखंड
112. श्रीमती सलोमी मिंज, हवलदार, झारखंड
113. श्री संजय उराँव, हवलदार, झारखंड
114. श्रीमती हेमा रानी कुल्लू, आरक्षी, झारखंड
115. श्रीमती रेखा कुमारी, आरक्षी, झारखंड
116. श्री संजीव कुमार गुप्ता, आरक्षी, झारखंड
117. श्री ऋतुराज, चालक हवलदार, झारखंड
118. श्री राजेन्द्र राम, हवलदार, झारखंड
119. श्री अरुण उरांव, हवलदार, झारखंड
120. श्री संजय कुमार, आयुधिक हवलदार, झारखंड
121. श्री जोशी श्रीनाथ महादेव, पुलिस अधीक्षक, कर्नाटक
122. श्री सी. के. बाबा, उप पुलिस आयुक्त, कर्नाटक
123. श्री रामगोंड भैरप्पा बसरगी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, कर्नाटक
124. श्री गिरि के. सी, पुलिस उपाधीक्षक, कर्नाटक

125. श्री पी मुरलीधर, पुलिस उपाधीक्षक, कर्नाटक
126. श्री बसवेश्वर, सहायक निदेशक, कर्नाटक
127. श्री बसवराज कमठाणे , पुलिस उपाधीक्षक, कर्नाटक
128. श्री महेश एन, सहायक निदेशक, कर्नाटक
129. श्री रवीश एस नायक, सहायक पुलिस आयुक्त, कर्नाटक
130. श्री शरत दासन्ना गौड़ा मालगर, पुलिस अधीक्षक, कर्नाटक
131. श्री प्रभाकर गोविंदप्पा, सहायक पुलिस आयुक्त, कर्नाटक
132. श्री गोपालरेड्डी वी सी, उप पुलिस आयुक्त, कर्नाटक
133. श्री बी विजया कुमार, सिविल हेड कांस्टेबल, कर्नाटक
134. श्री मंजुनाथ शेकप्प कल्लेदेवर, पुलिस उप निरीक्षक, कर्नाटक
135. श्री हरीश एच आर, सहायक कमांडेंट, कर्नाटक
136. श्री एस. मंजूनाथ, विशेष रिजर्व पुलिस निरीक्षक, कर्नाटक
137. श्री महिबूबसाहेब नूरमहमद मुजावर, सिविल हेड कांस्टेबल, कर्नाटक
138. श्रीमती गोरम् जी, सहायक पुलिस उपनिरीक्षक, कर्नाटक
139. श्री सिनोज टी. एस, पुलिस उपाधीक्षक, केरल
140. श्री फ़िरोज़ एम शफीक, पुलिस उपाधीक्षक, केरल
141. श्री प्रतीप कुमार अय्यप्पन पिल्लई, पुलिस उपाधीक्षक, केरल
142. श्री राजकुमार पुरुषोत्तमन, पुलिस उपाधीक्षक, केरल
143. श्री नजीब सुलैमान, पुलिस अधीक्षक एवं सहा. निदेशक (तकनिकी एवं एमटीअध्ययन), केरल
144. श्री श्रीकुमार मदाथिलाझिकाथु कृष्णाकुट्टी नायर, पुलिस निरीक्षक, केरल
145. श्री सन्तोष सी. आर, पुलिस उप निरीक्षक, केरल
146. श्री राजेश कुमार शशिधरन लक्ष्मी अम्मा, पुलिस उप निरीक्षक, केरल
147. श्री मोहनदासन ओ, पुलिस उप निरीक्षक, केरल
148. श्री संजय कुमार दुबे, उप पुलिस अधीक्षक, मध्य प्रदेश
149. श्री पंकज श्रीवास्तव, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, मध्य प्रदेश
150. श्री राजेश कुमार सिंह, पुलिस उप महानिरीक्षक, मध्य प्रदेश
151. श्री विनीत कपूर, पुलिस उप महानिरीक्षक, मध्य प्रदेश
152. श्रीमती अंजना तिवारी, उप सेनानी, मध्य प्रदेश
153. श्री योगेश्वर शर्मा, पुलिस अधीक्षक, मध्य प्रदेश
154. श्री महावीर सिंह मुजाल्दे, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, मध्य प्रदेश
155. श्रीमती इरमीन शाह, सहायक पुलिस महानिरीक्षक, मध्य प्रदेश
156. श्री सुरेश कुमार बाजनघाटे, निरीक्षक (अ)/शीघ्रलेखक, मध्य प्रदेश
157. श्री मानवेन्द्र सिंह कुशवाह, उप पुलिस अधीक्षक, मध्य प्रदेश
158. श्री रवि कुमार द्विवेदी, उप पुलिस अधीक्षक, मध्य प्रदेश
159. श्री प्रवीण नारायण बघेल, उप पुलिस अधीक्षक, मध्य प्रदेश
160. श्री सुरेन्द्र सिंह सिकरवार, उप पुलिस अधीक्षक, मध्य प्रदेश
161. श्री शैलेन्द्र सिंह राजपूत, उप निरीक्षक(वि.स.बल), मध्य प्रदेश
162. श्री दत्तात्रय तुलशीदास शिंदे, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, महाराष्ट्र
163. श्री संदिप गजानन दिवाण, पुलिस उप महानिरीक्षक, महाराष्ट्र
164. श्री शिवाजी ज्ञानदेव फडतरे, पुलिस उप अधीक्षक, महाराष्ट्र
165. श्री संजय मारुती खांडे, पुलिस अधीक्षक, महाराष्ट्र

166. श्री विनित जयवंत चौधरी, पुलिस उप अधीक्षक, महाराष्ट्र
167. श्री प्रकाश पांडूरंग गायकवाड, रिजर्व पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
168. श्री सदानंद जानबा राणे, पुलिस निरीक्षक, महाराष्ट्र
169. श्री विजय मोहन हातिसकर, सहायक पुलिस आयुक्त, महाराष्ट्र
170. श्री महेश मोहनराव तरडे, पुलिस उप अधीक्षक, महाराष्ट्र
171. श्री राजेश रमेश भागवत, पुलिस निरीक्षक, महाराष्ट्र
172. श्री गजानन कृष्णराव तांदुलकर, पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
173. श्री राजेंद्र तुकाराम पाटील, पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
174. श्री संजय शाहू राणे, पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
175. श्री गोविंद दादु शेवाले, पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
176. श्री मधुकर पोचा नैताम, पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
177. श्री अशोक बापु होनमाने, पुलिस निरीक्षक, महाराष्ट्र
178. श्री शशिकांत शंकर तटकरे, पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
179. श्री अक्षयवरनाथ जोखुराम शुक्ला, पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
180. श्री शिवाजी गोविंद जुंदरे, पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
181. श्री सुनिल लायप्पा हांडे, सहायक उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
182. श्री प्रकाश मोतीराम देशमुख, पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
183. श्री दत्तु रामनाथ खुले, सहायक उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
184. श्री रामदास नागेश पालशेतकर, रिजर्व पोलीस निरीक्षक, महाराष्ट्र
185. श्री देविदास श्रावण वाघ, सहायक उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
186. श्री प्रकाश शंकर वाघमारे, सहायक उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
187. श्री संजय दयाराम पाटील, सहायक उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
188. श्रीमती मोनिका सॅम्यूअल थॉमस, सहायक उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
189. श्री बंडु बाबुराव ठाकरे, पुलिस हवालदार, महाराष्ट्र
190. श्री गणेश मनाजी भामरे, पुलिस हवालदार, महाराष्ट्र
191. श्री अरुण निवृत्ति खैरे, पुलिस हवालदार, महाराष्ट्र
192. श्री दीपक नारायण टिल्लू, पुलिस हवालदार, महाराष्ट्र
193. श्री राजेश तुकारामजी पैदलवार, पुलिस हवालदार, महाराष्ट्र
194. श्री श्रीकृष्ण गंगाराम हिरपुरकर, सहायक समादेशक, महाराष्ट्र
195. श्री राजू संपत सुर्वे, पुलिस निरीक्षक, महाराष्ट्र
196. श्री संजीव दत्तात्रय धुमाल, पुलिस निरीक्षक, महाराष्ट्र
197. श्री अनिल उत्तम काले, सहायक उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
198. श्री मोहन रामचन्द्र निखारे, सहायक उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
199. श्री द्वारकादास महादेवराव भांगे, सहायक उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
200. डा. अमितकुमार माताप्रसाद पांडे, उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
201. श्री अशोक सिंह ओइनम, हवलदार, मणिपुर
202. श्री बोनोमाली सिंह खांगेमबाम, हवलदार, मणिपुर
203. श्री रिंकाहाओ रूइवा, राइफलमैन, मणिपुर
204. श्री प्रेमजीत सिंह पोटशांगबम, राइफलमैन, मणिपुर
205. श्री नोनगथोमबाम विशेश्वर सिंह, राइफलमैन, मणिपुर
206. श्री रोजेन सिंह मायांगलांबम, हवलदार, मणिपुर

207. श्री चालंबा सिंह नगानगोम, सहायक उप निरीक्षक, मणिपुर
208. श्री मैबम सोमोरजीत सिंह, सशस्त्र पुलिस उप निरीक्षक, मणिपुर
209. डॉ साचेंग आर मराक, सहायक पुलिस महानिरीक्षक, मेघालय
210. श्री अनिल कुमार सिंह, हवलदार, मेघालय
211. श्री कस्ते रोमालसावमा, सहायक निदेशक, मिजोरम
212. श्री वनलालहलुना, इंस्पेक्टर, मिजोरम
213. श्री बेंदंगवती आओ, पुलिस उपाधीक्षक, नागालैंड
214. श्री कौशिक कुमार नायक, उप दुर्गपति, ओडिशा
215. श्री सनत कुमार नाथशर्मा, उप आरक्षी अधीक्षक, ओडिशा
216. श्रीमती कविता साहू, उप आरक्षी अधीक्षक, ओडिशा
217. श्री प्रमोद कुमार महान्त, कांस्टेबल, ओडिशा
218. श्री प्रद्दुम्न कुमार नंद, आरक्षी उप निरीक्षक, ओडिशा
219. श्री बाबुला सामल, सहायक आरक्षी उप निरीक्षक, ओडिशा
220. श्रीमती संजुक्तां पटनाइक, कांस्टेबल, ओडिशा
221. श्री हरिबन्धु भत्रा, आरक्षी निरीक्षक, ओडिशा
222. श्री तोफान बेहेरा, हवलदार, ओडिशा
223. श्री प्राण कृष्ण लेन्का, हवलदार, ओडिशा
224. श्री सुरेश चंद्र राउत, हवलदार, ओडिशा
225. श्री जगविन्दर सिंह, कमांडैंट, पंजाब
226. श्री गुरबखशीश सिंह मान, पुलिस उप अधीक्षक, पंजाब
227. श्री संजीव कुमार, पुलिस उप अधीक्षक, पंजाब
228. श्री अमरबीर सिंह, इंस्पेक्टर, पंजाब
229. श्री रविंदर सिंह, थानेदार, पंजाब
230. श्री गुरदेव सिंह, सहायिक थानेदार, पंजाब
231. श्री नरेश कुमार, सहायिक थानेदार, पंजाब
232. श्री नरिंदर कुमार, इंस्पेक्टर, पंजाब
233. श्री रणजोत सिंह, थानेदार, पंजाब
234. श्री बलबीर सिंह, थानेदार, पंजाब
235. श्री सुखबीर सिंह, इंस्पेक्टर, पंजाब
236. श्री मोहम्मद रमजान, सहायिक थानेदार, पंजाब
237. श्री दलजीत सिंह, थानेदार, पंजाब
238. श्री देवा राम, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, राजस्थान
239. श्री सतीश कुमार यादव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, राजस्थान
240. श्री सुरेन्द्र सिंह, डिप्टी कमांडेंट, राजस्थान
241. श्री दीप चन्द सारण, सहायक कमांडेंट, राजस्थान
242. श्रीमती दीप्ति जोशी, पुलिस निरीक्षक, राजस्थान
243. श्री जय सिंह राव, पुलिस निरीक्षक, राजस्थान
244. श्री फतेह सिंह, उप निरीक्षक पुलिस, राजस्थान
245. श्री बल्लू राम, कांस्टेबल, राजस्थान
246. श्री मनीष चौधरी, उप निरीक्षक पुलिस, राजस्थान
247. श्री हरिओम सिंह, प्लाटून कमांडर, राजस्थान

248. श्री सुभाष चन्द्र, हेड कांस्टेबल, राजस्थान
249. श्री सौराज सिंह मीणा, कांस्टेबल, राजस्थान
250. श्री आत्म प्रकाश खैरवाल, हेड कांस्टेबल, राजस्थान
251. श्री गुलझारी लाल, कांस्टेबल, राजस्थान
252. श्री प्रताप प्रधान, उप पुलिस महानिरीक्षक, सिक्किम
253. डॉ. ना. कन्नन, पुलिस महानिरीक्षक, तमिलनाडु
254. श्री ए. ग. बाबू, पुलिस महानिरीक्षक, तमिलनाडु
255. श्री प्रवीण कुमार अभिनापु, पुलिस महानिरीक्षक/पुलिस आयुक्त, तमिलनाडु
256. श्री खा. फ़ीज़ खान अब्दुल्लाह, पुलिस अधीक्षक, तमिलनाडु
257. श्री टी. पे. सुरेश कुमार, पुलिस अधीक्षक, तमिलनाडु
258. श्रीमती मा. किंग्सलिन, पुलिस अधीक्षक, तमिलनाडु
259. श्रीमती वे. श्यामला देवी, पुलिस अधीक्षक, तमिलनाडु
260. डॉ. कृ. प्रभाकर, पुलिस अधीक्षक, तमिलनाडु
261. डॉ. लो. बालाजी सरवनन, पुलिस अधीक्षक, तमिलनाडु
262. श्री कं. राधाकृष्णन, अपर पुलिस अधीक्षक, तमिलनाडु
263. श्री बा. चंद्रशेखर, पुलिस निरीक्षक, तमिलनाडु
264. श्री ल. दिल्लीबाबू, पुलिस उपाधीक्षक, तमिलनाडु
265. श्री रे. मनोहरन, पुलिस उपाधीक्षक, तमिलनाडु
266. श्री चे. संगु, पुलिस उपाधीक्षक, तमिलनाडु
267. श्री मा. स्टीफ़न, अपर पुलिस अधीक्षक, तमिलनाडु
268. श्री प. चंद्र मोहन, पुलिस निरीक्षक, तमिलनाडु
269. श्री मु. हरिबाबू, पुलिस निरीक्षक, तमिलनाडु
270. श्रीमती रा. तमिलसेल्वी, पुलिस निरीक्षक, तमिलनाडु
271. श्री टी. कृ. मुरली, विशेष पुलिस उपनिरीक्षक, तमिलनाडु
272. श्री न. रविचंद्रन, विशेष पुलिस उपनिरीक्षक, तमिलनाडु
273. श्री गो. मुरलीधरन, विशेष पुलिस उपनिरीक्षक, तमिलनाडु
274. श्री अविनाश मोहंती, इंस्पेक्टर जनरल ओफ पुलिस, तेलंगाना
275. श्री सय्यद जमील भाषा, एडिशनल कमांडेंट, तेलंगाना
276. श्री पी कृष्णमूर्ति, एडिशनल सुपरिन्टेन्डेन्ट ओफ पुलिस, तेलंगाना
277. श्री कोमारबट्टिनी रामू, असिस्टेंट रिज़र्व सब इंस्पेक्टर ओफ पुलिस, तेलंगाना
278. श्री अब्दुल रफ़ीक़, असिस्टेंट रिज़र्व सब इंस्पेक्टर ओफ पुलिस, तेलंगाना
279. श्री इक्रम आब खान, सब इंस्पेक्टर ओफ पुलिस, तेलंगाना
280. श्री श्रीनिवाश मिश्रा, असिस्टेंट रिज़र्व सब इंस्पेक्टर ओफ पुलिस, तेलंगाना
281. श्री कूंचाला बाल काशय्या, असिस्टेंट रिज़र्व सब इंस्पेक्टर ओफ पुलिस, तेलंगाना
282. श्री ए. लक्ष्मय्या, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर ओफ पुलिस, तेलंगाना
283. श्री गुंटी वेंकटेश्वरलु, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर ओफ पुलिस, तेलंगाना
284. श्रीमती नुतलपाटी ज्ञाना सुंदरी, इंस्पेक्टर ओफ पुलिस, तेलंगाना
285. श्री कमल कृष्ण कलई, पुलिस उपाधीक्षक, त्रिपुरा
286. श्री खिरोद देबबर्मा, सूबेदार (जीडी), त्रिपुरा
287. श्री निहार देबबर्मा, हवलदार (जीडी), त्रिपुरा
288. श्री सुजान कांति चौधरी, कांस्टेबल, त्रिपुरा

289. श्री निर्मल दास, नायक (जीडी), त्रिपुरा
290. श्रीमती जयन्ती चक्रवर्ती, महिला कांस्टेबल, त्रिपुरा
291. श्री मनोज कुमार सोनकर, पुलिस उप महानिरीक्षक, उत्तर प्रदेश
292. श्री प्रदीप गुप्ता, पुलिस उप महानिरीक्षक, उत्तर प्रदेश
293. श्री आलोक प्रियदर्शी, पुलिस अधीक्षक, उत्तर प्रदेश
294. श्री बृजेश कुमार श्रीवास्तव, पुलिस अधीक्षक, उत्तर प्रदेश
295. श्री केशव चन्द गोस्वामी, पुलिस अधीक्षक, उत्तर प्रदेश
296. डा0 महेन्द्र पाल सिंह, पुलिस अधीक्षक/पुलिस उपायुक्त, उत्तर प्रदेश
297. श्री कुँवर ज्ञानन्जय सिंह, पुलिस अधीक्षक/पुलिस उपायुक्त, उत्तर प्रदेश
298. डा0 राजीव दीक्षित, पुलिस अधीक्षक, उत्तर प्रदेश
299. श्री कमलेश बहादुर, अपर पुलिस अधीक्षक, उत्तर प्रदेश
300. श्री विश्वजीत श्रीवास्तव, अपर पुलिस अधीक्षक, उत्तर प्रदेश
301. श्री सुरेन्द्र नाथ तिवारी, पुलिस अधीक्षक, उत्तर प्रदेश
302. श्री चिरंजीव नाथ सिन्हा, अपर पुलिस अधीक्षक, उत्तर प्रदेश
303. श्री विद्या सागर मिश्र, पुलिस अधीक्षक/पुलिस उपायुक्त, उत्तर प्रदेश
304. मोहम्मद इरफान अंसारी, अपर पुलिस अधीक्षक, उत्तर प्रदेश
305. श्री शाहनवाज हुसैन, सहायक रेडियो अधिकारी, उत्तर प्रदेश
306. श्री राजेश तिवारी, सहायक रेडियो अधिकारी, उत्तर प्रदेश
307. श्री निगवेन्द्र सिंह, मुख्य आरक्षी चालक, उत्तर प्रदेश
308. श्री राम अवध राम, दलनायक, उत्तर प्रदेश
309. श्री विद्या कान्त द्विवेदी, दलनायक, उत्तर प्रदेश
310. श्री खरपत यादव, गुल्मनायक, उत्तर प्रदेश
311. श्री रविन्द्र नाथ राम, उपनिरीक्षक सशस्त्र पुलिस, उत्तर प्रदेश
312. श्री प्रेमचन्द्र लाल श्रीवास्तव, मुख्य आरक्षी पीएसी, उत्तर प्रदेश
313. श्री अशोक कुमार शर्मा, उपनिरीक्षक परिवहन, उत्तर प्रदेश
314. श्री लक्ष कुमार, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
315. श्री रजी अहमद, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
316. श्री भगवान सिंह यादव, गुल्मनायक, उत्तर प्रदेश
317. श्री धीरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, गुल्मनायक, उत्तर प्रदेश
318. श्री गिरीश कुमार, मुख्य आरक्षी चालक, उत्तर प्रदेश
319. श्री कृपाल सिंह, गुल्मनायक, उत्तर प्रदेश
320. श्री मु0 इरशाद अहमद, मुख्य आरक्षी पीएसी, उत्तर प्रदेश
321. श्री मुन्ना राजभर, मुख्य आरक्षी चालक, उत्तर प्रदेश
322. श्री नरेन्द्र कुमार, मुख्य आरक्षी पीएसी, उत्तर प्रदेश
323. श्री शिव नरायन यादव, प्रतिसार निरीक्षक, उत्तर प्रदेश
324. श्री सुशील कुमार सिंह, गुल्मनायक, उत्तर प्रदेश
325. श्री गोविन्द सिंह यादव, उपनिरीक्षक सशस्त्र पुलिस, उत्तर प्रदेश
326. श्री मो0 दिलशाद खॉ, उपनिरीक्षक सशस्त्र पुलिस, उत्तर प्रदेश
327. श्री अरविन्द कुमार सिंह, मुख्य आरक्षी पीएसी, उत्तर प्रदेश
328. श्री गऊदीन शुक्ल, निरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
329. श्री सूर्यवंश यादव, निरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश

330. श्री तेजवीर सिंह, मुख्य आरक्षी पीएसी, उत्तर प्रदेश
331. श्री अखिलेश कुमार सिंह, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
332. श्री सुदेश कुमार, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
333. श्री सूबेदार, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
334. श्री वीरेन्द्र कुमार मिश्र, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
335. श्री सुखपाल सिंह, प्रतिसार निरीक्षक, उत्तर प्रदेश
336. श्री ललित मोहन खोलिया, शिविरपाल, उत्तर प्रदेश
337. श्री हरिओम शर्मा, उपनिरीक्षक सशस्त्र पुलिस, उत्तर प्रदेश
338. श्री नबाब सिंह, उपनिरीक्षक सशस्त्र पुलिस, उत्तर प्रदेश
339. श्री दुष्यन्त वीर सिंह, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
340. श्री पुष्पेन्द्र पाल सिंह, निरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
341. श्री शिव आसरे, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
342. श्री राकेश कुमार सिंह, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
343. श्री रामचन्द्र यादव, दलनायक, उत्तर प्रदेश
344. श्रीमती बिन्दू देवी, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
345. श्री रमेश चन्द्र, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
346. श्री कान्त कुमार शर्मा, निरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
347. श्री छोटे लाल, निरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
348. श्री नोवेन्द्र सिंह, निरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
349. श्री सुभान अली अंसारी, निरीक्षक परिवहन, उत्तर प्रदेश
350. श्री अजय प्रताप सिंह, शिविरपाल, उत्तर प्रदेश
351. श्री प्रदीप कुमार यादव, निरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
352. श्री शैलेन्द्र कुमार मिश्र, निरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
353. श्री नथुनी राम, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
354. श्री शिव वचन, निरीक्षक, उत्तर प्रदेश
355. श्री अकलेश कुमार सिंह, निरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
356. श्री कृष्णकांत शुक्ला, पुलिस उपाधीक्षक, उत्तर प्रदेश
357. श्रीमती विनीता कुमारी दुबे, उपनिरीक्षक, उत्तर प्रदेश
358. श्री शिव शंकर प्रसाद, मुख्य आरक्षी चालक, उत्तर प्रदेश
359. श्री जलाल अहमद, निरीक्षक (लिपिक), उत्तर प्रदेश
360. श्री संजीव कुमार, निरीक्षक (लिपिक), उत्तर प्रदेश
361. श्रीमती नीरू गर्ग, पुलिस महानिरीक्षक, उत्तराखंड
362. श्रीमती सरिता डोबाल, अपर पुलिस अधीक्षक, उत्तराखंड
363. श्री जगत राम, पुलिस उप महानिरीक्षक, उत्तराखंड
364. श्री ऋषिबल्लभ कोठियाल, अपर उप निरीक्षक, उत्तराखंड
365. श्री हरक सिंह, दलनायक, उत्तराखंड
366. श्री पी बाबू राव, हेड कांस्टेबल, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
367. श्री एंडी, सहायक उप निरीक्षक, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
368. सुश्री रीना यादव, निरीक्षक (सिएचजी), चंडीगढ़
369. श्री नंद लाल, निरीक्षक (सिएचजी), चंडीगढ़
370. श्री सोनम दोरजे, उप पुलिस अधीक्षक, लद्दाख

371. श्री बा विश्वनाथन, पुलिस निरीक्षक, पुदुचेरी
372. श्री भीम सेन टूटी, पुलिस महानिरीक्षक, जम्मू और कश्मीर
373. श्री जाहिद नसीम मन्हास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जम्मू और कश्मीर
374. श्री रंजीत सिंह संबयाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जम्मू और कश्मीर
375. श्री कुलदीप हाँडू, पुलिस उप अधीक्षक, जम्मू और कश्मीर
376. श्री परमजीत सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जम्मू और कश्मीर
377. श्री नरेश कुमार, पुलिस उप अधीक्षक, जम्मू और कश्मीर
378. श्री कमल साँगरा, निरीक्षक, जम्मू और कश्मीर
379. श्री बिलाल अहमद बदर, निरीक्षक, जम्मू और कश्मीर
380. श्री सरफा राम, प्रधान सिपाही, जम्मू और कश्मीर
381. श्री मोहम्मद सरवर, सहायक उप निरीक्षक, जम्मू और कश्मीर
382. श्री राजपाल सिंह, उप निरीक्षक, जम्मू और कश्मीर
383. श्री राम पॉल, प्रधान सिपाही, जम्मू और कश्मीर
384. श्री सय्यद इसरार अहमद, निरीक्षक (आशुलिपिक), जम्मू और कश्मीर
385. श्री सुरिन्दर पंडित, उप निरीक्षक (एम), जम्मू और कश्मीर
386. श्री दीपक भट्ट, सहायक उप निरीक्षक, जम्मू और कश्मीर
387. श्री शबीर अहमद शेख, उप निरीक्षक, जम्मू और कश्मीर
388. श्री कुलभूषण खजूरिया, सहायक उप निरीक्षक (दूरसंचार), जम्मू और कश्मीर
389. श्री आसिफ इक़बाल निज़ामी, समादेशक (सी०एम०ओ० एनएफएसजी), असम राइफल्स
390. श्री दीपंकर साउ, सूबेदार (लिपिक), असम राइफल्स
391. श्री सुनील कुमार, नायब सूबेदार (जीडी), असम राइफल्स
392. श्री जय प्रकाश राम, सूबेदार मेजर (जीडी), असम राइफल्स
393. श्री शिव कुमार, नायब सूबेदार, असम राइफल्स
394. श्री रघबीर सिंह, सूबेदार (जीडी), असम राइफल्स
395. श्री पटान सिंह, वारंट ऑफीसर (जीडी), असम राइफल्स
396. श्री उपदेश सिंह, वारंट ऑफीसर (जीडी), असम राइफल्स
397. श्री चेत बहादुर थापा, नायब सूबेदार (जीडी), असम राइफल्स
398. श्री भुवन सिंह, हवलदार (नर्सिंग असिस्टेंट), असम राइफल्स
399. श्री अजय रेगन, नायब सूबेदार (जीडी), असम राइफल्स
400. श्री राकेश कुमार, डिप्टी कमांडेंट, असम राइफल्स
401. श्री लेख राज, वारंट ऑफीसर (जीडी), असम राइफल्स
402. श्री कुलवंत कुमार, कमांडेंट, बीएसएफ
403. श्री वरिंदर दत्ता, उप महानिरीक्षक, बीएसएफ
404. श्री बलवंत सिंह नेगी, कमांडेंट, बीएसएफ
405. श्री अशोक कुमार, कमांडेंट, बीएसएफ
406. श्री हरेंद्र सिंह टोलिया, कमांडेंट, बीएसएफ
407. श्री राजीव प्रतिहस्त उदित, कमांडेंट, बीएसएफ
408. श्री सुरेन्द्र कुमार, कमांडेंट, बीएसएफ
409. डॉ0 शैलबाला सोरेंग, उप महानिरीक्षक (चिकित्सा), बीएसएफ
410. श्री सुभाष कुमार, कमांडेंट (विधि), बीएसएफ
411. डॉ0 नरेंद्र कुमार कासी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चयन ग्रेड), बीएसएफ

412. श्री अशोक सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी, बीएसएफ
413. श्री केशर नाथ सिद्ध, उप कमांडेंट, बीएसएफ
414. श्री कृष्ण कुमार शर्मा, उप कमांडेंट, बीएसएफ
415. श्री विष्णु लाल, उप कमांडेंट, बीएसएफ
416. श्री राजेंद्र टोप्पो, द्वितीय कमान अधिकारी, बीएसएफ
417. श्री राजिंन्द्र कुमार शर्मा, निरीक्षक (अनु0), बीएसएफ
418. श्री सैदुल इस्लाम, निरीक्षक (जी0डी0), बीएसएफ
419. श्री लाल सिंह, निरीक्षक (रेडियो/मैकेनिक), बीएसएफ
420. श्री सुन्दर सिंह, निरीक्षक (जी0डी0), बीएसएफ
421. श्री दुरलव सोनोवाल, निरीक्षक (जी0डी0), बीएसएफ
422. श्री अबसार अहमद, निरीक्षक (रेडियो आपरेटर), बीएसएफ
423. श्री पेमा राम नेहरा, उप निरीक्षक (जी0डी0), बीएसएफ
424. श्री नरोत्तम सिंह भलारिया, उप निरीक्षक (रे0मै0), बीएसएफ
425. श्री करम सिंह, सहायक कमांडेंट (अनु0), बीएसएफ
426. श्री एन रामासामी, उप निरीक्षक (जी0डी0), बीएसएफ
427. श्री थीरेश प्रसाद मेढ़ी, उप निरीक्षक (जी0डी0), बीएसएफ
428. श्री प्रजेन बासुमतारी, लांस नायक (जी0डी0), बीएसएफ
429. श्री तपन कुमार घोष, उप निरीक्षक (जी0डी0), बीएसएफ
430. श्री सूरज भान सिंह, उप निरीक्षक (जी0डी0), बीएसएफ
431. श्री कल्याण नाग, निरीक्षक (जी0डी0), बीएसएफ
432. श्री भरत चन्द्रा बोरदोलोई, लांस नायक (जी0डी0), बीएसएफ
433. श्री गोपाल सिंह, निरीक्षक (तकनीकी), बीएसएफ
434. श्री प्रेसवेल के संगमा, लांस नायक (जी0डी0), बीएसएफ
435. श्री रोशन लाल, सहायक उप निरीक्षक (जी0डी0), बीएसएफ
436. श्री कुलदीप राज, सहायक उप निरीक्षक (जी0डी0), बीएसएफ
437. श्री हिलेरियस टोपनो, निरीक्षक (जी0डी0), बीएसएफ
438. श्री लखविन्द्र मसीह, सहायक उप निरीक्षक (जी0डी0), बीएसएफ
439. श्री असीम कुमार दास, सहायक उप निरीक्षक (जी0डी0), बीएसएफ
440. श्री दौलत राम, सहायक उप निरीक्षक (जी0डी0), बीएसएफ
441. श्री ज्ञान सिंह, सहायक उप निरीक्षक (जी0डी0), बीएसएफ
442. श्री जितेन्द्र कुमार, सहायक उप निरीक्षक (जी0डी0), बीएसएफ
443. श्री जौली जे, सहायक उप निरीक्षक (जी0डी0), बीएसएफ
444. श्री शैलेन्द्र प्रसाद शाही, सहायक उप निरीक्षक (जी0डी0), बीएसएफ
445. श्री बालेश्वर मुंडा, सहायक उप निरीक्षक (जी0डी0), बीएसएफ
446. श्री कृष्ण चंद, उप निरीक्षक (इंजन चालक), बीएसएफ
447. श्री सत्यवान सिंह, हेड कांस्टेबल (जी0डी0), बीएसएफ
448. श्री सुधीर कुमार, वरिष्ठ कमांडेंट, सीआईएसएफ
449. श्री अखिलेश कुमार शुक्ला, वरिष्ठ कमांडेंट, सीआईएसएफ
450. श्री एल कायमिनलुन हॉकिप, वरिष्ठ कमांडेंट, सीआईएसएफ
451. श्री नगेन्द्र शर्मा, वरिष्ठ कमांडेंट, सीआईएसएफ
452. श्री जय प्रकाश, सहायक कमांडेंट/कार्यकारी, सीआईएसएफ

453. श्री प्रदीप कुमार मिश्रा, सहायक कमांडेंट/कार्यकारी, सीआईएसएफ
454. श्री जसवंत सिंह, सहायक कमांडेंट/कार्यकारी, सीआईएसएफ
455. श्री अनंत कुमार सिन्हा, सहायक कमांडेंट/कार्यकारी, सीआईएसएफ
456. श्री अरुण कुमार, सहायक कमांडेंट/कार्यकारी, सीआईएसएफ
457. श्री चंचल सिंह, सहायक कमांडेंट/कार्यकारी, सीआईएसएफ
458. श्री गोरधन राम बाजिया, सहायक कमांडेंट/कार्यकारी, सीआईएसएफ
459. श्री एम के वेणुगोपालन, निरीक्षक/कार्यकारी, सीआईएसएफ
460. श्री जी वेंकटेसन, प्रधान आरक्षक/ टीएम, सीआईएसएफ
461. श्री दिनेश प्रताप सिंह, सहायक उप निरीक्षक/कार्यकारी, सीआईएसएफ
462. श्री बाबुल चन्द्र डेका, सहायक उप निरीक्षक/कार्यकारी, सीआईएसएफ
463. श्री अशीम कुमार जाना, प्रधान आरक्षक/टीएम, सीआईएसएफ
464. श्री शम्भू नाथ दास, प्रधान आरक्षक/टीएम, सीआईएसएफ
465. श्री राकेश चन्द, सहायक उप निरीक्षक/कार्यकारी, सीआईएसएफ
466. श्री ए क्रिस्टोफर, सहायक उप निरीक्षक/कार्यकारी, सीआईएसएफ
467. श्री हेम सिंह सेन, सहायक उप निरीक्षक/कार्यकारी, सीआईएसएफ
468. श्री शंकर दयाल यादव, सहायक उप निरीक्षक/कार्यकारी, सीआईएसएफ
469. श्री हिरामण कदम, सहायक उप निरीक्षक/कार्यकारी, सीआईएसएफ
470. श्री राजाराम यादव, सहायक उप निरीक्षक/कार्यकारी, सीआईएसएफ
471. श्री अमितेन्द्र नाथ सिन्हा, महानिरीक्षक, सीआरपीएफ
472. श्री आर. गोपाला कृष्णा राव, महानिरीक्षक, सीआरपीएफ
473. डॉ. अब्दुल नासर सीएच, उप महानिरीक्षक (चिकित्सा), सीआरपीएफ
474. डॉ. संजीव चौधुरी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एस.जी.), सीआरपीएफ
475. श्री हरिकांत सिंह, कमांडेंट, सीआरपीएफ
476. श्री जितेन्द्र सिंह यादव, कमांडेंट, सीआरपीएफ
477. श्री अमित कुमार, कमांडेंट, सीआरपीएफ
478. श्री डी.एस. कठायत, कमांडेंट, सीआरपीएफ
479. श्री यादवेन्द्र सिंह यादव, कमांडेंट, सीआरपीएफ
480. श्री अमिताभ घोषाल, सहायक कमांडेंट (निजी सचिव), सीआरपीएफ
481. श्री श्यामल भौमिक, द्वितीय कमान अधिकारी, सीआरपीएफ
482. श्री ओमेन्द्र सिंह पूनियॉ, द्वितीय कमान अधिकारी, सीआरपीएफ
483. श्री सौरभ राय, द्वितीय कमान अधिकारी, सीआरपीएफ
484. श्री दलजीत सिंह भाटी, द्वितीय कमान अधिकारी, सीआरपीएफ
485. श्री ज्योतिर्मय आचार्य्य, उप कमांडेंट, सीआरपीएफ
486. श्री कुलदीप सिंह, उप कमांडेंट, सीआरपीएफ
487. श्री नीरज कुमार, उप कमांडेंट, सीआरपीएफ
488. श्री शामला रमेश, सहायक कमांडेंट (मंत्रालय), सीआरपीएफ
489. श्री भुपेन्द्र कुमार पाठक, उप निरीक्षक (लैब-टेक), सीआरपीएफ
490. श्री उत्पल चन्द्र सूत्रधर, निरीक्षक (मंत्रालय), सीआरपीएफ
491. श्री सत्यवीर सिंह, निरीक्षक (तकनीकी), सीआरपीएफ
492. श्री श्री निवास बाजपेयी, निरीक्षक (तकनीकी), सीआरपीएफ
493. श्री हरफूल सिंह, निरीक्षक (जीडी), सीआरपीएफ

494. श्री किरण कुवार लकडा, उप निरीक्षक (जीडी), सीआरपीएफ
495. श्री निरंजन देबबर्मा, निरीक्षक (जीडी), सीआरपीएफ
496. श्री तारकेश्वर ठाकुर, हवलदार (नाई), सीआरपीएफ
497. श्री सोबन सिंह, निरीक्षक (जीडी), सीआरपीएफ
498. श्री पी रमाना रेड्डी, निरीक्षक (जीडी), सीआरपीएफ
499. श्री कृपा शंकर पाल, निरीक्षक (जीडी), सीआरपीएफ
500. श्री सर्वेश प्रकाश सिंह, निरीक्षक (जीडी), सीआरपीएफ
501. श्री अब्दुल अजीज पी. ए., उप कमांडेंट, सीआरपीएफ
502. श्री चन्द्र कांता स्वर्गीयारी, निरीक्षक (जीडी), सीआरपीएफ
503. श्री सत्यवीर सिंह, निरीक्षक (आरमोर), सीआरपीएफ
504. श्री अमर सिंह, उप निरीक्षक (जीडी), सीआरपीएफ
505. श्री महिपाल, उप निरीक्षक (जीडी), सीपीआरएफ
506. श्री मुस्ताक अहमद, निरीक्षक (ब्रास-बैंण्ड), सीआरपीएफ
507. श्री भागीरथ रेड्डी, उप निरीक्षक (जीडी), सीआरपीएफ
508. श्री पलानीमूथू एस., निरीक्षक (जीडी), सीआरपीएफ
509. श्री संजय कुमार सिंह, उप निरीक्षक (जीडी), सीआरपीएफ
510. श्री प्रताप चंद्र पाणिग्राही, निरीक्षक (जीडी), सीआरपीएफ
511. श्री एस मुरली धरन नायर, उप निरीक्षक (जीडी), सीआरपीएफ
512. श्री शीश राम मीणा, उप निरीक्षक (जीडी), सीआरपीएफ
513. श्री खालिद महमूद खान, उप निरीक्षक (जीडी), सीआरपीएफ
514. श्री राजेन्द्रन नायर एम., उप निरीक्षक (एम.एम.), सीआरपीएफ
515. श्री कोववूर राजमस्तान, उप निरीक्षक (जीडी), सीआरपीएफ
516. श्री विजय कुमार, उप निरीक्षक (जीडी), सीआरपीएफ
517. श्री दया राम, हवलदार/मोची, सीआरपीएफ
518. श्री के. सनाथोई रोंगमेई, उप निरीक्षक (जीडी), सीआरपीएफ
519. श्री चन्द्रशेखर जी., उप निरीक्षक (रेडियो ऑपरेटर), सीआरपीएफ
520. श्री सैयद तबरेज बिन जंगी, सहायक उप निरीक्षक (जीडी), सीआरपीएफ
521. श्री संजय कुमार सिंह, सहायक उप निरीक्षक (जीडी), सीआरपीएफ
522. श्रीमती चन्द्र प्रभा सिंह, उप निरीक्षक (जीडी) (महिला), सीआरपीएफ
523. श्री राजेश्वरा राव बी., सहायक उप निरीक्षक (जीडी), सीआरपीएफ
524. श्री चुनचुन रजक, सहायक उप निरीक्षक (जीडी), सीआरपीएफ
525. श्री अनिल कुमार सिंह, निरीक्षक (जीडी), सीआरपीएफ
526. श्री इन्द्रोनील बंद्योपाध्याय, सूबेदार मेजर (जीडी), सीआरपीएफ
527. श्री विनोद कुमार सिंह, सिपाही (जलवाहक), सीआरपीएफ
528. श्री कोरी संजय कुमार गुरुदीन, उप महानिरीक्षक, आईटीबीपी
529. श्री बेणुधर नायक, सेनानी (जी.डी.), आईटीबीपी
530. श्री कैलाश चन्द्र भट्ट, उप सेनानी (कार्यालय), आईटीबीपी
531. श्री अजय कश्यप, द्वितीय कमान (जी.डी.), आईटीबीपी
532. श्री हरीश चन्द्र, निरीक्षक (सी.एम.), आईटीबीपी
533. श्री चन्द्र शेखर भट्ट, निरीक्षक (दूरसंचार), आईटीबीपी
534. श्री प्रेम लाल वर्मा, उप निरीक्षक (जी.डी.), आईटीबीपी

535. श्री सतविन्दर सिंह, सूबेदार मेजर (जी.डी.), आईटीबीपी
536. श्री पुरूषोत्तम सिंह, सहायक उप निरीक्षक (जी.डी.), आईटीबीपी
537. श्री हरक सिंह रावत, सूबेदार मेजर (जी.डी.), आईटीबीपी
538. श्री हरिओम भारती, निरीक्षक (एच.टी.), आईटीबीपी
539. श्री गौतम कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी, एनएसजी
540. श्री गुरप्रीत सिंह, स्क्वाड्रन कमांडर, एनएसजी
541. श्री बोध राज रैना, सहायक कमांडर-I, (मंत्रालय), एनएसजी
542. श्री जगत सिंह, रेंजर – I (जीडी), एनएसजी
543. श्री संजय कुमार सारंगी, उप महानिरीक्षक, एसएसबी
544. डॉ. ओ बालेश्वर सिंह, उप महानिरीक्षक (चिकित्सा), एसएसबी
545. श्री लेटजंगम कुकी, नायक (सामान्य सेवा), एसएसबी
546. श्री शेर सिंह, उप निरीक्षक (सामान्य सेवा), एसएसबी
547. श्री गैना सिंह मराठा, सहायक कमांडेंट (सामान्य सेवा), एसएसबी
548. श्री गेरी लेगो, आरक्षी (सामान्य सेवा), एसएसबी
549. श्री लिपो कामे, आरक्षी (सामान्य सेवा), एसएसबी
550. श्री सुचरित डे, सहायक उप निरीक्षक (सामान्य सेवा), एसएसबी
551. श्री दिनेश चन्द, निरीक्षक (मंत्रालयिक), एसएसबी
552. श्री रवि कुमार, निरीक्षक (सामान्य सेवा), एसएसबी
553. श्री रंजीत सोनोवाल, सहायक उप निरीक्षक (सामान्य सेवा), एसएसबी
554. श्री हरेन्द्र कुमार, संयुक्त उपनिदेशक/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
555. श्री अरविन्द कुमार मिश्रा, सहायक निदेशक/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
556. श्री संजय पाण्डेय, सहायक निदेशक/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
557. श्री बीनु प्रभाकरन लीला, सहायक निदेशक/तकनीकी, गृह मंत्रालय
558. श्री अनिल कुमार सिन्हा, सहायक निदेशक/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
559. श्री भूषण शरद वावले, सहायक निदेशक/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
560. श्री बलवंत हंसराज खांडेकर, सहायक निदेशक/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
561. श्री लेट्टीन्थांग थॉमसन, सहायक निदेशक/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
562. श्री नोंथोम्बम सूरचंद्र, उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
563. श्री किरन बत्तुला, सहायक निदेशक/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
564. श्री सुदीप रोय, उप केंद्रीय आसूचना अधिकारी/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
565. श्री अभिजीत दत्ता, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी-I/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
566. सुश्री तोंडेपु वरलक्ष्मि, सहायक निदेशक/स्टाफ ऑफिसर, गृह मंत्रालय
567. श्री शेखर कुमार देब, निजी सचिव, गृह मंत्रालय
568. श्री विनोद कुमार सिंह, अनुभाग अधिकारी, गृह मंत्रालय
569. श्री मनोज भारद्वाज, अनुभाग अधिकारी, गृह मंत्रालय
570. श्री अब्दुल नदीम र, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी-II/तकनीकी, गृह मंत्रालय
571. श्री हरदयाल सिंह यादव, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी-I/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
572. श्री अशोक कुमार, सहायक अनुभाग अधिकारी, गृह मंत्रालय
573. श्री दीपक पंत, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी-I/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
574. सुश्री विजया रमेश, सहायक निदेशक/स्टाफ ऑफिसर, गृह मंत्रालय
575. श्री सेवांग नामग्याल, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी-I/कार्यकारी, गृह मंत्रालय

576. श्री रिंचेन दोरजी, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी-II/तकनीकी, गृह मंत्रालय
577. श्री मोहम्मद सुवेझ हक, पुलिस उपमहानिरीक्षक, सीबीआई
578. श्री विजयेंद्र बिदरी, पुलिस उपमहानिरीक्षक, सीबीआई
579. श्री तथागत वरदान, अपर पुलिस अधीक्षक, सीबीआई
580. श्रीमती संपदा संजीव रेवणकर, आशुलिपिक श्रेणी-I, सीबीआई
581. श्री कृष्ण कुमार सिंह, पुलिस उपाधीक्षक, सीबीआई
582. श्री दर्शन सिंह, पुलिस निरीक्षक, सीबीआई
583. श्री लालता प्रसाद, प्रधान आरक्षक, सीबीआई
584. श्री सत्यजीत हलदर, सहायक उपनिरीक्षक, सीबीआई
585. श्री सुभाष चन्द, प्रधान आरक्षक, सीबीआई
586. श्री ओंकार दास वैष्णव, प्रधान आरक्षक, सीबीआई
587. श्री शिवकुमार सुब्रमण्यन, आरक्षक, सीबीआई
588. श्री सदी राजू रेड्डी, प्रधान आरक्षक, सीबीआई
589. श्री हिमांशु गुप्ता, सहायक महानिरीक्षक, एसपीजी
590. श्री प्रवीन कुमार चौधरी, सहायक महानिरीक्षक, एसपीजी
591. श्री जय शंकर त्रिवेदी, सुरक्षा अधिकारी-I(एम), एसपीजी
592. श्री प्रतीप कुमार श्रीनिवासन, कनिष्ठ सुरक्षा अधिकारी (एम.सी.आर), एसपीजी
593. श्री राजेश झा, सुरक्षा अधिकारी-II (टी), एसपीजी
594. श्री बालकिशन बलाई, सुरक्षा अधिकारी-I, एसपीजी
595. श्री अनुराग कुमार, महानिरीक्षक, बीपीआरएंडडी
596. डा. एस इन्दिरा सुधा, निदेशक, एनसीआरबी
597. श्री नवीन कुमार त्यागी, पुलिस अधीक्षक, एनआईए
598. श्री मोहन सिंह, उप निरीक्षक, एनआईए
599. श्री संतोष पी आर, सहायक उप निरीक्षक, एनआईए
600. श्री जी विजय कुमार, उप निरीक्षक, एनआईए
601. श्री अमोल शिवाजी हाक्के, हेड कांस्टेबल, एनआईए
602. श्री छैलु सिंह चारण, मुख्य आरक्षक (घुड़सवार), एसवीपीएनपीए
603. श्री बिजोय कुमार सिंह अबुजम, कमांडेंट, एनडीआरएफ
604. श्री प्रकाश चन्द, निरीक्षक (बेतार चालक), एनडीआरएफ
605. श्री राज कुमार शर्मा, द्वितीय कमान अधिकारी, एनडीआरएफ
606. श्री बलवीर सिंह शेखावत, निरीक्षक, एनएचआरसी
607. श्री राकेश कुमार भारद्वाज, वरिष्ठ विमानन सुरक्षा अधिकारी, नागर विमानन मंत्रालय
608. श्री अरुण कुमार सिंह, उप निदेशक, नागर विमानन मंत्रालय
609. श्री अभिषेक गोयल, विशेष निदेशक, प्रवर्तन निदेशालय, राजस्व विभाग
610. श्री अमरेश कुमार, महानिरीक्षक-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, आरपीएफ
611. श्री उज्जल दास, सहायक सुरक्षा आयुक्त, आरपीएफ
612. श्री अजय कुमार, उप निरीक्षक, आरपीएफ
613. श्री जाला सुधाकर, सहायक उप निरीक्षक, आरपीएफ
614. श्री बोंगी पद्मलोचना, हेड कांस्टेबल, आरपीएफ
615. श्री शेख नईम बाशा, सहायक उप निरीक्षक, आरपीएफ
616. श्री सन्तोष कुमार शर्मा, निरीक्षक, आरपीएफ

617. श्री राजेशकुमार प्रधान, हेड कांस्टेबल, आरपीएफ
618. श्री प्रकाश चन्द्र काण्डपाल, सहायक उप निरीक्षक, आरपीएफ
619. श्री बलिवाडा श्रीधर, उप निरीक्षक, आरपीएफ
620. श्री संजय वसंत मोरे, उप निरीक्षक, आरपीएफ
621. श्री राजपाल नायक, सहायक उप निरीक्षक, आरपीएफ
622. श्री मुकेश खरे, सहायक उप निरीक्षक, आरपीएफ
623. श्री अभय कुमार, उप निरीक्षक, आरपीएफ
624. श्री अरुण कुमार पासी, सहायक उप निरीक्षक, आरपीएफ

अग्निशमन सेवा

625. श्री चिन्नम मार्टिन लूथर किंग, सहायक जिला अग्निशमन अधिकारी, आंध्र प्रदेश
626. श्री दीपक कूमार शर्मा, चालक, असम
627. श्री तारिनी बर्मन, दलपति, असम
628. श्री पूलक थाकूरीया, उप आष्थान विषया, असम
629. श्री महादेब बरो, चालक, असम
630. श्री मनीष कुमार, सहायक मंडल अधिकारी, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
631. श्री संदीप दुग्गल, मंडल अधिकारी, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
632. श्री उल्हास गोविंद गांवकर, उप अधिकारी, गोवा
633. श्री मनसा राम, स्टेशन अग्निशमन अधिकारी, हिमाचल प्रदेश
634. श्री राजिंदर कुमार, स्टेशन अग्निशमन अधिकारी, हिमाचल प्रदेश
635. श्री अशोक कुमार, उप अग्निशमन अधिकारी, हिमाचल प्रदेश
636. श्री मुरलीधरन सि के, स्टेशन ऑफिसर, केरल
637. श्री दिवुकुमार के, सीनियर फायर एवं रेस्क्यू ऑफिसर, केरल
638. श्री बय्जू के, सीनियर फायर एवं रेस्क्यू ऑफिसर, केरल
639. श्री सुजयन के, फायर एवं रेस्क्यू ऑफिसर (ड्राईवर), केरल
640. श्री किशोर दन्यानदेव घाडिगांवकर, डिवीजनल अग्निशमन अधिकारी, महाराष्ट्र
641. श्री अनंत भीवाजी धोत्रे, उप अधिकारी, महाराष्ट्र
642. श्री मोहन वासुदेव तोस्कर, लीडिंग फायरमैन, महाराष्ट्र
643. श्री मुकेश केशव काटे, लीडिंग फायरमैन, महाराष्ट्र
644. श्री किरण रजनीकांत हटियाल, अग्निशमन अधिकारी, महाराष्ट्र
645. श्री सेवनसन सिंह मैबम, लीडिंग फायरमैन, मणिपुर
646. श्री पनमेई गायखाओंगम, लीडिंग फायरमैन, मणिपुर
647. श्री राजू राम राभा, अप्रेंटिस फायर एंड इमरजेंसी सर्विस, मेघालय
648. श्री भूपेश सीएच हाजोंग, उप अधिकारी, मेघालय
649. श्री वनलालहुरिया, चालक विशेष ग्रेड, मिजोरम
650. श्री निरंजन जेना, लीडिंग फायरमैन, ओडिशा
651. श्री सुकांत कुमार बेहेरा, लीडिंग फायरमैन, ओडिशा
652. श्री माधव राव तेलुगु, लीडिंग फायरमैन, तेलंगाना
653. श्री वहीदुद्दीन मोहम्मद, लीडिंग फायरमैन, तेलंगाना
654. श्री लईकुर्रहमान, फायरमैन, उत्तर प्रदेश
655. श्री नरेन्द्र सिंह यादव, फायरमैन, उत्तर प्रदेश

656. श्री सुरेश कुमार, फायरमैन, उत्तर प्रदेश
657. श्री दिगम्बर प्रसाद, लीडिंग फायरमैन, उत्तराखंड
658. श्री प्रथोबन सिंह नेगी, लीडिंग फायरमैन, उत्तराखंड
659. श्री राजा भट्टाचार्य, स्टेशन अधिकारी, पश्चिम बंगाल
660. श्री सुदीप्त बिट, डिवीजनल अग्निशमन अधिकारी, पश्चिम बंगाल
661. श्री सुमित सूर, स्टेशन अधिकारी, पश्चिम बंगाल
662. श्री के अंबालागन, हेड कांस्टेबल, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
663. श्री मनोज चौहान, सहायक कमांडेंट/अग्नि, सीआईएसएफ
664. श्री लोकेश चन्द, सहायक कमांडेंट/अग्नि, सीआईएसएफ
665. श्री निखिल कुमार सामंता, निरीक्षक/अग्नि, सीआईएसएफ
666. श्री सुरेन्द्र पाल शर्मा, सहायक उप निरीक्षक/अग्नि, सीआईएसएफ
667. श्री हिरेश चक्रवर्ती, उप मुख्य फायरमैन, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय
668. श्री हिमांशु शेखर साहू, महाप्रबंधक, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय
669. श्री प्रशांत बी गनवीर, उप महाप्रबंधक, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय
670. श्री विमल कुमार अरविंदभाई प्रजापति, वरिष्ठ फायरमैन, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय
671. श्री अनंता जयरामजी भेंड़े, उप महाप्रबंधक, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

होम गार्ड और सिविल डिफेंस

672. श्री जयनाल आबेदीन, सूबेदार, असम
673. श्री डिंबेश्वर लहन, प्लाटून कमांडर, असम
674. श्री संसुमा बसुमतारी, नायक, असम
675. श्री सुरेन्द्र कुमार सिंगौर, सैनिक, छत्तीसगढ़
676. श्री संजयभाई बाबूभाई वसावा, वरिष्ठ प्लाटून कमांडर, गुजरात
677. श्री पसाभाई धनाभाई जाला, हवलदार क्लर्क, गुजरात
678. श्री बृजेश सुरेशभाई शाह, उप मुख्य वार्डन, गुजरात
679. श्री मेहुल बलवंतभाई सोरठिया, उप मुख्य वार्डन, गुजरात
680. श्री जय कुमार, वरिष्ठ प्लाटून कमांडर, हिमाचल प्रदेश
681. श्री विजयकुमार एन, कंपनी कमांडर, कर्नाटक
682. श्री रेवनप्पा बी, प्लाटून कमांडर, कर्नाटक
683. डॉ. सतीश यल्लांसा इराकल, स्टाफ अधिकारी, कर्नाटक
684. डॉ. मुरली मोहन चूनथारू, कमांडेंट, कर्नाटक
685. श्री मोहन लाल शर्मा, सैनिक (स्वयंसेवक), मध्य प्रदेश
686. श्री श्याम सिंह राजपूत, सैनिक (स्वयंसेवक), मध्य प्रदेश
687. श्री राम चार्ल्स लामारे, हवलदार, मेघालय
688. श्री प्रफुल्ल बासुमत्रि, हवलदार, मेघालय
689. श्रीमती सुलोचना साहू, प्लाटून कमांडर, ओडिशा
690. श्री झागु बरुआ, सिविल डिफ़ैन्स स्वयंसेवक, ओडिशा
691. श्री मूर्ति एम, कंपनी कमांडर, तमिलनाडु
692. श्री कलैयाझगन एस, प्लाटून कमांडर, तमिलनाडु
693. श्री ब्लादबिन अनबिया, एरिया कमांडर, तमिलनाडु
694. श्रीमती बंदोलु लक्ष्मी, वुमन होम गार्ड, तेलंगाना
695. श्री मेडिपल्ली मल्लेश, होम गार्ड, तेलंगाना

696. श्रीमती इटूरि कविता, महिला होमगार्ड, तेलंगाना
697. श्री नामाला गलय्या, होम गार्ड, तेलंगाना
698. श्रीमती ई. सुमलता, वुमन होम गार्ड, तेलंगाना
699. श्री नब कुमार सरकार, होम गार्ड, त्रिपुरा
700. श्री वेदपाल सिंह चपराना, जिला कमांडेंट, उत्तर प्रदेश
701. श्री कमलेश चन्द्र गौतम, वैयक्तिक सहायक, उत्तर प्रदेश
702. श्री विजय बिक्रम वर्मा, वैयक्तिक सहायक, उत्तर प्रदेश
703. श्री महेश प्रसाद, ब्लाक आर्गनाइजर, उत्तर प्रदेश
704. श्री शिव कुमार वर्मा, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, उत्तर प्रदेश -
705. श्री कृपाल सिंह, वरिष्ठ सहायक, उत्तर प्रदेश
706. श्री विवेक कुमार सिंह, संयुक्त महासमादेष्टा, उत्तर प्रदेश
707. श्री राज कुमार आजाद, वरिष्ठ स्टाफ अधिकारी, उत्तर प्रदेश
708. श्री पीयूष कान्त, मण्डलीय कमांडेंट, उत्तर प्रदेश
709. श्री संजय कुमार सिंह, मण्डलीय कमांडेंट, उत्तर प्रदेश
710. श्री मोहम्मद अरशद हुसैन, उर्दू अनुवाद/ सह प्रधान सहायक, उत्तर प्रदेश
711. श्री कमरुज्जमॉ अंसारी, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, उत्तराखंड
712. श्री विजय पाल, निरीक्षक, उत्तराखंड
713. श्री डी उदय कुमार, होमगार्ड, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
714. श्री छेरिंग दोरजे, उप मुख्य वार्डन, लद्दाख
715. श्री राजेश कुमार, हेड कांस्टेबल, जम्मू एवं कश्मीर
716. श्री हरवंश सिंह रघुवंशी, स्टेशन मास्टर, रेलवे बोर्ड, रेल मंत्रालय
717. श्री देवेन्द्र बालकृष्ण उइके, पीटी.सीडीआई, रेलवे बोर्ड, रेल मंत्रालय
718. श्री बलबीर चंद, डीसीडीआई/सीओएस मैकेनिकल, रेलवे बोर्ड, रेल मंत्रालय

सुधारात्मक सेवा

719. श्री झीमन राम टोप्पो, मुख्य प्रहरी, छत्तीसगढ़
720. श्री ज्ञानप्रकाश पैकरा, प्रहरी, छत्तीसगढ़
721. श्री नरेन्द्रन पि.एमं., डेप्यूट्टि सुप्रण्ट, केरल
722. श्री अप्पुक्कुट्टि वि., असिस्टन्ट सुप्रण्ट ग्रेड-I , केरल
723. श्री नितीन भालचंद्र वायचल, प्राचार्य, महाराष्ट्र
724. श्री शिवाजी पांडुरंग जाधव, तुरंगाधिकारी श्रेणी-I, महाराष्ट्र
725. श्री दिपक सुर्याजी सावंत, सूभेदार, महाराष्ट्र
726. श्री जनार्धन गोविंद वाघ, हवालदार, महाराष्ट्र
727. श्री रतिकांत शुक्ला, जेलर, ओडिशा
728. श्री दधिराम, उप महानिरीक्षक कारागार, उत्तराखंड
729. श्रीमती दिलशादा अख्तर, प्रभारी एसजी वार्डर, जम्मू एवं कश्मीर

2. सराहनीय सेवा के लिए पदक (एमएसएम), राष्ट्रपति सचिवालय के अधिसूचना संख्या 87-प्रेस/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 तथा गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता हैं |

एस एम समी
अवर सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 15th August 2024

No. 106—Pres/2024—The President of India is pleased to award President's Medal for Gallantry (PMG), Posthumously to the under mentioned personnel of Telangana Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Chaduvu Yadaiah	Head Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

In the case of "Robbery" that occurred on 25.07.2022. At about 1900 hrs, RC Puram received a petition from Smt. K. Kathyayini, a 72-year-old senior citizen, who reported that on 25.07.2022, while walking from the HIG office to her residence, two notorious individuals namely Ishan Niranjan Neelamnalli and Rahul, on a motorcycle snatched her gold chain. She bravely held onto part of the chain but suffered injuries in the process. The robbers managed to escape, taking a significant portion of her gold chain.

Shri Chaduvu Yadaiah, Head Constable quickly organized an operation to apprehend the robbery offenders. He was assisted by M. Ravi, PC and A. Dhebeash, PC. They meticulously collected evidence, including CCTV footage, and identified the culprits who were wearing distinctive clothing and using a motorcycle for their crimes. The information was promptly shared with other police stations.

On 26.07.2022, Sri M. Krishna, PC, noticed the criminals' movement at Bollaram X road. Shri Chaduvu Yadaiah, Head Constable and his team rushed to the location and attempted to apprehend the suspects. In the process, the offenders viciously attacked Shri Chaduvu Yadaiah, Head Constable, with knife several times and received serious injuries in his chest, back side of the body, left hands and stomach. However, the police team displayed remarkable courage and managed to capture both accused individuals.

Shri Chaduvu Yadaiah, Head Constable was hospitalized for 17 days due to the severity of his injuries. Prior to this incident, the robbers had terrorized Ashok Nagar Police Station in Gulbarga District, Karnataka. They extorted valuables from the public, resulting in numerous cases against them. These criminals had a history of violence and had even threatened a watchman with an iron rod.

The police officers' determination, despite the challenging terrain and repeated attacks, led to the arrest of the dangerous robbery offenders, including Ishan Niranjan Neelamnalli and Rahul. Subsequent investigations revealed their involvement in multiple crimes, and the recovery of stolen property, including gold ornaments, weapons, and mobile phones, attests to the extent of their criminal activities.

In this operation, Shri Chaduvu Yadaiah, Head Constable of Telangana Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The President's Medal for Gallantry (PMG) is conferred under President's Secretariat Notification No. 84-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 26.07.2022.

(File No.-11020/34/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 107—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Andhra Pradesh Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Sheik Sardar Ghani	Inspector	GM
2.	Savvana Arun Kumar	Sub-Inspector	GM
3.	Mailapalli Venkata Rama Paradesi Naidu	Reserve Sub-Inspector	GM
4.	Rajana Gowri Shankar	Head Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 20.02.2023, it was received precise information from various sources about the movement of Maoists/Militia including top cadre Uday (CCM), Acuna, Suresh, Tech. Shankar, Jagan (SZCMs) of AOBSZC in forest area between Valsagedda and Valasapalli villages (Galikonda-Gurthedu area) under Sileru PS limits, Alluri Sitharama Raju District and that they are re-organizing their activities to resort attacks on SFs and to eliminate Political leaders and their targets in the area. Accordingly, Insp Sheik Sardar Ghani, SI Savvana Arun Kumar, RSI Mailapalli Venkata Rama Paradesi Naidu and HC Rajana Gowri Shankar along with District Special Party (CAP-15) rushed to the said forest area to apprehend the Maoist top cadre.

On 21-02-2023 at about 05.30 AM, Insp Sheik Sardar Ghani, SI Savvana Arun Kumar, RSI Mailapalli Venkata Rama Paradesi Naidu and HC Rajana Gowri Shankar who are Special Action Team of Special Intelligence Branch (Int.), observed suspicious movement of Maoists in the forest area between Valasagedda and Valasapalli villages of G. K. Vecdhi Mandal, ASR District and tactically approached the said shelter of Maoists. Meanwhile, the sentries of Maoist Party observed them Approaching and indiscriminately opened fire on the Insp Sheik Sardar Ghani, SI Savvana Arun Kumar, RSI Mailapalli Venkata Rama Paradesi Naidu and HC Rajana Gowri Shankar. District Special Party, though, they came under heavy and incessant fire, still advanced without caring for their life and approached the shelter of Maoist top cadre. The exchange of fire went for about 45 minutes and later it came to light that by opening fire, Maoists took cover of forest, hilly terrain and escaped from the EoF place through a nala.

During through search of the area, the team of Insp Sheik Sardar Ghani, SI Savvana Arun Kumar, RSI Mailapalli Venkata Rama Paradesi Naidu and HC Rajana Gowri Shankar observed one Maoist in bushes who indiscriminately opened fire on the Special Action Team. Even though the said Maoist opened fire on them, they showed exceptional courage and apprehended armed hardcore Maoist leader who was identified as Jaiumuri Srinu Babu @ Sunil @ Rainu (DCM & Secy, of Gumma/Cut-Off AC). One Carbine gun with 3 live rounds in its magazine. 5 kgs lED/landmine. Maoist Party literature, were seized from his possession. With regard to the operation and apprehension of hardcore Maoist leader, a case in Cr. No. 06/2023 U/s 307, 120(B), 121,121 (A), 147 r/w 149 IPC. Sec 4&5 E.S Act, Sec. 16.17.18,20,21,23 UAP Act. Sec 25,27. Arms Act was registered at Sileru PS of Alluri Sitharama Raju District, AP.

The exceptional, courageous gallant act of Insp Sheik Sardar Ghani, SI Savvana Arun Kumar, RSI Mailapalli Venkata Rama Paradesi Naidu and HC Rajana Gowri Shankar coupled with the presence of mind and determination yielded the apprehension of an important hardcore leader of CPI (Maoist). If this operation was not launched and had he not been arrested in time, Maoist Party would have converted Galikonda area as a disturbed zone by resorting to violent activities like attacking security forces, kidnaping, killing VIPs/local political leaders. Due to this valuable result in the operation, major crimes were prevented in the area and Maoist party received a great setback in Galikonda area of AOBSZC.

In this operation, S/Shri Sheik Sardar Ghani, Inspector, Savvana Arun Kumar, Sub-Inspector, Mailapalli Venkata Rama Paradesi Naidu, Reserve Sub-Inspector and Rajana Gowri Shankar, Head Constable of Andhra Pradesh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 20.02.2023.

(File No.-11020/213/2023 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 108—Pres/2024- The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) and Medal for Gallantry, Posthumously to the under mentioned personnel of Bihar Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Late Aashish Kumar Singh	Sub-Inspector	GM (Posthumous)
2.	Durgesh Kumar Yadav	Constable	GM
3.	Rohit Kumar Ranjan	Constable	GM
4.	Akshay Kumar	Constable	GM

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
5.	Bijendra Kumar	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

Based upon information received from reliable source about the dreaded criminal Dinesh Muni and his gang members, the police party under leadership of Sub-Inspector Ashish Kumar Singh SHO Pasaraha, District Khagariya left for Dudhela Diyara bordering Naugachia and Khagariya district in the intervening night of 12/13-10-2018. Sub-Inspector Ashish Kumar Singh and his team walked for around 18 KM in the geographically difficult riverine area of Dudhela Diyara where no conveyance is possible. As the police team reached near the hut of one Ashok Mandal where the criminals were believed to be hiding, unannounced firing started by the criminals targeting the police team. Sub-Inspector Ashish Kumar Singh directed criminals to stop firing and surrender. The police party was absolutely in open space without any cover. Hence there was maximum risk to the police team while criminals were aggressively pouring devastating round of bullets. Showing exemplary courage, Police team started crawling and firing in self defence. Sub-Inspector Ashish Kumar Singh with constables Durgesh Kumar Yadav, Bijendra Kumar, Akshay Kumar and Rohit Kumar Ranjan were in fore-front. During this, brave Constable Durgesh Kumar Yadav got hit by a bullet. Showing impeccable leadership skill and courage Sub-Inspector Ashish Kumar Singh motivated his team and continued the firing. When the gun of criminals became silent then Sub-Inspector Ashish Kumar Singh and his team cautiously moved towards the entrance of hut. One criminal who was later identified Sharvan Yadav was found lying dead near the entrance of hut. As Sub-Inspector Ashish Kumar Singh entered inside the hut, he was shot by the criminal hiding inside. Sub-Inspector Ashish Kumar Singh attained martyrdom in route to hospital. Country made 02 Pistol, 01 Ammunition, Empty cartridges 17 and Misfire Ammunition - 04 were recovered.

In this operation, S/Shri Late Aashish Kumar Singh, Sub-Inspector, Durgesh Kumar Yadav, Constable, Rohit Kumar Ranjan, Constable, Akshay Kumar, Constable and Bijendra Kumar, Constable of Bihar Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 13.10.2018.

(File No.-11020/85/2023 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 109—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Chhattisgarh Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Shishupal Sinha	Inspector	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

Continuous intelligence was being received from informers and various sources that on 18.06.2021 in a Naxalite encounter in Chandameta, a woman Maoist was killed and many Maoists were injured while continuously hiding from the police party and changing their locations in different places. On the evening of 30.06.2021, information was coming about the presence of Maoists Sanju, Mangatu, Laxman, Mahesh, Munni, Dasari, Mahesh, Sukhram, Budhra, Joga and others of banned Maoist organization Kanger Valley Area Committee and Katekalyan Area Committee around 08-10 armed Maoists in uniform and rural costumes in Elengnar forest. On the anticipation of more time would be taken to send police party from the district headquarter to PS Darbha and possibility of Naxalites escaping, immediate action was taken by requesting to send a separate police force and under the guidance of senior officers, a team of 08 persons from PS Darbha including Inspector Shishupal Sinha with adequate arms ammunition, manpack set left for Naxal gasht searching patrolling towards village Nayapara, Banjarin para, Kotwapadar. At around 19:30 Hrs, the whole party was proceeding through jungle hill road searching Nayapara - Kotvapadar that seeing the party coming, the Naxalites, who had already laid an ambush under the cover of thick bushes, started firing indiscriminately at the police party with the intention of killing the police party and looting weapons. On which,

Inspector Shishupal Sinha taking prompt action, directed his fellow personnel to retaliate by taking an immediate front through the wireless set, the police party repeatedly asked the Naxalites not to fire and surrender, but the Naxalite ignoring the warning & continued to fire on the police party. On which there was no other option for the safety of life and property, the police party retaliated on the Naxalites for self-protection. Inspector Shishupal Sinha showing skillful leadership, risking his life with indomitable courage and bravery; moved forward in the midst of Naxalite firing without caring for his life and fired from the front with the soldiers of his party. He courageously stayed and responded to the firing of the Naxalites by firing. Seeing the increasing pressure and cordoning of the police, the Naxalites started running away under the cover of the dense forest while firing with their automatic weapons. The police party chased the Naxalites for a long distance, however, the Naxalites jumped into the drain and managed to escape under the guise of a jungle mountain. Indiscriminate firing between the police and the Naxalites continued for about half an hour, the Naxalites were bravely fought by the police party. Due to a smaller number of team members in police party, Inspector Shishupal Sinha immediately informed the Senior Superintendent of Police about the incident through proper channel, and demanded additional police force to cordon the escape routes of the Naxalites, on which immediately other police personnel reached. After firing, the encounter site was cordoned from all sides, the DRG 01 in-charge Sub Inspector Bhuneshwar Sahu's team which came from the district headquarters towards the way from Elangnar to Urukpal, DRG 02 in-charge Inspector Balram Usendi's team from Kandanar to Elangnar and CRPF 227 E Company camp Jeeramgaon CC Sandeep Bisht directed the team to cordon off from Jeeram village towards Kotvapadar. Due to night, Inspector Shishupal Sinha took DRG 04 in-charge Sub-Inspector ESomraj Thakur's team along with him and carefully cordoned off the incident site from all sides. The site was carefully cordoned off from all sides following the security instructions. On a thorough search of the site in the morning, the dead body of one Naxalite male alongwith 01 No. 303 Rifle with One round stuck in its chamber, 01 No. Walkie-talkie around his neck, 01 brindle coloured bag in the back, 01 no. water bottle with pouch, 01 no. umbrella, 03 pair slippers, 01 pair green coloured Naxalite uniform, Red color Codex wire about 20 meters, 01 no. country made katta with 04 live rounds of 303 rifle in its pocket, detonators 81 Nos, Battery charger, 04 no. 303 live rounds inside a compass, blue coloured safety fuse of length about 07-07 meters, Naxalite literature, book, pamphlet and handwritten letter, pocket diary, 3500 rupees and some photographs, plate, shawl, medicine, daily-use material was recovered.

Inspector Shishupal Sinha, who led the operation teams in this entire police Naxalite encounter, patiently worked in the form of excellent coordination and teamwork with the jawans of our police party and showed efficient leadership in adverse circumstances.

In this operation, Shri Shishupal Sinha, Inspector of Chhattisgarh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 30.06.2021.

(File No.-11020/21/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 110—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Chhattisgarh Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Nirmal Jangde	Sub-Inspector	GM
2.	Amaiya Chilmul	Head Constable	GM
3.	Fulla Gopal	Head Constable	GM
4.	Tularam Kuhrami	Head Constable	GM
5.	Gopal Boddu	Constable	GM
6.	Hemant Andrik	Constable	GM
7.	Moti Lal Rathore	Constable	GM
8.	Govind Sodi	Constable	GM

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
9.	Sukaru Ram	Constable	GM
10.	Munna Kadti	Constable	GM
11.	Krishna Gali	Constable	GM
12.	Bheema	Constable	GM
13.	Dhaniram Korsa	Constable	GM
14.	Krishna Tati	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 25.11.2022, based on a highly reliable and actionable intelligence generated by SP Bijapur about the likely presence of 50-60 (approx) armed Maoists in the jungle hilly area of Kamkanar, Hakw/a, Pomra, Haloor under PS Mirtur, Bijapur, Chhattisgarh; a joint Ops was launched by DEF(DRG) STF and CRPF for searching and destroying the plan/operation of Maoists at 22:15 hrs under Command of Shri Subodh Kumar and Gambhir Singh Negi, 2IC, CRPF, & DRG Sub Inspector Nirmal Jangde and Sub Inspector Dharam Singh Tulavi. Strikes were moving towards their target as per route plan and maintained proper surprise and secrecy during movement.

DRG Sub Inspector Nirmal Jangde divided their party into two parts. Party No.01 Commanded by Sub Inspector Nirmal Jangde and Party No.02 Commanded by Sub Inspector Dharam Singh Tulavi were moving tactically towards village Kamkanar-Hakwa. On 26.11.2022, Party No.01 Commanded by Sub Inspector Nirmal Jangde was moving in the mountain forest of village Pomra from the left side and Party No.02 Commanded by Sub Inspector Dharam Singh Tulavi from the right side of the hill while searching in "Standard line" formation at around 07:10 hrs, armed Maoists laid down ambush on Party No.01 and Firing indiscriminately. Party Commander Sub Inspector Nirmal Jangde, HC Fulla Gopal, Ct Hemant Andrik, Ct Gopal Boddu, Ct Moti Lal Rathore, Ct Govind Sodi, Ct Dhaniram Korsa and other men fired on the Maoists while taking a self- defense tactical position, but when the Maoists did not stop firing, Sub Inspector Nirmal Jangde immediately informed Party No.02 Commander Dharam Singh Tulavi through the Menpack set. Incharge of Party No.02 Sub Inspector Dharam Singh Tulavi, H C Amaiya Chilmul, H C Tularam Kuhrami, Ct Sukaru Ram, Ct Munna Kadti, CAF Ct Krishna Gali, Ct Bheema, Ct Krishna Tati & other men, without caring for their lives, fought against the Maoists with fire & move tactics from the right side. As the police parties regrouped and retaliated commensurately, the Maoists lying in ambush and firing indiscriminately fled the scene taking advantage of their familiarity with terrain and the cover of thick jungle. The encounter lasted for around 25-30 minutes and when firing subsided, troops searched the entire area and found two male & two female Naxals (1) Sukhram Madkami S/o Hadma, Age-29 year, Village-Gudsakal, PS Bhairamgarh, Distt-Bijapur (2) Maniram Oyam S/o Kumma, Age-30 year, Village-Bechapal, PS- Mirtur, Distt-Bijapur (3) Lalita @ Lali Oyam d/o Musra, Age-30 year, Village-Badepalli, PS-Bhairamgarh, Distt-Bijapur (C.G.) (4) Mangli Karam d/o Aitu Karam, Age-27 year, Village-Kiskal, PS-Bhairamgarh, Distt-Bijapur (C.G.) along with one USA 3m 1 Carbaine Rifle, 08 nos. live rounds with Magzine, one 303 Rifle, 05 nos. live rounds with Magzine, one 315 Bore Rifle, 04 nos. live rounds with Magzine, one Bharmar, 10 nos. USA 3m 1 Carbaine Rifle live rounds, 32 nos. 303 Rifle live rounds, 14 nos. 315 Bore Rifle live rounds, 01 bundle electric wire, Naxal Uniforms, Medicines, Literatures etc were recovered.

Sub Inspector Nirmal Jangde, HC Amaiya Chilmul, HC Fulla Gopal, HC Tularam Kuhrami, Ct Hemant Andrik, Ct Gopal Boddu, Ct Moti Lal Rathore, Ct Govind Sodi, Ct Sukaru Ram, Ct Munna Kadti, Ct Krishna Gali, Ct Bheema, Ct Dhaniram Korsa, Ct Krishna Tati have displayed an extreme courageous act, not only they retaliated the volley of fire coming from Naxals but motivated other men to retaliate fiercely and advance towards Naxal positions without caring for their life resulting which they were able to successfully counter ambushed hardcore Naxal. The bravery exhibited by Sub Inspector Nirmal Jangde, HC Amaiya Chilmul, HC Fulla Gopal, HC Tularam Kuhrami, Ct Hemant Andrik, Ct Gopal Boddu, Ct Moti Lal Rathore, Ct Govind Sodi, Ct Sukaru Ram, Ct Munna Kadti, Ct Krishna Gali, Ct Bheema, Ct Dhaniram Korsa and Ct Krishna Tati are extra ordinary and showed that they have great presence of mind, superb operational sense, extra ordinary courage, bravery and conspicuous gallant attitude. By the virtue of their excellent operational aptitude, they played a key role in leading successful counter ambush on Naxals which is very difficult to achieve in such circumstances & difficult terrain and successfully foiled the Naxal attack.

In this operation, S/Shri Nirmal Jangde, Sub-Inspector, Amaiya Chilmul, Head Constable, Fulla Gopal, Head Constable, Tularam Kuhrami, Head Constable, Gopal Boddu, Constable, Hemant Andrik ,Constable, Moti Lal Rathore, Constable, Govind Sodi, Constable, Sukaru Ram, Constable, Munna Kadti, Constable, Krishna Gali, Constable, Bheema,

Constable, Dhaniram Korsa, Constable and Krishna Tati, Constable of Chhattisgarh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 26.11.2022.

(File No.-11020/23/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 111—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Jagdish Singh	Sub-Inspector	GM
2.	Rameez Rashid Kambay	SgCT	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 05.01.2022 at 0200 hours, SSP Pulwama has developed a specific input regarding the presence of terrorists in village Chandgam Pulwama who were planning to carry out subversive action in the area. After developing/ discussing the input with subordinate Police Officers and other sister agencies, a joint cordon & search operation was launched by Police alongwith 55 RR and 182 Bn CRPF of the suspected area and started house to house searching. Thereafter, a Police party headed by Shri Tanweer Ahmad Dar, Addl. SP Pulwama under the close supervision of SSP Pulwama Shri Gh Jeelani Wani alongwith QRTs of 55 RR & 182 Bn CRPF rushed towards Village Chandgam and cordoned off the target area plugged off lanes, by-lanes and escaping routes. After laying the cordon, a dedicated Police party including SI Jagdish Singh, Sgct. Rameez Rashid Kambay and QRTs of 55 RR & 182 Bn CRPF was constituted and deputed for conducting searches for the terrorists under the close supervision/control of Addl. SP Tanweer Ahmad Dar. Another dedicated joint party of 55 RR, 182 Bn. CRPF and Police Pulwama under the command of SSP Pulwama remained deployed in the inner cordon to provide covering support to the initial search party. As soon as the search party was about to enter in the suspected house, the terrorists hiding there; hurled hand grenades followed by heavy indiscriminate firing in which the search party had a narrow escape. But the search party showed maximum restraint and in order to avoid any collateral damage; withheld the retaliated fire power. Upon this, SSP Pulwama asked the initial search party headed by Addl. SP Pulwama Tanweer Ahmad Dar to come out of danger on spot swiftly and take positions in Nalla/Orchard area and briefed the other parties to remain extra alert strong. In order to avoid civilian casualties, SSP Pulwama directed for immediate evacuation of civilians trapped in the cordoned area to safer places. Once all the civilians were evacuated, Addl. SP Tanweer Ahmad Dar on the directions of Operational Commander asked the besieged terrorists to lay down their arms before the forces but they denied and continued indiscriminate firing upon the troops and came out from the target and tried to escape from the Nallah / Orchard side but deployment of a joint party under the Command of Addl. SP Pulwama Shri Tanweer Ahmad Dar immediately took cover and retaliated the terrorist fire with great courage and dedication from the front without caring for their precious lives and gunned down two heavily armed terrorists of JeM outfit near the Nallah. Upon this, the third terrorist turned back and tried to sneak into inhabited area however, the alert joint SF/Police party positioned immediately and came into action, fought bravely without caring for their lives and gunned down the said terrorist too and thus foiled the escaping bid. During the pro-long gunfight which continued for whole night and concluded in the next day morning, three (03) dreaded terrorists were neutralized who were later on identified as Talha Yasir R/o Pakistan, Abu Saifullah R/o Pakistan and Mir Owais S/o Mohd Amin Mir R/o Ashminder Pulwama. The killing of these hardcore terrorists of JeM on one hand is a great achievement for Police/security forces and relief for general public and on the other hand is a great setback to proscribed JeM outfit.

Good quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists, details of which are enclosed. Case FIR 03/2022 U/S 307 IPC 7/27 I.A.Act, 16 & 20 ULA(P) Act stands registered in P/S Pulwama.

In this operation, S/Shri Jagdish Singh, Sub-Inspector and Rameez Rashid Kambay, SgCT of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 05.01.2022.

(File No.-11020/23/2023 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 112—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Altaf Ahmad Shah	Assistant Sub-Inspector	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 12.12.2021, Police Awantipora generated a specific input regarding the presence of terrorist of JeM proscribed terrorist outfit in village Baragam Awantipora. The input was further developed, analyzed and get corroborated. It was immediately shared with Army CO 42 RR and CO 130 Bn CRPF. After thorough deliberation and meticulously chalking out an actionable plan by keeping in view all possible hostilities, it was decided that a composite party of Police Component Awantipora, Army Coy 42 RR and CRPF 130 Bn will move to the target area and conduct search so as to maintain surprise.

As per the devised plan, the Police Component Awantipora led by DySP Javid Ahmad PC Awantipora alongwith ASI Altaf Ahmad Shah and others with parties of Army 42 RR and CRPF 130 Bn approached the suspected area through orchards in village Baragam Awantipora and cordoned off the whole suspected area at about 0400 am. Since it was darkness all around and as such the search was halted till first day of light. When it was broad day light, the process of search was started. Since conducting the operation in broad day light was full of challenges that too when the presence of the local terrorist belonging to same village and there was every apprehension of breakdown of law & order problem. The strategy was revisited and the whole deployment was divided into three segments. One part of the deployment was exclusively given the task of law & order management in surrounding area and remaining two were tasked for laying outer and inner cordon. All the possible escape routes were plugged off tactically to negate escape of terrorist by breaking cordon. In order to avert break down of law & order problem, sufficient deployment of CRPF and Police components were made strategically at the points in the surroundings of the target area so as to sterile it from any kind of extrinsic interference. This deployment was tasked to deal with only any law & order problem. After this, the civilians from the houses in the target area were evacuated to the safer places by the composite search parties (Army+Police+CRPF) and this was very sensitive stage of the operation, as there was every apprehension that the hiding terrorist may open fire upon the civilians & search/cordon parties. By exhibiting professionalism by the search/cordon party, the civilians were evacuated from the cordoned area and shifted to safer places by joint team of Police/Army/CRPF. The Police team was led by ASI Altaf Ahmad Shah.

After successful lying of cordon & evacuating the civilians, the next step was to detect the exact location of the hidden terrorist and neutralize him. The composite search parties led by ASI Altaf Ahmad Shah along with counterparts of Army & CRPF, commenced search of surrounding houses assisted by continuous aerial surveillance by quad copters. In the meantime during the process of search of the houses, the activity of the said terrorist was witnessed on the 'Monitor' of the quad copter hidden in between some shrubs/trees behind one cowshed of the target area. It was also witnessed that the hiding terrorist was carrying hand grenades and a pistol in his hand. Immediately the cordon/search parties were alerted via wireless communication. After that hiding terrorist was asked through 'PA' system to lay his arms/ammunition and surrender, which he totally ignored.

On sensing the movement of forces by the said terrorist, he immediately rushed towards the composite cordon/assault party (Army+Police+CRPF) and opened indiscriminate fire upon the cordon/assault party and also lobbed two hand grenades one after the another upon them with the intention to inflict damage to composite cordon/assault party (Army+Police+CRPF) but the cordon/assault party led by from the front by ASI Altaf Ahmad Shah had a narrow escape. After indiscriminate fire and lobbing of the hand grenades towards the composite cordon/assault party, the terrorist rushed towards the nearby orchards and tried to break the cordon and get escaped. But the ever-resolute composite parties of Army, Police and CRPF, in a synchronized manner, effectively retaliated the assault by terrorist, letting no scope for him to escape. By exhibiting great synergy, the composite assault party comprising of ASI Altaf Ahmad Shah along with ASI Surjeet Singh, Foil King Paul, SPO Bilal Ahmad

and SPO Randep Kumar repositioned themselves in the tactically viable position and initiated close gun battle & eliminated the said terrorist in the nearby orchard. The slain terrorist was later on identified as Sameer Ahmad Tantray S/o Gh. Mohammad Tantray *R/o* Baragam Awantipora, affiliated with proscribed terrorist outfit JeM. Huge quantity of arms/ ammunition was recovered from the possession of slain terrorist. Case FIR No. 201/2021 U/S 307 IPC, 7/27 I.A. Act, 3/5 Exp.Subs. Act stands registered in P/S Awantipora.

The slain terrorist was battle harden and earlier strong OGW of local as well foreign terrorists. He was arrested by Police Awantipora on 18.09.2020 in case FIR No. 127/2020 U/S 13 UA(P) Act PS Awantipora and was later on released on bail by the Hon'ble Court. He was involved in motivating youth to join terrorism and take arms/ammunition against the country/UT J&K and destabilize the system by means of terror acts. He was planning to carry out a Fidayeen attack on security forces on 07.12.2021 at Pampore near Kandizal Bridge but due to alertness of troops, he aborted his plan and on sensing the movement of Police/security forces, fled away from the spot amid the civilians. The killing of the said terrorist set a dent on JeM outfit in PD Awantipora by putting on end to unabated atrocities on civilians and recruitment of innocent youngsters by the hands of the said terrorist. During the entire operation, the terrorist tried his best to cause damage to the forces by resorting to indiscriminate firing/lobbying grenades in which Police Party and ASI Altaf Ahmad Shah in particular had a very narrow escape. However, ASI Altaf Ahmad Shah without losing his concentration and in good application of mind fought bravely which led to neutralization of the said terrorist.

In this operation, Shri Altaf Ahmad Shah, Assistant Sub-Inspector of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 12.12.2021.

(File No.-11020/26/2023 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 113—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shabir Ahmad Khan	Deputy Superintendent of Police	GM
2.	Tanveer Jahangir	Inspector	GM
3.	Naiz Ahmed	SgCT	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 30.06.2021, Police Kulgam received specrfic information regarding the presence of terrorists in village Chimmer. Police Kulgam, 09 RR and 18 BN CRPF cordoned off the said village and started door to door search. The teams were constituted and headed by DySP Shabir Ahmad Khan, SDPO DH Pora, DySP Tahir Amin DAR DPL Kulgam and Inspr. Tanveer Jahangir, SHO DH Pora alongwith SgCt. Naiz. The initial parties led by DySP Shabir Ahmad Khan and Inspr. Tanveer Jahangir alongwith respective QRTs and counterparts of 09 RR and CRPF 18th Bn cordoned the area and plugged off all possible escape routes. On laying initial cordon and confirming the fact that militants are hiding in the residential house of Bashir Ahmad Naik S/O Mohammad Ramzan Naik R/O Chimmer, the cordon was further strengthened in the said village and search operation started. The target house was zeroed in and terrorists were given opportunity to surrender on which they refused. DySP Shabir Ahmad Khan, Inspr.Tanveer Jahangir and Sgct Naiz Ahmed participated actively in evacuation of civilians while putting their lives at risk. All the civilians were shifted to safer places and operational party was now in a position to concentrate on the operation. After evacuation of civilians, the trio joined the operational party of RR, CRPF and Police. Search of the target house was started and terrorists started indiscriminate firing upon operational party. A fierce fire fight began which continued for a long time. During the course of operation, 02 personnel Sepoy Dalvinder Singh and Rifleman Lokendra Singh Jhala of 09 RR received bullet injuries. In this regard a case FIR 77/2021 U/S 307 IPC, 7/27 Arms Act, 16,18,19,20 ULA(P) Act of P/S D.H Pora stands registered. Inspr. Tanveer Jahangir with his buddy SgCt. Sajad Ahmad Bhat,

SgCt Naiz Ahmed went beyond the call of duty and evacuated both the injured Jawans from encounter site under the supervision of DySP Shabir Ahmad Khan.

The police party showed endurance / forbearance and did not lose an inch on the ground. The coherence between teams and earlier strategic planning worked effectively, however, intermittent firing was going on. On the other hand, operational party headed by Addl SP Kulgam Zulfqar Ahmed was ordered to charge and they went beyond the call of duty and entered target area from different sides without caring their personal lives and eliminated one dreaded terrorist with brief firing. Other associates of the killed terrorist were carrying heavy weapons tried to harm the police personnel who were in line of fire. But due to alertness and effective command, the operational party positioned themselves at appropriate places and showed guts and wisdom. However, terrorists hurled a grenade towards operational party which remained unexploded on ground. In the meantime, Bomb Disposal Sqaud of DPL Kulgam was called to destroy the unexploded grenade in which SgCt Farooq Ahmed played a pivotal role in destroying the grenade amid firing. One of the terrorists, came out and fired indiscriminately towards security forces and Police party DYSP Shabir Ahmad Khan, Inspr. Tanveer Jahangir along with SgCt. Naiz Ahmed showed bravery and retaliated effectively and killed the terrorists on spot. Accordingly, security forces were able to eliminate2nd terrorist with precise firing. The firing was stopped for a while and the area was again searched. During the search operation, it was learnt that one terrorist was still alive and taken the shelter in nearby cowshed. The terrorist was challenged by police party and asked to surrender before security forces. Addl. SP Kulgam, DySP Shabir Ahmad Khan, Inspr. Tanveer Jahangir and their buddies advanced without caring for their personal lives and killed 3rd terrorist without any collateral damage. The coherence and role played by Police component especially DYSP Shabir Ahmad Khan, Inspr. Tanveer Jahangir and SgCt. Naiz Ahmed in elimination of 03 dreaded LeT terrorists category without caring for their safety and security of personal lives. The identity of three terrorists later on identified as Shahnawaz Bashir Lone S/O Bashir Ahmad Lone R/O Kilbal Shopian, Wasim Sheikh Bagow S/O Shafiq Bagow R/O Redwani Kulgam and Zakir Bashir Naik S/O Bashir Ahmad Naik T/O Chimmer D.H.Pora.

The elimination of these terrorists was a big jolt to the structural and functional units of banned terror outfits who wanted to vitiate peaceful atmosphere in the district. All the three terrorists were involved in many criminal cases. Their main aim and objective was to direct their respective OGWs to kill the people who are peace loving citizens. Due to outstanding efforts made by them, a huge terror threat was averted. Case FIR 77/2021 U/S 307 IPC, 7/27 Arms Act, 16,18,19,20,38 ULA(P) Act stands registered in Police Station DH Pora for further investigation. Arms/Ammunition was recovered from the possession of the killed terrorists.

In this operation, S/Shri Shabir Ahmad Khan, Deputy Superintendent of Police, Tanveer Jahangir, Inspector and Naiz Ahmed, SgCT of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 30.06.2021.

(File No.-11020/43/2023 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 114—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Anil Kumar	SgCT	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 11.11.2021 at 1900 hours, a specific input was generated in collaboration with District Police Kupwara regarding presence of a terrorist in somewhere of Bernina area of District Srinagar and it was also learnt that the terrorist is carrying 5 kg IED with the intention to plan out Pulwama like attack on Police/SFs in Kashmir Valley and especially within the Srinagar city axis of Pantha Chowk to Parimpora Highway. In order to get the positive location/proper identification of the terrorist, SSP Srinagar boarded the Command Vehicle alongwith other officers. Later on; on the directions of SSP Srinagar, 03 teams of District Police Srinagar/Police Component Srinagar, Police Party of District Kupwara and a covert team in civvies headed by Shri Iftikhar Talib, SP PC Srinagar were formed alongwith Valley QAT CRPF and adequate Nafri of Army (02-RR).

The teams so-constituted started intensified searches in the said area and also laid down a Naka near Bernina Bund. During the course, at about 2155 hours, the Naka party was attacked by terrorists with the criminal intention and fled away from the spot. But operational teams succeeded in zeroing the target and encircled the target and plugged off all lane and bye-lanes. During the course of cordon and search operation, the hiding terrorist sensed the presence of police/ security forces, opened indiscriminate fire and hurled grenade on police party in order to make safe passage.

SSP Srinagar constituted 02 small parties consisting of District Police Srinagar nafri including SgCt Anil Kumar alongwith Valley QAT CRPF, for laying down the outer cordon of the targeted location and covert team in civvies of PC Srinagar and adequate nafri of Army (02-RR) for laying the inner cordon of the targeted location and advance towards the target so as to neutralize the terrorist without any collateral damage. However, the hidden terrorist smelled the presence of advancing parties, he started indiscriminate firing in which the advancing party somehow managed to escape meticulously and positioned themselves in a safe manner besides retaliated the fire effectively without caring for their personal lives and neutralized the terrorist whose identity was ascertained as local terrorist namely Amir Reyaz Shah S/O Late Reyaz Ahmad Shah *RIO* Wahab Sahab Khrew Awantipora District Pulwama, C-Category of LeT (TRF) outfit, was active in South/Central Kashmir areas. Arms/ ammunition were also recovered from the place of encounter. Case FIR No. 343/2021 U/S 307 IPC, 7/27 A. Act stands registered in Police Station Parimpora.

In this operation, Shri Anil Kumar, SgCT of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 11.11.2021.

(File No.-11020/110/2023 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 115—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Mohinder Singh	Head Constable	GM
2.	Mumtaz Ahmad Sofi	Head Constable	GM
3.	Reyaz Ahmad Wagay	SgCT	GM
4.	Arundeep Singh	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 20.10.2021, based upon a specific intelligence input regarding the presence of terrorists in village Dragad-Cheerbagh, Zainapora-Shopian who are planning to carry out the terrorist activities. On this information, Police Shopian with the assistance of 44 RR and 178th BN CRPF carried out operation under the close supervision of SSP Shopian. During the search operation, it was ascertained that terrorists are hiding in the said area. Keeping in view the circumstantial perspective, a joint team of local Police/ 44 RR/CRPF 178 Bn. led by DySP Riaz Ahmad including HC Mohinder Singh, HC Mumtaz Ahmad Sofi & others was constituted to evacuate the civilian busy in farming in the fields adjacent to the target to the safer places to avert the collateral damage.

The team in few attempts under the cover fire provided by other team which was led by DySP Sheezan Bhat succeeded in complete evacuation of civilians. After evacuation, the target was further zeroed and terrorists hiding in the area were asked to surrender, but they fired indiscriminately upon the cordon parties in which DySP Mohd Ashrif and his team including SgCt. Reyaz Ahmad Wagay, Ct Arundeep Singh and others had a narrow escape. The advance operation team retaliated the fire effectively, which triggered a face-to-face fire-fight.

The joint team remained on forefront while fighting with the holed-up terrorists. Sensing noose around their neck, holed up terrorists came out from the hide showering bullets. However, the joint team led by Inspr. Ramesh Lal exhibited extra ordinary courage and bravery remained determinant and face to face gun battle inflicted heavy fire on the terrorists and gunned down 02 terrorists who were later on identified as Adil Hussain Wani (Category "B" of HM outfit) S/O Gh. Mohd Wani R/O Heff-Shirmal, Shopian and Shakir Ahmad Wani (Category "C" of LeToutfit) S/O Gh. Qadir Wani R/O Litter Pulwama. Arms/ammunition was also recovered from the possession of slain terrorists. A case FIR No. 129/2021 U/S 307 IPC, 7/27 I.A. Act, 16, 20 & 38 ULA(P) Act stands registered in P/S Zainapora.

The elimination of (02) hardcore terrorists of proscribed HM/LeT outfits is a great achievement for J&K Police and on the other hand a big jolt to the said terrorist outfit. It is assessed that with the elimination of these terrorists, a considerable improvement in overall situation is expected.

The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by HC Mohinder Singh, HC Mumtaz Ahmad Sofi, SgCt Reyaz Ahmad Wagay and Ct Arundeep Singh who fought with terrorists efficiently and intelligently without caring for their precious lives was remarkable as the endeavor to reach to the target in extremely hostile situation was truly Gallant. They showed courage and evacuated the civilian trapped in the cordoned area to safer places, thus evading civil causalities by presence of mind and good policing. Although the terrorists tried their best to cause damage to the forces by resorting to indiscriminate firing in which they had a very narrow escape. However, they without losing their concentration and in good application of mind; fought bravely and foiled their nefarious design.

In this operation, S/Shri Mohinder Singh, Head Constable, Mumtaz Ahmad Sofi, Head Constable, Reyaz Ahmad Wagay, SgCT and Arundeep Singh, Constable of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 20.10.2021.

(File No.-11020/111/2023 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 116—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Karan Kumar	Police Sub-Inspector	GM
2.	Mudasir Ahmad Mir	Head Constable	GM
3.	Zamir Ahmad Khan	SgCT	GM
4.	Mohd Ashraf Kumar	SgCT	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 13.05.2022, a credible input was generated from human/ technical sources by Bandipora police about the presence of terrorist in hilly area of Charyaar shrine Brar Bandipora. Acting on this information, police Bandipora rushed to the spot and in the meantime Sh. Udayabhaskar Billa, PS alongwith his escort personnel also reached at the spot. The area in general being dense forest with big stones and trees was providing a natural cover to the hiding terrorist. It was very difficult to eliminate the terrorists without any collateral damage. After a brief discussion with the army with regard to the topography of the area, process of cordon and search operation was started under the overall supervision of DIG NKR Baramulla.

As planned initial cordon parties headed by Shri Udayabhaskar Billa, IPS DIG NKR Baramulla, DySP Shafat Mohmmad Najar Hqrs Bandipora, PSI Karan Kumar, HC Mudasir Ahmad Mir, SgCt. Zamir Ahmad Khan and SgCt. Mohd Ashraf Kumar alongwith Army and CRPF components volunteered themselves to be part of search. While carrying search of the suspected area, they came under heavy fire from the terrorists who had taken shelter behind the big stones, but search team unharmed during the attack and a meticulous strategy was chalked out and location of the terrorist was marked/ identified.

Accordingly joint parties of army and police were placed at very close to the target site. As planned initial cordon parties headed by DIG NKR Baramulla, DySP Hqrs Bandipora, PSI Karan Kumar, HC Mudasir Ahmad Mir, SgCt. Zamir Ahmad Khan and SgCt. Mohd Ashraf Kumar made a very daring move and crawled through thorny bushes & jagged surfaces to the target site. After securing the cordon site, the announcements were made repeatedly through which terrorists was asked to surrender. But instead of surrender, they opened indiscriminate fire upon the joint parties. The joint parties retaliated with counter fire by taking due precaution to cause minimum collateral damage. There was continuous firing from terrorist side as they were well positioned and feeling themselves secured in the dense forest. However, police party did not allow the terrorists to execute their nefarious design.

On the directions of DIG NKR Baramulla, volley of fire was fired upon the terrorists. Terrorists fired continuously on assault party but the assault party did not give in and remained committed, and from close range gun battle between terrorists and assault party continued till elimination of 02 foreign terrorists, who were later on identified as Abu Ismail @ Faisal @ Skinder @ Zargam @ Mohsin R/o PaK as “A+” and Abu Hamza @ Ukasha @ Saad R/o PaK as "A+" terrorist of LeT outfit. Arms/ammunition also recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 16/2022 U/S 307 IPC, 7/27 I.A. Act stands registered in P/S Aragam. These terrorists were involved in numerous terror related cases and were also motivating the youth to join terrorist rank in order to leash the reign of terror in North Kashmir particularly in District Bandipora.

The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by PSI Karan Kumar, HC Mudasir Ahmad Mir, SgCt. Zamir Ahmad Khan and SgCt. Mohd Ashraf Kumar who fought with terrorists efficiently and intelligently put themselves in great risk was remarkable as they reach the target in extremely hostile situation was truly gallant. Although the terrorist tried their best to cause damage to the forces by resorting to indiscriminate firing in which the officers/ officials had a very narrow escape. However, they without losing their concentration and good application of mind fought bravely and foiled the nefarious designs, complete the mission in safe manner on the operation site without causing any collateral damage has remained the key feature of this operation.

In this operation, S/Shri Karan Kumar, Police Sub-Inspector, Mudasir Ahmad Mir, Head Constable, Zamir Ahmad Khan, SgCT and Mohd Ashraf Kumar, SgCT of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President’s Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs’ communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 13.05.2022.

(File No.-11020/123/2023 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 117—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Yougal Kumar	Senior Superintendent of Police	GM
2.	Sarfaraz Bashir Ganai	Deputy Superintendent of Police	GM
3.	Reyaz Ahmad Mir	Sub-Inspector	GM
4.	Safeer Lone	Constable	GM
5.	Shahnawaz Ahmad Deedad	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 19.06.2022 upon the disclosure of one arrested terrorist namely Showkat Ahmad Sheikh S/O Ab Ahad Sheikh *R/O* Sedow District Shopian (responsible for causing explosion in a vehicle boarded by Army Jawans, resulting in death and injuries), a specific input was generated regarding the presence of Pakistani terrorists hiding in a hideout inside the forests of Chandigam Lolab. The input was further developed and shared with 28 RR (Army). Led by SSP Kupwara, Police search teams accompanied by Army cordoned the area and started the search of the suspected area. At around 1400 hrs, the search parties noticed the movement of terrorists in the thick forests. The terrorists on seeing the police party & army fired upon the joint

forces with their automatic weapons to which the parties retaliated in a controlled and professional manner to ensure that the terrorists neither succeed in inflicting own causalities nor break the cordon. However, the arrested terrorist Showkat Ahmad Sheikh taking advantage of the thick forest cover, his knowledge of area and engagement of Police in retaliatory fire, gave a slip and joined his terrorist associates in their attack on Police and Army.

Sensing that the thick forest area can lead to collateral damage, SSP Kupwara Shri Yougal Kumar divided the police team into three parties to be led by the SSP Kupwara, DySP Sarfaraz Bashir Ganai and SI Reyaz Ahmad Mir respectively with the assistance of 28 RR. The other parties were tasked to lay extensive outer cordon to bridge all possible gaps.

The parties positioned themselves according to the plan as devised and slowly started zeroing in on the targeted area. As the party led by SSP Kupwara was approaching towards the suspected target, it came under heavy volume of fire of terrorists hiding behind the bushes in the forest. While holding the position, the column led by SSP Kupwara assisted by Ct. Shahnawaz Ahmad Deedad charged towards hiding terrorists and displaying raw courage, SSP Kupwara and Ct. Shahnawaz Ahmad Deedad neutralized one terrorist at very close range. Meanwhile, the other party led by SI Reyaz Ahmad Mir succeeded in locating another terrorist and the column led by SI Reyaz Ahmad Mir assisted by Ct. Safeer Lone without caring for their lives exhibiting utmost gallant act killed the second terrorist head on.

In the meantime, the weather started playing spoilsport and it started raining heavily impeding the further progress of the operation. Also, the evening darkness with fog made the things further cumbersome. Taking into account all the factors, SSP Kupwara ordered the teams to take safe positions till next morning without leaving any chance to the escaped terrorist namely Showket Ahmad Sheikh alongwith the other Pakistani terrorist to break the cordon in the thick dark night. Braving harsh weather conditions, the parties kept their true spirit of the service and kept waiting for the dawn to break.

During wee hours, the holed-up terrorists in an attempt to escape the cordon started throwing grenades and firing upon the search parties. At this stage, DySP Sarfaraz Bashir Ganai and his mate reached close enough to take on the firing terrorist. Leading his column from the front, DySP Sarfaraz Bashir Ganai and his mate with utmost bravery charged upon the terrorist from a close range and killed him on the spot. The parties further went close and displaying leadership qualities and high moral courage, the team led by SSP Kupwara and SI Reyaz Ahmad Mir neutralized the fourth terrorist. The slain terrorists of LeT outfit were identified as Bambar Khan, Al Bakash, Aftab Bhai all *R/O* Pak and Showkat Ahmad Sheikh S/O Ab Ahad Sheikh *R/O* Sedew Shopian (all A-category). Huge chache of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 45/2022 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 13, 16 & 18 ULA (P) Act stands registered in P/S Sogam.

In the entire operation SSP Yougal Kumar, DySP Sarfaraz Bashir Ganai, SI Reyaz Ahmad Mir, Ct. Safeer Lone and Ct. Shahnawaz Ahmad Deedad exhibited extreme professionalism coupled with raw courage and true spirit of service, who fought bravely without caring for their lives to reach to the target in extremely hostile conditions. Although the terrorists tried their best to cause damage to the forces by resorting to indiscriminate firing in which they had a very narrow escape, however without losing their concentration and unmindful of their safety, they fought bravely which led to neutralization of these 04 foreign/local dreaded terrorists.

In this operation, S/Shri Yougal Kumar, Senior Superintendent of Police, Sarfaraz Bashir Ganai, Deputy Superintendent of Police, Reyaz Ahmad Mir, Sub-Inspector, Safeer Lone, Constable and Shahnawaz Ahmad Deedad, Constable of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 19.06.2022.

(File No.-11020/128/2023 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 118—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM), 1st Bar to Medal for Gallantry and 2nd Bar to Medal for Gallantry to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Iftkhar Talib	Superintendent of Police	GM

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
2.	Sumit Kumar Sharma	Deputy Superintendent of Police	1st BAR TO GM
3.	Rohit Kumar	Deputy Superintendent of Police	1st BAR TO GM
4.	Kushab Kumar	Inspector	GM
5.	Amit Raina	Assistant Sub-Inspector	2nd BAR TO GM
6.	Faroz Ahmad Dar	Assistant Sub-Inspector	GM
7.	Parshatam Singh	SgCT	GM
8.	Kuldeep Singh	SgCT	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 30.12.2021 at around 2235 hours, a specific input was received from reliable sources regarding presence of a group of terrorists in the Gamander Mohalla locality of Pantha Chowk Srinagar who were learnt to had been involved in sensational terror attack on a Police bus at Zewan Pantha Chowk Srinagar in which 14 Police personnel got injured of whom 03 personnel later succumbed to their injuries and achieved martyrdom. It was also learnt that these terrorists were hatching a criminal conspiracy to attack Police/ SFs/ Convoy/ deployment on NHW as well as in Srinagar city. In order to get the positive location/ proper identification of the hidden terrorists, immediately police teams of District Srinagar/ Police Component Srinagar/ Valley QAT CRPF were constituted to identify the exact location to track down and neutralize the terrorists without any collateral damage. A special Naka was also established to check and block passage of these terrorists. Suddenly, on noticing presence of police/ forces and the Naka party in the area, the terrorists hurled grenades amid indiscriminate firing on the forces with the intention to kill the police/ forces with an aim to flee from the spot. This prompted the forces to launch a CASO in the area around the targeted location during which the hidden terrorists again opened indiscriminate fire and hurled grenades but the police parties retaliated the fire bravely without caring for their personal lives by taking all the precautions as per the SOPs.

Immediately, an operational plan was chalked out by SSP Srinagar Shri Rakesh Balwal IPS and SP Iftkhar Talib PC Srinagar. As per the plan, evacuation of the civilians from nearby houses was prioritized to avoid any collateral damage and a team comprising of SP Iftkhar Talib, DySP Sumit Kumar Sharma PC Srinagar, DySP Rohit Kumar PC Srinagar, Inspr Kushab Kumar, ASI Amit Raina, ASI Faroz Ahmad Dar, SgCt. Parshatam Singh, SgCt Kuldeep Singh and other police personnel alongwith adequate Nafri of Valley QAT CRPF was constituted to advance towards the target location in order to neutralize the hidden terrorists. Earlier, all the exit points of the locality and approaches to the target location were also plugged. In the first instance, the holed-up terrorists were asked to surrender which they denied and instead opened fire on the operational parties during which the advancing party had a miraculous escape. However, the fire was retaliated effectively and during the exchange of fire between the two sides, 02 terrorists were neutralized.

During the process, on the backside of the target location, a small team headed by SP Iftkhar Talib shifted the nearby civilians to next safer location. Since the backside of the target location was an open field without any cover wherefrom even the terrorists could have managed their escape, as the hidden terrorists noticed the movement of police party, lobbed grenades amid indiscriminate fire with the result bullet/ splinter injuries to some police personnel including ASI Faroz Ahmad Dar, HC Varinder Partap, SgCt Rajinder Kumar, SgCt Mushtaq Ahmad, SgCt. Kuldeep Singh and SgCt. Parshatam Singh of PC Srinagar was caused. However, the police party bravely and without caring for their personal lives retaliated the fire effectively and neutralized the hidden terrorist. During the process, the police party under the command of SP PC Srinagar exhibited bravery and kept on advancing, exposing them to heavy terrorist fire but gave befitted reply to terrorists and forced them to withdraw/ take back. The operation was meanwhile also joined by Army (50-RR) as well. Appreciating the grave danger to the advanced party, the SP PC Srinagar kept on advancing thus exposing himself to heavy terrorist fire and forced the terrorist to move back thereby displaying indomitable courage to hold onto their position and exemplary and exceptional gallant of highest order.

Later on, the dead bodies of 03 neutralized terrorists (02 FTs and 01 LT) were recovered from the scene of encounter whose identity was ascertained as Razaq Bhai *Rio* Pak, an "A+" category terrorist of JeM outfit, Abu Luqman R/o Pak, "A" category terrorist of JeM outfit and Suhail Ahmad Rather S/o Ghulam Mohammad R*/o* Ich Nambal Zaffran Colony, Pantha Chowk "C" category terrorist of JeM outfit. Arms/ammunition was also recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 132/2021 U/S 307 IPC, 120-B, 7/25 I.A. Act, 13 & 18 ULA(P) Act stands registered in P/S Pantha Chowk.

In the instant anti-terrorist operation, the role and the leadership exhibited by the of SP Iftkhar Talib, DySP Sumit Kumar Sharma PC Srinagar, DySP Rohit Kumar PC Srinagar, Inspr Kushab Kumar, ASI Amit Raina, ASI Faroz Ahmad Dar,

SgCt. Parshatam Singh and SgCt Kuldeep Singh remained exemplary. They also played an exceptional role in the coordination between the operational parties of Srinagar Police, CAPFs and Army from beginning till the culmination of the operation. They remained instrumental in the said operation by way of operational tactics viz; evacuation of nearby civilians in target location, chalking out of and implementation of the best possible operational plan, prioritizing the lives of civilians & operational parties and assault on terrorist without any collateral damage.

In this operation, S/Shri Iftkhar Talib, Superintendent of Police, Sumit Kumar Sharma, Deputy Superintendent of Police, Rohit Kumar, Deputy Superintendent of Police, Kushab Kumar, Inspector, Amit Raina, Assistant Sub-Inspector, Faroz Ahmad Dar, Assistant Sub-Inspector, Parshatam Singh, SgCT and Kuldeep Singh, SgCT of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 30.12.2021.

(File No.-11020/130/2023 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 119—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Hilal Ahmad Bhat	Head Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 20.06.2022 at about 2340 hours while acting upon a credible information about the presence of terrorists in Khushal Colony Tulibal, Sopore, who were planning to carryout attack on security forces to harm the Police/SFs, a joint cordon and search operation was launched in the area by Sopore Police in collaboration with 52 RR and 177 Bn. CRPF. Since the area of operation was densely populated from three sides and very close to Srinagar - Kupwara National Highway from the front. The operation was launched in midnight while terrorists can take advantage of darkness to escape from the hiding spot as such it was very difficult to neutralize the terrorist without any collateral damage. But the security forces adopted a well strategy and at first instance the people who were residing in nearby houses were evacuated of the area to the safer places and during the process of evacuation, the security forces exhibited highest degree of professionalism and resilience by putting their lives at great risk. Once the civilian evacuation process was completed, the cordon was more tightened by sealing all entry and exit points, search operation started and during search operation, few bullets were fired in air to get the response from the terrorist's side, but no response was heard initially.

Accordingly, as per planned strategy and after thorough consideration and consultation with the counterparts of Army and CRPF, two joint teams who volunteered themselves to move ahead towards the suspected spot for last and final assault were formulated. The first joint team of Police/Army/CRPF headed by DySP Abid Rashid Mir was constituted as an advance team, who will do their assignment under the backup/ covering firing of second joint party headed by Inspr. Zia-Ur- Rehman.

As both the teams started approaching in creeping formation towards the suspected spot and as long as the joint teams were about to reach nearer to the suspected house, the hiding terrorists stood and fired indiscriminately with their sophisticated weapons upon the security forces, but the joint teams especially HC Hilal Ahmad Bhat remained determinant and resilient just like a rock and retaliated the fire effectively face to face and in the ensuing gunfight; two terrorist identified as Zahid Ahmad Chopin S/o Gh Mohammad Chopan R/o Tangwani Shopian and Mohd Younis Gul S/o Ghulam Muhammad Bhat R/o Wahibugh Pulwama both belonging to LeT outfit got neutralized. While fighting with the slain terrorists, the joint teams put their lives at a great risk to uphold the security and sovereignty/ integrity of the country and it is because of their sheer bravery, resilience and professionalism, the operation was culminated with the elimination of two dreaded terrorists in a very difficult and uneven situation. Arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 58/2022 U/S 307 IPC, 7/25 I.A.Act, 18 & 20 ULA(P) Act stands registered in P/S Tarzoo for further investigation.

The slain terrorists were involved in a series of subversive activities and motivation of few other youths to join them in to terrorist ranks within the jurisdiction of Police District Sopore. As far as local recruitment in to terrorist ranks is considered

their neutralization was considered a sever jolt to the LeT outfit and big success for the security forces particularly Sopore Police.

The area of operation was densely populated covered by residential houses and very close to Srinagar- Kupwara National Highway, which has always remained a hotbed for the terrorists to attack security forces, it was a big challenge for the security forces to launch an anti-militancy operation in such a problematic area without any collateral damage, but it was conspicuous bravery, professionalism, quality leadership and matchless resilience exhibited by joint parties specially HC Hilal Ahmad Bhat that the operation was concluded with the elimination of two dreaded terrorists of LeT outfit without any collateral damage as such he put his life at a great risk in the instant operation to uphold the security/ sovereignty and integrity of the India.

In this operation, Shri Hilal Ahmad Bhat, Head Constable of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 20.06.2022.

(File No.-11020/131/2023 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 120—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Ajay Kumar	Assistant Sub-Inspector	GM
2.	Gulzar Ahmad Naik	SgCT	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 09.08.2022, Budgam Police received information about presence of terrorists in village Muqam Waterhail of District Budgam. Accordingly, an operation was meticulously planned with 62 RR and 79 Bn CRPF keeping in mind the ground requirements as the terrain was not very favorable. At about 2230 hrs, an operation was launched and vehicles parked were much ahead of actual cordon area to maintain surprise. Cordon was established around 00:00 hrs of intervening night of 09/10 August, 2022. During search, the joint search party led by SSP Tahir Saleem observed suspicious movement in the cordoned area and some of the suspects who were residing in the houses inside cordon area were put to on spot questioning. During sustained questioning of suspects, presence of 03 terrorists of proscribed outfit Lashkar-e-Toiba (LeT) including top commander Lateef Ahmad Rather @ Usman was confirmed. Due to difficult terrain with Nallah on one side and hillock on opposite side, movement of forces for realignment and supplement of cordon was very difficult. On 10-08- 2022 at about 0400 hrs, the joint search party moved towards target area and terrorists fired upon search party headed by SSP Tahir Saleem Khan with an intention to inflict injuries to the cordon and search parties and flee away by breaking the cordon by taking the advantage of darkness. The fire was effectively retaliated by the cordon/assault party; therefore, terrorists could not break the cordon and were pushed back into the cordoned area.

The cordoned area was further strengthened at about 04:30 hours by deploying police party headed by Addl. SP Budgam Gawhar Ahmad Khan alongwith ASI Ajay Kumar, SgCt. Gulzar Ahmad Naik and others.

All the civilians were evacuated from the adjoining houses around the target area to safer places by the joint search team led by SSP Tahir Saleem Khan without caring for any repercussions, exposing themselves to imminent threat. During search at about 10:00 hours in the morning, terrorists again fired upon the search party which was effectively retaliated. The hiding terrorist was given opportunity to lay down arms and surrender, instead, the terrorist fired upon search/ assault party which was effectively retaliated by accurate firing at the terrorist, thereby killing 01 terrorist instantaneously.

As the operation/ assault party proceeded ahead, movement of two more terrorists in the cordon/ target area was observed. Again, the announcement was made as opportunity to terrorists to lay down their arms/ammunition; however, the terrorists do not agree to surrender instead fired upon the assault party led by SSP Budgam alongwith ASI Ajay Kumar,

SgCt Gulzar Ahmad Naik and others moved forward in synchronized manner giving befitting reply to the firing of the terrorists. The gunfight continued for almost whole day. During the gunfight, finally an effective & professional drill with courage and valour was followed by the search party, who moved forward towards terrorists in synchronized assault mode effectively retaliated with accurate target firing upon hiding terrorists by Addl. SP Budgam Shri Gawhar Ahmad Khan, ASI Ajay Kumar and SgCt Gulzar Ahmad Naik, thereby killing the remaining 02 hiding terrorists instantaneously.

In the ensuing encounter which lasted for the whole day of August 10, 2022 till 19:00 hrs, dead bodies of 03 killed terrorists were retrieved in proper drill with due care and caution to rule out any damage to the forces due to possible explosive material which was still lying near dead bodies of killed terrorists. Arms/ ammunition were also recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 137/2022 U/S 307 IPC, 7/27 I.A. Act, 16, 20, 38 & 39 ULA(P) Act stands registered in P/S Khansahib. The killed terrorists were later on identified as dreaded LeT Commander Lateef Ahmad Rather S/O Habibullah Rather R/O Badipora Chadoora Budgam, Saqib Mushtaq Khan S/O Mushtaq Ahmad khan R/O Khanmoh Srinagar and Muzaffer Ahmad Chopan S/O Abdul Rahim Chopan R/O Khanmoh Srinagar.

The elimination of these terrorists is a major setback to the LeT outfit. The swift and gallant action displayed by the Police and SFs has averted a major/disastrous tragedy which could have been caused by the terrorists.

In this operation, S/Shri Ajay Kumar, Assistant Sub-Inspector and Gulzar Ahmad Naik, SgCT of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 09.08.2022.

(File No.-11020/132/2023 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 121—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jharkhand Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Sachidanand Singh	Assistant Sub-Inspector	GM
2.	Umesh Singh	Havildar	GM
3.	Subhash Das	Constable	GM
4.	Ravindra Toppo	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 07.03.2019, an intelligence input was received regarding the movement of T.S.P.C (Naxal Organization) sub zonal commander Jageshwar Ganjhu @ Jaggu, zonal commander Bhikhan ganjhu, Azad Ji @ Mukesh ganjhu and Prakash Mahto along with 12–15 armed squad members in the forest areas of Piparwar, Keredari and Tandwa Police stations under Chatra and Hazaribagh districts. The above information was passed to senior officers and under the instruction of Superintendent of Police (Chatra), a team was formed which comprised of ASI Sachidanand Singh, Havildar Umesh Singh, Constable Subhash Das, Constable Ravindra Toppo of Chatra Police and other members of CRPF and district police to carry out search operation in the above area. During search operation when the team reached Village-Tarva, an information was received regarding the presence of T.S.P.C members in forest area of Badhutavar Tola of Village Bundu under Keredari PS of Hazaribagh district. The search team advanced towards Badhutavar Tola. At around 12:15 pm, when the team reached Badhutavar Tola, the extremists squad carrying arms and backpacks was seen in a paddy field which was surrounded by thick forest. On seeing the Police party, the extremists opened fire suddenly over police personnel. In a show of highest level of courage and dedication to duty, a warning message was given to the extremists to surrender themselves with arms in a loud voice by police personnel. In spite of the warning, the extremists continued indiscriminate firing over the police personnel. In context of self defence the police personnel resorted to retaliatory firing. The extremists began to flee away taking advantage of forest. The police forces chased them for long distance in an attempt to catch them but they succeeded in escaping. During search operation, three dead bodies of extremists, many arms and ammunitions, cash amount of Rs.4920 and other daily use items were recovered. The deceased extremists were identified as T.S.P.C sub zonal commander Jageshwar Ganjhu @ Jaggu Ganjhu son of Tilak Ganjhu, Village-Koelang Patra, P.S-Badkagaon, District-Hazaribagh, Prakash Mahto son of Madhu Mahto, Village-Hosir Tola Nagruva, P.S-

Piparwar, District-Chatra and Chandar Ganjhu son of Jaleswar Ganjhu, Village-Siram, P.S-Boodmu, District-Ranchi. In this self- defence firing, around 350 rounds were fired on behalf of police in which ASI Sachidanand Singh fired 06 rounds from his service pistol, Havildar Umesh Singh fired 11 rounds from his service INSAS Rifle, Constable Subhash Das fired 16 rounds from his service INSAS Rifle and Constable Ravindra Toppo fired 15 rounds from his service INSAS Rifle.

In this operation, S/Shri Sachidanand Singh, Assistant Sub-Inspector, Umesh Singh, Havildar, Subhash Das, Constable and Ravindra Toppo, Constable of Jharkhand Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 07.03.2019.

(File No.-11020/104/2023 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 122—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jharkhand Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Deepak Kumar Pandey	Senior Deputy Superintendent of Police	GM
2.	Biswajeet Kumar Singh	Sub-Inspector	GM
3.	Gopal Ganjhu	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 28.12.22, the Superintendent of Police, Lohardaga received a secret information that the CPI Maoist RCM Ravindra ganjhu along with sub zonal commander Chandrbhan pahan, Lazim ansari ,Govind birijia, sheetal mochi, ranthu oraon, Neeraj, area commander khudi munda, Rajan asur and 10-12 other hardcore PLGA cadres are camping in korgo forest area of bagru PS with lethal weapons and planning to launch major maoist subversive incident against security forces as well as government development work. On receipt of information, without wasting time one special ops (ops-243) was planned under the joint field leadership of Shri Deepak Kumar Pandey, SR. DySP (ops) Lohardaga and Shri Santosh Kumar Pal, 2IC 158Bn CRPF on 28.12.22 at around 10pm including District Arm Police, SAT, and CRPF along with SI Biswajeet Kumar Singh, CT Gopal Ganjhu and others. A command post was also setup at CRPF battalion HQ under Superintendent of Police Lohardaga and commanding officer 158Bn CRPF for reinforcement and administration support during operation.

The ops party was thoroughly briefed by both field commanders and without loosing time, started moving toward Vill- Korgo at around 02.00hrs on 29.12.22. The Ops party moved partly in vehicles upto Vill Gomiyatoli and then on foot passing through dense forest and rough terrain, in the night, avoiding villages to maintain optimum secrecy of the OPS. The terrain was very difficult with inaccessible hills and dense forest. Using GPS and night vision, the team marched towards the target area in a belligerent way without caring for their lives and limbs. As the Maoist keep their cadres for vigil and watch, there was a persistent threat of any blind bullet and also of the IED blast. After covering almost 2 hrs on foot, the whole party reached nearby target area at around 0500 hrs in the morning. Just before reaching the target area, as per ops plan the whole team divided into three parts. Team 1 U/C Shri Deepak Kumar Pandey, SR. Dy SP(ops) Lohardaga with SI Biswajeet Kumar Singh and CT Gopal Ganjhu with a small group of SAT and CRPF, moved from right side of small hillocks where Mao Ravindra was camping with his team. Team 1 was the main striking team who had to negotiate the Mao group as per plan. The second team U/C Shri Santosh Kumar Pal, 2IC 158Bn CRPF and troops of CRPF moved from left side of hillocks. One cut - off team was placed near by main village road to avoid probable escape of Naxals U/C SI Gautam Kumar and SI Akhtar Ali. Team 1 U/C Shri Deepak Kumar Pandey, SR. DySP(ops) Lohardaga started moving toward the target with extreme secrecy. On the ground team leader Shri Deepak Kumar Pandey, SR. Dy SP(Ops) found one escape route there, he left one small team to check probable escape of Maoist. Shri Deepak Kumar Pandey, SR. DySP(ops) moved further towards target area with SI Biswajeet Kumar Singh, CT Gopal Ganjhu and others. As soon as the team 1 reached the targeted hillocks area at around 6.30 am in the morning, to find out the location of Naxalites, the Naxalites got inkling about arrival of police and started indiscriminate firing on team 1. In this sudden firing, Shri Deepak Kumar Pandey, SR. Dy SP(Ops) and SI Biswajeet Kumar Singh who were leading the party from front, escaped narrowly from bullet injury. In a fraction of second whole team took

position as per set drill. The Naxals were asking the troops to surrender as they were in advantageous position to repeal any kind of attack and assault. A person wearing a black uniform from the Naxals said that I am Ravindra Ganjhu, you police men will not be spared today. Mao RCM Ravindra Ganjhu was also guiding Mao Chandrabhan, lazim, Govind, Rajan, Sheetal, Neeraj, to keep on firing on police party and encircle the police party and directed them to kill and snatch the police weapons. Soon after there was heavy spray from automatic weapons targeting the entrapped police party. In the show of highest level of courage, perseverance, dedication to duty and without caring for lives and limbs Shri Deepak Kumar Pandey, SR. DySP(Ops) crawled and briefed team members and sensing the situation directed his team to take cover and dispersed his team tactically to avoid casualties and retaliate with controlled firing and also conveyed massage telephonically to SP lohardaga regarding encounter with Naxal dasta.

Meanwhile, SI Biswajeet Kumar Singh through PA system made several announcements to surrender. Volley of bullets continued from Maoist side. Shri Deepak Kumar Pandey, SR. DySP(Ops) and SI Biswajeet Kumar Singh, CT Gopla Ganjhu without caring for their lives and limbs started moving toward the direction of the fire giving cover fire to each other. Threat perception was of highest order and nobody knew what was going to happen in next moment because RCM Ravindra Ganjhu was most ferocious commander of Koyal Sankh zone. While the firing was going on some of the Naxalites, taking advantage of dense forest and bushes, were trying to come close to this party with some evil design. Shri Deepak Kumar Pandey, SR. DySP(ops) and SI Biswajeet Kumar Singh noticed the position of Naxal and opened fire on them. Seeing overwhelming move of police Naxals lost their ground and started running from the site taking advantage of forest, the Maoist were challenged to stop and surrender, but they kept on running in different directions. While running one Mao fell down near by one villagers house very close to encounter site probably due to gunshot injury with no movement. Shri Deepak Kumar Pandey, SR. DySP(Ops) ordered to chase fleeing Naxals in coordination with team 2. when one Maoist came within touching distance team l and team2 U/C Shri Deepak Kumar Pandey, SR. DySP(Ops) and Sh Santosh Kumar Pal, 2IC 158Bn CRPF respectively, pounced on running Maoist and captured him. He was sub zonal commander Govind Birijiya having 5 lakhs reward on him declared by Jharkhand government. The intermittent firing continued for half an hour. While escaping exchange of fire also took place between CRPF party of team 2 and Naxals. The Ops party cordoned the whole area and a thorough search of encounter place was carried out. During the search, one hardcore Naxal SZC Chandrabhan pahan (a bounty of 5 lakhs also declared on him by Jharkhand government) found injured with bullet injury near villager's house. Immediately first aid was given and command post was informed for urgent evacuation of injured Naxal. Soon the medical team reached the encounter site and took the injured Naxal to sadar hospital for better treatment but he was died on the way to hospital. During search, one country made pistol, one katta with several live cartrides, empty fired cases, mobile phones, cash, flash lights, batteries and other daily use items were recovered from possession of injured and apprehended Naxal. During interrogation of apprehended Naxal Govind Birijiya revealed that a huge stockpile of IEDs have been buried near Guni jungle . On the basis of his confession same team along with BDDS reached the Guni forest and unearthened 200 deadly IEDs (2 kg each) with 200 mts of cordex wire. All items were destroyed in situ by BDDS team with proper safety precautions. This was not the end of operation rather Mao Govind Birijiya again disclosed that a huge stockpile of police looted arms and ammunitions were kept in the Korgo forest area. On this tipoff information, next day same team U/C SP Lohardaga and CO 158Bn CRPF Lohardaga reached Korgo forest and recovered 1 no SLR rifle, 1 no INSAS rifle,2 nos .303 rifle, 1 no Semi rifle, 588 live rounds of different calibers, 200 lEDs(2 kg each), 200 mts cordex wire and 13 Electric Detonator for which a separate case has been registered in Bargu PS.

The entire operation was executed in an exemplary manner which is an epitome in the annals of successful operations. This successful operation has elevated the morale of Police as well as CRPF and will continue to inspire the generation to come. The operation inflicted an unprecedented calamity on the morale and preparation of Naxals and opened the gate for full-fledged development of the hilly areas of Lohardaga district. The sound planning and excellent execution on the ground to write another saga of success.

In this operation, S/Shri Deepak Kumar Pandey, Senior Deputy Superintendent of Police, Biswajeet Kumar Singh, Sub-Inspector and Gopal Ganjhu, Constable of Jharkhand Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 29.12.2022.

(File No.-11020/06/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 123—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Madhya Pradesh Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Mohammad Ayyub Khan	Sub-Inspector	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

In connection with two different incidents of murder, Case No. 270/2020 under section 302 IPC & 25, 27 Arms Act, 1959 and Case No. 602/2020 under section 302 IPC & 25, 27 Arms Act, 1959 were registered at PS Industrial Area, Ratlam (M.P.). Both the cases were being investigated by a Special Investigation Team (SIT) constituted by the Supdt. of Police, Ratlam and out of both aforesaid cases the latter one is a triple murder case. In both the abovementioned cases, an interstate criminal namely Dileep Singh Deval S/o Bhav Singh Deval, R/o village Kharedi Dungri Phalya, district Dahod (Gujarat) was the accused and he was absconding, despite vigorous and all out efforts made by the SIT members for effecting his arrest. Said absconding accused Dileep Singh Deval was carrying a reward of Rs 20,000/- in connection with Case No. 270/2020, whereas a reward of Rs 30,000/- was separately declared on him in the matter of Case No. 602/2020.

Absconding accused Dileep Deval, who was a dreadful criminal, had already been convicted in a murder case occurred earlier in the Dahod town of Gujarat and he was sentenced with rigorous life imprisonment in the matter. Subsequently, taking advantage of the situation prevailing on account of Covid-19 pandemic, said Dileep Deval was released on parole, but he jumped the bail and was absconding since then.

On 03.12,2020, the SIT has received information from reliable source that the accused will go to the mid-town colony, where he was purported to be residing in a rental house, by a pedestrian walking through the rough road in front of the HP Petrol Pump located at Mhow - Neemuch Four lane highway in Ratlam district.

Subsequent to receipt of said information, the SIT team rushed immediately to ensure the arrest of the accused. The SIT was divided in three groups for the entire search operation. The first team i.e. Party No. 01, 02 and 03 had a group leader of Shri Mohammad Ayyub Khan, Sub Inspector, Shri Rewal Singh Barde, Inspector and Shri Kishor Patanwala, Inspector respectively.

A plan of action was immediately prepared and executed for effecting the arrest of the rewarded accused person. While conducting search operation, Shri Vipul Bhawsar, Constable alerted other team members when he saw a suspect person coming from the highway side. Upon throwing light beam of the torch on face of the suspect, he was immediately identified as the rewarded fugitive Dileep Deval. Instantly, he was warned and told to freeze by Shri Mohammad Ayyub Khan, SI. In response to the warning by the police, accused Dileep Deval responded by abusing the police team and threatened that in case if any attempt be made to catch him, he would kill them. Thereafter, said accused instantly opened fire from his weapon on Shri Mohammad Ayyub Khan, SI and his group members with the intention to kill them. They warded off the bullets and somehow managed to save their lives from this unexpected response to their warning.

Despite of attempt of killing on them, the police team again warned accused Dileep Deval. He was asked to put his weapon down and surrender. In order to ensure their own safety and safety of other team members, Shri Mohammad Ayyub Khan, SI and Shri Anurag Yadav, SI made two aerial fires but accused Dileep Deval did not surrender. Meanwhile, upon availing a right opportunity Shri Vipul Bhavsar, Constable ran towards the accused and grabbed his hand in which he was holding a gun. At the same time, Shri Balram Patidar, Constable also ran towards the accused and tried to bring the situation under control. Both the brave cops did not care a bit for their lives. In retaliation of the attempt made by both the police personnel, the accused pushed both of them aside and fired one more round on them. Fortunately, both the cops managed to ward off the bullet. At the same time, when Shri Anurag Yadav, SI saw struggle of both the constables he along with Shri Himmat Singh, Constable instantly attempted control the accused fearlessly. In order to avoid his arrest accused Dileep Deval fired another shot on Shri Anurag Yadav, SI but he immediately jumped away to avoid the line of fire and saved himself. However, in this attempt he was injured badly and suffered with a grade III ACL injury which led him to the permanent damage of his right knee. Thereafter, to escape from there Dileep Deval ran toward the open wheat fields, just then, Shri Mohammad Ayyub Khan, SI acted fearlessly and using his sheer cleverness and indomitable daring gripped the rogue from behind with his hands preventing the latter unable to move his hands to fire. But, somehow the accused managed to turn his wrist with the gun backwards and fired the bullet which touched Shri Ayyub's left ribs. With the jerk, he fell on the ground and took position to prevent the accused from firing again and in self-defense both the Sub Inspectors Shri Ayyub Khan and Shri Anurag Yadav fired one round each on the accused Dileep Deval and he instantly fell down. The whole incident took place in just less than 3 minutes. After a little while, Party No. 02 and 03 came close to the place of occurrence and surrounded the same. Team

members of Party No. 01 Sub Inspector Shri Mohammad Ayyub Khan, Sub Inspector Shri Anurag Yadav, Shri Himmat Gaur, Constable, Shri Vipul Bhawsar, Constable, and Shri Balram Patidar, Constable and accused Dileep Deval were badly injured in the The Sub Inspector Mohammad Ayyub Khan, in the capacity of the team leader of the Party No. 01, exhibited exemplary bravery, indomitable courage and dutifulness in said highly precarious incident of police encounter. Shri Khan, chose dutifulness over his life and played an exemplary role in overpowering and knocking down the notorious accused Dileep Deval, who was firing continuously.

Shri Mohammad Ayyub Khan displayed great courage, discipline, command and control over his team by keeping his nerves under difficult situation. This act of gallantry and professionalism resulted in the death of accused Dileep Deval in an encounter without any loss to the police force.

In this operation, Shri Mohammad Ayyub Khan, Sub-Inspector of Madhya Pradesh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 03.12.2020.

(File No.-11020/79/2023 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 124—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Madhya Pradesh Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Ashish Sharma	Sub-Inspector	GM
2.	Hanumant Tekam	Head Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 18th December 2022, Shri Ashish Sharma, SI had received credible intelligence input about the presence of Maoists near the forest areas adjoining village Harratola. It was revealed in these inputs, that Maoists were again planning to kill few villagers so as to terrorize them as had happened in village Jagla, Police station Malajkhand in the month of August 2022. The input was quickly verified by Shri Ashish Sharma, SI with the help of Head Constable Hanumant Tekam and was shared with SP Balaghat. After verification of the input, Special Operations Group (SOG) 5 was sent for an intensive search operation.

Shri Ashish Sharma, SI divided the force into two teams and briefed them on the intelligence input, terrain conditions, and tactical movement strategy and started the search operation in the forest surrounding village Harratola. At around 12:10 hrs when the teams were searching forest area adjoining village Harratola and were approaching the cross junction of the forest roads leading to village Kinarda, the police parties came under a sudden burst of deadly fire from the dreaded Maoists.

The firing ensued for almost an hour. Shri Ashish Sharma, SI had ordered the police parties to retaliate in a constrained manner. Even after repeated warnings the Maoists didn't surrender, Shri Ashish Sharma, with total disregard for his personal safety, decided to move out of his cover and crawl toward the incoming bullets covering the strategic ground between the Maoists and the forces where there was also a strong possibility of Improvised explosive devices (IEDs) being deployed. He was assisted by Head Constable Hanumant Tekam in this action. As soon as the Maoists sensed the two men advancing in their direction, they immediately started concentrating their firepower towards the advancing men.

Shri Ashish Sharma, SI and Head Constable Hanumant Tekam demonstrated exceptional battle-craft as they positioned themselves near the Maoist escape routes. Quick thinking on part of the officers had pushed the Maoists on the back foot and their cadres started to run away. At the same time, a Maoist who might have been injured by the retaliatory fire was seen hiding behind tree cover.

The two men tactically reached up to the Maoist and scanned the surroundings for any signs of an IED. Shri Ashish Sharma, SI ensured that their team had taken safe cover and then risked his own life while carefully sanitizing the area and removing the rifle away from the Maoist. He looked for any signs of life, but the Maoist was already dead.

The Maoist was again carefully checked for any signs of life but was found to be dead. Later, the dead Maoist was identified as Rupesh Hunga Dodi, Area Committee member (ACM), guard of SZCM Surendra aka Kabir, resident of Village Tekalguda, Tehsil Konta, District Sukma, Chattisgarh. He was a wanted in nineteen criminal cases in the states of Madhya Pradesh, Chhattisgarh and Maharashtra. He was carrying a cash reward of Rs. 3 lacs from Madhya Pradesh, Rs. 5 lacs from Chhattisgarh and Rs. 4 lacs from the Maharashtra government (A total reward of Rs. 12 lacs).

In this operation, S/Shri Ashish Sharma, Sub-Inspector and Hanumant Tekam, Head Constable of Madhya Pradesh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 18.12.2022.

(File No.-11020/173/2023 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 125—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) and 1st Bar to Medal for Gallantry to the under mentioned personnel of Madhya Pradesh Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Samir Saurabh, IPS	Superintendent of Police	GM
2.	Moti Ur Rahman, IPS	Commandant	GM
3.	Ashish Sharma	Inspector	1st BAR TO GM
4.	Mohan Lal Maravi	Sub-Inspector	GM
5.	Rajesh Dhurvey	Assistant Sub-Inspector	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

In the first quarter of year 2023, continuous intelligence inputs were being received regarding the presence of a large number of Maoists in the Kanha Forest area of Distt Balaghat. On 22nd April at around 12:08 AM to verify these inputs, Special Operation Group (SOG), Baihar under the leadership of Inspector Ashish Sharma was sent in Kanha Forest Area. In the early hours of 22nd April credible intelligence input was received by SOG Baihar regarding the plan of Maoists to come to Kadla Forest village of Kanha Forest area to find and kill police informers. This input was immediately shared by Insp. Ashish Sharma with Shri Samir Saurabh, IPS, SP Balaghat and Shri Moti Ur Rahman, IPS, Commandant, Hawk Force.

SP Balaghat and CO Hawk had cross-checked the intelligence inputs from various sources and find out the possible hideouts of the Maoists in the Kadla forest village area of Kanha Forest. SP Balaghat, CO Hawk and SOG Baihar incharge agreed to rendezvous at a common meeting point near Kadla Forest village. SP Balaghat and CO Hawk divided the force into two teams and briefed them. After briefing, Police teams started intensive search operation in the forest areas surrounding the Kadla Forest Village looking for possible Maoist hideouts.

At around 03:00 hrs of 22.04.2023, when the Police teams were approaching Baldha Forest Camp from Kadla Forest Village, they came under a sudden burst of deadly fire from the Maoists who were already sitting in ambush. Police teams immediately took whatever cover they could and warned the Maoists loudly that they have been surrounded by the police and should lay down their arms and surrender. But the Maoists continued indiscriminate firing and aimed their assault straight at the source of the warning.

SP Balaghat quickly assessed the situation and decided that a counter-ambush maneuver was to be undertaken by approaching the Maoists from both sides. SP Balaghat, CO Hawk and SOG Baihar incharge along with his buddies SI Mohan Lal Maravi and ASI Rajesh Dhurvey displayed indomitable courage and total disregard for their personal safety, and decided to move out of their cover and crawl towards the incoming bullets. A few bullets missed the officers narrowly but these officers risked their lives and advanced further to return fire and demonstrated exceptional battle-craft. As a result of their courageous tactics, two hardcore Maoists were neutralized in the crossfire and few of them also suffered injuries but however they managed to escape from the incident place.

The dead Maoists were later identified as Sunita Alias Somdi Madavi (ACM) r/o village Nagram, PS Jagargunda, Dist. Sukma (CG) carrying a .303 Rifle who was carrying cash reward of total Rs. 14 lacs and Sarita Alias Bijje r/o Village Jonagudem, PS Chintalnar Dist. Sukma (C.G.) carrying a .303 Rifle who was carrying cash reward of total Rs. 14 lacs.

Undoubtedly, this group of hardcore Maoists had thrown their full force to cause a deadly blow to the lives of the policemen involved in the operation. It was through sheer grit and courage of the above officers that the police teams were able to retaliate effectively and dispel the Maoist Dalam.

In this operation, S/Shri Samir Saurabh, IPS, Superintendent of Police, Moti Ur Rahman, IPS, Commandant, Ashish Sharma, Inspector, Mohan Lal Maravi, Sub-Inspector and Rajesh Dhurvey, Assistant Sub-Inspector of Madhya Pradesh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 22.04.2023.

(File No.-11020/46/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 126—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) and 1st Bar to Medal for Gallantry to the under mentioned personnel of Madhya Pradesh Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Namdev Sharma	Sub-Inspector	GM
2.	Arun Mishra	Assistant Sub-Inspector	GM
3.	Atul Kumar Shukla	Assistant Sub-Inspector	1st BAR TO GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

In the final quarter of 2023, there were continuous reports of Maoists presence in the Jamsehra-Kamkodadar Forest area of Balaghat. On December 14th Morning, SOG Motinala was dispatched to the Jamsehra-Kamkodadar Forest Area to confirm these reports. While conducting a search, the police party received credible intelligence regarding the Maoists' plan to assassinate the forest guard on the suspicion of being police informer. This intelligence was shared with SP Balaghat Shri Samir Saurabh, SP Mandla Shri Rajat Saklecha and CO Hawk Force Shri Moti Ur Rahman.

The intelligence input was cross verified and Additional SP Baihar, Shri Vinod Kumar Meena was directed to proceed to Jamsehra-Kamkodadar area and lead the operation against the Maoists. Additional SP Baihar took charge of the police party. He then divided the force into two teams and briefed them. Subsequently the police teams initiated an intensive search operation in the forest areas surrounding the Jamsehra and Kamkodadar Forest camps.

Around 11:15 AM, the Police teams were met with a fierce barrage of gunfire from the Maoists who were lying in ambush. The Police teams took cover and loudly warned the Maoists that they were surrounded by the police and should surrender. However, the Maoists persisted in their indiscriminate firing.

Additional SP Baihar, swiftly evaluated the situation and determined that a counter- ambush strategy was necessary by approaching the Maoists from both flanks. Alongside his companions SI Namdev Sharma, ASI Aran Mishra and ASI Atul Kumar Shukla demonstrated remarkable courage and complete disregard for their personal safety. They made the decision to leave their cover and cautiously advance towards the incoming bullets.

Despite narrowly avoiding several bullets, these officers risked their lives and continued to move forward, returning fire with exceptional skill. Their courageous tactics resulted in the neutralization of one hardcore Maoist. Although a few Maoists sustained injuries but they escaped from the encounter site.

The deceased Maoist was later identified as Chaitu alias Hidma Madkam, ACM of Malajkhand Daiam. Chaitu was found dead with a 315 Rifle and had a cash reward of Rs. 14 lakhs on his head.

Certainly, this group of Maoists had unleashed their full strength in an attempt todeliver a lethal blow to the lives of the policemen. It was solely due to the unwavering determination and courage of the SI Namdev Sharma, ASI Aran Mishra and ASI Atul Kumar Shukla that the police teams could respond decisively and thwart the Maoist Dalam's attack.

In this operation, S/Shri Namdev Sharma, Sub-Inspector, Arun Mishra, Assistant Sub-Inspector and Atul Kumar Shukla, Assistant Sub-Inspector of Madhya Pradesh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 14.12.2023.

(File No.-11020/48/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 127—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Madhya Pradesh Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Puneet Gehlod, IPS	Commandant	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

In the early hours of 30.11.2022, a reliable input was received by Shri Samir Saurabh (SP Balaghat) regarding the presence of a large group of Naxalites near Jamshehra Forest camp, with the intention to kill forest personnel on the suspicion of being police informers. SP Balaghat immediately discussed operation feasibility and details with Shri Puneet Gehlod, IPS, Commandant, Hawk Force and Special Operations Group (SOG) Motinaia was dispatched in the area.

Meanwhile, SP Balaghat and CO Hawk painstakingly verified the intel report SP Mandla Shri Yashpal Rajpoot was also taken in loop and they met SOG Motinaia at early hours of 30.11.22 near the target camp. SP Balaghat and CO Hawk divided the entire group into 4 teams. Detailed briefing of the area, target and other operational details were given to the teams by both officers, and intensive search operation was started in the Jamshehra forest area.

At around 1030 hrs, the police parties approaching the camp came under heavy and indiscriminate fire from the Maoists who were sitting in ambush. Police parties took immediate cover and SP Balaghat and CO Hawk repeatedly shouted at the Maoists to stop fire and surrender. But the Maoist assault only intensified, leaving no option with the police but to open fire in self-defense.

SP Balaghat, CO Hawk and SP Mandla — along with SOG Motinaia i/c — led the counter- assault from the front. Being well aware of the tactical maneuvers required for counter-ambush, they ably assisted by their team, displayed extraordinary courage and determination in the hostile situation. Maoists — realizing the advance of police parties - further intensified their assault, and few bullets narrowly missed them who were courageously advancing towards the enemy. SP Mandla and SOG i/c also risked their lives to lead their teams closer to the enemy. The tactical brilliance and exceptional courage displayed by them resulted in neutralizing of two hardcore Maoists.

The dead Maoists were later identified as MMC coordination committee head Ganesh Madavi (DVCM) with an AK-47 Rifle, was carrying a cash reward of Rs. 29 lakhs and Commander Rajesh Vanjam, with a .315 Rifle, was carrying a cash reward of Rs. 20 lakhs.

In sum, responding to the call of duty in an extremely adverse situation, Shri Puneet Gehlod, IPS, Commandant exhibited brilliant tactical skill, exemplary courage, extraordinary grit and resolute determination.

In this operation, Shri Puneet Gehlod, IPS, Commandant of Madhya Pradesh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 30.11.2022.

(File No.-11020/47/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 128—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) and Medal for Gallantry, Posthumously to the under mentioned personnel of Maharashtra Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Dr. Kunal Shankar Sonvane	Sub Divisional Police Officer	GM
2.	Dipak Rambhaji Aute	Police Sub-Inspector	GM
3.	Late Dhanaji Tanaji Honmane	Police Sub-Inspector	GM (Posthumous)
4.	Nageshkumar Bondyalu Madarboina	Naik Police Constable	GM
5.	Shakil Yusuf Sheikh	Police Constable	GM
6.	Vishsvanath Samayya Pendam	Police Constable	GM
7.	Vivek Manku Narote	Police Constable	GM
8.	Moreshvar Namdev Potavi	Police Constable	GM
9.	Kailash Chunga Kulmethe	Police Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On *27*/11/2019 as per the orders of senior police officers, PSI Dipak Rambhaji Aute and 15 policemen of Korke Weladi squad, 21 men of Gangaram Sidam squad, 23 men of Ishwar Gobi squad and 23 men of Shamrao Dugga squad in all four C-60 squads. *In* all four C-60 squads set out from Pranhita for conducting an anti-Naxal operation. Midway, Dr. Kunal Shankar Sonvane, Sub Divisional Police Officer, Bhamragad, PSI Dhanaji Tanaji Honmane and two policemen joined these four C-60 squads. Then, they divided themselves into two groups. One group comprised off Dr. Kunal Shankar Sonvane, PSI Dhanaji Tanaji Honmane and the men belonging to Korke Weladi and Gangaram Sidam squads and the second group comprised the men belonging to Shamrao Dugga and Ishwar Gota's squads.

On 29/11/2019, Dr. Kunal Shankar Sonvane, PSI Dhanaji Tanaji Honmane and the squad headed by Gangaram Sidam and Korke Weladi searched the forest of Koyur and Murangal hills and entered the forest of Mormeta. At around 1600 hrs, while above squads were ascending the hill located near village Mormeta; suddenly a volley of bullet came at them. At that time, police personnel at once shielded themselves and gauged the direction of fire and appealed the Naxalites to surrender. But the Naxalites did not listen to the appeal made and continued to fire. At that time, Dr. Kunal Shankar Sonvane divided the police parties into three groups, PSI Dhanaji Tanaji Honmane and his group from the right side, PSI Zanak and his group from the middle and Dr. Kunal Shankar Sonvane and his group from the left side and opened controlled fire as the direction of the Naxalites in *self-defense.* Simultaneously, under the guidance of Dr. Kunal Shankar Sonvane, all the three police group began to ascend the hill in order dislodge the Naxalites from their advantageous positions.

At that time, one of the Maoists was heard instructing aloud to other Maoists, “these policemen survived during the Iast period of election, but today no one should escape alive.” And they continued to fire at the police party and also, they exploded a landmine with the intention to kill the police personnel. In response, the police party resorted to control fire at the direction of the Naxalites. Meantime, the group led by PSI Zanak came under the heavy shelling of the Naxalites and got trapped. As soon as the above information received over walkie-talkie sets, the group led by Dr. Kunal Shankar Sonvane put their own lives in great danger and advanced at the trapped personnel from left side. At the same time, the second group led by PSI Dhanaji Tanaji Honmane and PSI Dipak Rambhaji Aute along with bis group risking their own lives, entered a 15-20 feet deep stream and then began to advance the hill. Sensing mounting police pressure, the Naxalites tried away taking cover of hill and thick forest. Due to the extraordinary courage shown by the groups ted by Dr. Kunal Shankar Sonvane and PSI Dhanaji Tanaji Honmane and PSI Dipak Rambhaji Aute, the trapped police group could be successfully extricated from the trap of the Naxalites. Thereafter, a review of police personnel was takers during which two policemen were found to be injured namely NPC Shankar Madavi and PC Shakil Yusuf Sheikh. The remaining policemen were safe and unharmed. The said exchange of fire lasted for about one hour. Indication of a huge training camp of the Maoists was seen set up at the place of incident. Also, obstacles used for training and other items were seen. Further, cooked meal under a tree and materials used for cooking meals were noticed around the place. Since it was getting dark, from the point of view of the security the police party made a night halt on a hill located *near* the place of incident.

Thereafter, on 30/11/2019 the following day, a search of the place of incident was conducted by the police. Upon minutely observing the place of incident, police found two male Maoists lying unconscious on the ground. Also, following items were recovered from the place of incident, viz. one .303 rifle, live live cartridges .303 rifle, one 8 MM rifle, seven live

cartridges of 8mm rifle, two Bharmar guns, 16 live cartridges of AK-47 rifle, seven live cartridges of SLR rifle, seven cartridges of 12 bore gun, four detonators and other items were recovered.

Thereafter, the police party moved from the place of incident carrying the unconscious male Maoists and Naxal belongings for the village Nelgunda. As the police party moved farther some distance from the place of incident, the Maoists who had way laid in the forest again attacked the police party by opening indiscriminate fire. At that time, the police party retaliated in self-defense by opening counter fire at the Maoists. Sensing mounting police pressure, the Maoists fled away into the dense Forest. Thereafter, taking due precautions and conducting anti-Naxal operation, the police party reached village Nelgunda. Then, the two unconscious Maoists were transported to Gadchiroli in a chopper for their medical treatment.

In this operation, Dr. Kunal Shankar Sonvane, Sub Divisional Police Officer, S/Shri Dipak Rambhaji Aute, Police Sub-Inspector, Late Dhanaji Tanaji Honmane, Police Sub-Inspector, Nageshkumar Bondyalu Madarboina, Naik Police Constable, Shakil Yusuf Sheikh, Police Constable, Vishsvanath Samayya Pendam, Police Constable, Vivek Manku Narote, Police Constable, Moreshvar Namdev Potavi, Police Constable and Kailash Chunga Kulmethe ,Police Constable of Maharashtra Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 29.11.2019.

(File No.-11020/90/2023 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 129—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Maharashtra Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Kotla Botu Korami	Police Constable	GM
2.	Korke Sanni Veladi	Police Constable	GM
3.	Mahadeo Vishnu Wankhade	Police Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 23/07/2017, PC Korke Sanni Veladi of the Special Ops. Squad; Pranhita (Aheri) received confidential information that 20-25 Naxals were present in the Kavatharam-Kapevancha jungle. PSI Sukhdev Bandgar also from Special Ops. Squad, Pranhita (Aheri) communicated this information to Addl. SP, Aheri, Shri Raja R. A plan was chalked out and a team was constituted.

The said party left at 10.45 hrs. At about 16.30 hrs, while carrying out search operation in the Kavtharam jungle, the party was suddenly surrounded by 20- 25 Naxals who were lying in ambush. The police party came under sudden indiscriminate Naxal gunfire. Diving for cover the police ordered the members of the banned Bhartiya Communist Party (Maoist) to stop firing, lay down their arms and to surrender to the police but their order fell on deaf ears. 10 members of the Prabhakar Madavi Party were completely surrounded and were coming under heavy gunfire from all sides by the Naxalites who were instructing and ordering each other to kill the trapped policemen and snatch their arms and ammunitions. Rescuing these policemen was of the utmost importance. PC Kotla Botu Korami, PC Korke Sanni Veladi and PC Mahadeo Vishnu Wankhade formed the striking arm of the rescue party which not only pierced the Naxal ambush but was also able to rescue the trapped policemen who were facing eminent injury or death.

In the subsequent combing operation, the police party found one Male Naxal dead body, one 12 bore rifle, seven fired AK-47 bullet cases and other items.

In this particular incident it is pertinent to note that the Naxals held a clear advantage of having the element of surprise on their side. This was apparent from the ambush prepared by them. Yet the police party showed exemplary courage and presence of mind when they retaliated without getting rattled by the sudden Naxal gunfire. The rescue operation launched by PC Kotla Botu Korami, PC Korke Sanni Veladi and PC Mahadeo Vishnu Wankhade is a glowing example of 'Brotherhood of

the Commandos' wherein members of the rescue party put their own lives at risk in order to rescue their trapped Commando brethren.

In this operation, S/Shri Kotla Botu Korami, Police Constable, Korke Sanni Veladi, Police Constable and Mahadeo Vishnu Wankhade, Police Constable of Maharashtra Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 23.07.2017.

(File No.-11020/201/2023 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 130—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Maharashtra Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Anuj Milind Tare, IPS	Additional Superintendent of Police	GM
2.	Rahul Namdevrao Devhade	Police Sub-Inspector	GM
3.	Vijay Dadaso Sapkal	Police Sub-Inspector	GM
4.	Mahesh Boru Michha	Head Constable	GM
5.	Samayya Lingayya Asam	Naik Police Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 28/09/2022, reliable intelligence was received about the gathering of armed members of the CPI (Maoist) groups, clad in black-green uniforms in the forest of Kapewaneha-Nainer under the jurisdiction of SPS Rajaram (Kh.). It was also learnt that these Maoists belonged to Aheri LOS, Pemili LOS and a couple of other unknown formations. They were estimated to be 30-40 in number and heavily armed. Inputs also indicated that there was a conspiracy being hatched to conduct a major attack on security forces taking advantage of the dense vegetation and the tough mountainous terrain of the Mainer Kapewancha area. Hence, it was deemed necessary to dislodge the Maoists before they could commit any major attacks on the security apparatus. Accordingly, at the behest of Shri Ankit GoyaI, Superintendent of Police, Gadchiroli, an anti-Maoist operational plan was jointly chalked out by Shri Somay Munde, Additional SP (Ops.), Shri Sameer Shaikh, Additional SP (Admin) and Shri. Anuj Milind Tare, Additional SP Aheri.

Hence, a police team consisting of 7 Special Operation Squads (C-60) was formed and tasked with conducting anti-Maoist operation in tire above forest areas. All the C-60 parties were thoroughly briefed By Shri Somay Munde and Shri Anuj Milind Tare regarding the objective of the operation, the likely strength of the Maoists, their weapon profile etc. At around 12:35 hrs, they set out for the operation and debussed close to the said forest areas. Subsequently, the police personnel divided themselves into two groups to suit the operational requirement and the operation was begun.

At around 18:00 hrs, while conducting a search operation in the forest, the Maoists, hidden on the hilltop, suddenly attacked the first group led by PSI Vijay Dadaso Sapkal, ably assisted by C60 party commander HC Mahesh Boru Michha. The Maoists engaged in indiscriminate fire and simultaneously hurled bombs (UBGL, BGL) at the police party with the intention of killing them and then snatching away their arms and ammunition. During this perilous situation, the policemen managed to shield themselves behind boulders and trees. Even in the face of this grave danger, an appeal was made to the Maoists to surrender. Disregarding the appeal, the Maoists continued to fire at the trapped group. Consequently, the police personnel opened controlled fire towards the Maoists in self-defense. Leading from the front, PSI Vijay Dadaso Sapkal and HC Mahesh Boru Michha, along with their fellow men, advanced slowly and steadily towards the approaching Maoists. During this critical moment, PSI Vijay Dadaso Sapkal and HC Mahesh Boru Michha displayed exemplary courage and tactical jungle warfare skills, rallying their troops to a position where they halted the advance of the Maoists. PSI Vijay Dadaso Sapkal, HC Mahesh Boru Michha, and their men continued firing in a controlled manner so that reinforcements could be sought. This strategic move kept the Maoists at bay for some time.

Meanwhile, PSI Vijay Dadaso Sapkal informed another group led by PSI Rahul Namdevrao Devhade and C60 party commander NPC Samayya Lingayya Asam over walkie-talkie set and called for assistance. Immediately, this group rushed towards the Maoists and appealed to the Maoists to surrender. But, disregarding the appeal made, the Maoists opened heavy fire on the second group as well that had arrived for assistance. PSI Rahul Namdevrao Devhade and NPC Samayya Lingayya Asam utilized their intimate knowledge of the terrain gained over a number of years and beat a tactical retreat. They divided themselves into two groups, one led by PSI Rahul Namdevrao Devhade and another led by NPC Samayya Lingayya Asam and approached from opposite directions towards the Maoist group that was looking for a way to attack the group led by PSI Vijay Dadaso Sapkal, HC Mahesh Boru Michha. Both these groups achieved complete surprise over the Maoists and coordinating over walkie-talkie, they engaged in accurate and controlled fire comprising of automatic and area weapons towards the Maoists. The understanding, trust and awareness of each other's positions displayed by PSI Rahul Namdevrao Devhade and NPC Samayya Lingayya Asam was of the highest order and enabled them to push the Maoists back to some distance. This small but significant pause in the fire from the Maoists as a result allowed the three groups led by PSI Rahul Namdevrao Devhade, PSI Vijay Dadaso Sapkal and NPC Samayya Lingayya Asam to extricate themselves from the firing range of the Maoists and regroup a little distance away to strategize over the next move. This entire exchange of fire lasted for around 45 minutes.

As it was getting dark, visibility reduced and therefore, the commandos halted thereat. Maoist presence could he sensed by the police personnel a few meters away. There was a strong possibility that the Maoists could ambush the police again. It was immediately informed to the superior officers to send reinforcement immediately.

Without wasting valuable time, Shri Anuj Milind Tare, IPS, Additional SP, Aheri decided to lead the reinforcement and the operation on ground realizing that the presence of a senior officer would boost the morale of the forces and lead to better coordination and effectiveness.

Thus, Shri Anuj Milind Tare, Additional SP, Aheri took another 09 C-60 parties along with him as reinforcement. Enroute, he briefed each party involved and prepared them mentally for the task ahead by reinforcing the importance of their mission. After debussing at around 0500 hrs on 29/09/2022, he showed supreme awareness about the terrain and ensured that radio silence was maintained by all parties in near total darkness and guided them towards the spot where the earlier parties had halted.

Under such crucial situation, on 29/09/2022 at around 05.00 hrs, Shri Anuj Milind Tare, Addl. SP, Aheri along with above personnel set out for the anti-Maoist operation and dropped near the Kapewancha-Nainer forest areas. Thereafter, this group was divided into two groups. Both the groups were led by Shri. Anuj Milind Tare. Both these groups, rushed towards the group stuck in the ambush. Meanwhile, as a few C-60 parties were stuck in ambush, Maoists sensed that other C-60 parties could come for help and were ready to ambush any new C-60 Parties. As soon as the C-60 parties led by Shri. Anuj Milind Tare reached the hilly region of Kapewancha-Nainer, the Maoists opened indiscriminate fire and hurled bombs (UBGL, BGL). Due to the sudden attack, the commandos got scattered on the field and while taking cover, this group ended up reaching very close to the Maoists. Noticing this, the Maoists surrounded police personnel from all directions and opened heavy rapid gunfire and also hurled bombs at them. Shri. Anuj Milind Tare, keeping presence of mind, instructed other police personnel of his group to target a cordon of about 200 metres of the Maoists and instructed them to open heavy fire on the Maoists. Surprised by this targeted assault, the Maoists in that patch surrendered their position and beat a hasty retreat. The groups led by Shri Anuj Milind Tare then made their way out of the Maoist cordon and went to the group that had halted overnight. Due to the extraordinary courage and warfare tactics shown on the field by Shri. Anuj Milind Tare and his fellow men, the trapped commandos could be successfully rescued and precious lives of the police personnel could be saved.

Shri Anuj Milind Tare then organized all the C60 parties in an extended formation and advanced towards the Maoists, firing in a controlled manner. The Maoists, sensing increasing police pressure, took advantage of the dense forests and ran away.

Thereafter, the police parties conducted a search operation and recovered the dead body of a woman Maoist viz. Nandi Joga Kudam (Madkam), ACM. Also, 8MM rifle - 01, cartridges of 9MM - 03, cartridges of 7.65 MM -01, cartridges of 7.62MM SLR rifle - 01, mobile phone made of Samsung company - 01, haversacks (pittus) - 03, magazine pouch - 05, switch - 01, Car Charger - 01. aluminum utensil - 01, Steel Plate - 03, Steel Mug -04, Plastic Can - 02, footwear - 03, Maoist books, medicines and other Maoist belongings were recovered from the place of incident.

During the exchange of fire, Shri Anuj Milind Tare, Addl. SP, PSI Rahul Namdevrao Devhade, PSI Vijay Dadaso Sapkal, HC Mahesh Boru Michha and NCP Samayya Lingayya Asam have displayed extraordinary bravery and guerrilla warfare tactics by putting their own lives in great danger on the battle field. Due to the aggressive retaliation by these policemen, police could successfully eliminate one hardcore woman Maoist while displaying extraordinary leadership leading to saving valuable lives of trapped policemen.

In this operation, S/Shri Anuj Milind Tare, IPS, Additional Superintendent of Police, Rahul Namdevrao Devhade, Police Sub-Inspector, Vijay Dadaso Sapkal, Police Sub-Inspector, Mahesh Boru Michha, Head Constable and Samayya Lingayya Asam, Naik Police Constable of Maharashtra Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 28.09.2022.

(File No.-11020/51/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 131—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) and 1st Bar to Medal for Gallantry to the under mentioned personnel of Punjab Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Sandeep Goel	Assistant Inspector General of Police	GM
2.	Bikramjit Singh Brar	Deputy Superintendent of Police	1st BAR TO GM
3.	Rajan Parminder Singh	Deputy Superintendent of Police	GM
4.	Pushvinder Singh	Inspector (LR)	GM
5.	Jaspreet Singh	Sub-Inspector (LR)	GM
6.	Gurpreet Singh	Sub-Inspector (LR)	GM
7.	Sukhraj Singh	Constable-II	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

Tejinder Singh @ Teja had 38 heinous criminal cases including UAPA registered against him and was convicted in 11 cases. He was also an accused and wanted in the killing of Punjab Police constable Kuldeep Singh. As per secret information received, Tejinder Singh @ Teja and his two associates Amanpreet @ Peeta Dhesi and Vijay @ Mani Rahon, were moving in a Thar vehicle No. PB 12 AF 0052 in the area of Dist. Fatehgarh Sahib and Roopnagar and were heavily armed. AIG Sandeep Goel along with other police officials launched an operation to track and arrest the above-mentioned gangsters. The accused travelling in the Thar vehicle were spotted in New Fatehgarh Sahib Market, Bassi Pathana. AIG Sandeep Goel and DSP Bikramjit Singh Brar along with police teams positioned their vehicles to block the vehicle of the accused. Thereafter, AIG Sandeep Goel and DSP Bikramjit Singh Brar asked Tejinder Singh @ Teja and his associates to surrender but the accused started firing indiscriminately on police teams in all directions. SI (LR) Gurpreet Singh was injured on the leg by a gun shot and C-II Sukhraj Singh got injured on leg when Tejinder Singh @ Teja drove the vehicle to overrun him. Inspite of indiscriminate firing, DSP Rajan Parminder Singh, without caring for his life, moved toward the vehicle of accused and punctured the tyre of the Thar vehicle with gun shots in order to foil their attempt to flee. Simultaneously, AIG Sandeep Goel, DSP Bikramjit Singh Brar, Insp. Pushvinder Singh and police teams without caring for their lives moved towards the accused in order to overpower them and returned the fire. In ensuing exchange of fire Insp. Pushvinder Singh and SI (LR) Jaspreet Singh, received gun shots on their bullet proof jackets. After the firing had stopped, on physical inspection, it was found that Tejinder Singh @ Teja and Mani Rahon had died while Amanpreet Singh @ Peeta Dhesi was injured who later died during the treatment at Hospital. 09 Pistols, including Four .30 Caliber Chinese pistols, along with 41 live cartridges were recovered from the accused.

In this operation, S/Shri Sandeep Goel, Assistant Inspector General of Police, Bikramjit Singh Brar, Deputy Superintendent of Police, Rajan Parminder Singh, Deputy Superintendent of Police, Pushvinder Singh, Inspector (LR), Jaspreet Singh, Sub-Inspector (LR), Gurpreet Singh, Sub-Inspector (LR) and Sukhraj Singh, Constable-II of Punjab Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 22.02.2023.

(File No.-11020/41/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 132—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Telangana Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Sunil Dutt, IPS	Superintendent of Police	GM
2.	Mora Kumar	Deputy Assault Commander / Reserve Inspector	GM
3.	Shanigarapu Santhosh	Assistant Assault Commander / Reserve Sub-Inspector	GM
4.	Amili Suresh	Junior Commando / Police Constable	GM
5.	Velmula Vamshi	Junior Commando / Police Constable	GM
6.	Kampati Upender	Junior Commando / Police Constable	GM
7.	Payam Ramesh	Junior Commando / Police Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

SP Sunil Dutt, IPS had a specific input that 25-30 members of CPI(Maoists) under the leadership of Madhu & Rajesh including armed Militia arc camping near PesaJpadu (village) under Kistaram-PS limits, Sukma District(Chhattisgarh). SP Sunil Dutt, IPS with Greyhounds and Chhattisgarh Police planned joint operation on 24.12.2021. Teams were launched on 25-12-2021 under the leadership of SP Sunil Dutt, IPS, entire operation was night navigation. As per the plan, 5-A/Units of Greyhounds reached Warangal base. One of the A/Unit reached F point by 5.30 AM (27.12.2021), then the Unit members observed the enemy from a distance of 40-50 Mtrs and simultaneously the enemy observed the police parties also and opened indiscriminate fire. The Greyhounds parties warned them to surrender with an intention to catch them alive but they paid deaf car and continued firing. In self defence, the Greyhounds force retaliated by opening burst fire. After stopping of fire from both sides, the Greyhounds party moved forward, noticed blood stains and during the search found 1-SBBL in Cheruvu/pond, 1-SBBL in a LUP (which can accommodate 15-20 members), another SBBL also in the area. Further, they observed a lady running towards the direction of other team (30mtrs away from LUP) and the concerned team was alerted.

On the same day i.e 27.12.2021, the team members noticed one narrow track and divided into two sub -teams and proceeded (one towards left and another towards right side) towards east direction and sighted one Maoist and warned him to surrender but he fled. The nominees saw the Maoist and warned to surrender but he started firing due to which, in self defence JC/PC Payam Ramesh and others also opened fire in retaliation and neutralized the Maoist (Male).

Another team led by AAC/RSI Shanigarapu Santosh while moving in North-East directionnoticed 1- Maoist (female) and warned to surrender but she opened indiscriminate firedue to which JC/PC Amili Suresh & AAC/RSI Shanigarapu Santosh along with others retaliated and neutralized the Maoist (Female). After that the nominees and others sighted 8-9 Maoists moving on bund and opened fire and JC/PC Kampati Upender fired UBGL shell. Further, JC/PC Amili Suresh climbed the bund and noticed 3-Maoist(female) hiding in the water and asked them to surrender but they resisted. Then JC/PC Amili Suresh opened fire and gunned down 1-Maoist (female) JC/PC Velmula Vamshi and remaining members of team opened fire and neutralized two other Maoists (Female).

Further, while another Unitled by DAC/RI Mora Kumar is moving in the area, they noticed the Maoists and warned them to surrender, but the Maoists opened fire while fleeing due to which the forces retailed and gunned down one Maoist (Male).

After the action, the forces searched the area and found the bodies of 6-Maoists (2- male &4 female) i.e.Madhavi Pottaiah, S anna Midiyami, Ravaldma, Funem Kosi, Rava Kosi & Rava Chukku all are Cherla LOS Party members and recovered .303 weapon-2&17-Live rounds, 3-single Bore Rifle & 2-live rounds,5-Rocket Launcher Shells.

In this operation, S/Shri Sunil Dutt, IPS, Superintendent of Police, Mora Kumar, Deputy Assault Commander / Reserve Inspector, Shanigarapu Santhosh, Assistant Assault Commander / Reserve Sub-Inspector, Amili Suresh, Junior Commando / Police Constable, Velmula Vamshi, Junior Commando / Police Constable, Kampati Upender, Junior Commando / Police Constable and Payam Ramesh, Junior Commando / Police Constable of Telangana Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 27.12.2021.

(File No.-11020/3282/54/2022 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 133—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Uttar Pradesh Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Jitendra Kumar Singh	Inspector	GM
2.	Rakesh Kumar Singh Chauhan	Sub-Inspector	GM
3.	Anil Kumar	Head Constable	GM
4.	Hariom Singh	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

Meharban a dreaded interstate criminal and convict of life imprisonment in a murder case, released on bail, did not surrender on confirmation of punishment by Hon'ble High Court, Allahabad. During this period, he indulged in criminal activities and spread terror among public. During the period, he committed a sensational dacoity in which Rs. 65 Lac were looted from the cashier of VRF Foods, Gulawthi, Bulandshahar. More than 30 cases of heinous nature were registered against him. A bounty of Rs. 1,00,000/- announced for his arrest. Besides local police, STF UP was also collecting intelligence for his arrest.

On 17.07.2019, during intelligence collection, a tipoff was received that Meharban is roaming in Sahibabad area of district Ghaziabad in silver Santro car No. DL7CJ2934. Accordingly, SI Rakesh Kumar Singh Chauhan of STF Noida rushed with team to Bhaupura tri-junction under OP Tulsi Niketan and contacted SHO Sahibabad Insp. Jitendra Kumar Singh. After discussion they started checking for the criminal's vehicle.

On 18.07.2019 at about 00.25 hrs, a Santro car was seen coming from Delhi side. On coming near police signaled them to stop but criminals fled towards Loni at high speed. During hot chase, criminals did not stop inspite of repeated warnings, they fired on police waving their hands out from the right rear window. After going some away, criminals turned their car to left on another way to Koyal enclave. Criminal's car went uncontrolled and jammed in the mud on the left side of the road near an under-construction building. Criminals alighted from the car and started indiscriminate firing. SHO Jitendra Kumar Singh, SI Rakesh Kumar Singh Chauhan, Head Constable Anil Kumar and Constable Hariom Singh took position in the cover of police vehicles and road divider and saved their lives acting on field craft and tactics. The criminals ignored all the warnings given by police and criminals continued indiscriminate firing from different angles. The bullets fired by the criminals injured HC Anil Kumar and Ct Hariom Singh and also damaged the STF's Scorpio. Inspite of being HC Anil Kumar and Ct Hariom Singh, they kept their morale high and continued to combat the criminals with SHO Jitendra Kumar Singh and SI Rakesh Kumar Singh Chauhan with extraordinary courage and zeal. Inspite of being their lives in danger, police personnel faced the desperate criminals with extraordinary courage, valour and bravery. Finding no other alternative, they entered in the firing range of criminals and fired in self-defence as a result of which one criminal fell injured and later on died who was identified as Meharban a notorious criminal and rewardee of Rs. 1,00,000/-.

One SBBL gun 12 bore factory made, one revolver .32 bore factory made and one CMP .315 bore with 29 live & 11 empty cartridges and Santro car No. DL7CJ 2934 were recovered.

In this operation, S/Shri Jitendra Kumar Singh, Inspector, Rakesh Kumar Singh Chauhan, Sub-Inspector, Anil Kumar, Head Constable and Hariom Singh, Constable of Uttar Pradesh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 18.07.2019.

(File No.-11020/37/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 134—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Uttar Pradesh Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Jitendra Pratap Singh	Sub-Inspector	GM
2.	Vipin Kumar	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 09.07.2020 information was flashed on RT set those 04 unknown criminals sitting in a Scorpio have looted Swift Dzire car No DL1ZA3602 on gun point after stopping it near Shyama Dhaba on National Highway 02 under the jurisdiction of PS Bakewar, injuring the persons sitting in it and they are fleeing towards Etawah - Agra.

On this information Station Officer PS Civil Lines/SICP Jitendra Pratap Singh sprang into action and rushed to ITI chauraha with force and started checking for the said vehicle. Meanwhile I/C SWAT SICP Satyendra Singh Yadav and incharge surveillance SI Bechan Kumar Singh also reached there with force and joined the checking operation. At around 04.40 AM, a four wheeler was spotted coming from the road landing at ITI chauraha from National Highway 02 service road, which was attempted to stop but it fled towards D.M. chauraha in a haphazard manner in high speed hitting the police barrier. The police force chased the Swift by their respective Govt, vehicles. Criminals took looted Swift on Kachaura road via DM chauraha - SSP chauraha and police lines. During chase registration number DL1ZA3602 appeared on a yellow plate on Swift in the light of police vehicles. Jitendra informed the Control Room for support. Going ahead to Luhanna chauraha and Sai temple, criminals fired at police party from the Swift car. SI Jitendra Pratap Singh challenged the criminals on loud hailer to surrender but they did not care for the repeated warnings and continued indiscriminate firing. Finding no alternative SI Jitendra Pratap Singh fired 01 round in self-defence as a result criminal's car went out of control and collided at around 04:55 AM with a Neem tree near klin in front of village Vikrampur. Seeing them, cordoned criminals got down from the car and continued indiscriminate firing. SI Jitendra Pratap Singh and Const. Vipin Kumar without caring for their lives and showing extraordinary courage and bravery entered in the firing range of criminals to arrest. One of the bullets fired by criminals hit SI Satyendra who could be saved only due to BP Jacket. Having no other option to arrest the criminals, SI Jitendra Pratap Singh and Const. Vipin fired in self- defence in a controlled manner. As a result, one criminal was injured. When the firing was stopped from criminal's side, the police party moved forward and found one criminal lying injured. He was immediately sent to hospital to save his life where he succumbed.

The deceased criminal was identified as Praveen Kumar Dubey @ Bauwa of village Vikru PS Chaubepur, Kanpur Nagar, an active member of Vikas Dubey gang involved in incident of attack on police on 03.07.2020 in which 8 officers and men laid down their lives. He was carrying reward of Rs. 50,000/- for his arrest.

One factory made DBBL gun No. 31108-04 with 02 live and 04 empty cartridges and one pistol with 03 live and 02 empty and Swift Dzire Car No. DL1ZA3602 were recovered.

In this operation, S/Shri Jitendra Pratap Singh, Sub-Inspector and Vipin Kumar, Constable of Uttar Pradesh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 09.07.2020.

(File No.-11020/38/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No.135—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Uttar Pradesh Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Vimal Kumar Singh	Deputy Superintendent of Police	GM
2.	Navendu Kumar	Deputy Superintendent of Police	GM
3.	Gyanendra Kumar Rai	Inspector	GM
4.	Anil Kumar Singh	Inspector	GM
5.	Sunil Kumar	Head Constable	GM
6.	Sushil Kumar	Head Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

Umesh Pal @ Krishna Kumar Pal, along with two policemen provided to him for his security as a witness against Gangster Atiq Ahmad were killed in broad daylight in District Prayagraj of Uttar Pradesh on 24th February 2023. The incident occurred in broad daylight in a crowded area. The well-orchestrated murder by a large group of criminals, all armed with sophisticated arms and explosives was recorded by CCTV cameras installed nearby. The footages were played by National and International Media creating a sensation and atmosphere of terror and panic among the public.

Umesh Pal was a witness to the murder of Late Raju Pal, M.L.A. who was killed in a similar fashion in January 2005 by the same Gang. The Gang managed to send a chill down the spine of all potential witnesses against big Gangsters and it became apparent that anyone aiding the cause of Justice would suffer so at their own peril.

The culprits were identified using AI based image enhancement techniques. The UP STF was deputed to track and nab the culprits. A countrywide manhunt was launched.

A team lead by Dy.SP Vimal Kumar Singh and Dy.SP Navendu Kumar learnt from reliable sources that the principal planners and shooters in the incident -Mohammad Asad s/o Atiq Ahmad and Mohammad Ghulam s/o Maqsudul Hasan were hiding in Jhansi city and its nearby towns of Jhansi District. On 13.04.2023, an actionable input was received and Dy.SP Vimal Kumar Singh and his team rushed to areas around Badagaon and Parichha. Dy.SP Navendu Kumar and his team reached Chirgaon town, where they received the information that the duo, well-armed had moved towards Parichha.

Around 11.30 AM, Dy.SP Navendu Kumar rushed towards Parichha where they spotted them riding a motorcycle without any number plate. The team warned them and tried to stop them. A reward of Rupees Five Lakh had been declared on each of them. Dy.SP Vimal Kumar Singh and his team cordoned them from the opposite direction in a coordinated move. The duo tried to flee towards Parichha Dam using an unpaved pathway.

After a 1.5 KM long chase the bike on which the wanted criminals were riding slipped and fell into adjoining ditch and acacia bushes. Both the criminals got up quickly and started indiscriminate firing at police by hurling abuses.

The members of STF teams immediately alighted from their vehicles, took available cover and entered in the firing range of criminals showing exemplary courage and bravery without caring for their lives to nab them. In spite of repeated warnings criminals continued to fire indiscriminately. Finding no other option DSPs Navendu, Vimal, Inspectors Anil Kumar Singh & Gyanendra Kumar Rai and Head Constables Sushil Kumar & Sunil Kumar fired in self-defence in a controlled manner. After some time, the firing from criminals' side was stopped. After a while STF team approached criminals and saw both of them lying injured and groaning. They were identified as Asad and Ghulam rewardees of Rs. 5 Lakh each. Both the injured accused persons were sent to hospital for medical treatment where they succumbed.

One foreign pistol Walther P-88, one foreign revolver 'The British Bulldog' .455 bore, One CMP .32 bore, 19 live cartridges 7.65 bore, 05 empty cartridges 7.65 bore, 5 cartridges .45 bore and unnumbered motorcycle was recovered.

In this operation, S/Shri Vimal Kumar Singh, Deputy Superintendent of Police, Navendu Kumar, Deputy Superintendent of Police, Gyanendra Kumar Rai, Inspector, Anil Kumar Singh, Inspector, Sunil Kumar, Head Constable and Sushil Kumar, Head Constable of Uttar Pradesh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 13.04.2023.

(File No.-11020/39/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 136—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Uttar Pradesh Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Rajeev Chaudhary	Inspector	GM
2.	Jaiveer Singh	Sub-Inspector	GM
3.	Raees Ahmad	Head Constable	GM
4.	Arun Kumar	Constable	GM
5.	Ajay Kumar	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On the night of 12-04-2023, Shri Jaiveer Singh, Sub-Inspector Civil Police, Incharge, Swat Team, District Bijnor, Uttar Pradesh, was present in the office and discussing with the Police officers of his team about the whereabouts and movement of the wanted criminals. Information was received from the source about the movement of 02 criminals including notorious, dreaded, barbaric robbers and criminal absconding from judicial custody with a reward of Rs 2,50,000/-, Adiya Rana @ Ravi, resident of village Rani Nagla, Police Station Seohara District Bijnor, which was in the forest of village Paindapur under Police Station Seohra. The team immediately swung into action and along with SI Shaukat ali, Head Constable Raees Ahmed, Constable Arun Kumar and others in government vehicles, quickly moved to village Paindapur and informed the police station in-charge Seohara Shri Rajeev Chaudhary, Inspector and asked to meet with the force at Budhanpur check post. At the reaching near Budhanpur check post, SI Jaiveer Singh met with SHO Seohara Shri Rajeev Chaudhary, Sub-Inspector Manchand, Constable Ajay Kumar and other Police employees. The entire Police force was divided into two teams to capture and surround the criminals. The first team was led by SHO Seohara Shri Rajeev Chaudhary, Inspector and the second team was led by Shri Jaiveer Singh, Sub-Inspector. Both the teams, wearing bulletproof jackets, reached the canal track near Kasambad Canal Pool on foot. About 60-70 steps away, Inspector Rajeev Chaudhary saw two people coming from the Paindapur forest side in torch light, Police team went ahead to stop them. Inspector Seohara Shri Rajeev Chaudhary, while introducing himself, asked the criminals to surrender. One of the criminals said that police have surrounded us, open fire or we will be killed.

The Inspector Incharge informed the police control room. The criminal-duo, seeing police, in front, suddenly started firing towards the police with the intention of killing them. SHO Shri Rajeev Chaudhary loudly challenged the criminals to stop firing and surrender, but the fierce, ferocious and cruel criminals continued firing heavily, in which the vital organs of Shri Rajeev Chaudhary, Inspector, Shri Jaiveer Singh Sub-Inspector, Head Constable Raees Ahmed and Constables Ajay Kumar & Arun Kumar were hit by bullets.

Inspector Shri Rajeev Choudhary, Sl Shri Jaiveer Singh, Head Constable Raees Ahmed and Constables Ajay Kumar & Arun Kumar fought with indomitable courage & determined to capture criminals alive. During exchange of fire between police party and criminals, one criminal fell down injured at 01.37 hrs., who later died and identified to be Notorious & Dreaded Aditya Rana @ Ravi and sophisticated fire-arms & ammunition used by him were recovered successfully.

In this operation, S/Shri Rajeev Chaudhary, Inspector, Jaiveer Singh, Sub-Inspector, Raees Ahmad, Head Constable, Arun Kumar, Constable and Ajay Kumar, Constable of Uttar Pradesh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 12.04.2023.

(File No.-11020/40/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 137—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of West Bengal Police :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Sanjib Senapati	Inspector	GM
2.	Altab Hossain	Sub-Inspector	GM
3.	Ratan Kumar Roy	Assistant Sub-Inspector	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

Shri Sanjib Senapati, serving as Inspector In-charge, alongside officers SI Altab Hossain and ASI Ratan Kumar Roy of Ranaghat PS, exhibited exceptional courage and dedication during a pivotal incident.

While on duty at Ranaghat PS, a dacoity incident unfolded at the Senco Gold branch named "Sonajhuri" near Chabi Gate area under Ranaghat PS on 29.08.2023, around 15:00 hours. The police team promptly responded to the information, reaching the location without delay. Miscreants, exiting the shop with stolen items, initiated gunfire towards the police personnel. At a crucial moment when other officers hesitated to pursue the dacoits, Insp Sanjib Senapati, SI Altab Hossain and ASI Ratan Kumar Roy fearlessly retaliated by counter-firing through his service revolver and pursued them, disregarding their own safety. This brave confrontation occurred on the crowded streets of Ranaghat Town area in the afternoon, with school students present on the street. Because of their responsible actions, no pedestrian was harmed.

Their intervention led to the injury and subsequent arrest of one-armed miscreant, along with the capture of four other accomplices and the recovery of stolen items. The successful operation resulted in the arrest of five (05) miscreants and the confiscation of gold and other valuable totaling approximately Rs. 1.54 crores, along with a cash amount of Rs. 3.71 Lakhs. Additionally, five (05) firearms with 25 rounds of ammunition were seized from the miscreants.

During the crossfire incident with the accused persons, Manikant Yadav @ Manikant Dev Kumar (19 Yrs.) S/O Vishnudew Kumar of Gopalpur PO Gokule PS Bidupur Dist. Baisali, Bihar, was arrested with a bleeding injury and admitted to Ranaghat SD Hospital on 29.08.23. The sequence of events underscores exemplary courage and outstanding dedication of Insp Sanjib Senapati, SI Altab Hossain and ASI Ratan Kumar, successfully thwarting the dacoits plans without considering the potential risks to their own lives.

In this operation, S/Shri Sanjib Senapati, Inspector, Altab Hossain, Sub-Inspector and Ratan Kumar Roy, Assistant Sub-Inspector of West Bengal Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 29.08.2023.

(File No.-11020/04/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 138—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Assam Rifles :—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Md Khambaton Khan	Havildar	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

Havildar (General Duty) Md Khambaton Khan is a hardworking and motivated soldier, who has worked hard to ensure a stupendous intelligence base in the unit. He has taken part in several operations in an intense counter insurgency environment, leading to a number of apprehensions, surrenders and neutralization of hardened militants.

On 09 August 2023, an input was received from own sources regarding movement of three-armed National Socialist Council of Nagaland-Khaplang (Nikki) cadres, towards of Hukanjuri village of Tirap district. Based on the input, a search operation was launched by a joint team of own troops and Tirap Police in areas around Hukanjuri. By evening, one militant of the group was apprehended. Operation continued in search of the other two militants.

On 10 August midnight, Sources of Havildar Khan informed that two cadres were obsen/ed in forest near Noitong village of Tirap district. The joint team rushed and started search of the area. At about 0615 hours, another source of Havildar Khan informed that local woodcutters had spotted two suspects moving in the forested area between Noitong and Hukanjuri. The search team quickly reorganized into an ambush. Havildar Md Khambaton Khan, commander of one of the groups, tactfully concealed his group from fire and observation, to ensure success of the operation. At 0645 hours, he observed two hardcore cadres come out of the forest and moving towards them. Havildar Khan challenged the suspects to stop. Both individuals opened fire at own troops that narrowly missed Havildar Khan and another soldier. Havildar Md Khambaton Khan, unmindful of his personal safety under intense fire, maintained his calm and brought down accurate fire on militants, alongwith Havildar Ashwani Kumar. The swift reaction and immediate counter fire brought by the Non Commission Officer immediately neutralized one militant, and frightened the other so much that he fled the scene dropping the weapon he was firing with. Havildar Md Khambaton Khan's display of undaunting courage under fire, resulted in neutralization of Self Styled Secretary of the banned group, and made another militant flee. The two were known to intimidate locals and extort money from them. A recovery of one 9mm Beretta pistol, one-point 32mm pistol, twelve live rounds and other war-like stores was also made.

In this operation, Shri Md Khambaton Khan, Havildar of Assam Rifles displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 10.08.2023.

(File No.-11020/184/2023 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

———————

No. 139—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM), Posthumously to the under mentioned personnel of Border Security Force (BSF) :—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Late Shri Mahendra Singh	Sub-Inspector	GM (Posthumous)

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 10th November 2018 to ensure safe and secure conduct of the First Phase Assembly Election of Chhattisgarh scheduled on 12/11/2018, the troops of 35 Bn BSF (Adhoc-430 Bn) and Adhoc-426 Bn consisting of 05 teams left for area domination operation for a period of 03 days and 02 nights.

An operation under command of Sh Jaiveer Khoth, AC, was launched from COB Udanpur Ex-35 Bn BSF. On 10th November 2018, Team- 03 cleared village Mindi and surrounding area and also secured the jungle area near village Gattakal at the fringes of Abujmaad and took LUP during intervening night 10/11 Nov 2018. Next morning i.e. on 11th November 2018, Sh. Jaiveer Khoth, AC divided his team into two parties- one led by himself on the left flank and the other led by

SI Mahendra Singh on the right flank. At about 0835 hrs, while negotiating a nallah near village Gattakal, SI Mahendra Singh, who was leading the right flank, suddenly saw Maoist just across the nallah. Sensing the situation, he immediately, opened fire towards the Maoists, who had taken position in the thick and impregnable jungle with proper camouflage. To inflict maximum casualty on BSF troops, the Maoists resorted to heavy volume of fire and triggered 11 (eleven) lEDs, of the 31 (thirty-one) planted. SI Mahendra Singh, with scant regard to his safety, immediately took position and started firing, forcing the Maoist to flee. During the ensuing encounter, SI Mahendra Singh sustained critical splinter/bullet injuries on his neck and chest. Despite being seriously injured, SI Mahendra Singh, exhibiting valour and courage, fired 11 rds from his AK-47 on the Naxals and pinned them down. His valiant action, allowed other members of the party to extricate themselves from the effective fire of the Naxals.

Due to excessive bleeding, SI Mahendra Singh subsequently succumbed to his injuries while being evacuated to COB Udanpur where Doctors declared him brought dead. However, he ensured that his own party remained out of effective fire by the Naxals. His valiant action also forced Naxals who were well entrenched to run away.

SI Mahendra Singh displayed exemplary courage, camaraderie and dedication without caring for his safety to save his own men under command by taking the first burst of Maoist's fire. He retaliated the Maoist fire with grit & determination that forced the Maoist to withdraw in Abujmaad and prevented them from causing further damage by detonating the remaining lEDs.

In this operation, Late Shri Mahendra Singh, Sub-Inspector of Border Security Force displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 11.11.2018.

(File No.-11020/56/47/2022 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 140—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Border Security Force (BSF) :—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Narbhu Sherpa	Head Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 20th April 2023, HC (GD) Narbhu Sherpa was part of an Ambush cum Patrol (ACP) Party of BOP- Khoiltor, 'C' Coy of 175 Bn BSF which led by HC (GD) Ray Singh Bhagel. HC (GD) Narbhu Sherpa has been positioned at vulnerable Tangon river bridge (GIN No 183). At about 2130 hrs, HC (GD) Narbhu Sherpa, observed suspicious movement of 5-6 miscreants from Bangladesh towards IBBF. He rushed towards the miscreants and challenged them to stop their movement. All of a sudden, 6 to 7 Indian miscreants who were hiding in cover of thick vegetation/bushes came out, encircled and attacked him with sharp edged weapons and sticks with an ill intention to neutralize him and snatch his weapon. During scuffle, HC (GD) Narbhu Sherpa bravely defended himself against all odds and to safeguard his weapon and also sought for help, but he sustained injury due to impact of sharp-edged weapons on nose, left eye and forehead during the close quarter scuffle with miscreants. The loud noise of shouting alarmed nearby Sentries and ACP Comdr. ACP Comdr as well as flanking Sentries rushed towards the side. Seeing the BSF reinforcement, the miscreants fled away from the spot taking the advantage of darkness and undulating ground but HC (GD) Narbhu Sherpa caught hold one of the injured miscreants at the spot. On searching the area, the BSF party recovered 100 Bottles Phensedyl and 01 Mobile Phone.

Despite heavily outnumbered, injured HC(GD) Narbhu Sherpa apprehended 01 Indian Smuggler. It shows his conspicuous velour, courage, determination and devotion towards his duty despite clear threat to his life.

In this operation, Shri Narbhu Sherpa, Head Constable of Border Security Force displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 20.04.2023.

(File No.-11020/24/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 141—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Border Security Force (BSF):—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Mukesh Chand	Head Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 18.02.2023 at about 2100 hrs, a specific information about Phensydyl smuggling in the AOR of BOP Teengaon, 152 Bn BSF was shared by Sh Mukesh Kumar, DC (G), FGT Kishanganj, which was further developed/corroborated by HC(G) Mukesh Chand of FGT Kishanganj deployed in AOR of Bn & Offg Commandant, 152 Bn BSF. The information was shared with Inspector (GD) R K Arhson, Offg Coy Cdr, BOP Teengaon, 152 Bn BSF. The updated information was immediately Shared with Offg Commandant, 152 Bn BSF, who immediately directed all concerned to be extra alert in the AOR.

As per direction of Offg Commandant, 152 Bn BSF, Spl Ops was planned in depth area alongwith Insp Arhson, Offg Coy Cdr, HC Ratan Debnath, Ct Tanmoy Nayak and Ct (Dvr) Man Singh accompanied with HC(G) Mukesh Chand. At about 2115 hrs, Spl Ops party reached at the site from where the input about the movement of the smugglers was expected. The site was about 1400 M from BOP Teengaon in southern direction near Village Goalin.

The entire Spl Ops party was familiar with the terrain & tactics of smugglers, accordingly team divided themselves into 02 groups to cover anticipated ingress routes of smugglers i.e. one group in the maize field and another in brinjal orchard respectively near the notorious Village Goalin. The Spl Ops party deployed themselves in highly professional & tactical manner keeping surprise, waited for the arrival of the smugglers clandestinely holding their nerves.

At about 2230 hrs, the Spl Ops party observed movement of 03-04 smugglers carrying some load on their, back. As the smugglers reached near the Spl Ops party location, they challenged/ run toward them. In no time, Spl Ops party manage to cordon the smugglers from all the directions. Seeing the circumstances & fierce reaction of Spl Ops party, the smugglers dropped the load on ground and started running in the nearby maize bushes.

At this moment, HC (G) Mukesh Chand showed highest degree of reaction capabilities, started chasing the smuggler in the dense maize field to arrest him & followed by the rest of the Spl Ops party team members in the dense maize field. As a result of the extremely swift & immediate action, HC (G) Mukesh Chand was able to catch hold of one of the smuggler from the spot. In the close quarter action with HC(G) Mukesh Chand, the smuggler also reacted fiercely & fired one round from a local small fire arm due to which HC(G) Mukesh Chand sustained 'Gun shot Bullet injury' on left side of his abdomen.

On hearing the sound of Gunshot, HC Ratan Debnath, 152 Bn BSF fired 01 Rd from his INSAS rifle in air to create operational deterrence among smugglers & it also proved an operational master stroke during the action. In the action, HC(G) Mukesh Chand got injured due to 'Gunshot Bullet injury' despite that he did not loosen his grip on the smuggler despite clear and present danger to his life. Immediately other members of the Spl Ops party reached on the spot and overpowered the smuggler. The rest of the smugglers fled away toward nearby villages taking advantage of darkness and high raised maize crop.

HC (G) Mukesh Chand was immediately evacuated to BOP Teengaon, 152 Bn BSF, from there he was evacuated to BPHC, Lodhan. After providing first aid at BPHC Lodhan, he was referred & evacuated to 'Sub Divisional Hospital', Islampur along with 'Bn Nursing Assistant' in Unit Ambulance. They reached at SDH, Islampur at 190015 hrs. After initial investigation & X-ray, it was found that none of vital organ found damaged, the condition of HC (G) Mukesh Chand was stable.

During the operation, the entire operational area was searched by the Spl Ops party which recovered 04 plastic Poly bags filled with Phensedyl and 01 No local fire arm from the maize field. The items were seized & smuggler Md Sumon, 20 years S/O Md Akhtar R/O Vill Maradhar, PO Monatoli, PS Haripur, Dist Thakurgaon, Bangladesh was apprehended.

During the above Spl Ops of 152 Bn BSF, HC (G) Mukesh Chand showed intrepid nerves of steel, took immediate control of situation, sited/ grouped the party in most effective manner as per the information. He showed highest degree of bravery, despite adverse terrain & thick vegetation, manoeuvred himself to grab the smugglers. Showing total disregard to his own safety, he continued to catch hold of apprehended smuggler and grappled with criminal who was armed to protect the other members of Spl Ops party.

In this operation, Shri Mukesh Chand, Head Constable of Border Security Force displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 18.02.2023.

(File No.-11020/28/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 142—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM), Posthumously to the under mentioned personnel of Border Security Force (BSF) :—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Late Shri Ranjit Yadav	Constable	GM (Posthumous)

Statement of service for which the decoration has been awarded

An ethnic clash erupted on 03 May, 2023 in the State of Manipur between Meitei and Kuki Communities. 'A' Coy Ex-163 Bn BSF under Adhoc M&C-IV Bn was deployed for Law & Order duties at Serou Practical High School, Distt - Kakching in Manipur since 30 May, 2023. The situation in and around Sugnu was volatile since the beginning of the ethnic clash as the population consist of both the Meitei and Kuki communities.

On 06 June 2023 at about 0415 hrs, some unknown miscreants opened indiscriminate fire from almost all directions on 'A' Coy Ex-163 Bn BSF. Ct (GD) Ranjit Yadav was performing duty at LMG Morcha No.2 on roof top of Serou Practical High School building from 0200 hrs to 0500 hrs with co-sentry Ct (GD) Mahanta Rajbangshi. Despite of heavy volume of fire, Ct (GD) Ranjit Yadav retaliated gallantly and fired 08 rounds of 7.62 mm from his personal weapon. However, during exchange of fire, one bullet of miscreants hit on left upper back of Ct (.GD) Ranjit Yadav and he fell down on the ground inside the morcha. Co-sentry immediately informed Shri Parveen Chander, AC/Coy Comdr 'A' Coy through Radio set. On hearing this, Ct Dinesh Kumar Newar, at Morcha No. 3 rushed to Morcha No. 2 immediately and found Ct (GD) Ranjit Yadav lying unconscious, blood was oozing. He immediately removed BP Jacket and helmet of injured Constable. Coy Comdr also reached on the spot and with the help of available troops, Ct/GD Ranjit Yadav was moved to a safe place amidst heavy volume of fire, evacuated to Ml Room of Assam Rifle and further to Jeevan Hospital Kakching where treating doctor declared him brought dead at about 0718 hrs.

During the firing incident by miscreants, Ct (GD) Ranjit Yadav, Ex-163 Bn BSF displayed gallant and indomitable courage with utter disregard to personal safety and saved the life of fellow soldiers beyond call of duty and laid down his life for the cause of the Nation. He proved himself to be a true BSF soldier and may be given a Sobriquet "True Soldier". His courage under stress and fidelity towards his duty is appreciated as an example of Bravery of a Soldier.

In this operation, Late Shri Ranjit Yadav, Constable of Border Security Force displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 06.06.2023.

(File No.-11020/29/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 143—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) and Medal for Gallantry, Posthumously to the under mentioned personnel of Border Security Force (BSF) :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Ashok Kumar	Assistant Commandant	GM
2.	Late Narender Kumar	Constable	GM (Posthumous)

Statement of service for which the decoration has been awarded

An ethnic clash erupted on 03 May, 2023 in the state of Manipur between the Meitei and Kuki communities. 'C' Coy EX-122 BN under Adhoc M&C-I BSF was deployed at Moreh, Dist-Tengnoupal Manipur on 08 May 2023 for Law-and-Order duties. On 28 May 2023 at about 1000 hrs, the situation of ongoing conflict between Meitei and Kuki in Moreh town became volatile as miscreants started torching houses and shops. The situation further worsened after one civilian was killed by firing from Assam Riffles. People started coming out of their houses and many ladies gathered on the road and moved towards Moreh market town area while more houses were burnt.

Own troops Picketing duty of Point No. 1, at the back side of Elora Hotel comprising 01 SO and 01 OR came under fire from armed militants which was retaliated by BSF party in self-defence while ASI Rajnarayan Singh informed Shri Ashok Kumar, AC/Coy Comdr who was on the area domination along with guard party since 0800 hrs through radio set that reinforcement was needed as Picket No. 2 also as it was also under fire. Coy Comdr alongwith guard party including CT Narender Kumar sensing the danger to loss of Govt property/property belonging to civilians, rushed towards picket No. 2, CT Narender Kumar also sensed the threat as irate mob was very violent and hell bent to burn Elora Hotel. Coy Comdr told SI Jerry Jerald Ekka to call Coy HQ through radio set for reinforcement while large protestors mostly women started shouting slogans against the Govt. Coy Comdr along with CT Narender Kumar tried to persuade the womenfolk. The mob become more violent and started shouting to allow them to burn Elora Hotel where they claimed that some Police Commandos were hiding. CT Narender Kumar and CT Choudhary Ashish Kumar noticed some men with petrol bombs, Gullels and weapons in their hands. On sensing imminent danger and threat, both Coy Comdr and CT Narender Kumar distanced themselves from the mob and Coy Comdr fired 01 round from his personal weapon with the intention to disperse the mob. The mob dispersed and hide themselves in the narrow lane which is followed by indiscriminate firing by miscreants towards the BSF party. On seeing the miscreants/militants from among the crowd aiming their weapon and inching towards them firing, CT Narender Kumar alerted his Coy Comdr without caring for his life and safety of himself. He maneuvered ahead to assess the situation as only he was present with Coy Comdr. CT Narender Kumar tactically maneuvered cocking his weapon. During this maneuvering, CT/GD Narender Kumar was hit by a bullet on his head. Shri Ashok Kumar, AC ordered the guard party and Picketing party of Point No. 1 to take cover and retaliate, at the same time a bullet hit him on the right palm. In retaliation Shri Ashok Kumar, AC and BSF party also fired in self-defence towards the miscreants. Both injured were evacuated to Assam Rifles Hospital and further RIMS Hospital Irhphal at about 1350 hrs by BSF Hepter. CT Narender Kumar succumbed to his injuries and got Martyrdom on 29 May 2023 at 1818 hrs and Shri Ashok Kumar, AC/Coy Comdr was discharged from RIMS Hospital Imphal after treatment.

During the firing incident by miscreant/militants, CT Narender Kumar, 122 Bn BSF displayed indomitable courage with utter disregard to personal safety and devotion beyond call of duty. He not was able to save life of his fellow soldier and civilians but also the property belonging to villagers because the miscreants/militant were on the rampage burning and plundering houses. CT Narender Kumar laid down his life for the cause of the Nation. CT Narender Kumar, 122 Bn BSF proved himself to the sobriquet of a BSF soldier, and that is courage under stress and fidelity towards his duty.

In this operation, S/Shri Ashok Kumar, Assistant Commandant and Late Narender Kumar, Constable of Border Security Force displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 28.05.2023.

(File No.-11020/30/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 144—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM), Posthumously to the under mentioned personnel of Central Reserve Police Force (CRPF) :—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Late Shri Raushan Kumar	Sub-Inspector	GM (Posthumous)

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 11 February 2019 based on an input received from Unit Int Cell regarding movement of prominent armed Maoists cadres in Eastern Chakrabandha Forest, adjacent to Vill Asurain, PS Lutua, Distt Gaya, Bihar, a SADO was launched by 06 teams of 205 CoBRA, 02 Coys each of 153 CRPF and 159 CRPF, 01 Coy of 29 SSB, 02 teams of Abhiyan Dal and 02 teams of STF, Bihar Police.

Accordingly, three strikes teams; two teams each of CoBRA, were mainly formed and tasked to hit the target area. On 12 February 19, after proper briefing and weighing the opportunities and threats, the teams advanced towards the target area through different routes stealthily. After traversing and maneuvering through the dense forest on a pitch-dark night, all the three strikes reached target area and took LUP. The next day early morning while all the strikes while advancing towards the next target, recovered two IEDs which were destroyed on the spot after adopting due precautions. The team of SI/GD Raushan Kumar who was part of strike one, while advancing towards the target area, came under heavy fire of the Maoists who were at a dominating position and had taken cover behind big boulders. Immediately, SI/GD Raushan Kumar along with Ct/GD Rahul Tiwari, Ct/GD Dharmendra Singh Rathore, Ct/GD Hitesh Engti and Ct/GD Diganta Kumar Bora took positions and retaliated with heavy fire and simultaneously continued their advance tactically.

On realizing, the terrain, as a major obstacle, in putting effective fire on the Maoists, SI/GD Raushan Kumar crawled ahead, reached closer to the boulders, shielding the Maoists and their camp and retaliated the fire of the Maoists. The teams continued to fire and advanced without caring for their own safety and remained valiant. The coordinated counter attack, stunned the Maoists and broke their ranks as a result, the Maoists started fleeing from the site, taking advantage of the undulating terrain. Seeing this, SI/GD Raushan Kumar along with his teammates started a hot pursuit and during the course of pursuit, unfortunately, SI/GD Raushan Kumar stepped over an IED planted by the Maoists.

Consequently, the detonation of the IED resulted in severe injuries to SI/GD Raushan Kumar. Despite receiving fatal injuries and bleeding profusely, the valiant commander kept firing and subsequently succumbed to his injuries. His other teammate; Ct/GD Diganta Kumar Bora also sustained splinter injuries.

SI/GD Raushan Kumar, despite initial reverses, sustained due to IED blast persevered with unflinching commitment, exhibited unparallel bravery, fought valiantly and sacrificed his life on the altar of duty, in dislodging a well-trenched enemy who was protected by fortifications that too at a dominating feature.

In this operation, Late Shri Raushan Kumar, Sub-Inspector of Central Reserve Police Force displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 13.02.2019.

(File No.-11020/3270/48/2022 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

———————

No. 145—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Central Reserve Police Force (CRPF) :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Mahale Manish Gorakh	Second-In-Command	GM
2.	Mukesh Kumar Sevaria	Deputy Commandant	GM
3.	Anil Kumar	Assistant Commandant	GM

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
4.	Bijay Kumar Thakur	Inspector	GM
5.	Pawan Kumar	Head Constable	GM
6.	Antesh Kumar	Head Constable	GM
7.	Manoj Kumar	Constable	GM
8.	Viplav Kumar	Constable	GM
9.	Adesh Kumar	Constable	GM
10.	Somveer	Constable	GM
11.	Vishal Kumar Yadav	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 16 March 2021, an input was developed and confirmed by Insp/Int Bijay Kumar Thakur of RFT Patna regarding the movement of a small group of 07-08 Maoists, led by Amresh Singh Bhokta (ZCM) and Shiv Poojan Yadav (SZCM) in an eastern direction of Village Kokna, PS Dumaria, Distt Gaya, Bihar and was subsequently shared with the unit by DIG, Range Patna.

Accordingly, an operation was planned as per the directives of Shri Sanjay Kumar, DIG Range Patna at Tac Gaya and under the command of Shri Mahale Manish Gorakh, 2 IC, 205 CoBRA and Shri Mukesh Kumar Sevaria, DC, 205 CoBRA along with State Police. The two teams, namely team No 18 and 02 were assigned to execute the operation under the command of Shri Mukesh Kumar Sevaria, DC, and Shri Anil Kumar, AC respectively. While preparing the plan, another intelligence input was received regarding the presence of 16-17 armed Maoists in a nearby jungle/hilly area which was provided by Commandant, 159 CRPF to the DIG Range Patna and subsequently shared with Shri Mahale Manish Gorakh, 2 IC, and Shri Mukesh Kumar Sevaria, DC. Accordingly, the plan was revised by including additional troops. Another source was also consulted by DIG, Range Patna, to identify the exact location of the target house located in the Village Maunbar. The precise location of the target house was identified by showing Google images of the village. The target house was located approximately 770 meters northeast of the main village of Maunbar, adjacent to the hill.

The troops were strategically positioned with HC/GD Pawan Kumar, Ct/GD Adesh Kumar, Ct/GD Viplav Kumar, and HC/RO Antesh Kumar on the right side of the house, while on the left side, Shri Mahale Manish Gorakh, 2IC, Ct/GD Vishal Kumar Yadav, Shri Anil Kumar, AC were placed. In the front area of the house, Shri Mukesh Kumar Sevaria, DC, was accompanied by Ct/GD Manoj Kumar and Insp/Int Bijay Kumar Thakur. At the back side of the house, Ct/GD Somveer and other commandos were placed.

The civilians present near the house, including a child playing in the house, were carefully evacuated without alerting the Maoists. After evacuating civilians to the safety, the Maoists were advised to surrender, but to no avail, the door of the suspected house opened and two Maoists sprang out, opening heavy fire with sophisticated weapons towards the cordon party. Their firing was further supported by a few IED blasts on the hills in the vicinity of the house, as another group of armed Maoists was also present in the area. However, seeing the ferocious approach of the elite jungle warriors, they did not come down to support their trapped Maoist commanders. The Maoists put up heavy fire from the house with the intention of inflicting heavy casualties on the cordon party and snatching away their weapons. Immediately, two another Maoists, inside the house opened fire through the inner door in the direction of the cordon party.

The commandos, acting under the orders of their commander, executed a controlled counter fire to protect themselves and their weapons. The well-coordinated efforts of the CoBRA commandos, employing fire-and-move tactics while engaging the enemy, prevented the two Maoists from sustaining their attack for long, resulting in their neutralization. However, two other Maoists, entrenched inside a nearby house, continued to heavily fire through the inner door while hurling abusive language at the security forces.

Upon obtaining consent from Shri Mahale Manish Gorakh, 2 IC, Shri Mukesh Kumar Sevaria, DC, took Insp/Int Bijay Kumar Thakur and proceeded to advance towards the Maoists in a tactical manner, with the cover fire provided by Shri Anil Kumar, AC, Ct/GD Manoj Kumar. With no regard for their own lives, Shri Mukesh Kumar Sevaria, DO and Insp/Int

Bijay Kumar Thakur fearlessly crawled towards the enemy amidst the bullets flying past them. Upon reaching the inner door of the house, they took positions behind small boulders.

After positioning themselves, Shri Mukesh Kumar Sevaria, DC, signaled to his teammates to cease covering fire. This sudden cessation surprised the Maoists, who briefly appeared on the inner door to assess the situation before resuming their attack. In the meantime, Shri Mukesh Kumar Sevaria, DC, and Insp/Int Bijay Kumar Thakur took a bold step, deciding to confront the Maoists head-on. The Maoists fired indiscriminately in an attempt to kill them, but they narrowly escaped and immediately retaliated. Their surprise attack worked and the Maoists were terrified. Failing to find any respite from the forces, the Maoists attempted to flee and stepped out of the threshold of the door, firing indiscriminately. Shri Mukesh Kumar, DC and Insp/Int Bijay Kumar Thakur were waiting for this move and delivered a fatal blow to the fleeing Maoists, resulting in their neutralization.

During the post encounter search, the dead bodies of four hardcore Maoists, including two with rewards, were recovered along with a large cache of arms and ammunition including 02 AK 47 rifle, 01 HK-33 rifle, and 01 INSAS rifle. Slain Maoists were later identified as Amresh Singh Bhokta, Shiv Poojan Yadav, Udai Paswan, and Sita Bhuiya Zonal Commander and Sub Zonal Commanders respectively.

In this operation, S/Shri Mahale Manish Gorakh, Second-In-Command, Mukesh Kumar Sevaria, Deputy Commandant, Anil Kumar, Assistant Commandant, Bijay Kumar Thakur, Inspector, Pawan Kumar, Head Constable, Antesh Kumar, Head Constable, Manoj Kumar, Constable, Viplav Kumar, Constable, Adesh Kumar, Constable, Somveer, Constable and Vishal Kumar Yadav, Constable of Central Reserve Police Force displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 16.03.2021.

(File No.-11020/08/2023 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 146—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Central Reserve Police Force (CRPF):—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Surendra Kumar Yadav	Head Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 25 February 2022, based on an int input about the presence of an armed group of Naxals in the strong-hold area in Chhakarbandha forest area around Langorahi, Pachrukhiya, Brahamdev Bathan, Kariba Dhoba, Bandi & Doodhjhagrapahar PS Madanpur, Distt Aurangabad, Bihar, a special SADO was launched by 205 CoBRA, 47 CRPF and Bihar Police. Team no 01, 02 & 10 of 205 CoBRA along with A Coy of 47 CRPF were tasked to hit the target area at about 1100 hrs.

Team 2 was led by Shri Bibhor Kumar Singh, AC which also included HC/RO Surendra Kumar Yadav. This team was the main strike team and while advancing towards the given point at Karibadobha, they came under heavy fire from the Naxals, hiding behind the boulders on the adjoining hillock.

In response to that, HC/RO Surendra Kumar Yadav who was along with the Team Commander Shri Bibhor Kumar Singh, swiftly maneuvered his team from the right flank to provide flanking support to the team who had come under ambush and break the ambush laid by the Naxals. Naxals had also fortified their defence by planting command and pressure IEDs. To counter this Naxal attack, and considering the critical and dangerous circumstances, ensuring troop safety became paramount. HC/RO Surender Kumar, disregarding his own safety, continued to advance and engage in gunfire alongside his team commander. This sudden heavy firing from the flank shambled the morale of Naxals and they started to flee from the site. While retreating, Naxals kept firing incessantly upon the troops taking cover of boulders and trees.

In the process of retaliation, HC/RO Surendra Kumar Yadav along with Shri Bibhor Kumar Singh, AC came under the impact of an IED blast, resulting in sustenance of grievous injuries to HC/RO Surendra Kumar Yadav along with Shri Bibhor Kumar Singh, AC. Despite the life-threatening situation and their critical injuries, HC/RO Surendra Kumar Yadav maintained his composure and courageously continued firing. He displayed the highest level of valor, determination and bravery by providing covering fire to his team, even while experiencing intense pain and suffering. He persevered in his firing and effectively fulfilled his essential role as a signal person, ensuring uninterrupted command and control. His heroic actions and unwavering determination enabled his team to launch a coordinated and determined counterattack, compelling the Naxals to retreat. This ultimately safeguarded the lives of the troops and paved the way for the 205 CoBRA troops to secure the hilltop and establish control over the area.

The outstanding courage and presence of mind exhibited by HC/RO Surendra Kumar Yadav prompted the Naxal group to withdraw, consequently preserving the lives of his fellow team members. His unwavering resolve, determination, and resolute counterattacks, even while dealing with severe injuries, compelled the Naxals to abandon their position in the encounter area. This act of bravery not only safeguarded troop's lives but also contributed to dismantling the Naxal Camp. During the operation, large quantities of IED making materials were recovered from the incident site.

In this operation, Shri Surendra Kumar Yadav, Head Constable of Central Reserve Police Force displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 25.02.2022.

(File No.-11020/137/2023 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 147—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) and 1st Bar to Medal for Gallantry to the under mentioned personnel of Central Reserve Police Force (CRPF) :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Teja Ram Choudhary	Assistant Commandant	1st BAR TO GM
2.	Ganesh Chand Jat	Constable	GM
3.	Jeet Tanti	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 02 October 2022, based on specific input received from SSP Shopian about presence of terrorists in Vill Baskuchan, PS Imamsahib, Distt Shopian, J&K, a CASO was launched by 178 CRPF, 44 RR and SOG of J&K Police. CTT of 178 CRPF under command of Shri Teja Ram Choudhary, AC, along with SOG Imamsahib of J&K Police reached village Baskuchan and laid initial cordon.

Eight houses surrounding the target house were cordoned off and all potential escape routes were sealed. Residents of the houses within the cordon were evacuated to safer locations, where they were interrogated regarding the possible presence of terrorists. Meanwhile, an information shared by J&K Police confirmed the presence of terrorist Naseer Ahmad Bhat in target house.

Shri Teja Ram Choudhary, AC promptly shared information with Commandant 178 CRPF, about a terrorist being trapped in the inner cordon. A team from 44 RR also arrived and reinforced the inner cordon. Considering that the trapped terrorist was a local resident, two additional companies, namely D Coy of 178 CRPF and E Coy of 178 CRPF were deployed at the Baskuchan-Nowpora axis and Baskuchan-Sangren road axis, respectively to deal with any potential law and order situation. The QAT of 178 CRPF also reached the operation site and took position in the outer cordon.

After the strategic positioning of troops, the owner of target house was interrogated regarding the accurate no. of terrorists hiding in his residence. He verified that only one terrorist, Naseer Ahmad Bhat was present armed with an AK series

weapon. Additionally, some local residents provided information that two unidentified individuals carrying weapons were seen in the village during Fajr Namaz (first Morning Prayer), although their exact locations were not confirmed.

As per the plan, four houses adjacent to the target house were designated as the firebase, with assault and HIT teams involving CTT of 178 CRPF, a team from SOG of J&K Police, and 44 RR. Few personnel, as directed were positioned at firebase/house No. 35 and at firebase/house No. 70 respectively. Ct/GD Ganesh Chand Jat and Ct/GD Jeet Tanti under the command of Shri Teja Ram Choudhary, AC of CTT 178 were deployed at firebase/target house. Additionally, two more SOG teams from Zainapora and Gagren joined the operation.

Following the deployment of assault teams in the firebase, an appeal was made to the terrorist to surrender; however, he did not respond. The trapped terrorist relocated himself to a newly constructed bathroom adjacent to the target house and commenced firing indiscriminately on the inner cordon party with the intention of inflicting harm to the troops. Accordingly, in response; all teams were alerted by the Commander from command post and the teams deployed at the fire base also retaliated effectively taking all due precautions.

Thereafter, when no movement on the part of the terrorist was observed, drones were deployed to pinpoint the exact location of the terrorist. As a drone approached the vicinity of the bathroom, the concealed position of the terrorist was revealed. The terrorist was positioned inside the bathroom with no available escape route. At this point, the decision was made to breach the walls of the bathroom by initiating simultaneous gunfire. Subsequently, the joint teams started firing together from the firebase to break the upper side wall of the bathroom. In response, the terrorist hiding in the bathroom started indiscriminate fire targeting on the teams deployed in the fire base.

As the teams of CTT of 178 CRPF and SOG Imamsahib got very close to the target house, they managed to breach the walls of the bathroom. As soon as the terrorist came into firing range from the firebase/target house, Shri Teja Ram Choudhary, AC and his buddy Ct/GD Ganesh Chand Jat and Ct/GD Jeet Tanti of CTT/178 CRPF came out from their position, displayed raw courage and without caring for their personal safety, opened effective fire together on the terrorist and neutralized him on the spot.

Thereafter, the entire area was thoroughly searched by the joint troops to ensure that no other terrorist was present in and around the target house. Post encounter search, dead body of one terrorist who was later identified as Naseer Ahmad Bhat, HM outfit, Categoiy C was recovered from the encounter site along with AK 56 Rifle 01, AK 56 magazines 03, AK 56 rounds 11 from his possession.

In this operation, S/Shri Teja Ram Choudhary, Assistant Commandant, Ganesh Chand Jat, Constable and Jeet Tanti, Constable of Central Reserve Police Force displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 02.10.2022.

(File No.-11020/10/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 148—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) and 2nd Bar to Medal for Gallantry to the under mentioned personnel of Central Reserve Police Force (CRPF) :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Teja Ram Choudhary	Assistant Commandant	2nd BAR TO GM
2.	Chandan Kumar	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 10/11 November 2022, based on a specific input received from SSP Shopian about the presence of some terrorists in village Kapren, PS and Distt Shopian, J&K, a CASO was launched by 178 CRPF, 34 RR and SOG of J&K Police. As per the plan, CTT of 178 CRPF under command Shri Teja Ram Choudhary, AC, along with 34 RR and SOG of J&K Police reached the target location at about 0420 hrs and laid initial cordon.

After assessment and careful deliberation, the 4-5 suspected houses, one Madrasa and one small Mosque, each constructed with a gap of 15-20 feet between every structure was kept within the inner cordon. The rear of the Madrasa was situated at a higher elevation and surrounded by a dense apple orchard which was further secured by the QAT of 178 CRPF.

As per the plan, the troops started the search operation and all residents of these houses, including teachers and students of the Madrasa, were evacuated to safe area. During questioning of evacuees, one Naseer Ahmad Mir (Madrasa teacher) revealed that he is the brother of the slain terrorist Rayees Ahmad Mir, who was killed during a joint operation conducted earlier on 08 December 2021 in the village of Chek-Cholan, Shopian, Jammu and Kashmir. After thorough questioning by Shri Teja Ram Choudhary, AC, of CTT 178 CRPF, Naseer Ahmad Mir (Madrasa teacher) confessed that on 09 November 2022, he had accompanied a Pakistani terrorist from Kulgam, who presently is hiding in one of the buildings cordoned by the troops.

Based on the above input, an intense search was launched to locate the hiding terrorist. Since Naseer Ahmad Mir (Madrasa teacher) had seen the terrorist, Shri Teja Ram Choudhary, AC took him to house No. 143. After a thorough search of house No 143, Naseer Ahmad Mir further disclosed that he had left the Pakistani terrorist between the Madrasa and the Mosque.

At about 0540 hrs, while the search of suspected houses was nearing completion and troops were closing into the last house, the hiding terrorist opened indiscriminate fire on the troops which was effectively retaliated.

Sensing tight cordon by troops from all sides, the hiding terrorist initiated a vigorous attack, on the troops. The troops deployed around the mosque retaliated effectively as a result of which, the hiding terrorist found himself trapped inside the mosque with no escape route except through a narrow lane leading to a cluster of houses. In an attempt to escape from the cordon, the terrorist leaped into the lane, however Shri Teja Ram Choudhary, AC, and his buddy Ct/Bug Chandan Kumar of CTT 178 CRPF displayed remarkable courage and with utter disregard to personal safety opened effective fire on the terrorist who was firing heavily while trying to escape and in this ensuing gunfight the terrorist was neutralized.

After the neutralization of the terrorist, the troops conducted a comprehensive search of the entire area to ensure that no other terrorists were present in and around the target house. Following the post-encounter search, the dead body of a terrorist, later identified as Anis Bhai, Category B of the JeM outfit, was recovered along with 01 AK 74 rifle, 04 AK 74 rifle magazines, 82 rounds of AK, and 08 API rounds.

In this operation, S/Shri Teja Ram Choudhary, Assistant Commandant and Chandan Kumar, Constable of Central Reserve Police Force displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 10.11.2022.

(File No.-11020/139/2023 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 149—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Central Reserve Police Force (CRPF):—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Dil Ram Yadav	Assistant Sub-Inspector	GM
2.	Ajit Das	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On midnight of 04-05 October 2022, based on a specific input received from SSP Shopian about the presence of terrorists in vill Molu, PS and Distt Shopian, J&K, a CASO was launched by 178 CRPF, 44 RR and SOG of J&K Police. Accordingly, joint teams of CTT of 178 CRPF under command Shri Teja Ram Choudhary, AC, along with 44 RR and SOG of J&K Police, Imamsahib reached the target location at about 0325 hr and laid initial cordon.

Meanwhile, QAT of 178 CRPF under the command of Shri Pramendra Narayan, DC reached the location and was deployed in the outer cordon to handle the law and order situation. As per the input received, one terrorist was present in the market area of Vill Molu. Consequently, a group of suspected houses and shops in the middle of the market area were cordoned off and a search operation was initiated.

The troops entered the market area from three directions. When the search teams reached the main market road of village Molu, the latest information revealed that the terrorist had entered into a two-storey shopping complex, located just across the road from houses No 16 and 17. Immediately, all civilians in the nearby houses and shopping complex area were evacuated to safer locations. Simultaneously, the troops entered the gallery of house no 16 and 17 from the west side and plugged all possible escape routes. A firebase was established at house No 16 and 17 jointly by the troops. Ct/GD Ajit Das and other personnel under the command of ASI/GD Dil Ram Yadav of CTT of 178 CRPF were placed at firebase no 16.

Personnel from CTT 178 CRPF and a team from 44 RR, SOG of J&K Police were positioned at firebase/house No 17. After ensuring the deployment of the joint teams at the firebase, an appeal was made to the terrorist to surrender; but he did not respond. The hidden terrorist started indiscriminate firing from the shopping complex on the joint cordon teams. The troops, placed at the firebase of house No 16 and 17, retaliated accordingly. Subsequently, after due deliberation it was decided to breach the south side wall of the complex and enter the complex. Accordingly, grenades were used by troops to demolish the shop's wall. As a result of the grenade explosions, the shop's wall got damaged, and the hidden terrorist came out from the shop and started firing indiscriminately in an attempt to kill the troops. During the retaliatory response by the troops, the terrorist sustained injuries, but he persisted in firing indiscriminately at the joint inner cordon teams.

At this critical moment, the team under the command of ASI/GD Dil Ram Yadav, deployed at firebase/house No 16, came under heavy fire but they tactically managed to save themselves from the firing of the terrorist. The terrorist was positioned directly in front of firebase/house No 16, due to which a tremendous barrage of bullets entered the firebase directly through the windows. However, the team placed at firebase/house No 16 effectively safeguarded themselves by actively monitoring the terrorist's movements. When the terrorist came within range, ASI/GD Dil Ram Yadav and Ct/GD Ajit Das, who had already assumed positions within firebase/house No 16, displayed remarkable courage. The duo, with utter disregard to their personal safety and in a coordinated effort, opened effective fire on the terrorist and neutralized him on the spot.

After the neutralization of terrorist, the entire area was thoroughly searched by the troops to ensure that no other terrorist was present in and around the target house. Post encounter search, dead body of one terrorist was recovered along with AK 56 rifle-1, AK 56 magazines-4 and live cartridges-12. The slain terrorist was later identified as Arif Rashid Wani of LeT outfit, Category "C".

In this operation, S/Shri Dil Ram Yadav, Assistant Sub-Inspector and Ajit Das, Constable of Central Reserve Police Force displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 04.10.2022.

(File No.-11020/147/2023 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 150—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Central Reserve Police Force (CRPF) :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Umesh Yadav	Deputy Commandant	GM
2.	Sabzar Ahmad Bhat	Constable	GM
3.	Raj Kumar	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 26 May 2022 at about 2105 hrs, based on specific input received from SSP Awantipora about presence of 02-03 terrorists in Village Aghanjipora under PS/PD Awantipora, Distt Pulwama, J&K, a CASO was launched by 130 CRPF, JKP/SOG and 55 RR.

As per plan, CTT 130 CRPF along with SOG J&K Police moved to target area to lay an initial cordon. Shri Umesh Yadav, DC, 130 CRPF was directed to keep ready with BP JCB in HQr camp. The Commandant 130 CRPF along with his protection party, D coy of 130 CRPF and one platoon of F 130 CRPF were placed near Padgampora Bridge to deal with probable law and order situation.

A cordon was laid around the target area to seal all potential escape routes. The remaining troops of 130 CRPF were placed tactically towards jungle side in the outer cordon. After confirming the presence of terrorists, a plan was deliberated and formulated for the search operation to eliminate the terrorists. At about 2130 hrs, when the search commenced, the terrorists opened fire on the search party from a nearby unoccupied one-storey building of the Irrigation and Flood Control Department located at the extreme western outskirts of Vill Aghanjipora. The firing was effectively retaliated and an appeal was made to the terrorists to surrender. But there was no response. The terrorists continued intermittent firing on the joint troops, which was effectively retaliated.

At about 2200 hrs, a terrorist started firing on the troops of the inner cordon. The terrorists strategically positioned themselves under the cover of thick and robust walls of the building as a result it was very difficult to put effective fire on terrorists due to thick walls of the building. Meanwhile, Shri Umesh Yadav, DC available at Bn HQr with BP JCB was asked to proceed towards the encounter site adopting safe/negotiable route and halt near D/F 130 CRPF location Padgampora Village in a ready position for further movement as and when required. Under supervision of Shri Umesh Yadav, DC, Ct/Dvr Raj Kumar, 185 CRPF brought the BP JCB (with attached Morcha) to the location. Shri Umesh Yadav, DC of 130 CRPF along with the BP JCB driver Ct/Dvr Raj Kumar of 185 CRPF placed in 1st team and were at viewing position in the driver's cabin. Ct/GD Sabzar Ahmad Bhat and others were placed in 2nd team and they took position in the attached morcha of the BP JCB.

As both the teams with BP JCB reached near the target house, terrorists started indiscriminate fire on BP JCB targeting the driver's cabin and attached morcha, and also lobbed two hand grenades which exploded a few meters ahead the BP JCB. The position of the terrorists hiding under the cover of the wall of the building was not visible due to darkness, dense bushes and dust and smoke spread all around due to explosion of hand grenades. Shri Umesh Yadav, DC in the cabin of BP JCB directed Ct/Dvr Raj Kumar (BP JCB Driver) to move forward and demolish the wall of the room of the target house. When the wall of first room was partially demolished, position of one of the terrorists was exposed. As soon as Shri Umesh Yadav, DC targeted the terrorist from the loop hole of the driver's cabin, terrorist changed his position and started firing on the attached morcha. Simultaneously, amidst firing; terrorist came very close to the driver's cabin of the BP JCB. Immediately, Shri Umesh Yadav, DC who was already positioned in driver's cabin of the BP JCB, displayed courage and without caring of his personal safety, he opened effective fire on the terrorist and neutralized him in a close quarter gun fight.

Ct/Dvr Raj Kumar played a very key role in manoeuvring the BP JCB under command of Shri Umesh Yadav, DC and followed directions given to him very professionally. After killing of first terrorist, the second terrorist hiding in second room of the target house started firing on the team placed in attached morcha of the BP JCB. While clearing the debris of the first room, Shri Umesh Yadav, DC, directed Ct/Dvr Raj Kumar to demolish the wall of the second room of the target house. When the wall of the second room was destroyed by BP JCB, position of hidden second terrorist was revealed. Sensing this, the second terrorist started firing on the team placed in attached morcha of the BP JCB. Ct/GD Sabzar Ahmad Bhat who was already positioned in attached morcha of the BP JCB, displayed raw courage and without caring of his personal safety, he opened effective fire on the second terrorist and neutralized in a close quarter gunfight.

After that encounter was over, entire area was thoroughly searched by the joint troops. During the search, dead bodies of two terrorists were recovered along with AK 56-01, AK Magazines-04, AK Ammunition rounds-43, Pistol-01, Pistol Magazine-02 and Pistol rounds 06 from their possession. The slain terrorists were later identified as Shahid Mushtaq, Category "C" and Farhan Habib, Category "C" both of LeT outfit. These slain terrorists were also involved in dastardly killing of innocent TV actor/artist late Amreen Bhat and injuring her minor nephew on 25 May 2022 in Budgam.

In this operation, S/Shri Umesh Yadav, Deputy Commandant, Sabzar Ahmad Bhat, Constable and Raj Kumar, Constable of Central Reserve Police Force displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 26.05.2022.

(File No.-11020/163/2023 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 151—Pres/2024- The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Central Reserve Police Force (CRPF) :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Naresh Kumar	Head Constable	GM
2.	Panchal Pankajbhai Dasharathbhai	Head Constable	GM
3.	Himangshu Haldar	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 11 July 2022, One Section of F coy of 152 CRPF under operational control of 130 CRPF was deployed for Naka duty during SANJY-22 at Wandakpora-Goripora crossing under PS Awantipora, Pulwama, J&K. At about 1215 hrs, a specific input was received from SSP Awantipora about the movement of some suspected terrorists in the vicinity of NH 44. Promptly, this information was disseminated to the troops and local Police with the direction to be alert and search vehicles at designated Nakas.

At about 1225 hrs, two persons on a motorcycle approached from the Padgampora side. Upon nearing the Naka checkpoint, HC/GD Panchal Pankajbhai Dasharathbhai and his buddy Ct/GD Himangshu Haldar, both from F coy of 152 CRPF deployed at Naka, signalled the motor cycle to stop. However, the motorcycle riders did not stop rather the pillion rider swiftly drew his pistol and started firing on the Naka party from the moving motorcycle. Consequently, the duo, immediately took cover behind the logs of wood lying on the road to protect them from the terrorist fire. Simultaneously, HC/GD Naresh Kumar and his buddy deployed on the cut-off towards Wandakpora, opened fire on the terrorists in self-defence, due to which both the terrorists got down from their motorcycle and started running. They took position behind the trees and started firing on the Naka party which was retaliated in self-defence by the troops.

Information about the terrorist's attack was promptly informed to higher ups and additional troops which include Coy QRT, J&K Police/SOG, Commandant 130 CRPF along with their protection party, CTT 130 CRPF, QAT 130 CRPF and 50 RR reached the operation site and augmented the cordon. The situation was reviewed and all the probable potential escape routes were sealed by the troops.

Amidst the ongoing encounter one of the terrorists, started indiscriminate firing from his automatic weapon, towards HC/GD Panchal Pankajbhai Dashrathbhai and his buddy Ct/GD Himangshu Haldar. Sensing the gravity of the situation, HC/GD Panchal Pankajbhai Dashrathbhai promptly asked for cover fire from the section. Responding swiftly, the section party provided cover fire, effectively suppressing the terrorists. Seizing the moment, HC/GD Panchal Pankajbhai Dashrathbhai and Ct/GD Himangshu Haldar, who were strategically positioned, exhibited remarkable bravery, with utter disregard to their personal safety, they jointly unleashed a decisive and effective counter-fire on the terrorist and neutralized 1st terrorist on the spot.

Simultaneously, the second terrorist, hidden in the sunken ground adjacent to the orchard, suddenly emerged and started firing from his Pistol towards HC/GD Naresh Kumar and started running towards Wandakpora under the cover of the orchard. Meanwhile, HC/GD Naresh Kumar, who had already assumed a strategic position, demonstrated exceptional courage and with utter disregard to his personal safety, unleashed precise and effective counter-fire on the fleeing 2nd terrorist, neutralizing him on the spot.

At about 1315 hrs, after the neutralization the second terrorist, entire area was thoroughly searched by the joint troops. Post encounter search, two dead bodies of terrorists were recovered along with AK 74 Rifle-1, AK Magazines-2, AK rounds-19, Pistol-1, Pistol Magazines-2, Pistol rounds-2 (live) and Motor Cycle (Bajaj Discovery- 125) bearing Reg No PB39G-0349. The slain terrorists were later identified as Kaiser Rashid, Category-"C" and Ishaq Ahmad, Category-"C", both of JeM outfit.

In this operation, S/Shri Naresh Kumar, Head Constable, Panchal Pankajbhai Dasharathbhai, Head Constable and Himangshu Haldar, Constable of Central Reserve Police Force displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 11.07.2022.

(File No.-11020/164/2023 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 152—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Central Reserve Police Force (CRPF) :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Surjit Kumar	Commandant	GM
2.	Ashutosh Vardey	Assistant Commandant	GM
3.	Ram Prakash	Constable	GM
4.	Pabitra Basumatary	Constable	GM
5.	Basavaraj Iranatti	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 30 August 2022, based on a specific input received from SSP Shopian about the presence of 3-4 terrorists in general area of Vill Hosangpora Nagbal under PS Zainapora, Distt Shopian, J&K, a CASO was launched by 178 CRPF, 44 RR and SOG of J&K Police.

As per the plan, Shri Surjit Kumar, Commandant of 178 CRPF along with his protection party and CTT of 178 CRPF, and E coy of 178 CRPF under the command of Shri Ashutosh Vardey, AC, successfully reached the target location and laid the initial cordon. Simultaneously, the troops of 44 RR and SOG of J&K Police promptly arrived at the target location, and strengthened the cordon. The target location was out of the village area in a big dense apple orchard. After due deliberation, 2-3 houses, where suspected terrorists were hiding was brought into the inner cordon and all probable potential escape routes were sealed.

At about 1700 hrs, Shri Surjit Kumar, Commandant with his protection party, team of E coy of 178 CRPF under command Shri Ashutosh Vardey, AC and CTT of 178 CRPF deployed in the inner cordon commenced the initial search from north-west side. Shri Surjit Kumar and his team commenced the search of houses No 79 and 80. While the search of the suspected houses was in progress, owner of house No 80, suddenly emerged from his house and shouted in Kashmiri language that three unknown terrorists were forcefully hiding in his house.

In response to this development, the terrorists concealed in house No 80 initiated indiscriminate gunfire from two windows directed at the joint troops. The joint troops effectively retaliated and through tactical maneuvers, managed to secure their safety. The exchange of fire confirmed the presence of 03-04 terrorists armed with automatic weapons. After a thorough analysis of the situation, QAT-178 CRPF was also strategically deployed at the Hosangpora-Nagbal axis as a reinforcement team.

An appeal was made to the terrorists to surrender, but they did not respond. As the hidden terrorists were equipped with automatic weapons, some probing shots were fired by the joint troops of 44 RR and 178 CRPF at the wall of the target house but despite these attempts, no discernible movement was observed. As the joint troops continued their advance, two terrorists concealed within the target house unexpectedly emerged- one from the main door and another from the front window. They initiated indiscriminate firing on the advancing joint team with the intent to inflict harm. As a result the advancing search troops of 178 CRPF came under heavy fire, but fortunately they had a very narrow escape as they were under the cover of thick trees.

Amidst the intense exchange of gunfire, two terrorists armed with automatic weapons attempted to enter the orchard area while firing indiscriminately at the joint troops. Recognizing this perilous movement, Shri Ashutosh Vardey, AC along with Ct/GD Pabitra Basumatary and Ct/GD Basavaraj Iranatti of CTT of 178 CRPF swiftly assumed forward positions. Displaying remarkable courage and without concern for their personal safety, they opened effective fire on the fleeing terrorists neutralized both the terrorists on the spot.

At about 1745 hrs, drones were deployed to confirm the neutralization of two terrorists. While monitoring with the drones, one fallen terrorist was observed at the doorstep of house No 80, and another terrorist was identified approximately 60-70 meters away on the orchard side adjacent to the roadhead. Tactical measures were employed to confirm whether they were genuinely neutralized or still alive. After the confirmation of the elimination of two terrorists, the possibility persisted that additional terrorist might be hiding in the target house or the orchard area. The joint teams of 178 CRPF, 44 RR, and SOG of J&K Police intensified the search operation to locate any other concealed terrorists. Subsequently, as the team of 178 CRPF under the command of Shri Surjit Kumar, Commandant, and 44 RR advanced, a terrorist who had infiltrated the orchard from the target house initiated indiscriminate firing and grenade attacks on the joint troops. Despite the aggressive nature of the

attack, the vigilant advanced team successfully retaliated.

At this point, the third hidden terrorist was surrounded but not visually clear. A drone was once again deployed to pinpoint his position. After analyzing the drone feed, the team of 178 CRPF under the command of Shri Surjit Kumar, Commandant, along with the team of 44 RR and SOG, advanced towards the target for the final assault. Realizing that he was encircled by the joint troops, the hidden third terrorist responded by hurling grenades and engaging in indiscriminate firing toward the troops of 178 CRPF. The troops under Shri Surjit Kumar's command effectively retaliated. Simultaneously, Shri Surjit Kumar, Commandant, and his buddy Ct/GD Ram Prakash seized an opportunity to approach the terrorist's position. Displaying raw courage and disregarding their personal safety, they opened effective fire on the third terrorist, ultimately eliminating him in a close- quarter battle.

Following the elimination of the third terrorist, the entire area was thoroughly searched by the joint troops. Post-encounter search, three dead bodies of terrorists were recovered and they were later identified as Danish Khurshid Bhat; Tanveer Ahmad Wani both of HM outfit, Category "B" and Towseef Ahmad Bhat, LeT outfit, category "C". Besides, above 03 AK 47 Rifles, 08 AK magazines, 01 Chinese grenade, 60 Nos of NATO API Rounds, 36 Nos of API Rounds, and 125 Nos of Pakistani Rounds, along with 60 Nos of Rounds of AK-47 (Normal) were recovered from their possession.

In this operation, S/Shri Surjit Kumar, Commandant, Ashutosh Vardey, Assistant Commandant, Ram Prakash, Constable, Pabitra Basumatary, Constable and Basavaraj Iranatti, Constable of Central Reserve Police Force displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 30.08.2022.

(File No.-11020/13/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 153—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Central Reserve Police Force (CRPF) :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Vikki Kumar Pandey	Deputy Commandant	GM
2.	Jitendra Singh	Assistant Commandant	GM
3.	Darshung Ruwndar Anal	Sub-Inspector	GM
4.	Ranjeet Kumar	Head Constable	GM
5.	Ajay Yadav	Head Constable	GM
6.	Mahinder Singh	Head Constable	GM
7.	Gulab Chandra Pandey	Constable	GM
8.	Manoj Kumar Mahar	Constable	GM
9.	Chavan Prithviraj Ashok	Constable	GM
10.	Atul P Kamde	Constable	GM
11.	Awadesh Singh Dangi	Constable	GM
12.	Alok Kumar Parui	Constable	GM
13.	Jaiveer	Constable	GM
14.	Mukesh Kumar Mishra	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

An input was received from SP Khunti about the movement of PLFI armed cadres, led by Prabhu Sahay Bodra (Zonal Cdr) and Deet Nag, in the forest area of PS Arki, Distt Khunti, Jharkhand. After corroborating the information with other

sources, an operation was planned by 209 CoBRA. Two Strike Teams, led by Shri Vikki Kumar Pandey, DC and Shri Jitendra Singh, AC were tasked to execute the operation.

On 29 January 2019, as per the plan; both strike teams moved towards the target area negotiating undulating ground, boulders, thick vegetation and undergrowth. Circumventing the early warning system of Naxals, the troops reached close to the target area under the cover of darkness, maintaining utmost secrecy and surprise. The troops took a halt, analyzed the situation and chalked out the further action plan. Accordingly, 04 cut-off teams were formed to block the probable escape routes of Naxals and 02 teams (SAT 1 and SAT 2) to carry out the assault.

As per the plan, the cut-off teams tactically advanced towards their designated points and plugged the probable escape routes. After getting confirmation from the cut-off teams, SAT 01 and 02 comprising of a handful of personnel, advanced into the core area. Meanwhile, HC/GD Arun Kumar, positioned with cut-off 02 communicated to Shri Jitendra Singh, AC about a bonfire on the top of the ridge in the target area. Both the SAT (teams) were updated about the developments and instructed to remain cautious. Moving stealthily, SAT reached near the suspicious location, around 0550 hrs. Both SAT Commanders analyzed the topography of the area and made the final assault plan and, accordingly, approached the target from two sides, in 'L' shape, leading from the front.

On getting closer, both commanders spotted armed sentries of Naxals. They signaled each other about the position of Naxals and in a coordinated manner crawled towards the target with extreme caution. The two commanders divided the SAT teams into four small groups to avoid detection by the Naxals and also to cover a wider front, of the target area.

Shri Vikki Kumar Pandey, DC with HC/GD Ajay Yadav, CT/GD Manoj Kumar Mahar, CT/GD Gulab Chandra Pandey as was in Group 1. HC/GD Mahinder Singh, CT/GD Awadesh Singh Dangi, CT/GD Atul P Kamde were in Group 2, Shri Jitendra Singh, AC with HC/GD Ranjeet Kumar, CT/GD Mukesh Kumar Mishra, CT/GD Alok Kumar Parui was in Group 3 and CT/GD Chavan Prithviraj Ashok, CT/GD Jaiveer were in Group4.

All the four Groups, started closing towards the Naxal position in mutual coordination. The movement with daylight breaking made the troops susceptible to exposure and as expected, the Naxals sensed their presence and opened indiscriminate fire upon the SAT (teams). Immediately, our troops took positions and challenged the armed Naxals to surrender. Paying no heed, they kept firing indiscriminately, with lethal automatic weapons. With no option left, our troops retaliated the attack, in self-defence.

Meanwhile, Group 2 got caught in the killing zone of Naxals. Immediate support was required to get them out of danger. At this juncture, Shri Vikki Kumar Pandey, DC tactically analyzed the situation and directed Group 3 and Group 4 to out flank the Naxals, while he, along with Group 1 launched a frontal attack on the Naxals. Soon, Shri Jitendra Singh, AC, with Group 3 joined the Group 1 and augmented the counter-attack. Meanwhile, Group 2 continued the retaliation against the Naxals.

The audacious frontal attack by Group 1 and Group 3 surprised the Naxals and forced them to change their tactics. The Naxals diverted their firepower towards the Group 1 and Group 3. Consequently, Group 2, stuck in the killing zone, moved out and joined the flanking teams. The Naxals launched a full-fledged attack, on the troops to break their advance. However, the Group 1 and Group 3 with the support of flanking teams continued the counter-attack and advance. Amidst raining bullets and with almost no cover, Shri Vikki Kumar Pandey, DC along with Group 1 charged towards the Naxals and neutralized 01 armed cadre. Simultaneously, Shri Jitendra Singh, AC, with Group 3 neutralized another armed cadre.

The coordinated counter-attack pushed the Naxals to break ranks and abandon their fortified defenses. They started fleeing towards the cut-off teams. Shri Jitendra Singh, AC along with Group 3 and Group 4 chased the fleeing cadres and simultaneously directed the cut-off teams to remain vigilant. During the escape, the cut-off team, led by SI/GD Darshung Ruwndar Anal intercepted the Naxals and blocked their escape. During the exchange of fire, another armed cadre was neutralized and the remaining cadres took a diversion to escape. However, Shri Jitendra Singh, AC who was chasing the Naxals, with Group 3 and Group 4 reached close and intercepted the fleeing Naxals. A fierce gun battle took place between the two sides. Troops charged upon the Naxals and neutralized one of the armed cadres.

Once the firing stopped, the troops secured the encounter site and thoroughly searched the area and recovered 05 dead bodies along with weapons, and apprehended 02 cadres alive. The recovered weapons included two AK 47 Rifles, two .315 Bore Rifles, four Pistols, ammunition, and other incriminating items.

Despite the superior firepower of the Naxals, coupled with the fact that they were occupying a dominating feature, a handful of CoBRA Commandos executed a spectacular operation. Wherein, a handful of CoBRA troops led by their brave commanders penetrated the den of Naxals and successfully executed their plans. They achieved the well-earned success, most professionally.

In this operation, S/Shri Vikki Kumar Pandey, Deputy Commandant, Jitendra Singh, Assistant Commandant, Darshung Ruwndar Anal, Sub-Inspector, Ranjeet Kumar, Head Constable, Ajay Yadav, Head Constable, Mahinder Singh Head Constable, Gulab Chandra Pandey, Constable, Manoj Kumar Mahar, Constable, Chavan Prithviraj Ashok, Constable, Atul P Kamde, Constable, Awadesh Singh Dangi, Constable, Alok Kumar Parui, Constable, Jaiveer, Constable and Mukesh Kumar Mishra, Constable of Central Reserve Police Force displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 19.01.2019.

(File No.-11020/12/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 154—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Central Reserve Police Force (CRPF) :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Puneet Kumar Kauldhar	Commandant	GM
2.	Vivek Sharma	Assistant Commandant	GM
3.	Sunjay Kumar	Head Constable	GM
4.	Ragveer Singh	Constable	GM
5.	Harkirat Singh	Constable	GM
6.	Vicky Sharma	Constable	GM
7.	Siya Ram	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 21 April 2022 at around 2330 hrs, on receipt of specific information of hiding of some terrorists in the area of Jalalabad, Sunjwan Road of Jammu, Commandant 38 CRPF rushed with his team and planned a special joint operation in consultation with SP (SOG) Jammu.

After detailed briefings and tasking, an intense search operation commenced in the suspected area where the militants were holed up. At approximately 0340 hrs; near a mobile check post set up by CISF, a significant explosion and heavy firing occurred. Responding to the situation, Commandant 38 CRPF and his team moved cautiously, taking all precautions in the pitch darkness, tactically approached the firing spot, refraining from retaliatory fire to avoid civilian harm and prevent terrorist escape.

Upon receiving information from SP SOG, Jammu about injured CISF Jawans, Commandant 38 CRPF, swiftly proceeded using a bunker. The narrow road restricted bunker movement and higher authorities were informed. With the firing ceased, the darkness made it challenging to locate the terrorist's exact: position. Recognizing the potential risks in taking action in pitch darkness, teams refrained from immediate action, ensuring the safety of own troops and civilians. This silence was a deliberate and well- thought-out part of the plan to deny terrorists escape, maintaining this stance until the first light.

In the meantime, Shri Puneet Kumar Kauldhar, Commandant 166 CRPF and his team, deployed at the outer cordon, arrived at the incident site around 04 15 hrs. Deploying his QAT for area security, Shri Puneet Kumar Kauldhar, Commandant and Ct Harkirat Singh, during deployment, heard a faint voice. They moved tactically towards the sound and found a seriously wounded CISF personnel. Despite being in the line of fire without cover, Shri Puneet Kumar Kauldhar, Commandant, prioritized the injured personnel evacuation and crawled to safety, saving the life.

Following the successful evacuation, Shri Puneet Kumar Kauldhar, Commandant, directed his troops to resume the search. During the operation, it was discovered that someone was hiding inside a bus that had come under fire. Shri Puneet Kumar Kauldhar, Commandant and his team entered the bus through the driver door and windows, finding four injured CISF

personnel and one Asstt Sub Inspector who had succumbed to injuries. Tactically, they shifted all, including the deceased to a secure location without alerting nearby terrorists.

As the day dawned, nearby houses were evacuated and during the evacuation; two suspicious individuals were found sneaking from a toilet/bathroom door in the backyard of the cordoned house. Recognizing the imminent danger, troops were directed to take tactical positions and Sector QAT under the command of Shri Vivek Sharma AC positioned themselves on a high rise building facing the toilet/bathroom door. Simultaneously, Shri Puneet Kumar Kauldhar and Ct/GD Ragveer Singh also took positions on the other side.

Sensing the cordon, terrorists suddenly opened fire and lobbed grenades upon troops from inside the bathroom. Despite a UBGL round hitting the building, no harm came to the troops due to their strategical positioning and alertness. Shri Vivek Sharma, AC, Ct/GD Vicky Sharma, Ct/GD Siya Ram and HC/GD Sunjay Kumar swung into action immediately and retaliated with full force. Suddenly, firing from the hiding militants stopped for meanwhile, in response, troops also stopped firing.

During the lull for few minutes, an appeal for surrender was made, but in an attempt to escape, the terrorists resumed firing on troops which was effectively retaliated and compelled terrorists to hasty retreat.

When the firing by the militants did not stop, Shri Vivek Sharma AC, directed Ct/GD Vicky Sharma and Ct/GD Siya Ram to fire UBGL guiding them to hit the target. Getting the order complied, four rounds of UBGL were fired along with targeted fire of automatic weapons on the terrorists after which the exchange of fire ceased, preventing the terrorists from breaking through the cordon. Despite the intensity of the terrorists' firing, the QAT held their positions with the timely and strategic use of UBGL rounds bringing the situation under control.

Later on, a comprehensive search of the entire area was conducted and recovered two dead bodies of the terrorists. Further it was ascertained that both terrorists were foreign nationals affiliated with JeM outfit. During the search, it was uncovered that one of the terrorists was wearing suicide vest, indicating a sinister plan to disrupt the rally of the Hon'ble Prime Minister of India in Jammu on 24 April 2022. After a due deliberation, another search operation of the suspected house was commenced and a suspicious individual, Safiq Ahmed Sheikh, was apprehended from the house. He was subsequently handed over to the Police station. Upon interrogation, Safiq Ahmed Sheikh confessed to bringing both terrorists to the encounter site via Samba districts by Truck. Based on his statement, the Truck driver was arrested in Srinagar by the Civil Police. Additionally, a substantial quantity of arms, ammunition, viz 01 AK 56 Rifle attached with UBGL, 01 AK 47 Rifle, 05 AK 56 magazines, 180 Live rounds, 01 Clock Pistol, 01 Pistol magazines, 05 Pistol rounds, 01 HK grenade, 01 UBGL grenade, 01 suicide vest and other materials were recovered from the possession of the slain terrorists.

In this operation, S/Shri Puneet Kumar Kauldhar, Commandant, Vivek Sharma, Assistant Commandant, Sunjay Kumar, Head Constable, Ragveer Singh, Constable, Harkirat Singh, Constable, Vicky Sharma, Constable and Siya Ram, Constable of Central Reserve Police Force displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 22.04.2022.

(File No.-11020/11/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

———————

No. 155—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) and Medal for Gallantry, Posthumously to the under mentioned personnel of Central Industrial Security Force (CISF) :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Late Shankar Prasad Patel	Assistant Sub-Inspector	GM (Posthumous)
2.	Pramod Patra	Head Constable	GM
3.	Surendra Kumar Baliyan	Head Constable	GM
4.	R Nitin	Head Constable	GM

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
5.	Ankit Chauhan	Constable	GM
6.	Punit Kumar	Constable	GM
7.	Rajesh Kumar	Constable	GM
8.	Amir Soren	Constable	GM
9.	Ram Naresh Gurjar	Constable	GM
10.	Waded Vithal Shantappa	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

CISF Coy No.757 camping at Janipur, Distt. Jammu was deployed for Internal Security Duty in the Union Territory of Jammu & Kashmir and was entrusted to maintain Law & Order by means of patrolling, manning static duty posts, Nakas and also to give armed support to the Local Police in the surrounding area wef 10.04.2022.

On the intervening night of 21/22.04.2022, 05 CISF personnel of Coy No.757 namely HC/GD R Nitin, CT/GD Sanjeev Kakodiya, CT/GD Govinda Majumder, CT/GD Waded Vithal Shantappa and CT/GD Divya Pratyush were deployed in "C" Shift duty from 2000 to 0600 hrs at Sunjawan Chowk Naka alongwith four local Police (JKP) personnel. Suddenly at about 0330 hrs, they came under heavy indiscriminate fire and instantaneously they took safe positions and retaliated the fire. The firing from the terrorists (as found out later) was in the form of heavy burst and UBGL. On immediate retaliation by CISF and J&K Police personnel, the firing by terrorists stopped.

In the meantime at about 0345 hrs; unaware about the incident, CISF Shift Bus carrying 10 CISF personnel came and parked near Sunjawan Naka. The shift Bus reached near Sunjawan Naka passing through Sainik Colony Naka and Bhatindi Naka. As the bus reached Sunjawan Naka, the terrorists again started firing at the bus heavily (burst & UBGL). Eight CISF personnel in the bus lied down and HC/GD Pramod Patra and CT/GD Rajesh Kumar de-boarded from the bus immediately and positioned themselves at safe place. ASI/Exe Shankar Prasad Patel led the CISF personnel in the bus.

During exchange of fire, ASI/Exe Shankar Prasad Patel (Braveheart) fired 32 rounds, HC/GD R Nitin fired 19 rounds, HC/GD Surendra Kr. Baliyan fired 29 ronds, HC/GD Pramod Patra fired 05 rounds, CT/GD Ankit Chauhan fired 08 rounds, CT/GD Ram Naresh Gurjar fired 04 rounds, CT/GD Punit Kumar fired 07 rounds, CT/GD Rajesh Kumar fired 10 rounds, CT/GD Amir Soren fired 01 round and CT/GD Waded Vithal Shantappa fired 04 rounds with their service weapons. Total fired rounds were 119 Nos.

A little later, a well-coordinated joint search and counter terrorist operation was carried out by CRPF, SOG of J&K Police and Army and two terrorists were neutralised. Heavy quantity of Arms & Ammunitions were recovered from the two terrorists.

In this attack ASI/Exe Shankar Prasad Patel made supreme sacrifice in the service of the Nation. CT/GD Waded Vithal Shantappa sustained grievous bullet injuries and 07 other CISF personnel namely HC/GD R Nitin, HC/GD Pramod Patra, HC/GD Surendra Kumar Baliyan, CT/GD Rajesh Kumar, CT/GD Amir Soren, CT/GD Sunny Kumar & CT/GD Punit Kumar got splinter injuries and rest 06 personnel were free from any injury.

In this operation, S/Shri Late Shankar Prasad Patel, Assistant Sub-Inspector, Pramod Patra, Head Constable, Surendra Kumar Baliyan, Head Constable, R Nitin, Head Constable, Ankit Chauhan, Constable, Punit Kumar, Constable, Rajesh Kumar, Constable, Amir Soren, Constable, Ram Naresh Gurjar , Constable and Waded Vithal Shantappa , Constable of Central Industrial Security Force displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 22.04.2022.

(File No.-11020/3251/50/2022 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 156—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Sashastra Seema Bal (SSB) :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Hemant Kumar	Deputy Commandant	GM
2.	Syed Afsar	Inspector	GM
3.	Raout Yogindra Ramchandra	Constable	GM
4.	Junmoni Baruah	Constable	GM
5.	Ritesh Kongari	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 10.02.2021, an input was received from ASP (Abhiyan) Lakhisarai regarding movement of Naxals in the area of Panchbhur Nala and Gobardaha. This input was further developed by our sources operating in that area. Consequent upon confirmation of the information, a B Level SADO Ops (Sheshnag) was planned. Ops consisted of 02 strikes SAT-1 and SAT-2.

When the SAT-1 was negotiating the steep hills of the forest area at around 1020 hrs, the front guide CT(GD) Raout Yogindra Ramchandra noticed some movement ahead and he informed the party commander. There was a Naxal with weapon and wearing Olive Green color sweater sitting on the *Pagdandi* (Beaten track) and on the left, some more Naxals were sitting. Though their number was not clear due to thick vegetation/creepers. Before the team could understand/ comprehend anything, the Naxals started firing heavily. The team immediately took positions and then shouted that they are personnel of Police Force and warned the Naxals to surrender with weapons. However, they did not stop and started firing heavily. The exchange of fire with the Naxals was communicated immediately by the operator present in the first section to the BN Control room. During the exchange of fire, Insp (GD) Syed Afsar, CT(GD) Junmoni Baruah, CT(GD) Ritesh Kongari moved forward and took positions on the left side of the track. The party commander, DC OPS Shri Hemant Kumar asked Section- 3 which was under command of SI(GD) Rohit Choudhary to surround the Naxals from right flank. As they started moving towards right, they came under a volley of heavy fire. Noticing this, section No. 1 along with the DC (Ops) started fire on Naxals.

SI(GD) Rohit Choudhary and his section also started firing upon the Naxals. With such retaliation and aimed fire, Naxals were bound to step back. The Naxal started fleeing taking advantage of the dense jungle. Thereafter firing was ordered to be stopped. The SAT-I alongwith reinforcement team started combing the area. During search, it was found that one (01) Naxal was neutralized who was later identified as Mansa Koda, resident of Village Bichala Tola, Gurmaha, PS - Barhat Distt-Jamui, Bihar. 5.56 MM INSAS Rifle, a magazine loaded with 15 rounds of 5.56 MM was also attached to the rifle. 220 rounds of 5.56 MM, 02 Detonators and 03 Hand Grenades (local made) were recovered from the pouch of neutralized Naxal.

The contributions of all personnel in these operations have been exceptional. Perhaps this is the reason that none of our personnel in the teams had any significant injury except for few bruises. Categorically, Shri Hemant Kumar, Dy. Commandant, Insp (GD) Syed Afsar, CT(GD) Junmoni Baruah, CT(GD) Ritesh Kongari and CT(GD) Raout Yogindra Ramchandra have displayed exceptional leadership qualities, courage, raw grit and professionalism during this whole operation.

In this operation, S/Shri Hemant Kumar, Deputy Commandant, Syed Afsar, Inspector, Raout Yogindra Ramchandra, Constable, Junmoni Baruah, Constable and Ritesh Kongari, Constable of Sashastra Seema Bal displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 11.02.2021.

(File No.-11020/93/2023 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

———————

No. 157—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Sashastra Seem Bal (SSB) :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Mukesh Kumar	Commandant	GM
2.	Ranjeet Singh	Deputy Commandant	GM
3.	Ritesh Sharma	Head Constable	GM
4.	Mohd Sydullah Mir	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 30/09/2022 at 0230 hrs, a requisition was received from SSP Baramulla through SDPO Pattan, Baramulla for operational strength in connection with the presence of terrorist at Village-Yadipora, Palhallan, Pattan, Baramulla, under Police Station Pattan, Baramulla (J&K) approx. 05 Kms away from 02 Bn. Hq SSB, Pattan. After proper briefing, Ops party led by Shri Mukesh Kumar, Commandant 02 Bn. reached at operation site. Due information was given to DIG, SHQ (Spl- Ops) SSB, Srinagar and Comdt. (Ops) FHQ, SSB. New Delhi.

On the basis of discussion and deliberation, an ops plan was prepared and a cordon & search operation was launched by the troops of 29 RR Army, 02 Bn. SSB & SOG JKP in the Village-Yadipora, Palhallan, Pattan, Baramulla, which falls under highly populated area. Troops laid strong and solid cordon around the suspected home in Village-Yadipora. Patton. 29 personnel were tactically deployed in inner cordon and 31 personnel were deployed strategically in outer cordon. While one of the suspected houses was being searched, terrorists opened indiscriminate firing on security forces. It was resolutely retaliated. Before taking any further action, the custodian of the house and neighbors were rescued and evacuated to safe place. Amid blitzkrieg of bullets, Ops team of SSB, 02 Bn personnel of 29 RR & SOG laid the inner cordon putting their life in grave and conspicuous threat, displaying sublime and solid leadership qualities and undeterred intrepidness. After laying the inner cordon & outer cordon, Shri Mukesh Kumar, Commandant personally ensured the compactness, cohesiveness and tactical layout of the cordon. The cordon around the house from which the fire came was strengthened and troops were tactically placed. After that, SFs announced and gave ample opportunity to the militant to surrender and lay their arms by announcing warnings, but no response was received from the hiding terrorist. Then the fierce of gun battle begins and firings from both sides continue. Shri Mukesh Kumar, Commandant, Shri Ranjeet Singh, Dy. Commandant, CT Mohd Sydullah Mir & HC Ritesh Sharma along with other striking groups of 29 RR & SOG advanced towards hiding terrorists by taking natural cover in the midst of indiscriminate firing of militants and succeeded to take position near the target house (approx. 25 meters) and rest of the party were deployed strategically.

Regular exchange of fire was going on, however due to unfavorable space around the operation site, the SFs were not able to give effective retaliatory firing upon the terrorist. The intermittent fire from terrorist continued. Accordingly, Shri Mukesh Kumar, Commandant, Shri Ranjeet Singh, Dy. Commandant, CT Mohd Sydullah Mir & HC Ritesh and other security forces safely managed to reach near to the house where terrorists were hiding. While Shri Mukesh Kumar, Commandant was taking position nearer to the target house, continuous blitzkrieg of bullets was fired on him but he managed to gain concealment behind the Rakshak Vehicle (Bullet Resistance) of the CO, 29 RR and manage to save his life. Thereafter Shri Mukesh Kumar, Commandant gave direction to Shri Ranjeet Singh, Dy. Commandant, CT Mohd Sydullah Mir & HC Ritesh Sharma to fire 03 Nos tear smoke shells from different side/angles inside house under the cover firing of SFs to divert the attention of militant as well as trace the exact location and manage to reach nearest to the target house. The Intermittent fire from terrorist was still continuing. However, troops of 02 Bn SSB were tactically positioned and Shri Mukesh Kumar, Commandant, Shri Ranjeet Singh, Dy. Commandant, CT Sydullah Mir & HC Ritesh Sharma along with other SFs retaliated the fire of militants effectively. Taking advantage of the tear smoke shell as well as by showing good skills of warfare, Shri Mukesh Kumar, Commandant, Shri Ranjeet Singh, Dy. Commandant, CT Mohd Sydullah Mir & HC Ritesh crawled towards the house along with other striking group of SOG & 29 RR under covering fire of SFs without caring of the risk involved and without fearing of their personal life and managed to reach close to the target house. When, Shri Mukesh Kumar, Commandant, Shri Ranjeet Singh, Dy. Commandant, CT Mohd Sydullah Mir & HC Ritesh were crawling towards the target house, the militant continued heavy firing, but they exhibited tactical skills (taking advantage of avails fire cover) and retaliated the fire without caring for their life. However, the intermittent fire from the militant still continued. Keeping in view of the situation, Shri Mukesh Kumar, Commandant, Shri Ranjeet Singh, Dy. Commandant, CT Mohd Sydullah Mir & HC Ritesh along with the striking forces of 29 RR & SOG opened heavy/ intense firing on hidden terrorist in controlled manner after taking due precautions for the local customs and human rights and other property not to be damaged as well as to avoid injury to other security forces participating in the above operation. When, it was found that the terrorists were eliminated by the security forces which was confirmed through Unmanned Aerial Vehicle (UAV) picture. Shri Mukesh Kumar, Commandant, Shri Ranjeet Singh, Dy. Commandant,

CT Mohd Sydullah Mir & HC Ritesh with personnel of 29 RR and SOG JKP conducted room intervention drill and entered into the house with precaution and proper drill. Search of house was made alongwith other security forces in professional manner and recovered h dead body of two terrorists. The operation was conducted successfully with elimination of two terrorists with better coordination and planning of Commanders.

In the entire operation, Shri Mukesh Kumar, Commandant played a conspicuous and praiseworthy role and exhibited great leadership qualities, Shri Ranjeet Singh, Dy. Commandant, HC Ritesh Sharma and CT Mohd Sydullah Mir also displayed highest degree of professionalism, courage and shown good skills of warfare amid clear and persistent danger that the joint team of SFs and Police succeeded in neutralizing two heavily armed dreaded terrorist. The killed terrorist was later identified as Yawar Shafi *Bhat* S/o Mohammad Shaft Bhat resident *of Kalampora,* Pulwama and Aamir Hussain Bhat resident of Veshro Shopian. 01 AK S-74 U Rifle New version, 03 AK S-74 U Rifle Magzine, 11 Live Round of AK S-74, 01 Pistol, 01 Pistol Magazine and other arms & ammunition were recovered from the possession of the slain terrorists.

In this operation, S/Shri Mukesh Kumar, Commandant, Ranjeet Singh, Deputy Commandant, Ritesh Sharma, Head Constable and Mohd Sydullah Mir, Constable of Sashastra Seema Bal displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 30.09.2022.

(File No.-11020/146/2023 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 158—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Sashastra Seema Bal (SSB) : —

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shiv Shankar Kumar	Inspector	GM
2.	Rohit Choudhary	Sub-Inspector	GM
3.	Kunvar Jeet	Sub-Inspector	GM
4.	Anil Kumar Kumhar	Head Constable	GM
5.	Jiyaul Hak Ansari	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

Intelligence regarding presence of a group of 4 to 5 CPI Maoist Naxals in the General Area of Birgoda village under PS-Garhi was received through different channels i.e 16 BN SSB Int Setup, Police and technical Int on 08.06.2022 at around-1930 hrs. The Intelligence confirmed presence of wanted Naxals Pintu Rana, Karuna. Matlu Turi & others in the Birgoda village near Gidheswar who were there to execute their nefarious plan and also arrange their logistical support.

Based on this Intelligence, a Joint operation (SADO) was planned immediately and launched along with Local Police-Garhi PS after briefing of the troops. Important points like the Strength of Naxals, availability of Arms and ammunition with them, distance between area of operation and the COB (coy operating base), connectivity of road and communication, threat perception en-route to the area of operation, threat perception owing to the darkness in the area and time available with the Coy to launch and complete the operation were taken into the consideration.

Considering all aspects of the situation in hand the SAT-1 team available in A coy Parasi was briefed properly by team commander Insp Shiv Shankar Kumar. All parties were briefed and assigned different tasks to move in different tracks, party was divided in three Sections 01, 2 & 03 in which Section-01 as Strikes/ Search party and Section-02 & 03 cordon party. The operation was launched by the SAT-1 team under command of Inspector/GD Shiv Shankar Kumar, Coy In charge A Coy, 16 BN and team along with local police in the village: Birgoda, in general area of Sakdari/Gidheswar Pahad under P.S Garhi, Jamui. Above team proceeded for Garhi Bishanpur village by govt. vehicle at around 1955 hours and reached the location.

Further, the party moved for Birgoda village via Sakdari village on foot and reached the Birgoda village. While approaching Birgoda village, SAT-1 team split into 03 (three) sections as decided and took different planed routes in which Section-1 (Search/strike), Section-02 and Section-03 was to cordoned the entire Birgoda village area. After laying the. Cordon of Birgoda Village by Section-2 from north-east side and Section-03 from south-east side. Section-01 entered the Birgoda village and stated searching from north-east side of the Birgoda Village as per the input. 04 members of section one including Insp/GD Shiv Shankar Kumar and one Police Constable started searching suspected huts of village taking all precautions. Other 04 team members were giving them cover from outside as they waited hiding outside near another hut. While Insp/GD Shiv Shankar Kumar with his team was searching a suspicious hut and interrogating house owner, they noticed some movement outside, which further confirmed movement of some persons who were trying to flee toward the forest area. This confirmed the suspicion of Section-1 of the SAT team. Full Section-1 of SAT team reacted swiftly and chased the fleeing Naxals towards north side of Village i.e Gidheswar Pahad and directed them to stop.

Not acceding to the direction of Section -1 of SAT, Naxals resorted to heavy firing over Section- 1 of SAT. The SAT team responded professionally. The Joint team of SAT and police retaliated to the Naxals fire after they denied to accede to the orders of the team to stop and surrender.

The exchange of fire with Naxals was communicated to Shri Manoranjan Brahma, DC (Ops), 16 BN. Shri Manoranjan Brahma DC (Ops) along with his team responded immediately, rushed to the place and joined the party for supporting them during the exchange of fire. The exchange of fire continued, in which intermittent firing was also done by the Naxals. The chase was carried out for about 200-300 yards in the forest area by the ops party, but taking advantage of the dense forest / inaccessible hills and darkness, some members of the Naxal group fled away. Thereafter at about 2230 hours, Shri Manish Kumar, Commandant alongwith Shri Shaurya Suman, SP Jamui entered from south side of the area as reinforcement. One party of 22 personnel under the command of AC, E coy Janmsthan was also involved in the operation as reinforcement When the firing stopped, joint parties of SAT-1 and Police team conducted search of the nearby area taking all precautions. During the search operation, one Naxal was found dead, who was wearing black uniform and holding Insas rifle and Rifle magazine pouch. He was later identified as hard core Naxal (SZCM in CPI Maoist Cadre) Matlu Turi S/o-Biro Turi, R/o-Baratand, PS-Chandramandi,Dist-Jamui.

In this operation, S/Shri Shiv Shankar Kumar, Inspector, Rohit Choudhary, Sub-Inspector, Kunvar Jeet, Sub-Inspector, Anil Kumar Kumhar, Head Constable and Jiyaul Hak Ansari, Constable of Sashastra Seema Bal displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 08.06.2022.

(File No-11020/151/2023 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 159—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Delhi Fire Service:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Rajesh Kumar	Assistant Divisional Officer	GM
2.	Parveen Kumar	Fire Operator	GM
3.	Ajmer Singh	Fire Operator	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 27.09.2023 at about 19.46 hr, a wireless message was received in the watch room of Fire Station Roop Nagar and stated that there was a Fire in Girls Signature PG located at Mukherjee Nagar near Apartment, New Delhi. Immediately, two fire units along with ADO/Fire Rajesh responded to scene of fire. As the firefighting crew /vehicles reached the scene of incident, the neighbors and onlookers informed that some girls are trapped on upper floors. Immediately, the team rushed to the affected building and observed that the Girls PG Delhi. The fire was on the stilt floor & there was only single staircase for

the access of upper floors, which was completely involved in the fire. The flame, heat and smoke were travelling to Upper floors through staircase. The situation was very challenging, unfavorable and hostile for fire fighters. The girls were crying for help and shouting Bachao Bachao.

Immediately, ADO Rajesh Kumar assessed the situation and accordingly, formed three teams. Out of these three teams, one team was assigned for rescue work and other two assigned firefighting work at ground/stilt level. Immediately, the firefighting operation was started by laying down two delivery hose lines, one from front side and another one from rear side covering all areas such that it should not spread vertically as well as horizontally. Meanwhile the rescue team members, comprised of ADO Rajesh Kumar, FO Praveen Kumar and FO Ajmer Singh started operation in affected building through adjoining building. Firstly, rescue team members tried to access through ground floor but they got failed and then tried through terrace monty/ staircase but due to heavy smoke and heat they were unable to entered into the building.

Immediately without further wasting any time, they changed their plan of action and then created a big hole in the side wall of affected building at fourth floor level from the terrace of adjoining building with the help of cutting/breaking tools and entered the affected floor by wearing Breathing Apparatus Set and other PPEs ADO Rajesh Kumar, FO Praveen Kumar and FO Ajmer Singh firstly searched the entire fourth floor but nobody was present there. After that, the rescue team members reached at 3rd floor and found that three girls were crying bitterly for help and shouting "Hame Bacha Lo please". They were hiding in the bathroom of the last and were looking hopeless and frightened. The rescue team immediately approached them. These three girls later identified as Ms. Karishma Aged 20 years, Ms. Anuradha aged 24 years and Ms. Komal aged 20 years.

In the meantime, one girl informed that one baby girl is also trapped in the adjoining room, Immediately, the rescue team rushed there and found that a baby girl Anvi Aged about 2.5 years old was lying unconscious. On the bed, immediately, the rescue team firstly rescued the baby girl through terrace level and FO Ajmer Singh held her carefully and brought her down on ground level. After that all the remaining three girls were also rescued by the rescue team safely through terrace level. As there was no Ambulance at the scene of incident and therefore, FO Aimer Singh ran towards the hospital holding the unconscious baby girl. Fortunately, a bike rider offered lift to him and immediately they rushed to the nearby hospital. On the way to the hospital to save the life of the baby girl, FO Ajmer Singh gave her Artificial Resuscitations three times, which resulted into a positive sign, as some movement was noticed in her body. As FO Ajmer Singh reached the Nulife Hospital, the baby girl had started normal breathing and had gained some conscious. After reaching the Hospital, he handed over the baby girls to the Doctors, where she received proper medical treatment. All three girls were brought on ground floors and then sent to nearby hospital for treatment. The doctor gave them proper treatment and declared all three girl and baby girl safe. During the rescue and firefighting operation, ADO Rajesh Kumar, FO Ajmer Singh & FO Parveen Kumar was leading the rescue operation and rescued three girls' precious life and brought them on ground floor through staircase and supervised the entire operation for the safe and quick rescue of all these girls and baby girl. Shri Rajesh Kumar and his rescue team shows presence of mind, exemplary courage and gallant efforts to work in the most hostile and life-threatening conditions prevailing in the premises to save lives and several adjoining properties.

In this operation, S/Shri Rajesh Kumar, Assistant Divisional Officer, Parveen Kumar, Fire Operator and Ajmer Singh, Fire Operator of Delhi Fire Service displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 27.09.2023.

(File No-11020/36/2024 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 160—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jharkhand Fire Service :—

2	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Pyare Lal Tambwar	Fireman/Driver	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

Fireman/Driver Pyare Lal Tambwar responded to call of duty and promptly attended to a serious fire incident at a road construction site located at village Hazipur Bhitha, PS- Mufassil, Distt - Sahibganj. The aforesaid information was

relayed to Fire Station, Sahibganj by O/c of Mufassil PS, Distt. Sabihganj at 14:10 hrs on 16.05.23. Immediately upon receipt of information, Fireman/Driver Pyare Lal Tambwar alongwith Leading Fireman Driver Prakash Yadav, left for the site of fire incident at 14:12 hrs on 16.05.23 and reached there at 15:20 hrs, after covering a distance of approximately 18 kms. Upon reaching the site, they found that road construction equipment and coal tar storage tanks were on fire, which posed a serious threat to the safety of local villagers and vehicles passing by on NH-80. Displaying utmost devotion to duty and risking his life, Fireman/Driver Pyare Lal Tambwar promptly engaged in firefighting operations and was able to control the fire in the coal tar storage tanks, which had the potential to cause severe threat to life and property. However, during the above sequence of events, on account of heat generated by the fire, there were a series of blasts in the coal tar storage tanks, which caused grievous injuries to Fireman/Driver Pyare Lal Tambwar. Without showing any signs of pain or discomfort due to injuries, he continued with the firefighting operations and was finally able to douse the fire at the site, which resulted in saving of valuable property and human lives. Fireman/Driver Pyare Lal Tambwar suffered grievous burn injuries and remained admitted to Govt. Hospital, Sahibganj and Rajendra Institute of Medical Sciences, Ranchi and remained under treatment for a total of 46 days. Upon recovering from his injuries, he promptly reported for duty and has since continued giving his valuable services to the department.

In this operation, Shri Pyare Lal Tambwar, Fireman/Driver of Jharkhand Fire Service displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 16.05.2023.

(File No-11020/154/2023 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 161—Pres/2024—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Uttar Pradesh Home Guards & Civil Defence Service :—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Banwari Lal	Assistant Deputy Controller (Senior Scale)	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 13th May, 2023 at 01:15 pm, the office of Civil Defence, Gaziabad received an information that there has beencaught fire in a residential building in Kaila Bhatta, (Kaila Khara) near Sadiq Ki Puliya, Ghaziabad, Uttar Pradesh. In a nearby house LPG cylinders were stocked. The unauthorized refilling of cylinders was being operated. Shri Banwari Lal, Assistant Deputy Controller (Senior Scale) approached towards the location with his team. He displayed grit and courage and he prepared plan to rescue all the persons at risks. He evacuated the neighborhood people and made them agreed to leave their houses.

Shri Banwari Lal, Assistant Deputy Controller (Senior Scale) displayed professional competence as he meticulously calculated a plan. He entered into the house in which fire has been spread out. He didn't care for his life. Using his wisdom, he decided to evacuate the house before catching the fire in LPG cylinders. The officer exhibited tremendous and experienced skills and unmatched courage resulting three lives were saved before the blast of LPG Cylinders. During the rescue operation, his hand also got injured. The officer made also expeditious recovery of belonging.

In this operation, Shri Banwari Lal, Assistant Deputy Controller (Senior Scale) of Uttar Pradesh Home Guards & Civil Defence Service displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 13.05.2023.

(File No-11020/165/2023 - PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 162-Pres/2024—The President of India is pleased to award the President's Medal for Distinguished Service (PSM) on the occasion of the Independence Day, 2024 to the under mentioned Personnel of States/UTs/CAPFs/CPOs & Other Concerned Organizations for Police, Fire, Correctional and Home Guard & Civil Defence Services:—

POLICE SERVICE

1. SHRI RAVI PRAKASH MEESALA, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, ANDHRA PRADESH
2. SHRI DANDU GANGA RAJU DASARI, INSPECTOR OF POLICE, ANDHRA PRADESH
3. SHRI MAKE BUI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, ARUNACHAL PRADESH
4. SMT. RATNA SINGHA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, ASSAM
5. SHRI SANJAY SINGH, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, BIHAR
6. SHRI RAJESH KUMAR SHARMA, SENIOR DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, BIHAR
7. SHRI ANAND SINGH RAWAT, ASSISTANT COMMANDANT, CHHATTISGARH
8. SHRI ATMARAM V. DESHPANDE, JOINT COMMISSIONER OF POLICE, NCT OF DELHI
9. MS. SHASHI BALA, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, NCT OF DELHI
10. SMT. SUNITA SAVLO SAWANT, SUPERINTENDENT OF POLICE, GOA
11. SHRI BALWANTSINH HEMTUJI CHAVDA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, GUJARAT
12. SHRI BHARATKUMAR MANUBHAI BORANA, POLICE WIRELESS SUB INSPECTOR, GUJARAT
13. SHRI VIKAS KUMAR ARORA, COMMISSIONER OF POLICE, HARYANA
14. MS. RANJANA SHARMA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, HIMACHAL PRADESH
15. SHRI CHANDRA SEKHAR MUVVA, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, KARNATAKA.
16. SHRI VENKATESH HATHE BELGAL, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, KERALA
17. SHRI CHANCHAL SHEKHAR, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL, MADHYA PRADESH
18. SHRI ARVIND KUMAR SAXENA, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, MADHYA PRADESH
19. SHRI R.K. HINGANKAR, INSPECTOR GENERAL OF POLICE / OFFICER ON SPECIAL DUTY TO HONOURABLE CHIEF MINISTER, MADHYA PRADESH
20. SHRI RAMADHAR BHARDWAJ, SUPERINTENDENT OF POLICE, MADHYA PRADESH
21. SHRI CHIRANJEEV RAMCHHABILA PRASAD, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, MAHARASHTRA
22. DR. RAJENDRA BALAJIRAO DAHALE, DIRECTOR AND SPECIAL INSPECTOR GENERAL, MAHARASHTRA
23. SHRI SATISH RAGHUVIR GOVEKAR, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, MAHARASHTRA
24. SHRI ZORAMSANGA RALTE, DEPUTY COMMANDANT, MIZORAM
25. SHRI SURESH DEV DATTA SINGH, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, ODISHA
26. SHRI SACHIDANANDA RATH, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, ODISHA
27. SMT. VORUVURU NEERAJA, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, PUNJAB
28. SHRI MANMOHAN KUMAR, ASSISTANT INSPECTOR GENERAL OF POLICE, PUNJAB
29. SHRI VIJAY KUMAR SINGH, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, RAJASTHAN
30. SHRI K. VANNIA PERUMAL, DIRECTOR GENERAL OF POLICE / DIRECTOR OF CIVIL DEFENCE AND COMMANDANT GENERAL, TAMIL NADU
31. SHRI ABHIN DINESH MODAK, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, TAMIL NADU
32. SHRI SANJAY KUMAR JAIN, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, TELANGANA
33. SHRI KATAKAM MURALIDHAR, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, TELANGANA
34. SHRI SUVENDRA KUMAR BHAGAT, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL, UTTAR PRADESH
35. SMT. KALPNA SAXENA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL / ADDITIONAL COMMISSIONER OF POLICE, UTTAR PRADESH
36. SMT. SUGANDHA UPADHYAY, INSPECTOR, UTTAR PRADESH
37. SHRI RAMVEER SINGH, SUB INSPECTOR/CP, UTTAR PRADESH
38. SMT. VARSHA SHARMA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, ANDAMAN AND NICOBAR ISLANDS.
39. SHRI IMTIYAZ HUSSAIN MIR, SENIOR SUPERINTENDENT OF POLICE, JAMMU & KASHMIR

40. SHRI JOGINDER SINGH, SENIOR SUPERINTENDENT OF POLICE, JAMMU & KASHMIR
41. SHRI MOHANDAS P, SUBEDAR (CLERK), ASSAM RIFLES
42. SHRI SUMIT SHARAN, INSPECTOR GENERAL, BSF
43. SHRI RAJENDER SINGH KHARRDWAL, COMMANDANT, BSF
44. SHRI S RAGHAVENDRA, ASSISTANT COMMANDANT(MIN), BSF
45. SHRI INDRAJ SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR(GD), BSF
46. MS. JAYATI GHOSH, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, CISF
47. SHRI YUNUS AHAMAD, ASSISTANT SUB INSPECTOR/EXE, CISF
48. SHRI ANIL KUMAR, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, CRPF
49. SHRI DEVINDER JIT SINGH, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, CRPF
50. SMT. NITU D BHATTACHARYA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, CRPF
51. SHRI VIRENDRA AGRAWAL, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, CRPF
52. SHRI ANUPAM SRIVASTAVA, COMMANDANT, CRPF
53. SHRI JACOB T, INSPECTOR (GD), CRPF
54. SHRI GIRISH CHANDER PUROHIT, DEPUTY INSPECTOR GENERAL (GD), ITBP
55. SHRI PAWAN KUMAR NEGI, DEPUTY INSPECTOR GENERAL (GD), ITBP
56. SHRI ROMESH BHATIA, COMMANDANT (GD), ITBP
57. SHRI RATN SANJAY, INSPECTOR GENERAL, SSB
58. SHRI DEEPAK KUMAR SINHA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, SSB
59. DR. BALJIT SINGH, JOINT DIRECTOR, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
60. SHRI M.S. ARUN KUMAR, JOINT DEPUTY DIRECTOR/EXE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
61. SHRI MAHIPAL SINGH RANAWAT, JOINT DEPUTY DIRECTOR/EXE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
62. SHRI NIRANJAN SAMAL, ASSISTANT DIRECTOR/EXE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
63. SHRI RAJESH KUMAR, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER/EXE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
64. SHRI POLUR RAMAN SREEDHAR, ADDITIONAL DEPUTY DIRECTOR/NP, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
65. SHRI SOIRENSANGBAM IBOMCHA SINGH, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-I/EXE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
66. SHRI RAYAZ AHMAD WAR, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-II/EXE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
67. SHRI PRADEEP KUMAR K, SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI
68. SHRI NARESH KUMAR SHARMA, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI
69. SHRI PRAMOD KUMAR, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI
70. SHRI MUKESH KUMAR, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI
71. SHRI RAMJI LAL JAT, HEAD CONSTABLE, CBI
72. SHRI RAJ KUMAR, HEAD CONSTABLE, CBI
73. SHRI GURACHARAN SINGH, PERSONNEL ASSISTANT, BPR&D
74. SHRI DINENDRA KASHYAP, SENIOR ANALYST, NTRO
75. SHRI G. M. ESWARA RAO, IG-CUM-PRINCIPAL CHIEF SECURITY COMMISSIONER, RPF

FIRE SERVICE

76. SHRI SUMESH KUMAR DUA, DEPUTY CHIEF FIRE OFFICER, NCT OF DELHI
77. SHRI BIJU V K, STATION OFFICER, KERALA
78. SHRI SHAJI KUMAR T, STATION OFFICER, KERALA
79. SHRI DINESAN C V, SENIOR FIRE & RESCUE OFFICER, KERALA
80. SHRI SANTOSH SHRIDHAR WARICK, CHIRF FIRE OFFICER, MAHARASHTRA
81. SHRI VENKATESHWARLU KANDIMALLA, DRIVER OPERATOR, TELANGANA
82. SHRI RISHI RAJ, ASSISTANT SUB INSPECTOR/FIRE, CISF

83. SHRI HARI HARA DASH, ASSISTANT SUB INSPECTOR/FIRE, CISF

HOME GUARD & CIVIL DEFENCE

84. SHRI JYOTI BORAH, SENIOR STAFF OFFICER, ASSAM
85. SHRI BASAVALINGA KURUBA BACHALAPPA, SENIOR PLATOON COMMANDER, KARNATAKA
86. SHRI BHAGWAN DAS BAINDWAL, OFFICER OF DIVISIONAL COMMANDANT HG, MADHYA PRADESH
87. SHRI PRAKASH CHANDRA SAHOO, COMPANY COMMANDER, ODISHA
88. SHRI SIMANCHAL KUNDU, CIVIL DEFENCE VOLUNTEER, ODISHA
89. SHRI VINOD KUMAR YADAV, BLOCK ORGANISER/ JUNIOR INSTRUCTOR, UTTAR PRADESH
90. SHRI VINAY KUMAR MISHRA, DIVISIONAL COMMANDANT (GRADE-2), UTTAR PRADESH
91. SHRI GHANSHYAM CHATURVEDI, DIVISIONAL COMMANDANT (GRADE-1), UTTAR PRADESH

CORRECTIONAL SERVICE

92. SHRI P. VIJAYAN, SUPERINTENDENT, KERALA
93. SHRI ASHOK BOVAJI OLAMBA, HAVILDAR, MAHARASHTRA
94. SHRI SK. BHADRIKA, ADDL. SUPERINTENDENT, MANIPUR

2. The President's Medal for Distinguished Service (PSM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 86-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023.

S. M. SAMI
Under Secretary

No.163-Pres/2024—The President of India is pleased to award the Medal for Meritorious Service (MSM) on the occasion of the Independence Day, 2024 to the under mentioned Personnel of States/UTs/CAPFs/CPOs & Other Concerned Organizations for Police, Fire, Correctional and Home Guard & Civil Defence Services:—

POLICE SERVICE

1. SHRI VISHNU NARNINDI, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, ANDHRA PRADESH
2. SMT. LAKSHMI N S J, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, ANDHRA PRADESH
3. SHRI GOPALA KRISHNA SOMASANI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, ANDHRA PRADESH
4. SHRI MURALI KRISHNA TAKKELLAPATI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, ANDHRA PRADESH
5. SHRI RAMA CHANDRA MURTHY KONDUMAHANTI, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, ANDHRA PRADESH
6. SHRI UDAYA BHASKAR DESABATHINA, GROUP COMMANDER, ANDHRA PRADESH
7. SHRI SREENIVASULU PEDARASI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, ANDHRA PRADESH
8. SHRI KRISHNA MURTHY RAJU KANUMURI, INSPECTOR OF POLICE, ANDHRA PRADESH
9. SHRI LAXMI NARASIMHA RAO SIRIKI, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, ANDHRA PRADESH
10. SHRI RAMESH BABU KATRAGADDA, POLICE CONSTABLE, ANDHRA PRADESH
11. SHRI SREENIVASA RAO GADDAM, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, ANDHRA PRADESH
12. SHRI VEERA VENKATA SATYA SAMBASIVA RAO TOTAKURA, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, ANDHRA PRADESH
13. SHRI VENKATA SUBBARAYUDU JINKA, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, ANDHRA PRADESH
14. SHRI RAMA CHANDRA SEKHARA RAO MANDA, HEAD CONSTABLE, ANDHRA PRADESH
15. SHRI JAYACHANDRA REDDY VADDIREDDY, HEAD CONSTABLE, ANDHRA PRADESH
16. SHRI BHAKTHAVATSALAM RAJU D, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, ANDHRA PRADESH
17. SHRI CHINNA SAIDA SHAIK, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, ANDHRA PRADESH
18. SHRI GOVINDA RAJULU K, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, ANDHRA PRADESH

19. SHRI SHARIFF MAHABOOB, SUB INSPECTOR OF POLICE, ANDHRA PRADESH
20. SHRI MOTI CHAND PRASAD, SUB INSPECTOR, ARUNACHAL PRADESH
21. SHRI BIJOY GIRI KULIGAM, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE (NR), ASSAM
22. SHRI MIHIR JIT GAYAN, SUPERINTENDENT OF POLICE, ASSAM
23. SHRI RANJAN BHUYAN, SUPERINTENDENT OF POLICE, ASSAM
24. SHRI SINGHA RAM MILI, SUPERINTENDENT OF POLICE, ASSAM
25. SHRI TRAILAKYA SARMA, SUB INSPECTOR OF POLICE, ASSAM
26. SHRI BIJU LAHKAR, LANCE NAIK (UB), ASSAM
27. SHRI BIPUL SAIKIA, SUB INSPECTOR OF POLICE, ASSAM
28. SHRI PRAFULLA DEKA, LANCE NAIK (UB), ASSAM
29. SHRI KAMINI DEKA, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, ASSAM
30. SHRI SAILEN KAKATI, LANCE NAIK (UB), ASSAM
31. SHRI MANOJ KUMAR SINGH, INSPECTOR OF POLICE, ASSAM
32. SHRI KANTA SINGHA, LANCE NAIK (UB), ASSAM
33. SHRI INAMUL HAQUE, LANCE NAIK (UB), ASSAM
34. SHRI NEERAJ KUMAR SINGH, SUPERINTENDENT OF POLICE, BIHAR
35. SHRI PANKAJ KUMAR, SUPERINTENDENT OF POLICE, BIHAR
36. SHRI ARVIND KUMAR SINHA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, BIHAR
37. SHRI ASHISH KUMAR SINGH, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, BIHAR
38. SMT. KUMARI KIRAN PASWAN, SENIOR DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, BIHAR
39. SHRI VIJAY KUMAR, INSPECTOR, BIHAR
40. SHRI BINAYAK RAM, ASSISTANT SUB INSPECTOR, BIHAR
41. SHRI PRAKASH KUMAR SHARMA, HAVILDAR, BIHAR
42. SHRI MORA MUNDA, CONSTABLE, BIHAR
43. SHRI SANJAY KUMAR SINGH, HAVILDAR, BIHAR
44. SHRI VIJAY KUMAR YADAV, ASSISTANT SUB INSPECTOR, BIHAR
45. SHRI KRISHNA MOHAN GUPTA, SUB INSPECTOR, BIHAR
46. SHRI ANJANI KUMAR, CONSTABLE, BIHAR
47. SMT. SAVITA DEVI, CONSTABLE, BIHAR
48. SHRI GANESH BAHADUR THAPA, HAVILDAR, BIHAR
49. SHRI RAJESH KUMAR SINGH, HAVILDAR, BIHAR
50. SHRI RAHUL BHAGAT, SECRETARY TO HON'BLE CHIEF MINISTER, CHHATTISGARH
51. SHRI SUSHIL CHANDRA DWIVEDI, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, CHHATTISGARH
52. SHRI RAJKUMAR MINJ, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, CHHATTISGARH
53. SHRI GURJEET SINGH THAKUR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CHHATTISGARH
54. SHRI PRASHANT SHRIVASTAVA, ASSISTANT COMMANDANT, CHHATTISGARH
55. SHRI PRABHU LAL KOMRE, COMPANY COMMANDER, CHHATTISGARH
56. SHRI DWARIKA PRASAD MISHRA, SUB INSPECTOR, CHHATTISGARH
57. SHRI DHARAM SINGH NARETI, HEAD CONSTABLE, CHHATTISGARH
58. SHRI RAVINDRA KUMAR THAKUR, HEAD CONSTABLE, CHHATTISGARH
59. DR. RAJNEESH GARG, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, NCT OF DELHI
60. MS. SUMAN GOYAL, JOINT COMMISSIONER OF POLICE, NCT OF DELHI
61. SHRI ARVIND KUMAR, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, NCT OF DELHI
62. MS. RENU LATA, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, NCT OF DELHI
63. SHRI DINESH CHANDER PUNDORA, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, NCT OF DELHI
64. SHRI DINESH KUMAR SHARMA, INSPECTOR (COMPUTER), NCT OF DELHI
65. MS. NIRAJ TOKAS, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, NCT OF DELHI
66. SHRI SATENDER POONIA, TRAFFIC INSPECTOR, NCT OF DELHI

67. SHRI SHAHJEHAN S, SUB INSPECTOR (EXE), NCT OF DELHI
68. SHRI SURESH KUMAR, SUB INSPECTOR, NCT OF DELHI
69. SHRI VIRENDER KUMAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, NCT OF DELHI
70. SHRI SURENDER SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR (EXE), NCT OF DELHI
71. SHRI DEVENDRA KUMAR, INSPECTOR (EXE), NCT OF DELHI
72. SHRI SATYAPAL SINGH, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE (S.R.O.), NCT OF DELHI
73. SHRI HANS RAJ, ASSISTANT SUB INSPECTOR, NCT OF DELHI
74. SHRI RAKESH SINGH RANA, INSPECTOR SPECIAL CELL, NCT OF DELHI
75. SHRI DAMODAR GANPAT MAYEKAR, HEAD CONSTABLE, GOA
76. SHRI ASHOKKUMAR MAHENDRABHAI MUNIYA, COMMANDANT, GUJARAT
77. SHRI RAJENDRASINH VAKHATSINH CHUDASAMA, COMMANDANT, GUJARAT
78. SHRI SAJANSINH VAJABHAI PARMAR, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, GUJARAT
79. SHRI BIPIN CHANDULAL THACKER, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, GUJARAT
80. SHRI DINESHBHAI CHAUDHARI JIVANBHAI, ARMED DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, GUJARAT
81. SHRI NIRAVSINH PAVANSINH GOHIL, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, GUJARAT
82. SHRI KRISHNAKUMARSINH HIMATSINH GOHIL, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, GUJARAT
83. SHRI JUGALKUMAR DHANVANTKUMAR PUROHIT, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, GUJARAT
84. SHRI KARANSINH DHANBAHADUR SINH PANTH, POLICE SUB INSPECTOR, GUJARAT
85. SHRI HARSUKHLAL KHIMABHAI RATHOD, ASSISTANT INTELLIGENCE OFFICER, GUJARAT
86. SHRI ASHWINKUMAR AMRUTLAL SHRIMALI, INTELLIGENCE OFFICER, GUJARAT
87. SHRI VIJAYKUMAR NATAVARLAL PATEL, ASSISTANT POLICE SUB INSPECTOR, GUJARAT
88. SHRI BASHIR ISMAIL MUDRAK, ASSISTANT POLICE SUB INSPECTOR, GUJARAT
89. SHRI ISHWARSINH AMARSINH SISODIYA, POLICE SUB INSPECTOR, GUJARAT
90. SHRI RAMESHBHAI KISHORBHAI PATEL, HEAD CONSTABLE, GUJARAT
91. SHRI KISHORSINH SETANSINH SISODIYA, POLICE SUB INSPECTOR, GUJARAT
92. SHRI PRAKASHBHAI DITABHAI PATEL, ARMED POLICE SUB INSPECTOR, GUJARAT
93. SHRI MAHIPAL SURESHBHAI PATEL, HEAD CONSTABLE, GUJARAT
94. SHRI DHARMENDRASINH CHHATRASINH VAGHELA, POLICE SUB INSPECTOR, GUJARAT
95. SHRI DEEPAK SAHARAN, SUPERINTENDENT OF POLICE, HARYANA
96. SHRI KAMAL DEEP GOYAL, ASSISTANT INSPECTOR GENERAL, HARYANA
97. SHRI SURINDER SINGH BHORIA, SUPERINTENDENT OF POLICE, HARYANA
98. SHRI VIJAY PARTAP, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, HARYANA
99. SHRI DEEPAK, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, HARYANA
100. SHRI SANDEEP KUMAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, HARYANA
101. SHRI ANIL KUMAR, INSPECTOR, HARYANA
102. SHRI RAM NIWAS, SUB INSPECTOR, HARYANA
103. SHRI OM PARKASH, INSPECTOR, HARYANA
104. SMT. SANTOSH, SUB INSPECTOR, HARYANA
105. SHRI OM PARKASH, INSPECTOR, HARYANA
106. SHRI MAHENDER SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, HARYANA
107. SHRI SANDEEP DHAWAL, ASSISTANT INSPECTOR GENERAL, HIMACHAL PRADESH
108. SHRI HEM PRAKASH, SUB INSPECTOR, HIMACHAL PRADESH
109. SHRI NAG DEV, INSPECTOR, HIMACHAL PRADESH
110. SHRI RANDHIR KUMAR SINGH, CONSTABLE, JHARKHAND
111. SHRI VIMAL KUMAR CHHETRY, CONSTABLE, JHARKHAND

112. SMT. SALOMI MINZ, HAVILDAR, JHARKHAND
113. SHRI SANJAY ORAON, HAVILDAR, JHARKHAND
114. SMT. HEMA RANI KULLU, CONSTABLE, JHARKHAND
115. SMT. REKHA KUMARI, CONSTABLE, JHARKHAND
116. SHRI SANJEEV KUMAR GUPTA, CONSTABLE, JHARKHAND
117. SHRI RITURAJ, DRIVER CONSTABLE, JHARKHAND
118. SHRI RAJENDRA RAM, HAVILDAR, JHARKHAND
119. SHRI ARUN ORAON, HAVILDAR, JHARKHAND
120. SHRI SANJAY KUMAR, ARMORER HAVILDAR, JHARKHAND
121. SHRI JOSHI SRINATH MAHADEV, SUPERINTENDENT OF POLICE, KARNATAKA
122. SHRI C K BABA, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, KARNATAKA
123. SHRI RAMAGOND BHAIRAPPA BASARGI, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, KARNATAKA
124. SHRI GIRI K C, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, KARNATAKA
125. SHRI MURALIDHAR P, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, KARNATAKA
126. SHRI BASAVESHWAR, ASSISTANT DIRECTOR, KARNATAKA
127. SHRI BASWARAJ KAMTHANE, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, KARNATAKA
128. SHRI N MAHESH, ASSISTANT DIRECTOR, KARNATAKA
129. SHRI RAVISH S NAYAK, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, KARNATAKA
130. SHRI SHARATH DASANNA GOWDA MALGAR, SUPERINTENDENT OF POLICE, KARNATAKA
131. SHRI PRABHAKAR GOVINDAPPA, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, KARNATAKA
132. SHRI V C GOPALAREDDY, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE (RESERVE), KARNATAKA
133. SHRI B VIJAY KUMAR, CIVIL HEAD CONSTABLE, KARNATAKA
134. SHRI MANJUNATH SHEKAPPA KALLEDVAR, POLICE SUB INSPECTOR, KARNATAKA
135. SHRI HAREESHA H R, ASSISTANT COMMANDANT, KARNATAKA
136. SHRI S MANJUNATH, SPECIAL RESERVE POLICE INSPECTOR, KARNATAKA
137. SHRI MAHIBOOBSAHEB NOORAMAHMAD MUJAWAR, CIVIL HEAD CONSTABLE, KARNATAKA
138. SMT. GOWRAMMA G, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, KARNATAKA
139. SHRI SINOJ T S, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, KERALA
140. SHRI FIROZ M SHAFEEQUE, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, KERALA
141. SHRI PRATEEP KUMAR AYYAPPAN PILLAI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, KERALA
142. SHRI RAJKUMAR PURUSHOTHAMAN, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, KERALA
143. SHRI NAJEEB SULAIMAN, SUPERINTENDENT OF POLICE & ASST. DIRECTOR (TECHNICAL & MT STUDIES), KERALA
144. SHRI SREEKUMAR MADATHILAZHIKATHU KRISHNANKUTTY NAIR, INSPECTOR OF POLICE, KERALA
145. SHRI SANTHOSH C R, SUB INSPECTOR OF POLICE, KERALA
146. SHRI RAJESH KUMAR SASIDHARAN LEKSHMI AMMA, SUB INSPECTOR OF POLICE, KERALA
147. SHRI MOHANDASAN O, SUB INSPECTOR OF POLICE, KERALA
148. SHRI SANJAY KUMAR DUBEY, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE (RADIO), MADHYA PRADESH
149. SHRI PANKAJ SHRIVASTAVA, ADDITIONAL COMMISSIONER OF POLICE (URBAN), MADHYA PRADESH
150. SHRI RAJESH KUMAR SINGH, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, MADHYA PRADESH
151. SHRI VINEET KAPOOR, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, MADHYA PRADESH
152. MS. ANJANA TIWARI, DEPUTY COMMANDANT, MADHYA PRADESH
153. SHRI YOGESHWAR SHARMA, SUPERINTENDENT OF POLICE, MADHYA PRADESH

154. SHRI MAHAVEER SINGH MUJALDE, ADDITIONAL DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, MADHYA PRADESH
155. MS. IRMEEN SHAH, ASSISTANT INSPECTOR GENERAL OF POLICE, MADHYA PRADESH
156. SHRI SURESH KUMAR BAJANGHATE, INSPECTOR (M)/STENO, MADHYA PRADESH
157. SHRI MANVENDRA SINGH KUSHWAH, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, MADHYA PRADESH
158. SHRI RAVI KUMAR DWIVEDI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, MADHYA PRADESH
159. SHRI PRAVEEN NARAYAN BAGHEL, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, MADHYA PRADESH
160. SHRI SURENDRA SINGH SIKARWAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, MADHYA PRADESH
161. SHRI SHAILENDRA SINGH RAJPUT, SUB INSPECTOR (SAF), MADHYA PRADESH
162. SHRI DATTATRAYA TULSHIDAS SHINDE, ADDITIONAL COMMISSIONER OF POLICE, MAHARASHTRA
163. SHRI SANDEEP GAJANAN DIWAN, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, MAHARASHTRA
164. SHRI SHIVAJI DYANDEV PHADTARE, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, MAHARASHTRA
165. SHRI SANJAY MARUTI KHANDE, SUPERINTENDENT OF POLICE, MAHARASHTRA
166. SHRI VINIT JAYVANT CHAUDHARI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, MAHARASHTRA
167. SHRI PRAKASH PANDURANG GAIKWAD, RESERVE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
168. SHRI SADANAND JANABA RANE, POLICE INSPECTOR, MAHARASHTRA
169. SHRI VIJAY MOHAN HATISKAR, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, MAHARASHTRA
170. SHRI MAHESH MOHANRAO TARADE, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, MAHARASHTRA
171. SHRI RAJESH RAMESH BHAGWAT, POLICE INSPECTOR, MAHARASHTRA
172. SHRI GAJANAN KRUSHNRAO TANDULKAR, POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
173. SHRI RAJENDRA TUKARAM PATIL, POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
174. SHRI SANJAY SHAHOO RANE, POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
175. SHRI GOVIND DADU SHEWALE, POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
176. SHRI MADHUKAR POCHA NAITAM, POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
177. SHRI ASHOK BAPU HONMANE, POLICE INSPECTOR, MAHARASHTRA
178. SHRI SHASHIKANT SHANKAR TATKARE, POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
179. SHRI AKSHAYWARNATH JOKHURAM SHUKLA, POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
180. SHRI SHIVAJI GOVIND JUNDARE, POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
181. SHRI SUNIL LAYAPPA HANDE, ASSISTANT SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
182. SHRI PRAKASH MOTIRAM DESHMUKH, POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
183. SHRI DATTU RAMNATH KHULE, ASSISTANT SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
184. SHRI RAMDAS NAGESH PALSHETKAR, RESERVE POLICE INSPECTOR, MAHARASHTRA
185. SHRI DEVIDAS SHRAVAN WAGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
186. SHRI PRAKASH SHANKAR WAGHMARE, ASSISTANT SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
187. SHRI SANJAY DAYARAM PATIL, ASSISTANT SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
188. SMT. MONIKA SAMUEL THOMAS, ASSISTANT SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
189. SHRI BANDU BABURAO THAKARE, HEAD CONSTABLE, MAHARASHTRA
190. SHRI GANESH MANAJI BHAMRE, HEAD CONSTABLE, MAHARASHTRA
191. SHRI ARUN NIVRUTI KHAIRE, HEAD CONSTABLE, MAHARASHTRA
192. SHRI DIPAK NARAYAN TILOO, HEAD CONSTABLE, MAHARASHTRA
193. SHRI RAJESH TUKARAMJI PAIDALWAR, HEAD CONSTABLE, MAHARASHTRA
194. SHRI SHRIKRUSHNA GANAGARAM HIRPURKAR, ASSISTANT COMMANDANT, MAHARASHTRA
195. SHRI RAJU SAMPAT SURVE, POLICE INSPECTOR, MAHARASHTRA
196. SHRI SANJEEV DATTATRAY DHUMAL, POLICE INSPECTOR, MAHARASHTRA
197. SHRI ANIL UTTAM KALE, ASSISTANT SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
198. SHRI MOHAN RAMCHANDRA NIKHARE, ASSISTANT SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA

199. SHRI DWARKADAS MAHADEORAO BHANGE, ASSISTANT SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
200. DR. AMITKUMAR MATAPRASAD PANDEY, POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
201. SHRI ASHOK SINGH OINAM, HAVILDAR, MANIPUR
202. SHRI BONOMALI SINGH KHANGEMBAM, HAVILDAR, MANIPUR
203. SHRI RINKAHAO RUIVAH, RIFLEMAN, MANIPUR
204. SHRI PREMJIT SINGH POTSHANGBAM, RIFLEMAN, MANIPUR
205. SHRI NONGTHOMBAM BISESWOR SINGH, RIFLEMAN, MANIPUR
206. SHRI ROJEN SINGH MAYANGLAMBAM, HAVILDAR, MANIPUR
207. SHRI CHALAMBA SINGH NGANGOM, ASSISTANT SUB INSPECTOR, MANIPUR
208. SHRI MAIBAM SOMORJIT SINGH, ARMED POLICE SUB INSPECTOR, MANIPUR
209. DR. SACHENG R. MARAK, ASSISTANT INSPECTOR GENERAL OF POLICE, MEGHALAYA
210. SHRI ANIL KUMAR SINGH, HAVILDAR, MEGHALAYA
211. SHRI KASTE ROMALSAWMA, ASSISTANT DIRECTOR, MIZORAM
212. SHRI VANLALHLUNA, INSPECTOR, MIZORAM
213. SHRI BENDANGWATI AO, DEPUTY SUPERITENDENT OF POLICE, NAGALAND
214. SHRI KAUSHIKA KUMAR NAIK, DEPUTY COMMANDANT, ODISHA
215. SHRI SANAT KUMAR NATHSHARMA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, ODISHA
216. SMT. KAVITA SAHU, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, ODISHA
217. SHRI PRAMODA KUMAR MOHANTA, CONSTABLE, ODISHA
218. SHRI PRADYUMNA KUMAR NANDA, SUB INSPECTOR OF POLICE, ODISHA
219. SHRI BABULA SAMAL, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, ODISHA
220. SMT. SANJUKTA PATANAIK, CONSTABLE, ODISHA
221. SHRI HARIBANDHU BHATRA, INSPECTOR, ODISHA
222. SHRI TOPHAN BEHERA, HAVILDAR, ODISHA
223. SHRI PRANA KRISHNA LENKA, HAVILDAR, ODISHA
224. SHRI SURESH CHANDRA ROUT, HAVILDAR, ODISHA
225. SHRI JAGWINDER SINGH, COMMANDANT, PUNJAB
226. SHRI GURBAKSHISH SINGH MANN, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, PUNJAB
227. SHRI SANJEEV KUMAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, PUNJAB
228. SHRI AMARBIR SINGH, INSPECTOR, PUNJAB
229. SHRI RAVINDER SINGH, SUB INSPECTOR, PUNJAB
230. SHRI GURDEV SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, PUNJAB
231. SHRI NARESH KUMAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, PUNJAB
232. SHRI NARINDER KUMAR, INSPECTOR, PUNJAB
233. SHRI RANJOT SINGH, SUB INSPECTOR, PUNJAB
234. SHRI BALBIR SINGH, SUB INSPECTOR, PUNJAB
235. SHRI SUKHBIR SINGH, INSPECTOR, PUNJAB
236. SHRI MOHAMMED RAMZAN, ASSISTANT SUB INSPECTOR, PUNJAB
237. SHRI DALJIT SINGH, SUB INSPECTOR, PUNJAB
238. SHRI DEVA RAM, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, RAJASTHAN
239. SHRI SATISH KUMAR YADAV, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, RAJASTHAN
240. SHRI SURENDAR SINGH, DEPUTY COMMANDANT, RAJASTHAN
241. SHRI DEEP CHAND SAHARAN, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, RAJASTHAN
242. SMT. DIPTI JOSHI, POLICE INSPECTOR, RAJASTHAN
243. SHRI JAI SINGH RAO, POLICE INSPECTOR, RAJASTHAN
244. SHRI FATEH SINGH, SUB INSPECTOR, RAJASTHAN
245. SHRI BALLU RAM, CONSTABLE, RAJASTHAN
246. SHRI MANISH CHOUDHARY, SUB INSPECTOR, RAJASTHAN

247. SHRI HARIOM SINGH, PLATOON COMMANDER, RAJASTHAN
248. SHRI SUBHASH CHANDRA, HEAD CONSTABLE, RAJASTHAN
249. SHRI SORAJ SINGH MEENA, CONSTABLE, RAJASTHAN
250. SHRI ATAM PRAKASH KHERWAL, HEAD CONSTABLE, RAJASTHAN
251. SHRI GULJHARI LAL, CONSTABLE, RAJASTHAN
252. SHRI PRATAP PRADHAN, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, SIKKIM
253. DR. N. KANNAN, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, TAMIL NADU
254. SHRI A G BABU, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, TAMIL NADU
255. SHRI PRAVEEN KUMAR ABHINAPU, INSPECTOR GENERAL OF POLICE / COMMISSIONER OF POLICE, TAMIL NADU
256. SHRI K. FEROZE KHAN ABDULLAH, SUPERINTENDENT OF POLICE, TAMIL NADU
257. SHRI T P SURESHKUMAR, SUPERINTENDENT OF POLICE, TAMIL NADU
258. SMT. M. KINGSHLIN, SUPERINTENDENT OF POLICE, TAMIL NADU
259. SMT. V. SHYAMALA DEVI, SUPERINTENDENT OF POLICE, TAMIL NADU
260. DR. K. PRABAKAR, SUPERINTENDENT OF POLICE, TAMIL NADU
261. DR. L. BALAJI SARAVANAN, SUPERINTENDENT OF POLICE, TAMIL NADU
262. SHRI K. RADHAKRISHNAN, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, TAMIL NADU
263. SHRI B. CHANDRASEKAR, INSPECTOR OF POLICE, TAMIL NADU
264. SHRI L. DILLIBABU, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, TAMIL NADU
265. SHRI R. MANOHARAN, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, TAMIL NADU
266. SHRI C. SANGU, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, TAMIL NADU
267. SHRI M. STEPHEN, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, TAMIL NADU
268. SHRI P. CHANDRA MOHAN, INSPECTOR OF POLICE, TAMIL NADU
269. SHRI M. HARIBABU, INSPECTOR OF POLICE, TAMIL NADU
270. SMT. R. TAMILSELVI, INSPECTOR OF POLICE, TAMIL NADU
271. SHRI T. K. MURALI, SPECIAL SUB INSPECTOR OF POLICE, TAMIL NADU
272. SHRI N. RAVICHANDRAN, SPECIAL SUB INSPECTOR OF POLICE, TAMIL NADU
273. SHRI G. MURALIDHARAN, SPECIAL SUB INSPECTOR OF POLICE, TAMIL NADU
274. SHRI AVINASH MOHANTY, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, TELANGANA
275. SHRI SYED JAMEEL BASHA, ADDITIONAL COMMANDANT, TELANGANA
276. SHRI P KRISHNA MURTHY, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, TELANGANA
277. SHRI KOMARABATTINI RAMU, ASSISTANT RESERVE SUB INSPECTOR, TELANGANA
278. SHRI ABDUL RAFEEQ, ASSISTANT RESERVE SUB INSPECTOR, TELANGANA
279. SHRI IKRAM AAB KHAN, SUB INSPECTOR OF POLICE, TELANGANA
280. SHRI SHRINIWASH MISHRA, ASSISTANT RESERVE SUB INSPECTOR, TELANGANA
281. SHRI KUNCHALA BALA KASHAIAH, ASSISTANT RESERVE SUB INSPECTOR, TELANGANA
282. SHRI A LAXMAIAH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, TELANGANA
283. SHRI GUNTI VENKATESHWARLU, ASSISTANT SUB INSPECTOR, TELANGANA
284. SMT. NUTHALAPATI GNANA SUNDARI, INSPECTOR OF POLICE, TELANGANA
285. SHRI KAMAL KRISHNA KALAI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, TRIPURA
286. SHRI KHIROD DEBBARMA, SUBEDAR (GD), TRIPURA
287. SHRI NIHAR DEBBARMA, HAVILDAR (GD), TRIPURA
288. SHRI SUJAN KANTI CHOWDHURY, CONSTABLE, TRIPURA
289. SHRI NIRMAL DAS, NAIK (GD), TRIPURA
290. SMT. JAYANTI CHAKRABORTY, WOMEN CONSTABLE, TRIPURA
291. SHRI MANOJ KUMAR SONKAR, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, UTTAR PRADESH
292. SHRI PRADEEP GUPTA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, UTTAR PRADESH
293. SHRI ALOK PRIYADARSHI, SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH

294. SHRI BRIJESH KUMAR SRIVASTAVA, SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
295. SHRI KESHAV CHAND GOSWAMI, SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
296. DR. MAHENDRA PAL SINGH, SUPERINTENDENT OF POLICE / DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, UTTAR PRADESH
297. SHRI KUNWAR GYANANJAY SINGH, SUPERINTENDENT OF POLICE / DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, UTTAR PRADESH
298. DR. RAJIV DIXIT, SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
299. SHRI KAMLESH BAHADUR, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
300. SHRI VISHWAJEET SRIVASTAVA, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
301. SHRI SURENDRA NATH TEWARI, SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
302. SHRI CHIRANJEEV NATH SINHA, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
303. SHRI VIDYA SAGAR MISHRA, SUPERINTENDENT OF POLICE / DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, UTTAR PRADESH
304. MOHAMAD IRFAN ANSARI, ASSISTANT RADIO OFFICER, UTTAR PRADESH
305. SHRI SHAHNAWAZ HUSAIN, ASSISTANT RADIO OFFICER, UTTAR PRADESH
306. SHRI RAJESH TIWARI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
307. SHRI NIGVENDRA SINGH, HEAD CONSTABLE (DRIVER), UTTAR PRADESH
308. SHRI RAM AWADH RAM, COMPANY COMMANDER, UTTAR PRADESH
309. SHRI VIDYA KANT DWIVEDI, COMPANY COMMANDER, UTTAR PRADESH
310. SHRI KHARPAT YADAV, PLATOON COMMANDER, UTTAR PRADESH
311. SHRI RAVINDRA NATH RAM, SUB INSPECTOR/AP, UTTAR PRADESH
312. SHRI PREMCHANDRA LAL SRIVASTAVA, HEAD CONSTABLE/PAC, UTTAR PRADESH
313. SHRI ASHOK KUMAR SHARMA, SUB INSPECTOR/MT, UTTAR PRADESH
314. SHRI LAKASH KUMAR, SUB INSPECTOR/CP, UTTAR PRADESH
315. SHRI RAZI AHMAD, SUB INSPECTOR/CP, UTTAR PRADESH
316. SHRI BHAGWAN SINGH YADAV, PLATOON COMMANDER, UTTAR PRADESH
317. SHRI DHIRENDRA KUMAR SRIVASTAVA, PLATOON COMMANDER, UTTAR PRADESH
318. SHRI GIRESH KUMAR, HEAD CONSTABLE (DRIVER), UTTAR PRADESH
319. SHRI KRIPAL SINGH, PLATOON COMMANDER, UTTAR PRADESH
320. SHRI MD. IRSAD AHMAD, HEAD CONSTABLE/PAC, UTTAR PRADESH
321. SHRI MUNNA RAJBHAR, HEAD CONSTABLE (DRIVER), UTTAR PRADESH
322. SHRI NARENDRA KUMAR, HEAD CONSTABLE/PAC, UTTAR PRADESH
323. SHRI SHIV NARAYAN YADAV, RESERVE INSPECTOR, UTTAR PRADESH
324. SHRI SUSHIL KUMAR SINGH, PLATOON COMMANDER, UTTAR PRADESH
325. SHRI GOVIND SINGH YADAV, SUB INSPECTOR/AP, UTTAR PRADESH
326. SHRI MD. DILSHAD KHAN, SUB INSPECTOR/AP, UTTAR PRADESH
327. SHRI ARVIND KUMAR SINGH, HEAD CONSTABLE/PAC, UTTAR PRADESH
328. SHRI GAUDEEN SHUKLA, INSPECTOR/CP, UTTAR PRADESH
329. SHRI SURYAVANSH YADAV, INSPECTOR/CP, UTTAR PRADESH
330. SHRI TEJVEER SINGH, HEAD CONSTABLE/PAC, UTTAR PRADESH
331. SHRI AKHILESH KUMAR SINGH, SUB INSPECTOR/CP, UTTAR PRADESH
332. SHRI SUDESH KUMAR, SUB INSPECTOR/CP, UTTAR PRADESH
333. SHRI SUBEDAR, SUB INSPECTOR/CP, UTTAR PRADESH
334. SHRI VIRENDRA KUMAR MISHRA, SUB INSPECTOR/CP, UTTAR PRADESH
335. SHRI SUKHPAL SINGH, RESERVE INSPECTOR, UTTAR PRADESH
336. SHRI LALIT MOHAN KHOLIYA, QUARTER MASTER, UTTAR PRADESH
337. SHRI HARIOM SHARMA, SUB INSPECTOR/AP, UTTAR PRADESH
338. SHRI NABAB SINGH, SUB INSPECTOR/AP, UTTAR PRADESH

339. SHRI DUSYANT VEER SINGH, SUB INSPECTOR/CP, UTTAR PRADESH
340. SHRI PUSHPENDRA PAL SINGH, INSPECTOR/CP, UTTAR PRADESH
341. SHRI SHIV ASRE, SUB INSPECTOR/CP, UTTAR PRADESH
342. SHRI RAKESH KUMAR SINGH, SUB INSPECTOR/CP, UTTAR PRADESH
343. SHRI RAMCHANDRA YADAV, COMPANY COMMANDER, UTTAR PRADESH
344. SMT. BINDU DEVI, SUB INSPECTOR/CP, UTTAR PRADESH
345. SHRI RAMESH CHANDRA, SUB INSPECTOR/CP, UTTAR PRADESH
346. SHRI KANT KUMAR SHARMA, INSPECTOR/CP, UTTAR PRADESH
347. SHRI CHHOTE LAL, INSPECTOR/CP, UTTAR PRADESH
348. SHRI NOVENDRA SINGH, INSPECTOR/CP, UTTAR PRADESH
349. SHRI SUBHAN ALI ANSARI, INSPECTOR/MT, UTTAR PRADESH
350. SHRI AJAY PRATAP SINGH, QUARTER MASTER, UTTAR PRADESH
351. SHRI PRADEEP KUMAR YADAV, INSPECTOR/CP, UTTAR PRADESH
352. SHRI SHAILENDRA KUMAR MISHRA, INSPECTOR/CP, UTTAR PRADESH
353. SHRI NATHUNI RAM, SUB INSPECTOR/CP, UTTAR PRADESH
354. SHRI SHIV BACHAN, INSPECTOR, UTTAR PRADESH
355. SHRI AKLESH KUMAR SINGH, INSPECTOR/CP, UTTAR PRADESH
356. SHRI KRISHNA KANT SHUKLA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
357. SMT. VINEETA KUMARI DUBEY, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
358. SHRI SHIV SHANKAR PRASAD, HEAD CONSTABLE (DRIVER), UTTAR PRADESH
359. SHRI JALAL AHMAD, INSPECTOR (LIPIK), UTTAR PRADESH
360. SHRI SANJEEV KUMAR, INSPECTOR (LIPIK), UTTAR PRADESH
361. SMT. NEERU GARG, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, UTTARAKHAND
362. SMT. SARITA DOBAL, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTARAKHAND
363. SHRI JAGAT RAM, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, UTTARAKHAND
364. SHRI RISHI BALLABH KOTHIYAL, ADDITIONAL SUB INSPECTOR ARMED POLICE, UTTARAKHAND
365. SHRI HARAK SINGH, COMPANY COMMANDER, UTTARAKHAND
366. SHRI P BABU RAO, HEAD CONSTABLE, ANDAMAN AND NICOBAR ISLANDS
367. SHRI ANDI, ASSISTANT SUB INSPECTOR, ANDAMAN AND NICOBAR ISLANDS
368. MS. REENA YADAV, INSPECTOR (CHG), CHANDIGARH
369. SHRI NAND LAL, INSPECTOR (CHG), CHANDIGARH
370. SHRI SONAM DORJE, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, LADAKH
371. SHRI B. VISWANATHAN, INSPECTOR OF POLICE, PUDUCHERRY
372. SHRI BHIM SEN TUTI, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, JAMMU & KASHMIR
373. SHRI ZAHID NASEEM MANHAS, SENIOR SUPERINTENDENT OF POLICE, JAMMU & KASHMIR
374. SHRI RANJIT SINGH SAMBYAL, SENIOR SUPERINTENDENT OF POLICE, JAMMU & KASHMIR
375. SHRI KULDEEP HANDOO, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, JAMMU & KASHMIR
376. SHRI PARAMJEET SINGH, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, JAMMU & KASHMIR
377. SHRI NARESH KUMAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, JAMMU & KASHMIR
378. SHRI KAMAL SANGRA, INSPECTOR, JAMMU & KASHMIR
379. SHRI BILAL AHMAD BADER, INSPECTOR, JAMMU & KASHMIR
380. SHRI SARFA RAM, HEAD CONSTABLE, JAMMU & KASHMIR
381. SHRI MOHD SARWAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, JAMMU & KASHMIR
382. SHRI RAJPAUL SINGH, SUB INSPECTOR, JAMMU & KASHMIR
383. SHRI RAM PAUL, HEAD CONSTABLE, JAMMU & KASHMIR
384. SHRI SYED ISRAR AHMED, INSPECTOR (S), JAMMU & KASHMIR
385. SHRI SURINDER PANDIT, SUB INSPECTOR (M), JAMMU & KASHMIR
386. SHRI DEEPAK BHAT, ASSISTANT SUB INSPECTOR, JAMMU & KASHMIR

387. SHRI SHABIR AHMAD SHEIKH, SUB INSPECTOR, JAMMU & KASHMIR
388. SHRI KULBUSHAN KHAJURIA, ASSISTANT SUB INSPECTOR (T), JAMMU & KASHMIR
389. SHRI ASIF IQUBAL NIZAMI, COMMANDANT, ASSAM RIFLES
390. SHRI DIPANKAR SAU, SUBEDAR (CLERK), ASSAM RIFLES
391. SHRI SUNIL KUMAR, NAIB SUBEDAR (GD), ASSAM RIFLES
392. SHRI JAI PRAKASH RAM, SUBEDAR MAJOR (GD), ASSAM RIFLES
393. SHRI SHIV KUMAR SHARMA, NAIB SUBEDAR, ASSAM RIFLES
394. SHRI RAGHBIR SINGH, SUBEDAR (GD), ASSAM RIFLES
395. SHRI PATHAN SINGH, WARRANT OFFICER (GD), ASSAM RIFLES
396. SHRI UPDESH SINGH, WARRANT OFFICER (GD), ASSAM RIFLES
397. SHRI CHET BAHADUR THAPA, NAIB SUBEDAR (GD), ASSAM RIFLES
398. SHRI BHUWAN SINGH, HAVILDAR, ASSAM RIFLES
399. SHRI AJOY REGON, NAIB SUBEDAR (GD), ASSAM RIFLES
400. SHRI RAKESH KUMAR, DEPUTY COMMANDANT, ASSAM RIFLES
401. SHRI LEKH RAJ, WARRANT OFFICER (GD), ASSAM RIFLES
402. SHRI KULWANT KUMAR, COMMANDANT, BSF
403. SHRI VARINDER DATTA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, BSF
404. SHRI BALWANT SINGH NEGI, COMMANDANT, BSF
405. SHRI ASHOK KUMAR, COMMANDANT, BSF
406. SHRI HARENDRA SINGH TOLIA, COMMANDANT, BSF
407. SHRI RAJIV PRATIHAST UDIT, COMMANDANT, BSF
408. SHRI SURENDRA KUMAR, COMMANDANT, BSF
409. DR. SHAILBALA SORENG, DIG (MEDICAL), BSF
410. SHRI SUBHASH KUMAR, COMMANDANT(LAW), BSF
411. DR. NARENDER KUMAR KASI, CMO(SG), BSF
412. SHRI ASHOK SINGH, SECOND IN COMMAND, BSF
413. SHRI KESHAR NATH SIDH, DEPUTY COMMANDANT, BSF
414. SHRI KRISHNA KUMAR SHARMA, DEPUTY COMMANDANT, BSF
415. SHRI VISHNU LAL, DEPUTY COMMANDANT, BSF
416. SHRI RAJENDRA TOPPO, SECOND IN COMMAND, BSF
417. SHRI RAJINDER KUMAR SHARMA, INSPECTOR(MIN), BSF
418. SHRI SAIDUL ISLAM, INSPECTOR(GD), BSF
419. SHRI LAL SINGH, INSPECTOR(RM), BSF
420. SHRI SUNDER SINGH, INSPECTOR(GD), BSF
421. SHRI DURLOVE SONOWAL, INSPECTOR(GD), BSF
422. SHRI ABSAR AHMAD, INSPECTOR(RO), BSF
423. SHRI PEMA RAM NEHRA, SUB INSPECTOR(GD), BSF
424. SHRI NAROTAM SINGH BHALARIA, SUB INSPECTOR(RM), BSF
425. SHRI KARAM SINGH, ASSISTANT COMMANDANT(MIN), BSF
426. SHRI N RAMASAMY, SUB INSPECTOR(GD), BSF
427. SHRI THIRESH PRASAD MEDHI, SUB INSPECTOR(GD), BSF
428. SHRI PRAJEN BASUMATARY, LANCE NAIK (GD), BSF
429. SHRI TAPAN KUMAR GHOSH, SUB INSPECTOR(GD), BSF
430. SHRI SURAJ BHAN SINGH, SUB INSPECTOR(GD), BSF
431. SHRI KALYAN NAG, INSPECTOR(GD), BSF
432. SHRI BHARAT CHANDRA BORDOLOI, LANCE NAIK (GD), BSF
433. SHRI GOPAL SINGH, INSPECTOR(TECH), BSF
434. SHRI PRESWELL K SANGMA, LANCE NAIK (GD), BSF

435. SHRI ROSHAN LAL, ASSISTANT SUB INSPECTOR (GD), BSF
436. SHRI KULDEEP RAJ, ASSISTANT SUB INSPECTOR (GD), BSF
437. SHRI HILARIUS TOPNO, INSPECTOR (GD), BSF
438. SHRI LAKHWINDER MASIH, ASSISTANT SUB INSPECTOR (GD), BSF
439. SHRI ASIM KUMAR DAS, ASSISTANT SUB INSPECTOR (GD), BSF
440. SHRI DOULAT RAM, ASSISTANT SUB INSPECTOR (GD), BSF
441. SHRI GIAN SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR (GD), BSF
442. SHRI JITENDRA KUMAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR (GD), BSF
443. SHRI JOLY J, ASSISTANT SUB INSPECTOR (GD), BSF
444. SHRI SHAILENDRA PRASAD SHAHI, ASSISTANT SUB INSPECTOR, BSF
445. SHRI BALESHWAR MUNDA, ASSISTANT SUB INSPECTOR (GD), BSF
446. SHRI KRISHAN CHAND, SUB INSPECTOR (ED), BSF
447. SHRI SATYAWAN SINGH, HEAD CONSTABLE (GD), BSF
448. SHRI SUDHIR KUMAR, SENIOR COMMANDANT, CISF
449. SHRI AKHILESH KUMAR SHUKLA, SENIOR COMMANDANT, CISF
450. SHRI L KAIMINLUN HAOKIP, SENIOR COMMANDANT, CISF
451. SHRI NAGENDRA SHARMA, SENIOR COMMANDANT, CISF
452. SHRI JAI PRAKASH, ASSISTANT COMMANDANT/EXE, CISF
453. SHRI PRADEEP KUMAR MISHRA, ASSISTANT COMMANDANT/EXE, CISF
454. SHRI JASWANT SINGH, ASSISTANT COMMANDANT/EXE, CISF
455. SHRI ANANT KUMAR SINHA, ASSISTANT COMMANDANT/EXE, CISF
456. SHRI ARUN KUMAR, ASSISTANT COMMANDANT/EXE, CISF
457. SHRI CHANCHAL SINGH, ASSISTANT COMMANDANT/EXE, CISF
458. SHRI GORDHAN RAM BAJIYA, ASSISTANT COMMANDANT/EXE, CISF
459. SHRI M. K. VENUGOPALAN, INSPECTOR/EXE, CISF
460. SHRI G. VENKATESAN, HEAD CONSTABLE/TM, CISF
461. SHRI DINESH PRATAP SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR/EXE, CISF
462. SHRI BABUL CHANDRA DEKA, ASSISTANT SUB INSPECTOR/EXE, CISF
463. SHRI ASHIM KUMAR JANA, HEAD CONSTABLE/TM, CISF
464. SHRI SAMBHU NATH DAS, HEAD CONSTABLE/TM, CISF
465. SHRI RAKESH CHAND, ASSISTANT SUB INSPECTOR/EXE, CISF
466. SHRI A CHRISTOPHER, ASSISTANT SUB INSPECTOR/EXE, CISF
467. SHRI HEM SINGH SEN, ASSISTANT SUB INSPECTOR/EXE, CISF
468. SHRI SHANKAR DAYAL YADAV, ASSISTANT SUB INSPECTOR/EXE, CISF
469. SHRI HIRAMAN KADAM, ASSISTANT SUB INSPECTOR/EXE, CISF
470. SHRI RAJARAM YADAV, ASSISTANT SUB INSPECTOR/EXE, CISF
471. SHRI AMITENDRA NATH SINHA, INSPECTOR GENERAL, CRPF
472. SHRI R. GOPALA KRISHNA RAO, INSPECTOR GENERAL, CRPF
473. DR. ABDUL NAZAR CH, DEPUTY INSPECTOR GENERAL (MEDICAL), CRPF
474. DR. SANJEEV CHOWDHURY, CHIEF MEDICAL OFFICER (SG), CRPF
475. SHRI HARIKANT SINGH, COMMANDANT, CRPF
476. SHRI JITENDRA SINGH YADAV, COMMANDANT, CRPF
477. SHRI AMIT KUMAR, COMMANDANT, CRPF
478. SHRI DEVENDER SINGH KATHAYAT, COMMANDANT, CRPF
479. SHRI YADVENDRA SINGH YADAV, COMMANDANT, CRPF
480. SHRI AMITAVA GHOSHAL, ASSISTANT COMMANDANT /PS, CRPF
481. SHRI SYAMAL BHOWMIK, SECOND-IN-COMMAND, CRPF
482. SHRI OMENDRA SINGH POONIA, SECOND-IN-COMMAND, CRPF

483. SHRI SOURAV ROY, SECOND-IN-COMMAND, CRPF
484. SHRI DALJEET SINGH BHATI, SECOND-IN-COMMAND, CRPF
485. SHRI JYOTIRMAY ACHARYA, DEPUTY COMMANDANT, CRPF
486. SHRI KULDIP SINGH, DEPUTY COMMANDANT, CRPF
487. SHRI NIRAJ KUMAR, DEPUTY COMMANDANT, CRPF
488. SHRI SHAMALA RAMESH, ASSISTANT COMMANDANT (MIN), CRPF
489. SHRI BHUPENDRA KUMAR PATHAK, SUB INSPECTOR (LAB-TECH), CRPF
490. SHRI UTPAL CHANDRA SUTRADHAR, INSPECTOR (MIN), CRPF
491. SHRI SATYVEER SINGH, INSPECTOR (TECH), CRPF
492. SHRI SHRI NIVAS BAJPAI, INSPECTOR (TECH), CRPF
493. SHRI HARFUL SINGH, INSPECTOR (GD), CRPF
494. SHRI KIRAN KUWAR LAKRA, SUB INSPECTOR (GD), CRPF
495. SHRI NIRANJAN DEBBARMA, INSPECTOR (GD), CRPF
496. SHRI TARKESHWAR THAKUR, HEAD CONSTABLE (BARBER), CRPF
497. SHRI SOBAN SINGH, INSPECTOR (GD), CRPF
498. SHRI P RAMANA REDDY, INSPECTOR (GD), CRPF
499. SHRI KRIPA SHANKAR PAL, INSPECTOR (GD), CRPF
500. SHRI SARVESH PRAKASH SINGH, INSPECTOR (GD), CRPF
501. SHRI ABDUL AZEEZ P. A, DEPUTY COMMANDANT, CRPF
502. SHRI CHANDRA KANTA SWARGIARY, INSPECTOR (GD), CRPF
503. SHRI SATYABIR SINGH, INSPECTOR (ARMR), CRPF
504. SHRI AMAR SINGH, SUB INSPECTOR (GD), CRPF
505. SHRI MAHIPAL, SUB INSPECTOR (GD), CPRF
506. SHRI MUSTAQ AHMED, INSPECTOR (B-BAND), CRPF
507. SHRI BHAGIRATH REDDY, SUB INSPECTOR (GD), CRPF
508. SHRI S. PALANI MUTHU, INSPECTOR (GD), CRPF
509. SHRI SANJAY KUMAR SINGH, SUB INSPECTOR (GD), CRPF
510. SHRI PRATAP CHANDRA PANIGRAHI, INSPECTOR (GD), CRPF
511. SHRI S MURALEE DHARAN NAIR, SUB INSPECTOR (GD), CRPF
512. SHRI SHEESH RAM MEENA, SUB INSPECTOR (GD), CRPF
513. SHRI KHALID MAHMOOD KHAN, SUB INSPECTOR (GD), CRPF
514. SHRI RAJENDRAN NAIR M., SUB INSPECTOR (MM), CRPF
515. SHRI K RAJMASTHAN, SUB INSPECTOR (GD), CRPF
516. SHRI VIJAY KUMAR, SUB INSPECTOR (GD), CRPF
517. SHRI DAYA RAM, HEAD CONSTABLE (COBBLER), CRPF
518. SHRI K. SANATHOI RONGMEI, SUB INSPECTOR (GD), CRPF
519. SHRI CHANDRASHEKAR G, SUB INSPECTOR (RO), CRPF
520. SHRI SAYED TIBREJ BEEN ZANGI, ASSISTANT SUB INSPECTOR (GD), CRPF
521. SHRI SANJAY KUMAR SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR (GD), CRPF
522. SMT. CHANDRA PRABHA SINGH, SUB INSPECTOR (GD), CRPF
523. SHRI RAJESWARA RAO B, ASSISTANT SUB INSPECTOR (GD), CRPF
524. SHRI CHUN CHUN RAJAK, ASSISTANT SUB INSPECTOR (GD), CRPF
525. SHRI ANIL KUMAR SINGH, INSPECTOR (GD), CRPF
526. SHRI INDRONIL BANDYOPADHYAY, SUBEDAR MAJOR (GD), CPRF
527. SHRI VINOD KUMAR SINGH, CONSTABLE (WATER CARRIER), CRPF
528. SHRI KORI SANJAY KUMAR GURUDIN, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, ITBP
529. SHRI BENUDHAR NAYAK, COMMANDANT (GD), ITBP
530. SHRI KAILASH CHANDRA BHATT, DEPUTY COMMANDANT (OFFICE), ITBP

531. SHRI AJAY KASHYAP, SECOND IN COMMAND (GD), ITBP
532. SHRI HARISH CHANDER, INSPECTOR (CM), ITBP
533. SHRI CHANDRA SHEKHAR BHATT, INSPECTOR (TELECOM), ITBP
534. SHRI PREM LAL VERMA, SUB INSPECTOR (GD), ITBP
535. SHRI SATWINDER SINGH, SUBEDAR MAJOR (GD), ITBP
536. SHRI PURSHOTAM SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR (GD), ITBP
537. SHRI HARAK SINGH RAWAT, SUBEDAR MAJOR (GD), ITBP
538. SHRI HARIOM BHARTI, INSPECTOR (HT), ITBP
539. SHRI GAUTTAM KUMAR, SECOND IN COMMAND, NSG
540. SHRI GURPREET SINGH, SQUADRON COMMANDER, NSG
541. SHRI BODH RAJ RAINA, ASSISTANT COMMANDER-I(MIN), NSG
542. SHRI JAGAT SINGH, RANGER –I (GD), NSG
543. SHRI SANJAY KUMAR SARANGI, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, SSB
544. DR. O BALESHWAR SINGH, DEPUTY INSPECTOR GENERAL (MEDICAL), SSB
545. SHRI LETJANGAM KUKI, NAIK (GD), SSB
546. SHRI SHER SINGH, SUB INSPECTOR (GD), SSB
547. SHRI GAINA SINGH MARATHA, ASSISTANT COMMANDANT (GD), SSB
548. SHRI GERI LEGO, CONSTABLE (GD), SSB
549. SHRI LIPO KAME, CONSTABLE (GD), SSB
550. SHRI SUCHARIT DEY, ASSISTANT SUB INSPECTOR (GD), SSB
551. SHRI DINESH CHAND, INSPECTOR (MIN), SSB
552. SHRI RAVI KUMAR, INSPECTOR (GD), SSB
553. SHRI RANJIT SONOWAL, ASSISTANT SUB INSPECTOR (GD), SSB
554. SHRI HARENDRA KUMAR, JOINT DEPUTY DIRECTOR/EXE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
555. SHRI ARVIND KUMAR MISHRA, ASSISTANT DIRECTOR/EXE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
556. SHRI SANJAY PANDEY, ASSISTANT DIRECTOR/EXE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
557. SHRI BINU PRABHAKARAN LEELA, ASSISTANT DIRECTOR/TECH, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
558. SHRI ANIL KUMAR SINHA, ASSISTANT DIRECTOR/EXE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
559. SHRI BHUSHAN SHARAD WAVALE, ASSISTANT DIRECTOR/EXE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
560. SHRI BALWANT HANSRAJ KHANDEKAR, ASSISTANT DIRECTOR/EXE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
561. SHRI LETTINTHANG THOMSON, ASSISTANT DIRECTOR/EXE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
562. SHRI NONGTHOMBAM SURCHANDRA, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER/ EXE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
563. SHRI KIRAN BAKTULA, ASSISTANT DIRECTOR/EXE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
564. SHRI SUDIP ROY, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER/EXE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
565. SHRI AVIJIT DUTTA, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-I/EXE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
566. MS. THONDEPU VARALAKSHMI, ASSISTANT DIRECTOR/STAFF OFFICER, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
567. SHRI SEKHAR KUMAR DEB, PRIVATE SECRETARY, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
568. SHRI VINOD KUMAR SINGH, SECTION OFFICER, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
569. SHRI MANOJ BHARDWAJ, SECTION OFFICER, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
570. SHRI ABDUL NADEEM R, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-II/TECH, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
571. SHRI HARDAYAL SINGH YADAV, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-I/EXE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
572. SHRI ASHOK KUMAR, ASSISTANT SECTION OFFICER, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

573. SHRI DEEPAK PANT, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-I/EXE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
574. MS. VIJAYA RAMESH, ASSISTANT DIRECTOR/STAFF OFFICER, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
575. SHRI TSEWANG NAMGAIL, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-I/EXE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
576. SHRI RINCHEN DORJI, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-II/EXE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS
577. SHRI MOHAMMAD SUVEZ HAQUE, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, CBI
578. SHRI VIJAYENDRA BIDARI, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, CBI
579. SHRI TATHAGAT VARDAN, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI
580. MRS. SAMPADA SANJEEV REVANKAR, STENO GRADE-I, CBI
581. SHRI KRISHNA KUMAR SINGH, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI
582. SHRI DARSHAN SINGH, INSPECTOR OF POLICE, CBI
583. SHRI LALTA PRASAD, HEAD CONSTABLE, CBI
584. SHRI SATYAJIT HALDER, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CBI
585. SHRI SUBHASH CHAND, HEAD CONSTABLE, CBI
586. SHRI ONKAR DAS VAISHNAV, HEAD CONSTABLE, CBI
587. SHRI SIVAKUMAR SUBRAMANIYAN, CONSTABLE, CBI
588. SHRI SADI RAJU REDDY, HEAD CONSTABLE, CBI
589. SHRI HIMANSHU GUPTA, ASSISTANT INSPECTOR GENERAL, SPG
590. SHRI PARVEEN KUMAR CHOUDHARY, ASSISTANT INSPECTOR GENERAL, SPG
591. SHRI JAI SHANKAR TRIVEDI, SECURITY OFFICER-I (M), SPG
592. SHRI PRATHEEP KUMAR SREENIVASAN, JUNIOR SECURITY OFFICER (MCR), SPG
593. SHRI RAJESH JHA, SECURITY OFFICER-II (T), SPG
594. SHRI BALKISHAN BALAI, SECURITY OFFICER-I, SPG
595. SHRI ANURAG KUMAR, INSPECTOR GENERAL, BPR&D
596. DR. S INDIRA SUDHA, DIRECTOR, NCRB
597. SHRI NAVEEN KUMAR TYAGI, SUPERINTENDENT OF POLICE, NIA
598. SHRI MOHAN SINGH, SUB INSPECTOR, NIA
599. SHRI SANTHOSH P R, ASSISTANT SUB INSPECTOR, NIA
600. SHRI G. VIJAY KUMAR, SUB INSPECTOR, NIA
601. SHRI AMOL SHIVAJI HAKKE, HEAD CONSTABLE, NIA
602. SHRI CHHAILU SINGH CHARAN, HEAD CONSTABLE (RIDING), SVPNPA
603. SHRI BIJOY KUMAR SINGH ABUJAM, COMMANDANT, NDRF
604. SHRI PARKASH CHAND, INSPECTOR (RADIO OPERATOR), NDRF
605. SHRI RAJ KUMAR SHARMA, SECOND-IN-COMMAND, NDRF
606. SHRI BALVEER SINGH SHEKHAWAT, INSPECTOR, NHRC
607. SHRI RAKESH KUMAR BHARDWAJ, SENIOR AVIATION SECURITY OFFICER, MINISTRY OF CIVIL AVIATION
608. SHRI ARUN KUMAR SINGH, DEPUTY DIRECTOR, MINISTRY OF CIVIL AVIATION
609. SHRI ABHISHEK GOYAL, SPECIAL DIRECTOR, DIRECTORATE OF ENFORCEMENT, DEPARTMENT OF REVENUE
610. SHRI AMARESH KUMAR, IG-CUM-PRINCIPAL CHIEF SECURITY COMMISSIONER, RPF
611. SHRI UJJAL DAS, ASSISTANT SECURITY COMMISSIONER, RPF
612. SHRI AJAY KUMAR, SUB INSPECTOR, RPF
613. SHRI JALA SUDHAKAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, RPF
614. SHRI BONGI PADMALOCHANA, HEAD CONSTABLE, RPF
615. SHRI SHAIK NAYEEM BASHA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, RPF

616. SHRI SANTOSH KUMAR SHARMA, INSPECTOR, RPF
617. SHRI RAJESHKUMAR PRADHAN, HEAD CONSTABLE, RPF
618. SHRI PRAKASH CHANDRA KANDPAL, ASSISTANT SUB INSPECTOR, RPF
619. SHRI BALIVADA SRIDHAR, SUB INSPECTOR, RPF
620. SHRI SANJAY VASANT MORE, SUB INSPECTOR, RPF
621. SHRI RAJPAL NAIK, ASSISTANT SUB INSPECTOR, RPF
622. SHRI MUKESH KHARE, ASSISTANT SUB INSPECTOR, RPF
623. SHRI ABHAY KUMAR, SUB INSPECTOR, RPF
624. SHRI ARUN KUMAR PASI, ASSISTANT SUB INSPECTOR, RPF

FIRE SERVICE

625. SHRI CHINNAM MARTIN LUTHER KING, ASSISTANT DISTRICT FIRE OFFICER, ANDHRA PRADESH
626. SHRI DIPAK KUMAR SARMA, DRIVER, ASSAM
627. SHRI TARINI BARMAN, LEADING FIREMAN, ASSAM
628. SHRI PULAK THAKURIA, SUB OFFICER, ASSAM
629. SHRI MAHADEV BORO, DRIVER, ASSAM
630. SHRI MANISH KUMAR, ASSISTANT DIVISIONAL OFFICER, NCT OF DELHI
631. SHRI SANDEEP DUGGAL, DIVISIONAL OFFICER, NCT OF DELHI
632. SHRI ULHAS GOVIND GAONKAR, SUB OFFICER, GOA
633. SHRI MANSA RAM, STATION FIRE OFFICER, HIMACHAL PRADESH
634. SHRI RAJINDER KUMAR, STATION FIRE OFFICER, HIMACHAL PRADESH
635. SHRI ASHOK KUMAR, SUB FIRE OFFICER, HIMACHAL PRADESH
636. SHRI MURALEEDHARAN C K, STATION OFFICER, KERALA
637. SHRI DIVUKUMAR K, SENIOR FIRE & RESCUE OFFICER, KERALA
638. SHRI BYJU K, SENIOR FIRE & RESCUE OFFICER, KERALA
639. SHRI SUJAYAN K, FIRE & RESCUE OFFICER (DRIVER), KERALA
640. SHRI KISHOR DNYANDEO GHADIGAONKAR, DIVISIONAL FIRE OFFICER, MAHARASHTRA
641. SHRI ANANT BHIWAJI DHOTRE, SUB OFFICER, MAHARASHTRA
642. SHRI MOHAN VASUDEV TOSKAR, LEADING FIREMAN, MAHARASHTRA
643. SHRI MUKESH KESHAV KATE, LEADING FIREMAN, MAHARASHTRA
644. SHRI KIRAN RAJNIKANT HATYAL, FIRE OFFICER, MAHARASHTRA
645. SHRI SEVENSON SINGH MAIBAM, LEADING FIREMAN, MANIPUR
646. SHRI PANMEI GAIKHAONGAM, LEADING FIREMAN, MANIPUR
647. SHRI RAJU RAM RABHA, HANDYMAN, MEGHALAYA
648. SHRI BHUPESH CH HAJONG, SUB OFFICER, MEGHALAYA
649. SHRI VANLALHRUAIA, DRIVER SPECIAL GRADE, MIZORAM
650. SHRI NIRANJAN JENA, LEADING FIREMAN, ODISHA
651. SHRI SUKANTA KUMAR BEHERA, LEADING FIREMAN, ODISHA
652. SHRI MADHAVA RAO TELUGU, LEADING FIREMAN, TELANGANA
653. SHRI WAHEDUDDUIN MOHAMMAD, LEADING FIREMAN, TELANGANA
654. SHRI LAIKURRAHMAN, FIREMAN, UTTAR PRADESH
655. SHRI NARENDRA SINGH YADAV, FIREMAN, UTTAR PRADESH
656. SHRI SURESH KUMAR, FIREMAN, UTTAR PRADESH
657. SHRI DIGAMBER PRASAD, LEADING FIREMAN, UTTARAKHAND
658. SHRI PRATHOBAN SINGH NEGI, LEADING FIREMAN, UTTARAKHAND
659. SHRI RAJA BHATTACHARYYA, STATION OFFICER, WEST BENGAL
660. SHRI SUDIPTA BIT, DIVISIONAL FIRE OFFICER, WEST BENGAL
661. SHRI SUMIT SUR, STATION OFFICER, WEST BENGAL
662. SHRI K ANBALAGAN, HEAD CONSTABLE, ANDAMAN AND NICOBAR ISLANDS

663. SHRI MANOJ CHAUHAN, ASSISTANT COMMANDANT/FIRE, CISF
664. SHRI LOKESH CHAND, ASSISTANT COMMANDANT/FIRE, CISF
665. SHRI NIKHIL KUMAR SAMANTA, INSPECTOR/FIRE, CISF
666. SHRI SURENDRA PAL SHARMA, ASSISTANT SUB INSPECTOR/FIRE, CISF
667. SHRI HIRESH CHAKRABORTY, DY. CHIEF FIREMAN, MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS
668. SHRI HIMANSHU SEKHAR SAHU, GENERAL MANAGER (FIRE SERVICES), MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS
669. SHRI PRASHANT B GANVIR, DY. GENERAL MANAGER (FIRE SERVICES), MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS
670. SHRI VIMAL KUMAR ARVINDBHAI PRAJAPATI, SENIOR FIREMAN, MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS
671. SHRI ANANTA JAIRAMJI BHENDE, DEPUTY GENERAL MANAGER (FIRE & SAFETY), MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

HOME GUARD & CIVIL DEFENCE

672. SHRI JOYNAL ABEDIN, SUBEDAR, ASSAM
673. SHRI DIMBESWAR LAHAN, PLATOON COMMANDER, ASSAM
674. SHRI SANSUMA BASUMATARY, NAIK, ASSAM
675. SHRI SURENDRA KUMAR SINGOUR, SAINIK, CHHATTISGARH
676. SHRI SANJAYBHAI BABUBHAI VASAVA, SENIOR PLATOON COMMANDER, GUJARAT
677. SHRI PASABHAI DHANABHAI ZALA, HAVALDAR CLERK, GUJARAT
678. SHRI BRIJESH SURESHBHAI SHAH, DEPUTY CHIEF WARDEN, GUJARAT
679. SHRI MEHUL BALVANTBHAI SORATHIA, DEPUTY CHIEF WARDEN, GUJARAT
680. SHRI JAI KUMAR, SENIOR PLATOON COMMANDER, HIMACHAL PRADESH
681. SHRI VIJAYKUMAR N, COMPANY COMMANDER, KARNATAKA
682. SHRI REVANAPPA B, PLATOON COMMANDER, KARNATAKA
683. DR. SATISH YALLANSA IRAKAL, STAFF OFFICER, KARNATAKA
684. DR. MURALEE MOHAN CHOONTHARU, COMMANDANT, KARNATAKA
685. SHRI MOHAN LAL SHARMA, SAINIK (VOLUNTEER), MADHYA PRADESH
686. SHRI SHAYAM SINGH RAJPUT, SAINIK (VOLUNTEER), MADHYA PRADESH
687. SHRI RAM CHARLES LAMARE, HAVILDAR, MEGHALAYA
688. SHRI PRAFULLA BASUMATARY, HAVILDAR, MEGHALAYA
689. SMT. SULOCHANA SAHOO, PLATOON COMMANDER, ODISHA
690. SHRI JHAGU BARUA, CIVIL DEFENCE VOLUNTEER, ODISHA
691. SHRI MOORTHY M, COMPANY COMMANDER, TAMIL NADU
692. SHRI KALAIAZHAGAN S, PLATOON COMMANDER, TAMIL NADU
693. SHRI BLADBIN ANBIAH, AREA COMMANDER, TAMIL NADU
694. SMT. BANDOLLU LAKSHMI, WOMEN HOME GUARD, TELANGANA
695. SHRI MEDIPALLY MALLESH, HOME GUARD, TELANGANA
696. SMT. INTURI KAVITHA, WOMEN HOME GUARD, TELANGANA
697. SHRI NAMALA GALAIAH, HOME GUARD, TELANGANA
698. SMT. E. SUMALATHA, WOMEN HOME GUARD, TELANGANA
699. SHRI NABA KUMAR SARKAR, HOME GUARD, TRIPURA
700. SHRI VED PAL SINGH CHAPRANA, DISTRICT COMMANDANT, UTTAR PRADESH
701. SHRI KAMLESH CHANDRA GAUTAM, PERSONAL ASSISTANT, UTTAR PRADESH
702. SHRI VIJAY BIKRAM VERMA, PERSONAL ASSISTANT, UTTAR PRADESH
703. SHRI MAHESH PRASAD, BLOCK ORGANISER, UTTAR PRADESH
704. SHRI SHIV KUMAR VERMA, SENIOR ADMINISTRATIVE OFFICER, UTTAR PRADESH

705. SHRI KIRPAL SINGH, SENIOR ASSISTANT, UTTAR PRADESH
706. SHRI VIVEK KUMAR SINGH, JOINT COMMANDANT GENERAL, UTTAR PRADESH
707. SHRI RAJ KUMAR AZAD, SENIOR STAFF OFFICER, UTTAR PRADESH
708. SHRI PIYUSH KANT, DIVISIONAL COMMANDANT, UTTAR PRADESH
709. SHRI SANJAY KUMAR SINGH, DIVISIONAL COMMANDANT, UTTAR PRADESH
710. SHRI MOHAMMAD ARSHAD HUSAIN, URDU ANUVADAK/PARDHAN SAHAYAK, UTTAR PRADESH
711. SHRI KAMRUZZAMA ANSARI, CHIEF ADMINISTRATIVE OFFICER, UTTARAKHAND
712. SHRI VIJAY PAL, INSPECTOR, UTTARAKHAND
713. SHRI D UDAY KUMAR, HOME GUARD, ANDAMAN AND NICOBAR ISLANDS
714. SHRI CHHERING DORJE, DEPUTY CHIEF WARDEN, LADAKH
715. SHRI RAJESH KUMAR, HEAD CONSTABLE, JAMMU & KASHMIR
716. SHRI HARWANSH SINGH RAGHUWANSHI, STATION MASTER, RAILWAY BOARD, MINISTRY OF RAILWAYS
717. SHRI DEVENDRA BALKRISHNA UIKEY, PT.CDI, RAILWAY BOARD, MINISTRY OF RAILWAYS
718. SHRI BALBEER CHAND, DCDI/COS MECHANICAL, RAILWAY BOARD, MINISTRY OF RAILWAYS

CORRECTIONAL SERVICE

719. SHRI JHEEMAN RAM TOPPO, HEAD WARDER, CHHATTISGARH
720. SHRI GYANPRAKASH PAIKRA, WARDER, CHHATTISGARH
721. SHRI NARENDRAN P M, DEPUTY SUPERINTENDENT, KERALA
722. SHRI APPUKKUTTY V, ASSISTANT SUPERINTENDENT GRADE-I, KERALA
723. SHRI NITIN BHALCHANDRA VAYACHAL, PRINCIPAL, MAHARASHTRA
724. SHRI SHIVAJI PANDURANG JADHAV, JAILOR GROUP-I, MAHARASHTRA
725. SHRI DEEPAK SURYAJI SAWANT, SUBHEDAR, MAHARASHTRA
726. SHRI JANARDHAN GOVIND WAGH, HAVILDAR, MAHARASHTRA
727. SHRI RATIKANTA SUKLA, JAILOR, ODISHA
728. SHRI DADHIRAM, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, UTTARAKHAND
729. SMT. DILSHADA AKHTER, I/C SG. WARDER, JAMMU & KASHMIR

2. The Medal for Meritorious Service (MSM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 87-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023.

S. M. SAMI
Under Secretary

महाप्रबंधक, भारत सरकार मुद्रणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली–110002 द्वारा अपलोड एवं प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली–110054 द्वारा ई–प्रकाशित़
UPLOADED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD, NEW DELHI-110002
AND E-PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110054

Kshitiz Mohan Digitally signed by Kshitiz Mohan Date: 2024.11.09 10:24:02 +05'30'